AGRAWAL EXAMCART

Paper Pakka Fasega!

30 अप्रैल 2022 के सॉल्व्ड पेपर का समावेश

नवोदय विद्यालय समिति द्वारा संचालित

जवाहर नवोदय विद्यालय

(कक्षा 6)

प्रवेश परीक्षा 2023

विगत वर्षों के पेपर्स का विश्लेषण चार्ट का समावेश

100% नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार

स्टडी गाइड बुक

मानसिक योग्यता परीक्षण | अंकगणित्य योग्यता | भाषा परीक्षण

इस पुस्तक से अब तक **3,00,000** से अधिक छात्र लाभान्वित हो चुके हैं। आप अगले हो सकते हैं!

New 3 in 1 Book

- NCERT पाठ्यपुस्तकों (कक्षा 3 से 5), JNVST पाठ्यक्रम और पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों पर आधारित theory
- 2009 से 2021 तक पिछले सभी प्रश्न पत्रों के प्रश्नों को अध्यायवार विस्तृत समाधान के साथ प्रस्तुत किया गया है।
- वर्ष 2022 का हल सहित प्रश्न पत्र एवं 3 प्रैक्टिस सेट्स का समावेश

Topper's top choice!

इस पुस्तक में वह सभी topics शामिल हैं जहाँ से परीक्षा में प्रश्न आ सकते हैं। अपनी JNVST 2023 परीक्षा को आसानी से pass करने के लिए इस पुस्तक को अच्छी तरह से पढ़ें।

Code	Price	Pages
CB948	₹ 329	404

विषय-सूची

Student's Corner *पृष्ठ संख्या*

- ⊙ **Agrawal Examcart Help Centre** vi
- ⊙ **Current Affairs! की 100% सटीक तैयारी कैसे करें ?** vii
- ⊙ जवाहर नवोदय विद्यालय, कक्षा 6 का परीक्षा पाठ्यक्रम एवं परीक्षा पैटर्न viii
- ⊙ जवाहर नवोदय विद्यालय, कक्षा 6 के पिछले वर्षों के हल प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण चार्ट ix

तर्कशक्ति **1-195**

1. समानता 1-22
2. रेखागणितीय चित्रपूरक (त्रिकोण, वर्ग, वृत्त) 23-44
3. आकृति शृंखला पूर्ण करना 45-65
4. भिन्न आकृति छाँटिए 66-79
5. आकृति मिलान 80-100
6. आकृति पूरक 101-129
7. दर्पण प्रतिबिम्ब 130-147
8. पंच नियन्त्रित आकृति मोड़ना/खोलना 148-165
9. सन्निहित आकृति 166-183
10. स्पेस विजलाईजेसन (आकृति निर्माण) 184-195

गणित **196-296**

1. संख्या पद्धति 196-206
2. गणितीय आधारभूत संक्रियाएँ 207-212
3. भिन्न एवं दशमलव संख्याएँ 213-224
4. लघुत्तम समापवर्त्य और महत्तम समापवर्तक 225-232
5. औसत 233-234
6. सरलीकरण 235-238

7. प्रतिशतता 239-245

8. लाभ और हानि 246-253

9. साधारण ब्याज 254-258

10. ऐकिक नियम 259-261

11. कार्य और समय 262-264

12. चाल, समय एवं दूरी 265-269

13. क्षेत्रमिति 270-275

14. बीजगणित 276-279

15. मापन के अनुप्रयोग 280-286

16. आँकड़ों का प्रबंधन 287-296

हिन्दी 297-373

1. अपठित गद्यांश 297-329

2. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं क्रिया-विशेषण के भेद 330-337

3. लिंग, वचन, कारक एवं काल 338-343

4. सन्धि 344-350

5. समास 351-353

6. शब्द विचार 354-356

7. पर्यायवाची शब्द 357-359

8. विपरीतार्थक शब्द 360-362

9. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ 363-365

10. क्रमबद्धता 366-367

11. रिक्त स्थानों की पूर्ति 368-369

12. वाक्यगत अशुद्धियाँ 370-373

सॉल्व्ड पेपर 1-8

➢ जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, (कक्षा–VI), हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 30-4-2022) 1-8

प्रैक्टिस सेट्स 1–22

- प्रैक्टिस सेट–1 1-7
- प्रैक्टिस सेट–2 8-15
- प्रैक्टिस सेट–3 16-22

अध्याय 1 समानता (Analogy)

सादृश्य (Analogy)—एक आकृति का किसी दूसरी आकृति से किसी भी प्रकार से विद्यमान समानता को सादृश्यता कहा जाता है। दूसरे शब्दों में सादृश्यता यह बताती है कि किन्हीं दो आकृतियों के बीच किस प्रकार की समानता है। इसके माध्यम से असमानता का भी पता किया जाता है। मनुष्य के जीवन में इसका प्रमुख स्थान है।

इसके अंतर्गत पूछे जाने वाले प्रश्नों में प्रश्न आकृति के दो जोड़े (Pairs) दिये होते हैं। इसके नीचे उत्तर आकृतियों के समूह दिये होते हैं। प्रश्न आकृति के प्रथम जोड़े की दोनों आकृतियों के बीच एक निश्चित सम्बन्ध होता है। यह सम्बन्ध दूसरे जोड़े की दोनों आकृतियों के बीच होना चाहिए। इस प्रकार इन चार प्रश्न आकृतियों में तीन आकृति दी होती हैं तथा एक आकृति का स्थान खाली या प्रश्नवाचक चिह्न से भरा होता है। यह प्रश्नवाचक चिह्न चार प्रश्न आकृतियों में से किसी भी आकृति के स्थान पर हो सकता है। जिस जोड़े की दोनों आकृतियाँ दी होती हैं, उनके बीच जो भी सम्बन्ध है, को ज्ञात कर उसी सम्बन्ध के आधार पर तीसरी आकृति के साथ लगे प्रश्नवाचक चिह्न पर आने वाली आकृति को चुनना होता है। वह उत्तर आकृति प्रश्न का उत्तर होती है। आकृतियों के बीच सम्बन्ध होने के कई आधार हो सकते हैं।

1. दर्पण प्रतिबिम्ब पर आधारित

किसी भी प्रश्न आकृति के जोड़े में एक आकृति दूसरे का दर्पण प्रतिबिम्ब हो सकती है तथा दर्पण प्रतिबिम्ब के अध्याय में यह बताया जा चुका है कि दर्पण बिम्ब में बाएँ का भाग दाएँ तथा दाएँ का बाएँ हो जाता है।

उदाहरण : प्रश्नवाचक चिह्न के स्थान पर उत्तर आकृतियों में से कौन-सी आकृति आएगी ?

प्रश्न आकृतियाँ

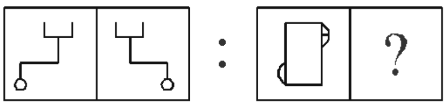

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

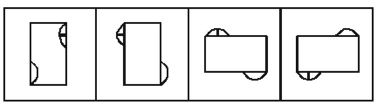

(A) (B) (C) (D)

हल (B) : चूँकि पहले जोड़े की प्रथम आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब दूसरी आकृति है। उसी प्रकार दूसरे जोड़े की प्रथम आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब उत्तर आकृति (B) की तरह होगा।

2. जल प्रतिबिम्ब पर आधारित

उदाहरण : प्रश्नवाचक चिह्न के स्थान पर उत्तर आकृतियों में से कौन-सी आकृति आएगी ?

प्रश्न आकृतियाँ

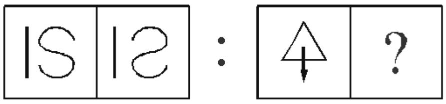

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

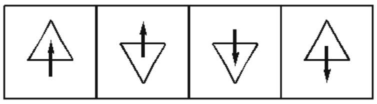

(A) (B) (C) (D)

हल (B) : इसमें S का जल प्रतिबिम्ब Ƨ होगा। उसी प्रकार का जल प्रतिबिम्ब होगा।

3. आकार पर आधारित

इसके अंतर्गत आकृतियों के आकार में परिवर्तन होता है।

उदाहरण : प्रश्नवाचक चिह्न के स्थान पर उत्तर आकृतियों में से कौन-सी आकृति आएगी ?

प्रश्न आकृतियाँ

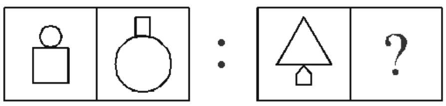

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

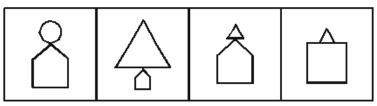

(A) (B) (C) (D)

हल (C) : प्रथम जोड़े में छोटी आकृति बड़ी तथा बड़ी आकृति छोटी हो जाती है। यही सम्बन्ध दूसरे जोड़े की पहली आकृति तथा उत्तर आकृति (C) के साथ भी है।

जवाहर नवोदय विद्यालय के विगत वर्षों (2019-2009) में पूछे गये प्रश्न

निर्देश (प्रश्न संख्या 1 से 4 तक)

प्रत्येक प्रश्न में प्रश्न आकृतियों के दो सेट दिये गए हैं। दूसरे सेट में एक प्रश्नवाचक चिह्न (?) बना हुआ है। पहली दो प्रश्न आकृतियों में परस्पर एक सम्बन्ध है। इसी प्रकार, तीसरी और चौथी प्रश्न आकृतियों के बीच भी वैसा ही सम्बन्ध होना चाहिए। उत्तर आकृतियों में से वह आकृति चुनिए जो प्रश्नवाचक वाले स्थान पर ठीक से बैठ सके।

1. प्रश्न आकृतियाँ :

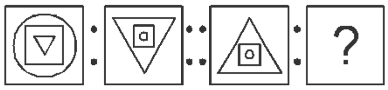

उत्तर आकृतियाँ :

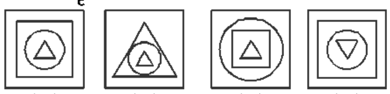

(A) (B) (C) (D)

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI) 2019]

1. (C) पहली से दूसरी आकृति में, अन्दर वाली आकृति बाहर आकर आकार में बड़ी हो जाती है तथा बाहर वाली आकृति अन्दर जाकर आकार में छोटी हो जाती है। इसी प्रकार तीसरी से चौथी आकृति में करने पर आकृति (C) प्राप्त होती है।

2. प्रश्न आकृतियाँ :

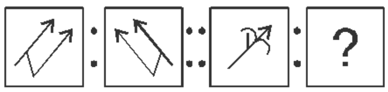

उत्तर आकृतियाँ :

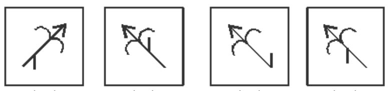

(A) (B) (C) (D)

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI) 2019]

2. (B) दूसरी आकृति, पहली आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब है। उसी प्रकार, चौथी आकृति, तीसरी आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब होगी।

3. प्रश्न आकृतियाँ :

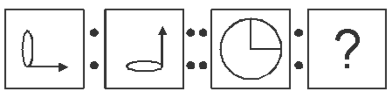

उत्तर आकृतियाँ :

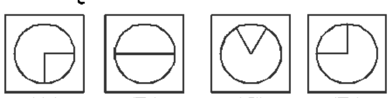

(A) (B) (C) (D)

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI) 2019]

3. (D) पहली आकृति 90° घड़ी की विपरीत दिशा में घूमकर दूसरी आकृति बनाती है।

4. प्रश्न आकृतियाँ :

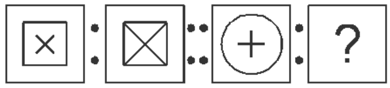

उत्तर आकृतियाँ :

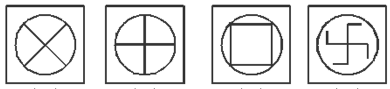

(A) (B) (C) (D)

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI) 2019]

4. (B) दूसरी आकृति में पहली आकृति के अन्दर दोनों 'X' का चिह्न आकार में बड़े होकर कोनों पर मिलते हैं।

उसी प्रकार चौथी आकृति में, तीसरी आकृति के अन्दर '+' का चिह्न आकार में बड़ा होकर वृत्त की परिधि को छूता है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 5 से 9 तक)

दिये गये प्रश्नों में तीन प्रश्न आकृतियों के बाद चौथे स्थान पर एक प्रश्नसूचक चिह्न बना हुआ है। पहली दो प्रश्न आकृतियों में परस्पर एक सम्बन्ध है। इसी प्रकार तीसरी तथा चौथी प्रश्न आकृतियों के बीच भी वैसे ही सम्बन्ध होना चाहिए। उत्तर आकृतियों (A), (B) (C) तथा (D) में से वह आकृति चुनें जो प्रश्नसूचक चिह्न वाले स्थान पर ठीक बैठ सके। सही उत्तर चुनकर उत्तर–पत्रिका में हर प्रश्न के आगे दिए गए बॉक्स में अंग्रेजी संख्या जैसे–(A), (B), (C) या (D) में उत्तर लिखें।

5. प्रश्न आकृतियाँ : :

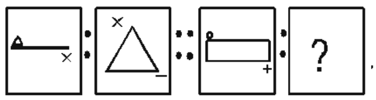

उत्तर आकृतियाँ :

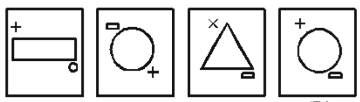

(A) (B) (C) (D)

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2018]

5. (D) पहली से दूसरी आकृति में, रेखा से ऊपर की आकृति आकार में बढ़कर मध्य में आ जाती है। रेखा से नीचे की आकृति, ऊपर बायीं कोने पर आ जाती है। उसी प्रकार, आयत से ऊपर की आकृति आकार में बढ़कर मध्य में आ जाती है। तथा आयत से नीचे वाली आकृति ऊपर बायीं कोने पर चली जाती है।

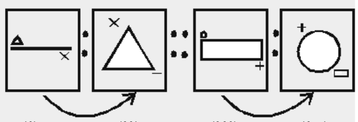

(i) (ii) (iii) (iv)

अतः विकल्प (D) सही है।

6. प्रश्न आकृतियाँ :

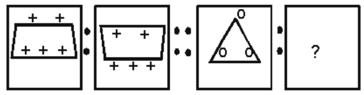

उत्तर आकृतियाँ :

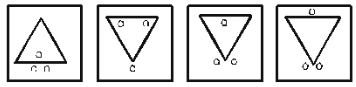

(A) (B) (C) (D)

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI) 2018]

6. (C) पहली से दूसरी आकृति में, अन्दर के सभी "+" बाहर तथा बाहर के सभी "+" अन्दर चले जाते हैं तथा मुख्य आकृति पलट जाती है। उसी प्रकार, तीसरी से चौथी आकृति में अन्दर वाले वृत्त बाहर तथा बाहर वाले वृत्त अन्दर चले जाते हैं तथा मुख्य आकृति ऊपर से नीचे पलट जाती है।

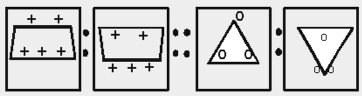

(i) (ii) (iii) (iv)

अतः विकल्प (C) सही है।

7. प्रश्न आकृतियाँ :

उत्तर आकृतियाँ :

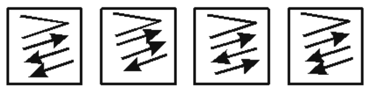

(A) (B) (C) (D)

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2018]

7. (B) पहली आकृति 90° घड़ी की दिशा में घूमकर दूसरी आकृति बनाती है। उसी प्रकार, तीसरी आकृति 90° घड़ी की दिशा में घूमकर चौथी आकृति बनाती है।

(i) (ii) (iii) (iv)

अतः विकल्प (B) सही है।

8. प्रश्न आकृतियाँ :

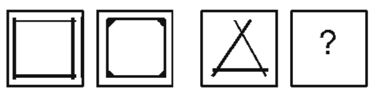

उत्तर आकृतियाँ :

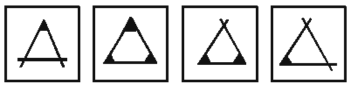

(A) (B) (C) (D)

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2018]

8. (B) पहली आकृति के चारों कोने दूसरी आकृति में काले हो जाते है। उसी प्रकार, तीसरी आकृति के तीनों कोने को चौथी आकृति में काले हो जाते हैं।

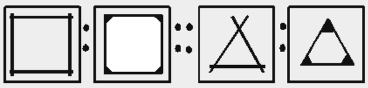

(i) (ii) (iii) (iv)

अत: विकल्प (B) सही है।

9. प्रश्न आकृतियाँ :

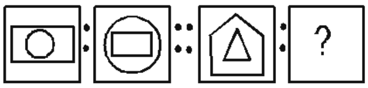

उत्तर आकृतियाँ :

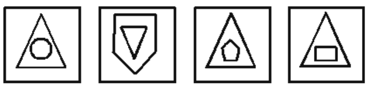

(A) (B) (C) (D)

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2018]

9. (C) पहली आकृति में दोनों आकृतियाँ, दूसरी आकृति में अपना स्थान बदल लेती हैं। उसी प्रकार तीसरी आकृति की बाहरी तथा भीतरी आकृतियाँ, चौथी आकृति में अपना स्थान बदल लेती हैं।

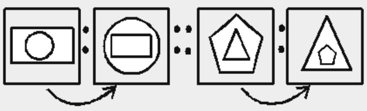

(i) (ii) (iii) (iv)

अत: विकल्प (C) सही है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 10 से 14 तक)

निम्नलिखित प्रश्नों में तीन आकृतियों के बाद चौथी के स्थान पर एक प्रश्नवाचक चिह्न (?) है। प्रथम दो प्रश्न आकृतियों में परस्पर एक सम्बन्ध है। इसी प्रकार तीसरी व चौथी प्रश्न आकृतियों के बीच भी एक समबन्ध होना चाहिए। उत्तर आकृतियों में से वह आकृति चुनिए, जो प्रश्न आकृति के चिह्न (?) वाले स्थान पर ठीक बैठ सके।

10. प्रश्न आकृतियाँ :

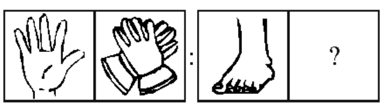

उत्तर आकृतियाँ :

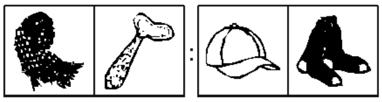

(A) (B) (C) (D)

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2017]

10. (D) जिस प्रकार दस्ताने हाथों में पहने जाते हैं। उसी प्रकार मोजे पैरों में पहने जाते हैं। अत: विकल्प (D) सही उत्तर है।

11. प्रश्न आकृतियाँ :

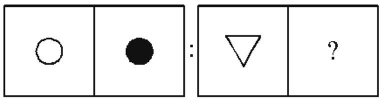

उत्तर आकृतियाँ :

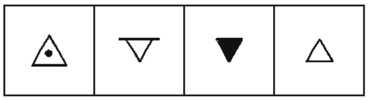

(A) (B) (C) (D)

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2017]

11. (C) जिस प्रकार पहली आकृति में सफेद वृत्त दूसरी आकृति में काला हो जाता है। उसी प्रकार तीसरी आकृति का सफेद त्रिभुज चौथी आकृति में काला हो जाता है।

12. प्रश्न आकृतियाँ :

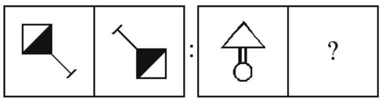

उत्तर आकृतियाँ :

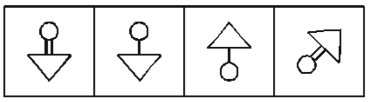

(A) (B) (C) (D)

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2017]

12. (A) पहली आकृति, दूसरी आकृति में 180° घूम जाती है। उसी प्रकार तीसरी आकृति, चौथी आकृति में 180° घूम जाती है।

13. प्रश्न आकृतियाँ :

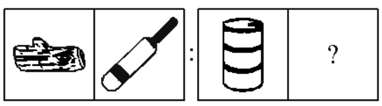

उत्तर आकृतियाँ :

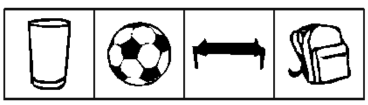

(A) (B) (C) (D)

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2017]

13. (A) जिस प्रकार दूसरी आकृति में बल्ला पहली आकृति में लकड़ी के लट्ठे के समान है। उसी प्रकार चौथी आकृति में गिलास तीसरी आकृति के ड्रम के समान है।

14. प्रश्न आकृतियाँ :

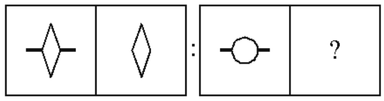

उत्तर आकृतियाँ :

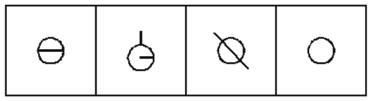

(A) (B) (C) (D)

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2017]

14. (D) जिस प्रकार, दूसरी आकृति में पहली आकृति के बाहर की ओर दोनों लघु रेखाएँ हट जाती हैं। उसी प्रकार चौथी आकृति में तीसरी आकृति के बाहर की ओर दोनों लघु रेखाएँ हट जाती हैं।

निर्देश (प्रश्न संख्या 15 से 19 तक)

निम्नलिखित प्रश्नों में तीन प्रश्न आकृतियों के बाद चौथे स्थान पर प्रश्नसूचक चिह्न (?) दिया गया है। पहली और दूसरी आकृतियों में आपस में सम्बन्ध है। इसी प्रकार तीसरी और चौथी में भी सम्बन्ध होना चाहिए। उत्तर आकृतियों में से उस आकृति को चुनिए जो प्रश्नसूचक चिह्न (?) के स्थान पर ठीक बैठ सके और उस आकृति के नीचे दिए गए अक्षरांक पर गोला (□) बनाइए।

15. प्रश्न आकृतियाँ :

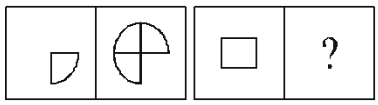

उत्तर आकृतियाँ :

(A) (B) (C) (D)

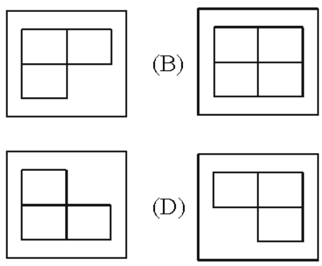

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2016]

15. (A) प्रश्नाकृति एक में दी गई लघु डिजाइन प्रश्नाकृति दो में सम्पूर्ण डिजाइन का शेष भाग अर्थात् चौथाई भाग है, इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन में उत्तराकृति (A) की सम्पूर्ण डिजाइन का चौथाई भाग है। इस प्रकार उत्तराकृति (A) प्राप्त होती है।

16. प्रश्न आकृतियाँ :

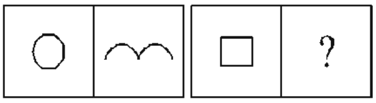

उत्तर आकृतियाँ :

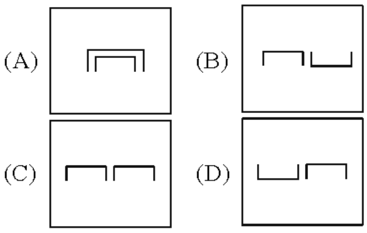

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2016]

16. (C) प्रश्नाकृति एक से दो में डिजाइन दो समान भागों में विभाजित होकर क्षैतिज स्थापित होती है। इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन के साथ करने पर उत्तराकृति (C) प्राप्त होती है।

17. प्रश्न आकृतियाँ :

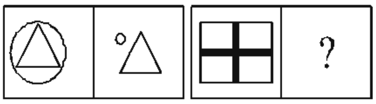

उत्तर आकृतियाँ :

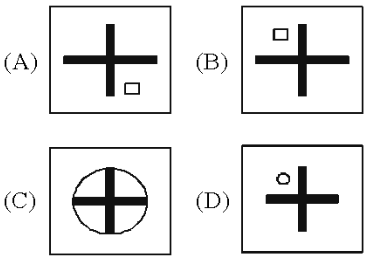

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2016]

17. (B) प्रश्नाकृति एक से दो में डिजाइन का बाह्य भाग लघु रूप धारण करके बायें ऊपर कोने में स्थापित होता है इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन के साथ करने पर उत्तराकृति (B) प्राप्त होती है।

18. प्रश्न आकृतियाँ :

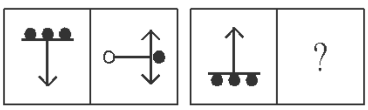

उत्तर आकृतियाँ :

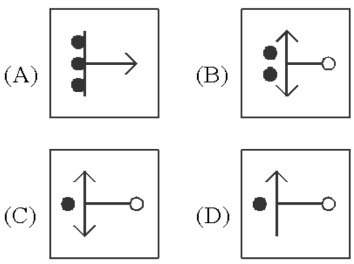

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2016]

18. (C) जिस प्रकार, पहली आकृति के 180° घूमने के बाद तीसरी आकृति प्राप्त होती है। उसी प्रकार, दूसरी आकृति के 180° घूमने के बाद चौथी आकृति प्राप्त होगी।

19. प्रश्न आकृतियाँ :

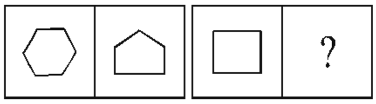

उत्तर आकृतियाँ :

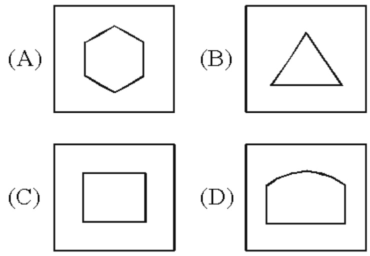

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2016]

19. (B) प्रश्नाकृति एक से दो में एक रेखा की कमी होती है। इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन में करने पर उत्तराकृति (B) प्राप्त होती है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 20 से 24 तक)

प्रश्नों में तीन प्रश्न आकृतियों के बाद चौथे स्थान पर एक प्रश्नसूचक चिह्न (?) बना हुआ है। पहली दो प्रश्न आकृतियों में परस्पर एक सम्बन्ध है। इसी प्रकार तीसरी तथा चौथी प्रश्न आकृतियों के बीच भी एक सम्बन्ध होना चाहिए। उत्तर आकृतियों (A), (B), (C) तथा (D) में से वह आकृति चुनिए जो प्रश्नसूचक चिह्न वाले स्थान पर ठीक बैठ सके। सही उत्तर चुनकर लिखें।

20. प्रश्न आकृतियाँ :

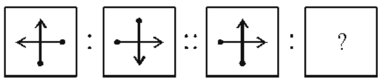

उत्तर आकृतियाँ :

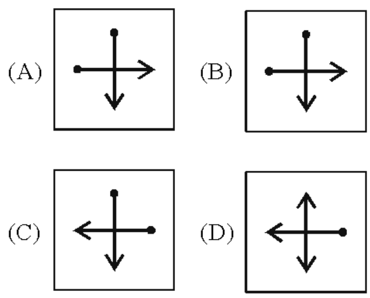

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2015]

20. (C) प्रश्नाकृति एक से दो में सम्पूर्ण डिजाइन 180° दक्षिणावर्त घूमती है, इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन से चार में सम्पूर्ण डिजाइन के 180° दक्षिणावर्त घूमने पर उत्तर आकृति (C) प्राप्त होती है।

21. प्रश्न आकृतियाँ :

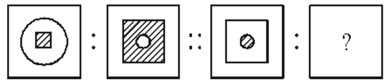

उत्तर आकृतियाँ :

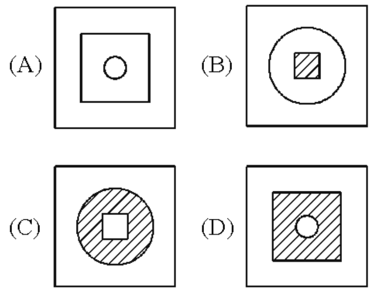

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2015]

21. (C) प्रश्नाकृति एक से दो में केन्द्र की डिजाइन वृहद् होकर बाहर आती है, तथा बाह्य डिजाइन लघु रूप धारण करके केन्द्र स्थान पर पहुँचती है। इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन से चार में करने पर उत्तराकृति (C) प्राप्त होती है।

22. प्रश्न आकृतियाँ :

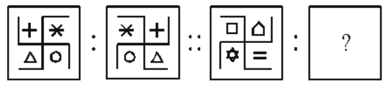

उत्तर आकृतियाँ :

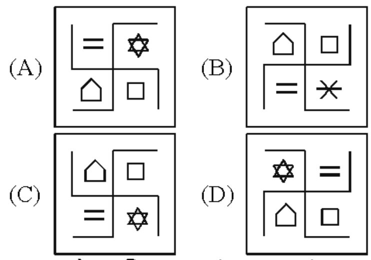

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2015]

22. (C) प्रश्नाकृति दो पहली का दर्पण प्रतिबिम्ब है। उसी प्रकार चौथी आकृति तीसरी का दर्पण प्रतिबिम्ब होगी। अतः विकल्प (C) सही है।

23. प्रश्न आकृतियाँ :

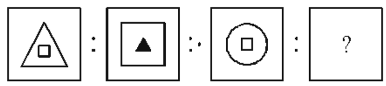

उत्तर आकृतियाँ :

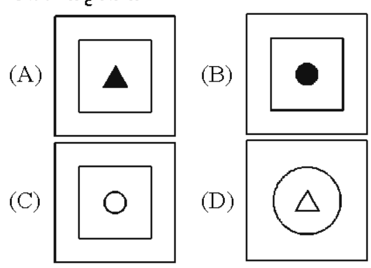

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2015]

23. (B) प्रश्नाकृति एक से दो में बाह्य डिजाइन लघु तथा रंगीन होकर केन्द्र स्थान पर स्थापित होती है तथा केन्द्र की डिजाइन वृहद् होकर बाह्य स्थान पर स्थापित होती है। इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन से चार में करने पर उत्तराकृति (B) प्राप्त होती है।

24. प्रश्न आकृतियाँ :

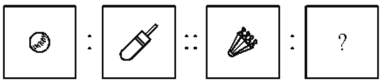

उत्तर आकृतियाँ

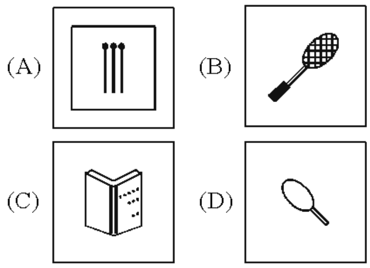

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2015]

24. (B) प्रश्नाकृति एक में गेंद तथा दूसरी में एक बल्ला है। बल्ले की सहायता से गेंद को खेला जाता है। उसी प्रकार तीन में एक कॉक दी है। अत: चार में एक रैकट आएगा क्योंकि कॉक को रैकट की सहायता से खेला जाता है। इस प्रकार उत्तर आकृति (B) प्राप्त होती है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 25 से 29 तक)

दिए गए प्रत्येक प्रश्न में प्रश्न आकृतियों के दो सेट दिए हैं, दूसरे सेट में एक प्रश्नसूचक चिह्न (?) बना हुआ है। पहली दो प्रश्न आकृतियों में परस्पर एक सम्बन्ध है। इसी प्रकार तीसरी तथा चौथी प्रश्न आकृतियों के बीच भी एक सम्बन्ध होना चाहिए। उत्तर आकृतियों में से वह आकृति चुनिए, जो प्रश्नसूचक चिह्न वाले स्थान पर ठीक बैठ सके। सही उत्तर चुनकर संलग्न उत्तर पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के आगे दिए गए बॉक्स में अंग्रेजी अक्षर में लिखें।

25. प्रश्न आकृतियाँ :

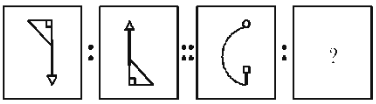

उत्तर आकृतियाँ :

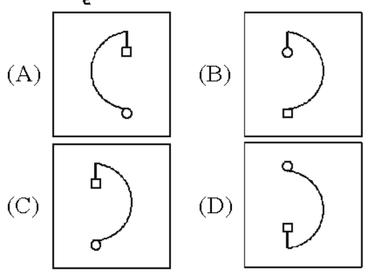

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2014]

25. (C) प्रश्नाकृति एक से दो में सम्पूर्ण डिजाइन 180° घूमती है, इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन से चार में डिजाइन को 180° घुमाने पर उत्तराकृति (C) प्राप्त होती है।

26. प्रश्न आकृतियाँ :

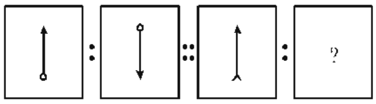

उत्तर आकृतियाँ :

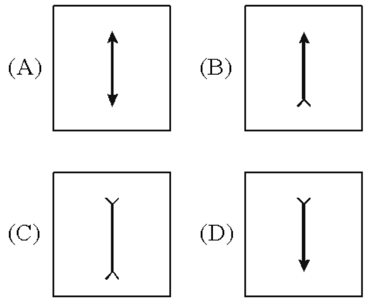

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2014]

26. (D) प्रश्नाकृति एक से दो में सम्पूर्ण डिजाइन ऊर्ध्वाधर पलटती है इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन से चार में ऊर्ध्वाधर पलटने पर उत्तराकृति (D) प्राप्त होती है।

27. प्रश्न आकृतियाँ :

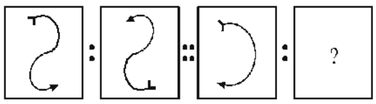

उत्तर आकृतियाँ :

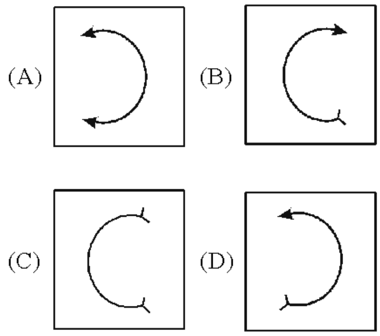

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2014]

27. (B) प्रश्नाकृति एक से दो में मुख्य डिजाइन 180° घूमती है, इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन से चार में करने पर उत्तराकृति (B) प्राप्त होती है।

28. प्रश्न आकृतियाँ :

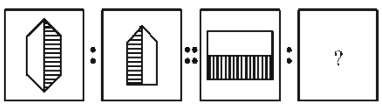

उत्तर आकृतियाँ :

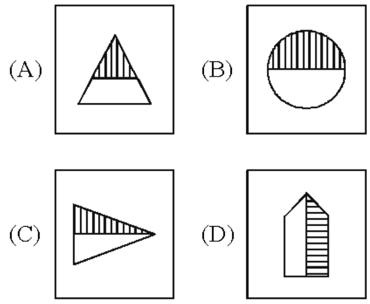

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2014]

28. (C) प्रश्नाकृति एक से दो में मुख्य डिजाइन की रेखाओं में एक रेखा की कमी होती है तथा रंगीन भाग विपरीत स्थान पर स्थापित होता है। इसी नियम का पालन प्रश्नाकृति तीन से चार में करने पर उत्तराकृति (C) प्राप्त होती है।

29. प्रश्न आकृतियाँ :

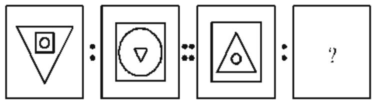

उत्तर आकृतियाँ :

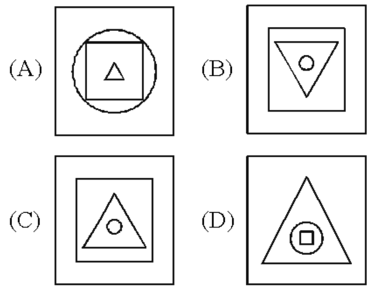

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2014]

29. (D) प्रश्नाकृति एक से दो में सबसे बाह्य डिजाइन सबसे अन्दर चली जाती है, इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन से चार में करने पर उत्तराकृति (D) प्राप्त होती है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 30 से 34 तक)

प्रत्येक प्रश्न में दो प्रश्न आकृतियों के सेट दिए हैं। दूसरे सेट में एक प्रश्नसूचक चिह्न (?) बना हुआ है। पहली दो प्रश्न आकृतियों में परस्पर एक सम्बन्ध है। इसी प्रकार तीसरी तथा चौथी प्रश्न आकृतियों के बीच भी एक सम्बन्ध होना चाहिए। उत्तर आकृतियों में से वह आकृति चुनिए जो प्रश्नसूचक चिह्न वाले स्थान पर ठीक बैठ सके। सही उत्तर चुनकर संलग्न उत्तर पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के आगे दिए गए बॉक्स में अंग्रेजी अक्षर में लिखें।

30. प्रश्न आकृतियाँ :

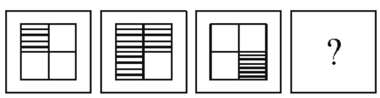

उत्तर आकृतियाँ :

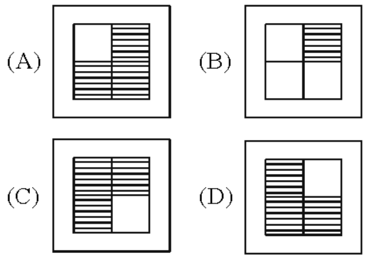

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2013]

30. (A) प्रश्नाकृति एक से दो में रंगीन भाग के दोनों तरफ रंगीन भाग उभर कर आते हैं, इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन के साथ करने पर उत्तर आकृति (A) प्राप्त होती है।

31. प्रश्न आकृतियाँ :

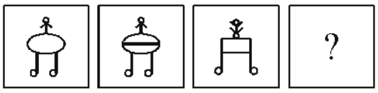

उत्तर आकृतियाँ :

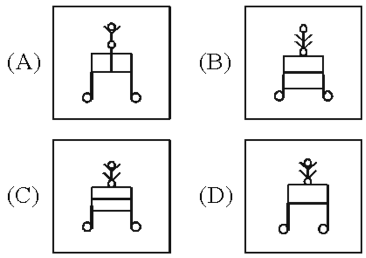

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2013]

31. (C) जिस प्रकार प्रश्नाकृति एक से दो में एक क्षैतिज रेखा मुख्य डिजाइन के मध्य भाग में आ जाती है उसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन से चार में होगा, इस प्रकार उत्तर आकृति (C) प्राप्त होती है।

32. प्रश्न आकृतियाँ :

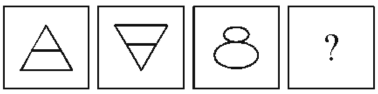

उत्तर आकृतियाँ :

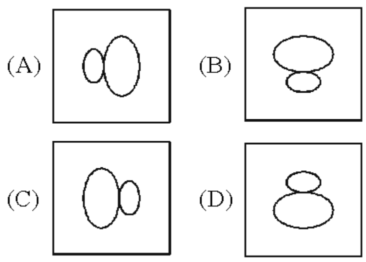

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2013]

32. (B) प्रश्नाकृति एक से दो में सम्पूर्ण डिजाइन ऊर्ध्वाधर पलटती है, उसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन से चार में मुख्य डिजाइन ऊर्ध्वाधर पलटेगी, इस प्रकार उत्तर आकृति (B) प्राप्त होती है।

33. प्रश्न आकृतियाँ :

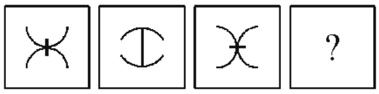

उत्तर आकृतियाँ :

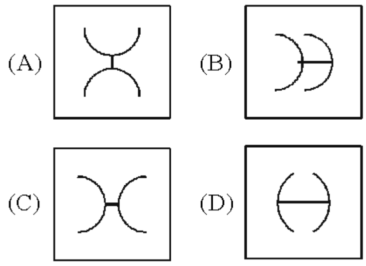

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2013]

33. (D) प्रश्नाकृति एक से दो में अर्धवृत्त यथास्थान ऊर्ध्वाधर पलटते हैं तथा बीच की लघु रेखा बड़ी हो जाती है, उसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन के साथ करने पर उत्तर आकृति (D) प्राप्त होती है।

34. प्रश्न आकृतियाँ :

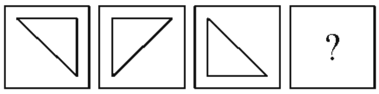

उत्तर आकृतियाँ :

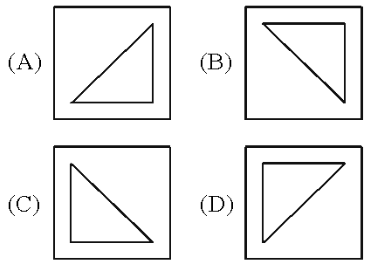

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2013]

34. (A) प्रश्नाकृति एक से दो में लघु डिजाइन लम्बवत् पलटती है, उसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन से चार में लघु डिजाइन लम्बवत् पलटेगी। इस प्रकार उत्तर आकृति (A) प्राप्त होती है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 35 से 39 तक)

प्रश्नों में तीन प्रश्न आकृतियों के बाद चौथी के स्थान पर एक प्रश्न सूचक चिह्न बना हुआ है। पहली दो प्रश्न आकृतियों में परस्पर एक सम्बन्ध है इसी प्रकार तीसरी तथा चौथी प्रश्न आकृतियों के बीच भी एक सम्बन्ध होना चाहिए। उत्तर आकृतियों में से वह आकृति चुनिए, जो प्रश्न सूचक चिह्न वाले स्थान पर ठीक बैठ सके। सही उत्तर चुनकर संलग्न उत्तर–पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के आगे दिए गए बॉक्स में अंग्रेजी अक्षर में उत्तर लिखें।

35. प्रश्न आकृतियाँ :

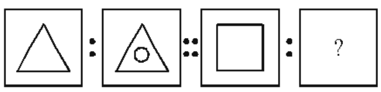

उत्तर आकृतियाँ :

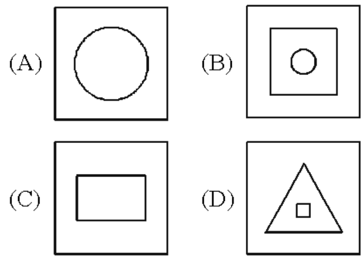

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2012]

35. (B) प्रश्नाकृति एक से दो में मुख्य आकृति के अन्दर एक लघु वृत्त आ जाता है। इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन के साथ करने पर उत्तर–आकृति (B) प्राप्त होती है।

36. प्रश्न आकृतियाँ :

उत्तर आकृतियाँ :

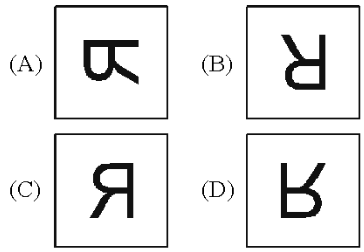

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2012]

36. (D) प्रश्नाकृति एक से दो में मुख्य आकृति का ऊर्ध्वाधर दर्पण प्रतिबिम्ब दिया है, उसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन के साथ करने पर उत्तर–आकृति (D) प्राप्त होती है।

37. प्रश्न आकृतियाँ :

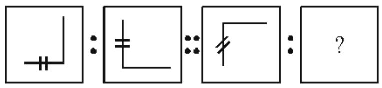

उत्तर आकृतियाँ :

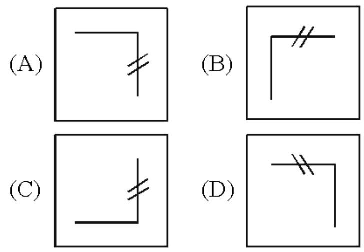

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2012]

37. (D) प्रश्नाकृति एक से दो में मुख्य डिजाइन दक्षिणवर्त 90° घूमती है। इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन के साथ करने पर उत्तराकृति (D) प्राप्त होती है।

38. प्रश्न आकृतियाँ :

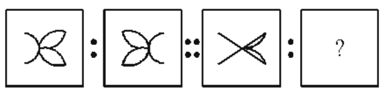

उत्तर आकृतियाँ :

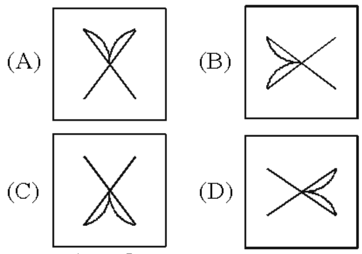

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2012]

38. (B) प्रश्नाकृति एक से दो में मुख्य डिजाइन का क्षैतिज दर्पण प्रतिबिम्ब दिया गया है। इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन के साथ करने पर उत्तराकृति (B) प्राप्त होती है।

39. प्रश्न आकृतियाँ :

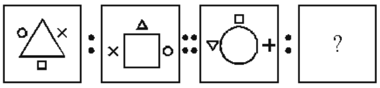

उत्तर आकृतियाँ :

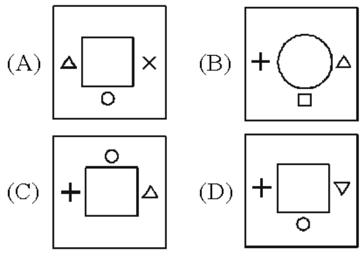

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2012]

39. (D) प्रश्नाकृति एक से दो में वर्गाकार लघु डिजाइन बड़ी होकर मध्य में स्थापित होती है तथा मध्य की डिजाइन छोटी होकर स्थापित होती है। इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन के साथ करने पर उत्तराकृति (D) प्राप्त होती है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 40 से 44 तक)

प्रश्नों में तीन प्रश्न आकृतियों के बाद चौथी के स्थान पर एक प्रश्नसूचक चिह्न बना हुआ है। पहली दो प्रश्न आकृतियों में परस्पर एक सम्बन्ध है। इसी प्रकार तीसरी तथा चौथी प्रश्न आकृतियों के बीच भी एक सम्बन्ध होना चाहिए। उत्तर आकृतियों में से वह आकृति चुनिए जो प्रश्नसूचक चिह्न वाले स्थान पर ठीक बैठ सके। सही उत्तर चुनकर संलग्न उत्तर पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के आगे दिए गए बॉक्स में अंग्रेजी अक्षर में लिखें।

40. प्रश्न आकृतियाँ :

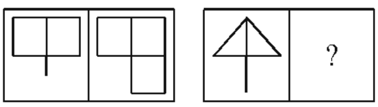

उत्तर आकृतियाँ :

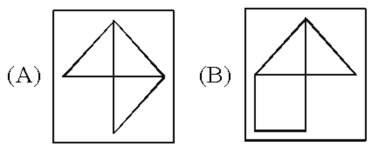

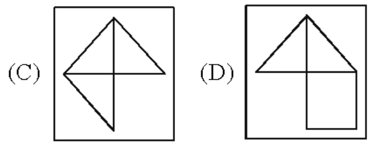

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2011]

40. (A) प्रश्नाकृति एक से दो में आकृति का एक चौथाई भाग आगे दक्षिणावर्त जुड़ता है, इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन के साथ करने पर उत्तराकृति (A) प्राप्त होती है।

41. प्रश्न आकृतियाँ :

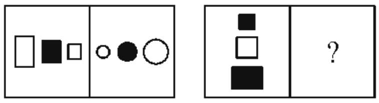

उत्तर आकृतियाँ :

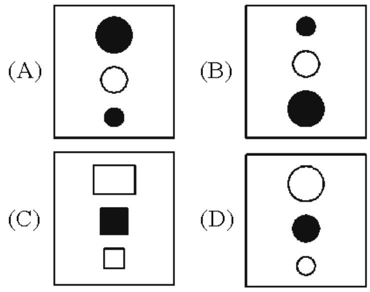

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2011]

41. (A) प्रश्नाकृति एक से दो में सभी लघु डिजाइनें वृत्त के रूप में विपरीत आकार परिवर्तन के साथ स्थापित होती हैं तथा रंगीन अवस्था यथावत रहती है। इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन से साथ करने पर उत्तराकृति (A) प्राप्त होती है।

42. प्रश्न आकृतियाँ :

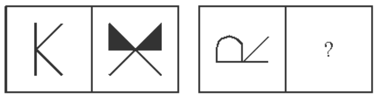

उत्तर आकृतियाँ :

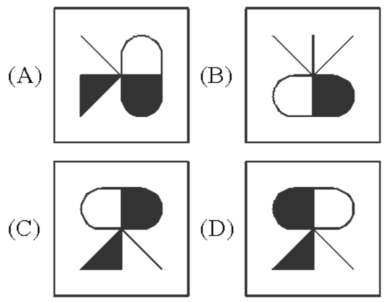

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2011]

42. (D) जिस प्रकार पहली आकृति को 90° दक्षिणावर्त घुमाकर उसके प्रतिबिम्ब की आकृति को गहरा करने के बाद दूसरी आकृति प्राप्त होती है। उसी प्रकार तीसरी से चौथी आकृति, तीसरी आकृति को 90° दक्षिणावर्त घुमाकर उसके प्रतिबिम्ब को गहरा करने के बाद प्राप्त होती है।

43. प्रश्न आकृतियाँ :

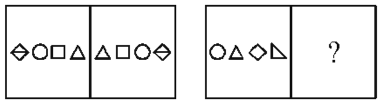

उत्तर आकृतियाँ :

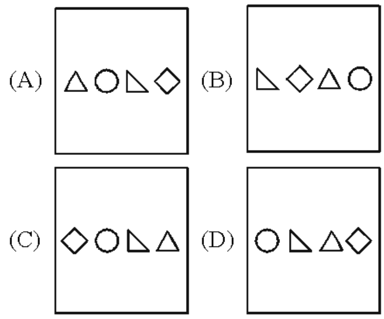

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2011]

43. (B) प्रश्नाकृति एक से दो में सभी लघु डिजाइने विपरीत क्रम में स्थापित होती हैं। इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन से चार में करने पर उत्तराकृति (B) प्राप्त होती है।

44. प्रश्न आकृतियाँ :

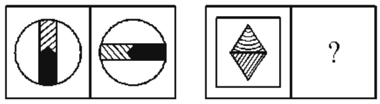

उत्तर आकृतियाँ :

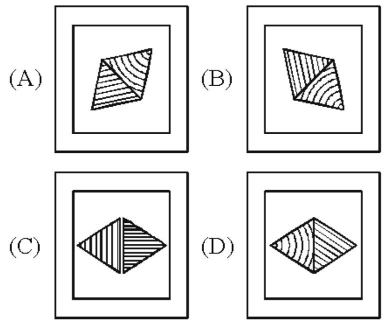

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2011]

44. (D) प्रश्नाकृति एक से दो में सम्पूर्ण डिजाइन वामावर्त 90° घूमती है, इसी प्रकार प्रश्नाकृति तीन के साथ करने पर उत्तराकृति (D) प्राप्त होती है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 45 से 49 तक)

निम्नांकित प्रत्येक प्रश्न में जिस प्रकार पहली आकृति का सम्बन्ध दूसरी आकृति से है, उसी प्रकार तीसरी आकृति का सम्बन्ध दी गई उत्तर आकृतियों में से किसी एक आकृति से है। सही उत्तर आकृति के नीचे अंकित अक्षर को गोला (O) से घेर दें।

45. प्रश्न आकृतियाँ :

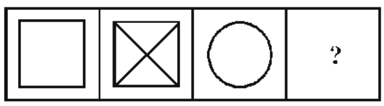

उत्तर आकृतियाँ :

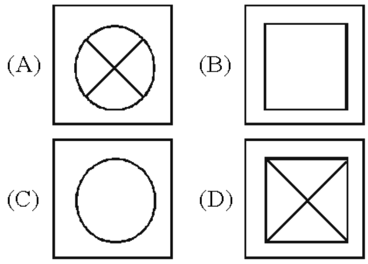

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2010]

45. (A) जिस प्रकार प्रश्न आकृति (1) से (2) में आकृति को चार बराबर भागों में बाँटा गया है, उसी प्रकार प्रश्न आकृति (3) से उत्तर आकृति (A) प्राप्त होगी।

46. प्रश्न आकृतियाँ :

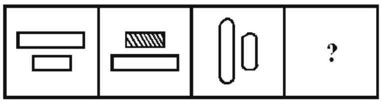

उत्तर आकृतियाँ :

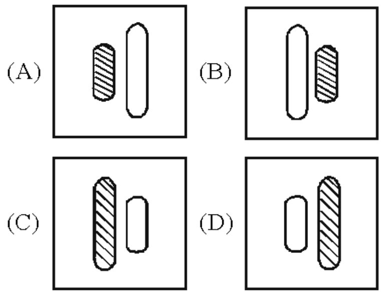

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2010]

46. (A) जिस प्रकार प्रश्न आकृति (1) से (2) में नीचे वाली आकृति ऊपर आकर छायांकित हो जाती है, उसी प्रकार प्रश्न आकृति (3) से उत्तर आकृति (A) प्राप्त होगी, क्योंकि इसमें दायीं आकृति बायीं ओर आकर छायांकित हो जायेगी।

47. प्रश्न आकृतियाँ :

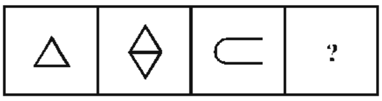

उत्तर आकृतियाँ :

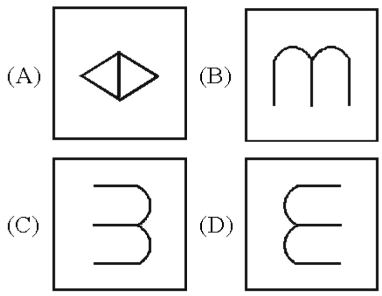

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2010]

47. (D) जिस प्रकार प्रश्न आकृति (1) से (2) में स्वयं की आकृति नीचे आकर जुड़ जाती है, उसी प्रकार प्रश्न आकृति (3) से उत्तर आकृति (D) प्राप्त होगी।

48. प्रश्न आकृतियाँ :

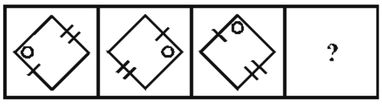

उत्तर आकृतियाँ :

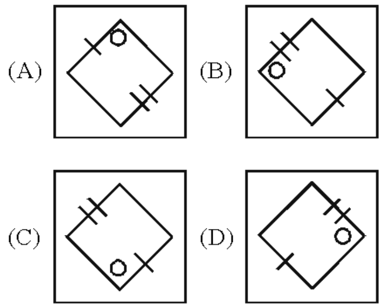

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2010]

48. (C) जिस प्रकार प्रश्न आकृति (1) से (2) में कोने पर स्थित वृत्त विपरीत दिशा में चला जाता है तथा भुजाओं पर पड़ी रेखाएँ आपस में स्थान बदल लेती हैं। उसी प्रकार प्रश्न आकृति (3) से उत्तर आकृति (C) प्राप्त होगी।

49. प्रश्न आकृतियाँ :

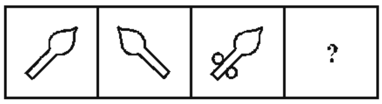

उत्तर आकृतियाँ :

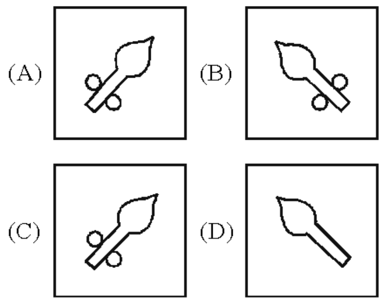

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2010]

49. (B) जिस प्रकार प्रश्न आकृति (1) से (2) में आकृति 90° वामावर्त दिशा में घूम जाती है, उसी प्रकार प्रश्न आकृति (3) से उत्तर आकृति (B) प्राप्त होगी।

निर्देश (प्रश्न संख्या 50 से 59 तक)

निम्नांकित प्रत्येक प्रश्न में जिस प्रकार पहली आकृति का सम्बन्ध दूसरी आकृति से है, उसी प्रकार तीसरी आकृति का सम्बन्ध दी गई उत्तर आकृतियों में से किसी एक आकृति से है। सही उत्तर आकृति के नीचे अंकित अक्षर को गोला (O) से घेर दें।

50. प्रश्न आकृतियाँ :

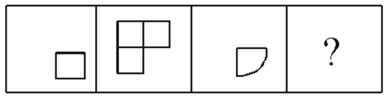

उत्तर आकृतियाँ :

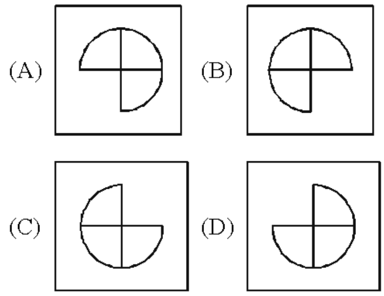

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2009]

50. (B) जिस प्रकार किसी पूर्ण वर्ग का एक भाग प्रथम प्रश्न आकृति में तथा शेष भाग दूसरी प्रश्न आकृति में दर्शाया गया है, उसी प्रकार वृत्त का एक भाग तृतीय प्रश्न–आकृति में तथा शेष भाग उत्तर–आकृति (B) में प्राप्त होगा।

51. प्रश्न आकृतियाँ :

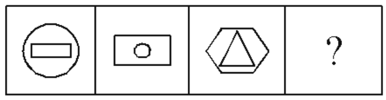

उत्तर आकृतियाँ :

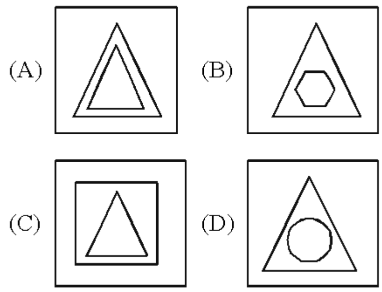

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2009]

51. (B) जिस प्रकार पहली से दूसरी प्रश्न–आकृति में दी गयी बड़ी आकृति छोटी होकर अंदर तथा छोटी आकृति बड़ी होकर बाहर आ जाती है, उसी प्रकार तृतीय प्रश्न–आकृति में दी गयी बड़ी आकृति छोटी होकर उत्तर–आकृति में अंदर तथा छोटी आकृति बड़ी होकर बाहर आ जाएगी।

52. प्रश्न आकृतियाँ :

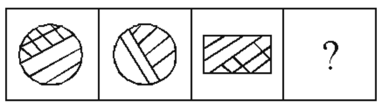

उत्तर आकृतियाँ :

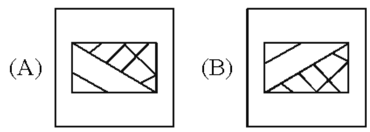

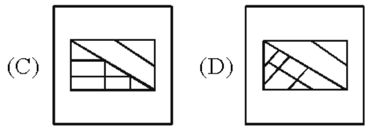

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2009]

52. (D) जिस प्रकार प्रथम प्रश्न आकृति से दूसरी प्रश्न आकृति में मूल आकृति 90° घड़ी की सूई की दिशा में घूम जाती है तथा उसमें कुल दो (आगे और पीछे से एक) रेखाएँ कम हो जाती हैं, उसी प्रकार का परिवर्तन तीसरी प्रश्न आकृति से उत्तर–आकृति में होगा।

53. प्रश्न आकृतियाँ :

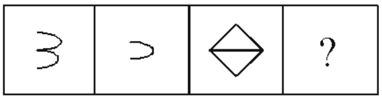

उत्तर आकृतियाँ :

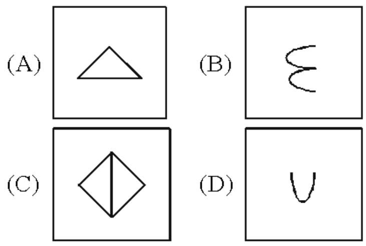

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2009]

53. (A) जिस प्रकार पहली प्रश्न–आकृति से दूसरी प्रश्न–आकृति में मूल आकृति के भागों में से एक भाग गायब हो जाता है, उसी प्रकार तृतीय प्रश्न–आकृति से उत्तर–आकृति में मूल आकृति के भागों में से एक भाग गायब हो जाएगा।

54. प्रश्न आकृतियाँ :

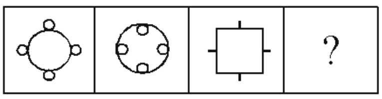

उत्तर आकृतियाँ :

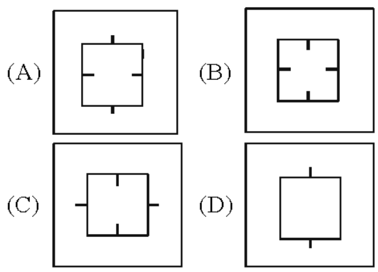

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2009]

54. (B) जिस प्रकार पहली प्रश्न–आकृति की मूल आकृति में बाहर की ओर जुड़ी लघु आकृतियाँ दूसरी प्रश्न–आकृति में मूल आकृति के भीतर आ जाती हैं, उसी प्रकार तीसरी प्रश्न–आकृति की मूल आकृति में बाहर की ओर स्थित लघु आकृतियाँ उत्तर–आकृति में मूल– आकृति के भीतर आ जाएँगी।

55. प्रश्न आकृतियाँ :

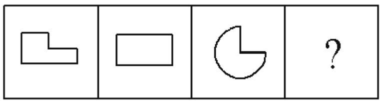

उत्तर आकृतियाँ :

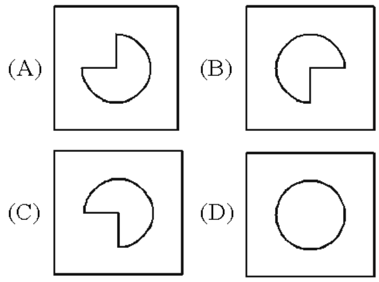

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2009]

55. (D) जिस प्रकार पहली प्रश्न आकृति में आयत का छूटा हुआ भाग दूसरी प्रश्न आकृति में पूरा हो जाता है, उसी प्रकार तीसरी प्रश्न आकृति में वृत्त का छूटा हुआ भाग उत्तर–आकृति में पूरा हो जाएगा।

56. प्रश्न आकृतियाँ :

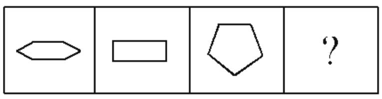

उत्तर आकृतियाँ :

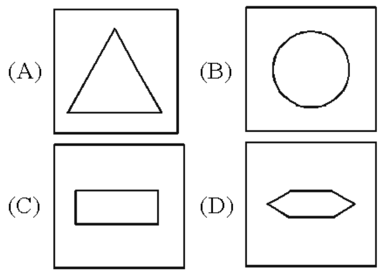

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2009]

56. (A) जिस प्रकार पहली से दूसरी प्रश्न–आकृति में दो भुजाओं की कमी हुई है उसी प्रकार तीसरी प्रश्न आकृति में दो भुजाओं की कमी होने पर उत्तर–आकृति प्राप्त होगी।

57. प्रश्न आकृतियाँ :

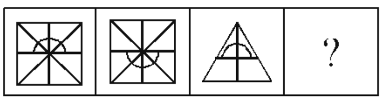

उत्तर आकृतियाँ :

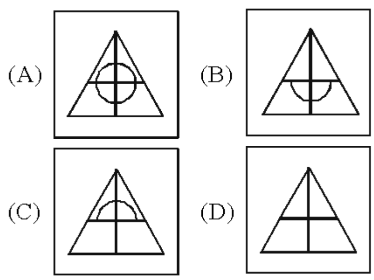

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2009]

57. (B) जिस प्रकार पहली प्रश्न आकृति में बीच का अर्द्धवृत्त दूसरी प्रश्न आकृति में 180° घूम जाती है, उसी प्रकार तीसरी प्रश्न–आकृति में अर्द्धवृत्त की आकृति उत्तर–आकृति में 180° घूम जाएगी।

58. प्रश्न आकृतियाँ :

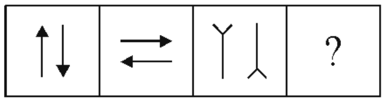

उत्तर आकृतियाँ :

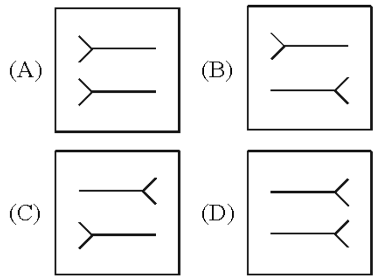

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2009]

58. (C) जिस प्रकार पहली से दूसरी प्रश्न आकृति में दोनों रेखाकृतियाँ (तीर) 90° घड़ी की सूई की दिशा में घूम जाते है। उसी प्रकार तीसरी से चौथी प्रश्न–आकृति में दोनों आकृतियाँ 90° घड़ी की सूई की दिशा में घूम जाएँगी।

59. प्रश्न आकृतियाँ :

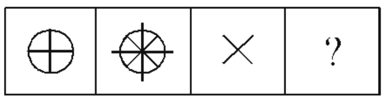

उत्तर आकृतियाँ :

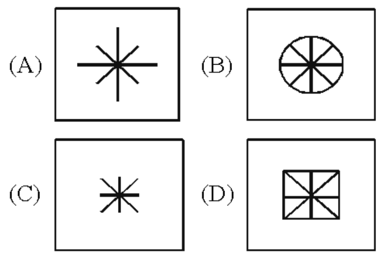

[जवाहर नवोदय विद्यालय, (कक्षा–VI)–2009]

59. (C) जिस प्रकार पहली से दूसरी प्रश्न आकृति में मूल आकृति में स्थित जोड़ का निशान (+) का आकार थोड़ा बड़ा हो जाता है, तथा एक गुणा का चिह्न (×) उसमें जुड़ जाता है, उसी प्रकार तीसरी से चौथी प्रश्न आकृति में गुणा के निशान (×) के आकार में थोड़ी वृद्धि हो जाएगी तथा एक जोड़ का चिह्न (+) उसमें जुड़ जाएगा, जैसा कि उत्तर आकृति (C) में है।

परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण प्रश्न

निर्देश (प्रश्न संख्या 1 से 59 तक)

नीचे प्रत्येक प्रश्न में आकृतियाँ दो समुदाय में दी गई हैं। पहला समुदाय प्रश्न–आकृतियों का है और दूसरा उत्तर–आकृतियों का। प्रश्न आकृतियों के प्रथम जोड़े की दोनों आकृतियों के बीच कोई सम्बन्ध स्थापित होता है। वैसा ही सम्बन्ध दूसरे जोड़े की तीसरी और चौथी आकृति के बीच होगा। प्रश्नवाचक चिह्न पर उत्तर विकल्प से कौन-सी आकृति आयेगी ?

1. प्रश्न आकृतियाँ

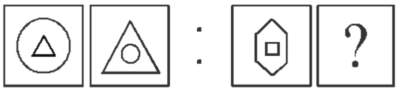

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

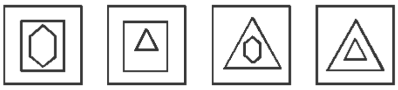

(A) (B) (C) (D)

2. प्रश्न आकृतियाँ

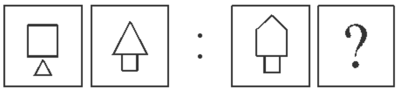

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

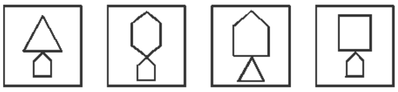

(A) (B) (C) (D)

3. प्रश्न आकृतियाँ

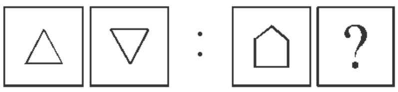

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

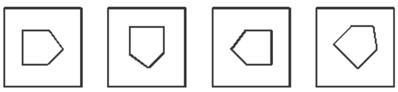

(A) (B) (C) (D)

4. प्रश्न आकृतियाँ

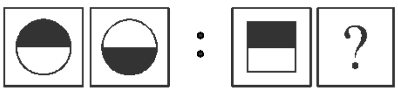

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

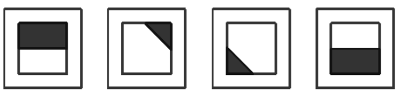

(A) (B) (C) (D)

5. प्रश्न आकृतियाँ

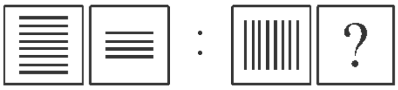

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

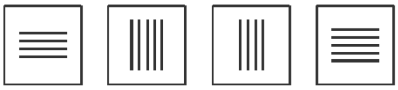

(A) (B) (C) (D)

6. प्रश्न आकृतियाँ

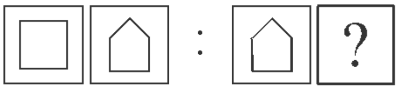

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

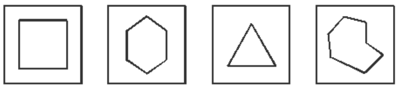

(A) (B) (C) (D)

7. प्रश्न आकृतियाँ

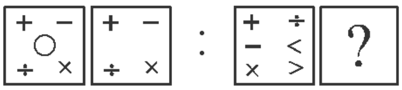

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

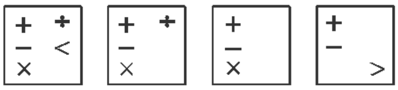

(A) (B) (C) (D)

8. प्रश्न आकृतियाँ

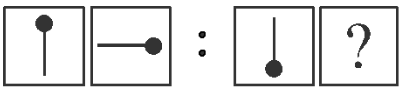

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

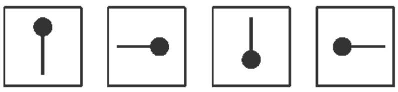

(A) (B) (C) (D)

9. प्रश्न आकृतियाँ

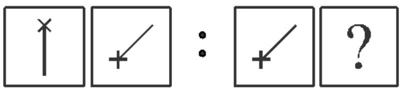

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

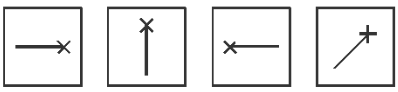

(A) (B) (C) (D)

10. प्रश्न आकृतियाँ

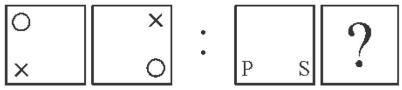

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

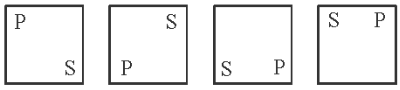

(A) (B) (C) (D)

11. प्रश्न आकृतियाँ

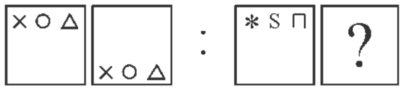

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

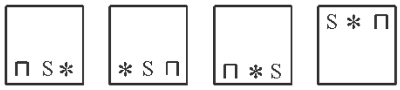

(A) (B) (C) (D)

12. प्रश्न आकृतियाँ

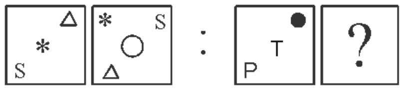

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

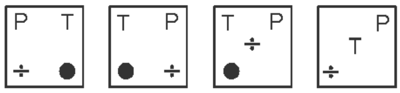

(A) (B) (C) (D)

13. प्रश्न आकृतियाँ

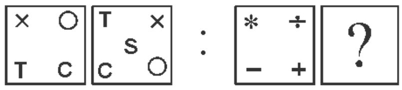

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

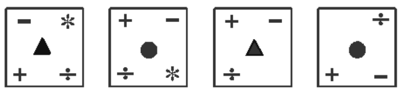

(A) (B) (C) (D)

14. प्रश्न आकृतियाँ

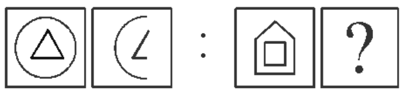

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

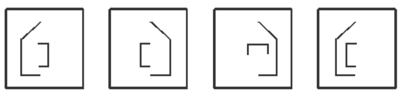

(A) (B) (C) (D)

15. प्रश्न आकृतियाँ

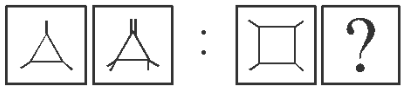

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

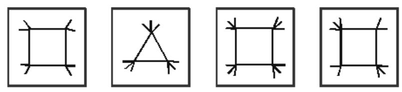

(A) (B) (C) (D)

16. प्रश्न आकृतियाँ

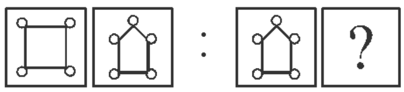

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

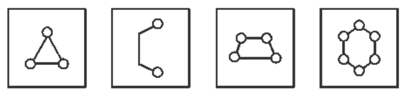

(A) (B) (C) (D)

17. प्रश्न आकृतियाँ

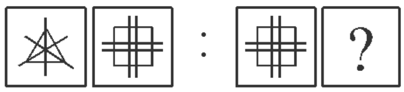

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

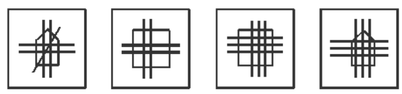

(A) (B) (C) (D)

18. प्रश्न आकृतियाँ

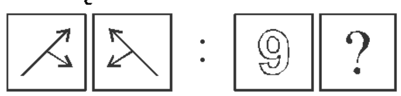

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

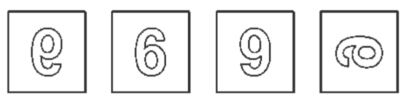

(A) (B) (C) (D)

19. प्रश्न आकृतियाँ

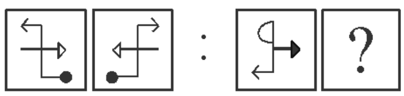

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

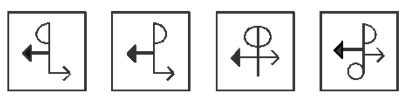

(A) (B) (C) (D)

20. प्रश्न आकृतियाँ

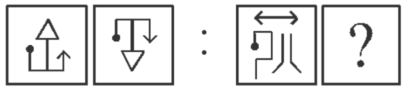

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

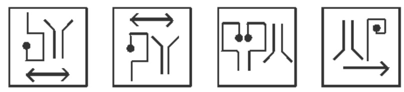

(A) (B) (C) (D)

21. प्रश्न आकृतियाँ

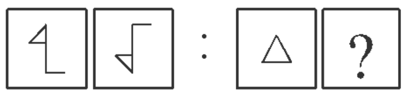

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

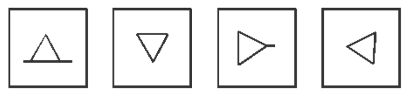

(A) (B) (C) (D)

22. प्रश्न आकृतियाँ

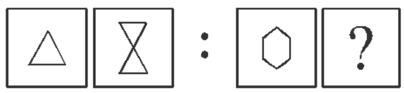

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

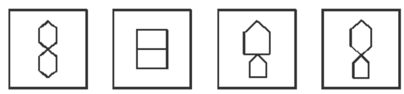

(A) (B) (C) (D)

23. प्रश्न आकृतियाँ

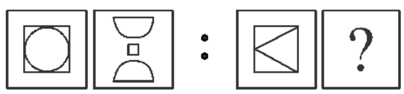

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

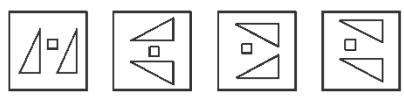

(A) (B) (C) (D)

24. प्रश्न आकृतियाँ

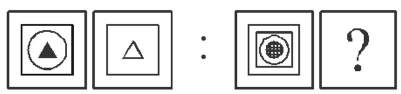

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

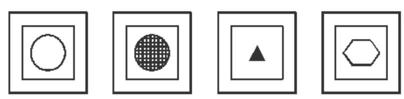

(A) (B) (C) (D)

25. प्रश्न आकृतियाँ

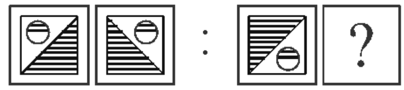

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

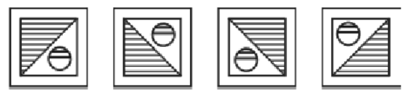

(A) (B) (C) (D)

26. प्रश्न आकृतियाँ

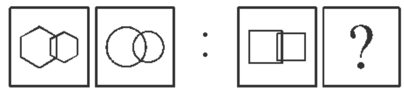

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

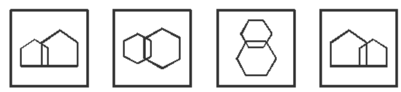

(A) (B) (C) (D)

27. प्रश्न आकृतियाँ

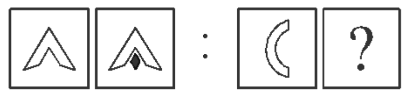

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

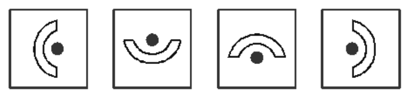

(A) (B) (C) (D)

28. प्रश्न आकृतियाँ

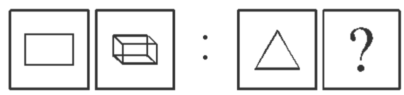

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

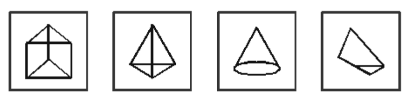

(A) (B) (C) (D)

29. प्रश्न आकृतियाँ

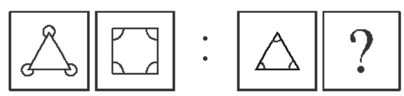

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

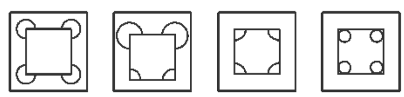

(A) (B) (C) (D)

30. प्रश्न आकृतियाँ

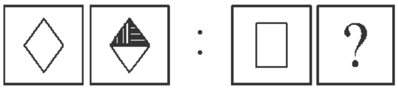

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

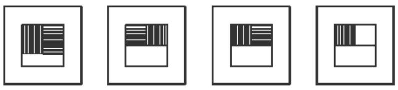

(A) (B) (C) (D)

31. प्रश्न आकृतियाँ

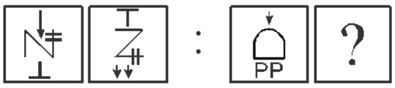

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

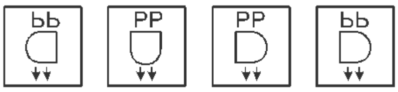

(A) (B) (C) (D)

32. प्रश्न आकृतियाँ

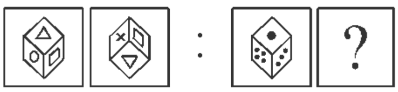

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

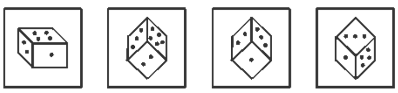

(A) (B) (C) (D)

33. प्रश्न आकृतियाँ

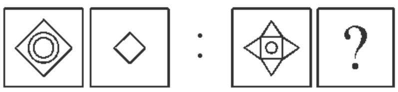

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

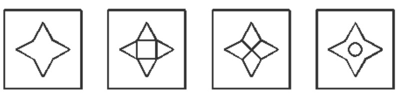

(A) (B) (C) (D)

34. प्रश्न आकृतियाँ

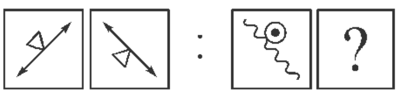

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

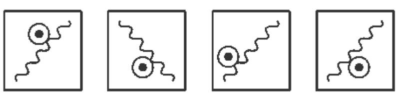

(A) (B) (C) (D)

35. प्रश्न आकृतियाँ

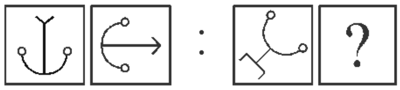

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

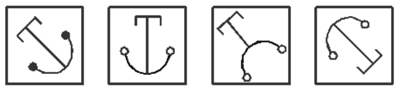

(A) (B) (C) (D)

36. प्रश्न आकृतियाँ

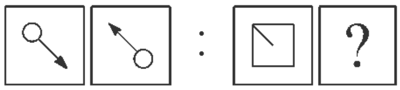

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

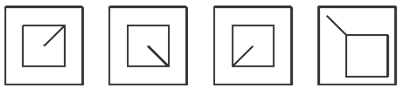

(A) (B) (C) (D)

37. प्रश्न आकृतियाँ

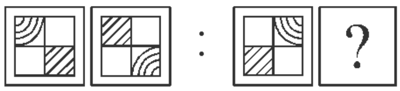

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

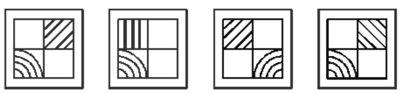

(A) (B) (C) (D)

38. प्रश्न आकृतियाँ

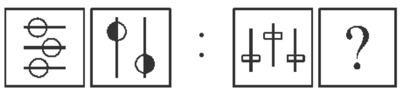

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

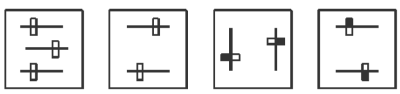

(A) (B) (C) (D)

39. प्रश्न आकृतियाँ

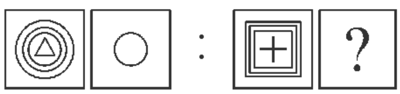

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

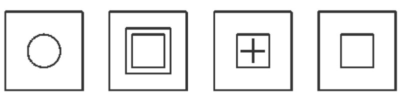

(A) (B) (C) (D)

40. प्रश्न आकृतियाँ

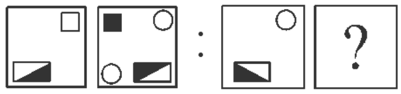

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

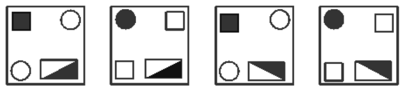

(A) (B) (C) (D)

41. प्रश्न आकृतियाँ

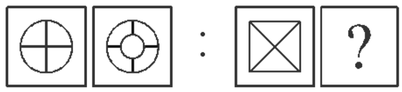

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

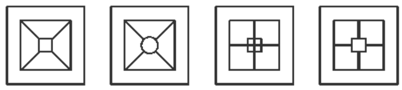

(A) (B) (C) (D)

42. प्रश्न आकृतियाँ

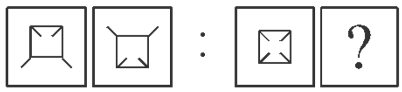

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

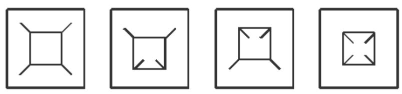

(A) (B) (C) (D)

43. प्रश्न आकृतियाँ

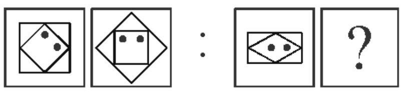

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

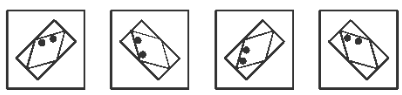

(A) (B) (C) (D)

44. प्रश्न आकृतियाँ

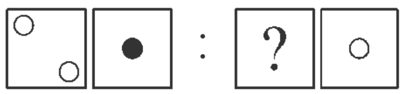

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

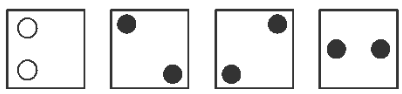

(A) (B) (C) (D)

45. प्रश्न आकृतियाँ

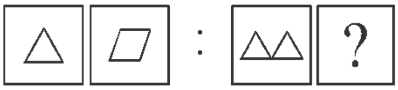

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

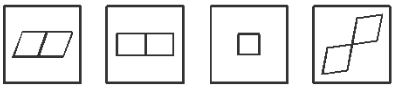

(A) (B) (C) (D)

46. प्रश्न आकृतियाँ

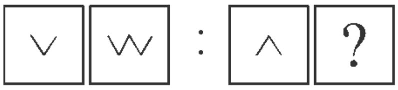

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

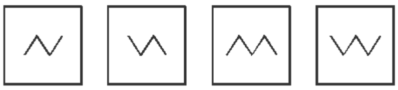

(A) (B) (C) (D)

47. प्रश्न आकृतियाँ

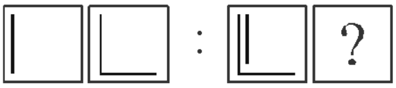

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

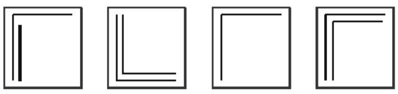

(A) (B) (C) (D)

48. प्रश्न आकृतियाँ

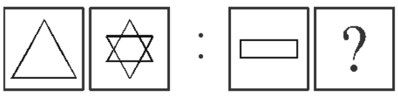

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

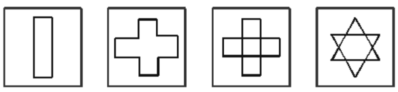

(A) (B) (C) (D)

49. प्रश्न आकृतियाँ

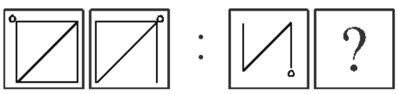

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

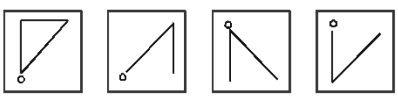

(A) (B) (C) (D)

50. प्रश्न आकृतियाँ

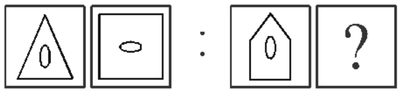

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

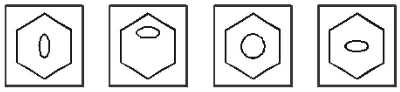

(A) (B) (C) (D)

51. प्रश्न आकृतियाँ

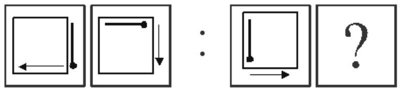

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

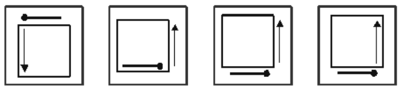

(A) (B) (C) (D)

52. प्रश्न आकृतियाँ

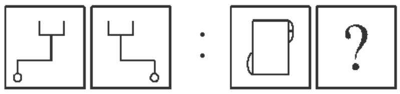

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

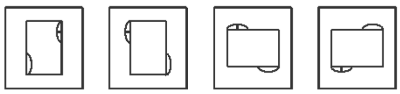

(A) (B) (C) (D)

53. प्रश्न आकृतियाँ

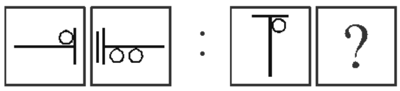

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

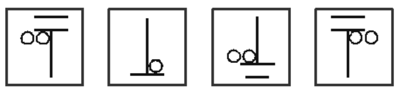

(A) (B) (C) (D)

54. प्रश्न आकृतियाँ

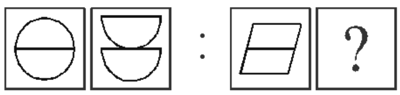

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

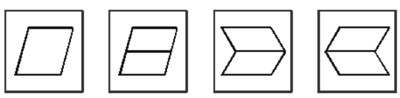

(A) (B) (C) (D)

55. प्रश्न आकृतियाँ

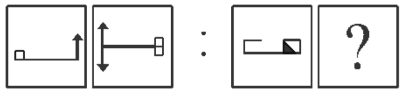

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

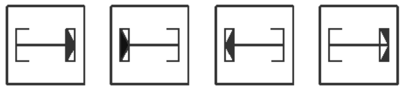

(A) (B) (C) (D)

56. प्रश्न आकृतियाँ

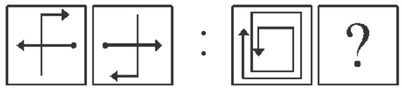

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

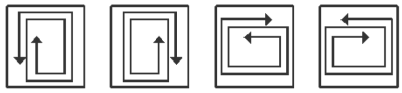

(A) (B) (C) (D)

57. प्रश्न आकृतियाँ

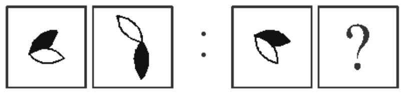

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

(A) (B) (C) (D)

58. प्रश्न आकृतियाँ

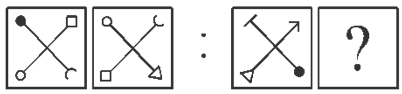

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

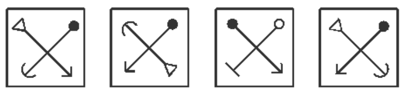

(A) (B) (C) (D)

59. प्रश्न आकृतियाँ

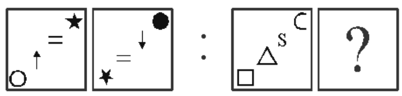

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

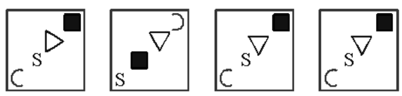

(A) (B) (C) (D)

निर्देश (प्रश्न संख्या 60 से 130 तक)

दी गई उत्तर आकृतियों में से सम्बन्धित आकृति को चुनिए—

60. प्रश्न आकृतियाँ

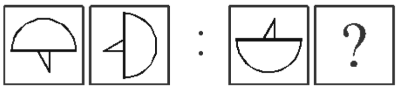

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

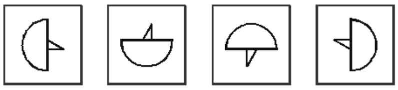

(A) (B) (C) (D)

61. प्रश्न आकृतियाँ

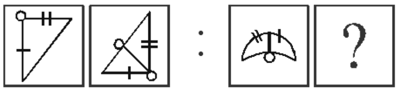

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

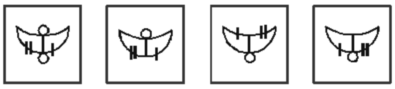

(A) (B) (C) (D)

62. प्रश्न आकृतियाँ

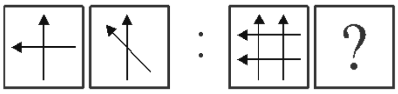

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

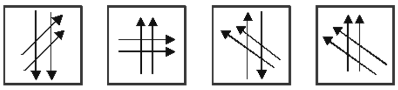

(A) (B) (C) (D)

63. प्रश्न आकृतियाँ

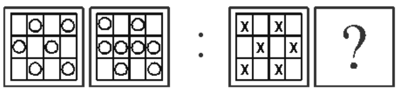

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

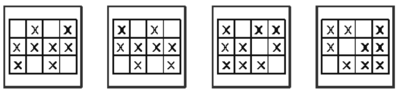

(A) (B) (C) (D)

64. प्रश्न आकृतियाँ

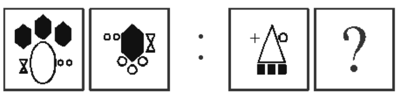

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

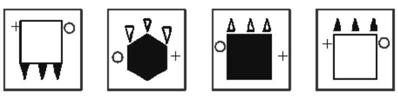

(A) (B) (C) (D)

65. प्रश्न आकृतियाँ

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

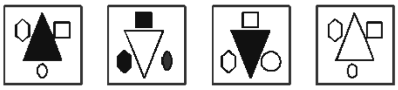

(A) (B) (C) (D)

66. प्रश्न आकृतियाँ

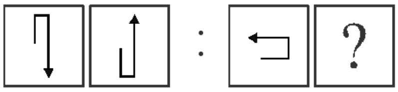

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

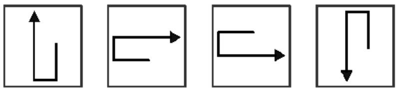

(A) (B) (C) (D)

67. प्रश्न आकृतियाँ

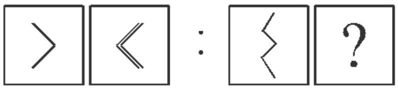

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

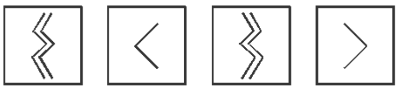

(A) (B) (C) (D)

68. प्रश्न आकृतियाँ

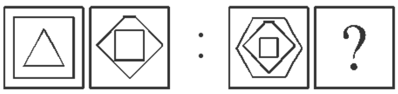

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

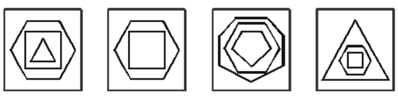

(A) (B) (C) (D)

69. प्रश्न आकृतियाँ

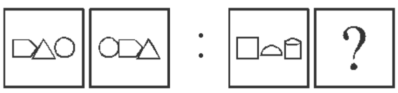

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

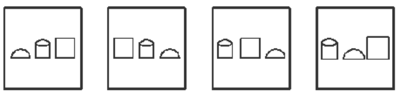

(A) (B) (C) (D)

70. प्रश्न आकृतियाँ

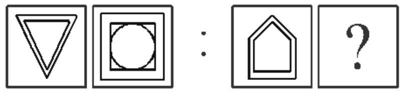

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

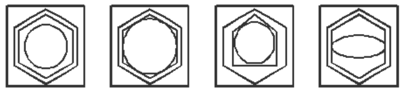

(A) (B) (C) (D)

71. प्रश्न आकृतियाँ

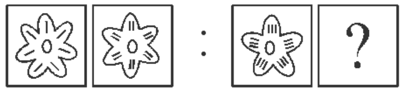

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

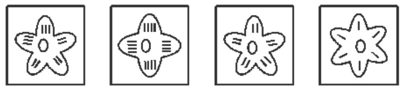

(A) (B) (C) (D)

72. प्रश्न आकृतियाँ

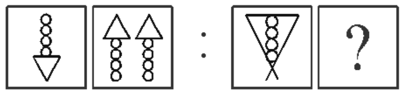

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

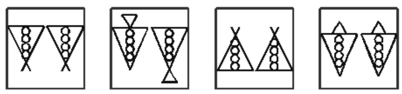

(A) (B) (C) (D)

73. प्रश्न आकृतियाँ

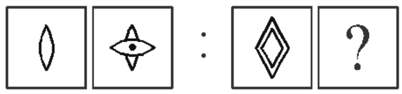

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

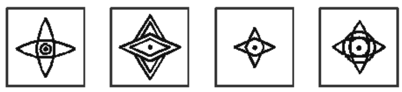

(A) (B) (C) (D)

74. प्रश्न आकृतियाँ

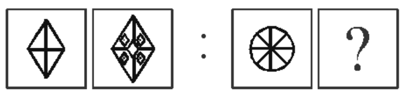

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

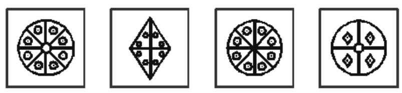

(A) (B) (C) (D)

75. प्रश्न आकृतियाँ

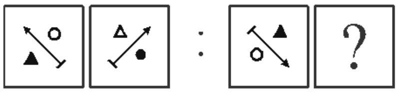

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

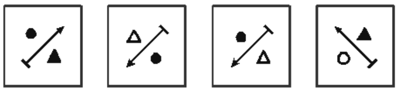

(A) (B) (C) (D)

76. प्रश्न आकृतियाँ

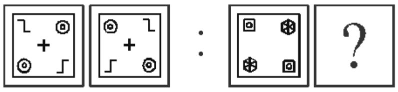

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

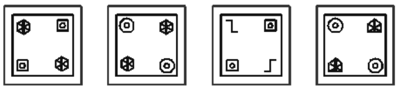

(A) (B) (C) (D)

77. प्रश्न आकृतियाँ

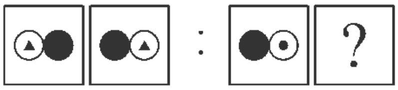

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

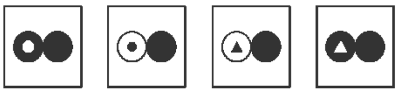

(A) (B) (C) (D)

78. प्रश्न आकृतियाँ

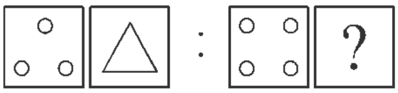

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

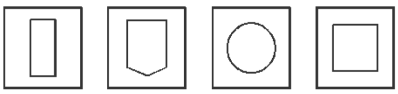

(A) (B) (C) (D)

79. प्रश्न आकृतियाँ

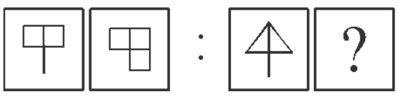

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

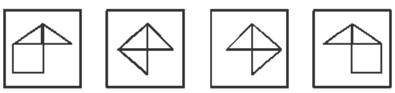

(A) (B) (C) (D)

80. प्रश्न आकृतियाँ

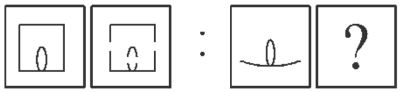

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

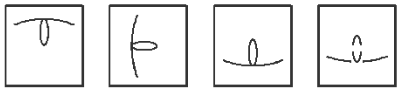

(A) (B) (C) (D)

81. प्रश्न आकृतियाँ

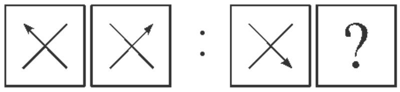

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

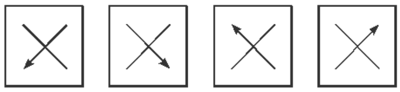

(A) (B) (C) (D)

82. प्रश्न आकृतियाँ

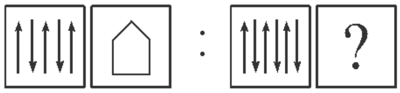

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

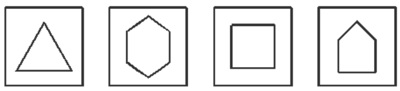

(A) (B) (C) (D)

83. प्रश्न आकृतियाँ

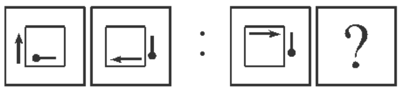

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

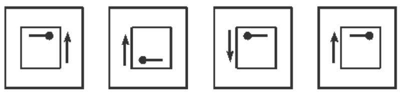

(A) (B) (C) (D)

84. प्रश्न आकृतियाँ

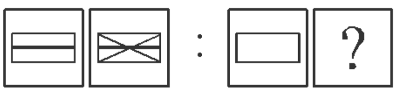

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

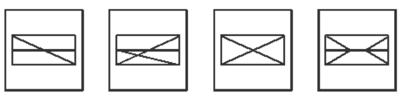

(A) (B) (C) (D)

85. प्रश्न आकृतियाँ

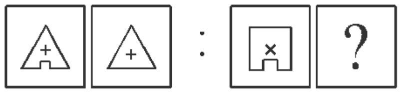

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

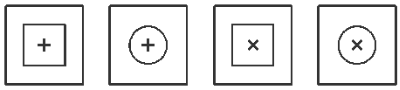

(A) (B) (C) (D)

86. प्रश्न आकृतियाँ

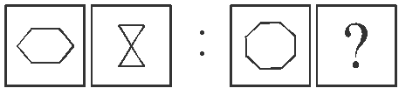

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

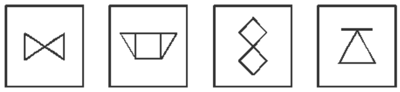

(A) (B) (C) (D)

87. प्रश्न आकृतियाँ

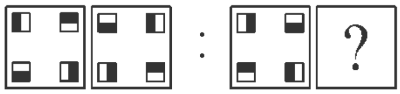

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

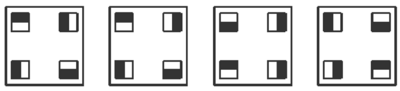

(A) (B) (C) (D)

88. प्रश्न आकृतियाँ

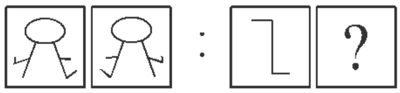

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

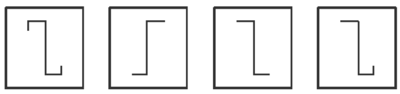

(A) (B) (C) (D)

89. प्रश्न आकृतियाँ

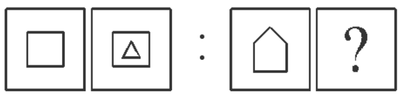

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

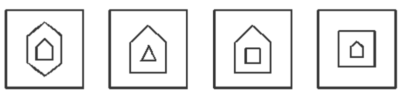

(A) (B) (C) (D)

90. प्रश्न आकृतियाँ

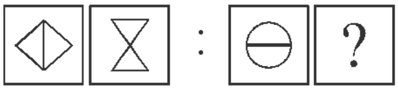

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

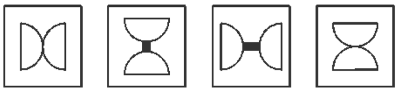

(A) (B) (C) (D)

91. प्रश्न आकृतियाँ

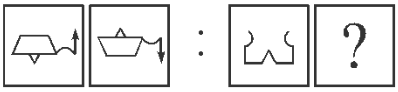

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

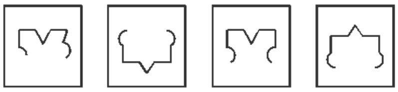

(A) (B) (C) (D)

92. प्रश्न आकृतियाँ

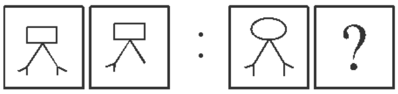

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

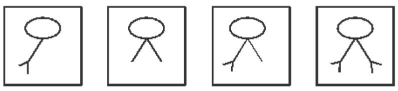

(A) (B) (C) (D)

93. प्रश्न आकृतियाँ

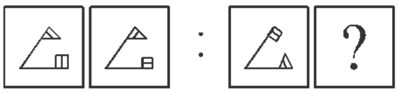

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

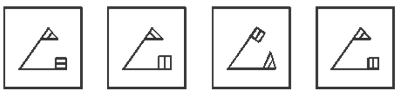

(A) (B) (C) (D)

94. प्रश्न आकृतियाँ

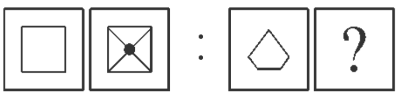

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

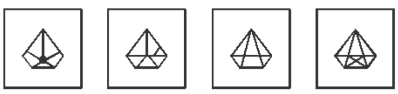

(A) (B) (C) (D)

95. प्रश्न आकृतियाँ

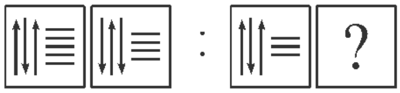

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

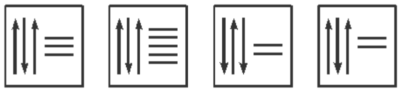

(A) (B) (C) (D)

96. प्रश्न आकृतियाँ

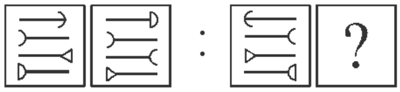

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

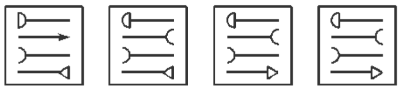

(A) (B) (C) (D)

97. प्रश्न आकृतियाँ

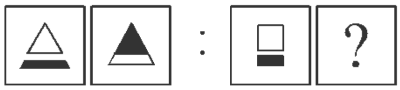

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

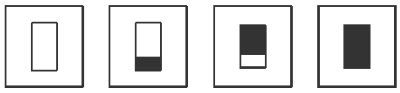

(A) (B) (C) (D)

98. प्रश्न आकृतियाँ

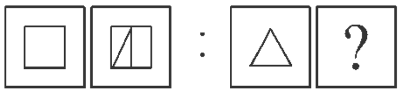

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

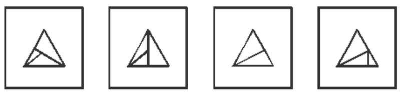

(A) (B) (C) (D)

99. प्रश्न आकृतियाँ

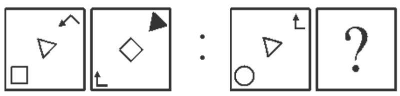

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

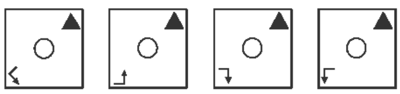

(A) (B) (C) (D)

100. प्रश्न आकृतियाँ

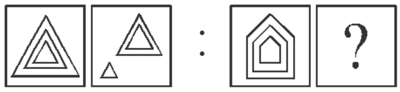

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

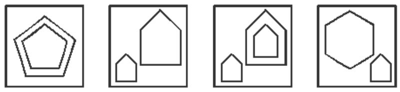

(A) (B) (C) (D)

101. प्रश्न आकृतियाँ

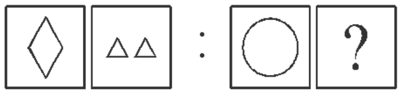

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

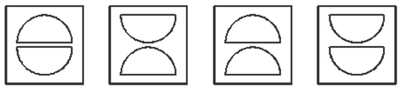

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2005]

102. प्रश्न आकृतियाँ

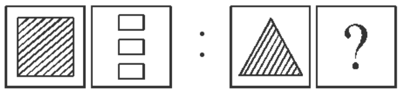

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

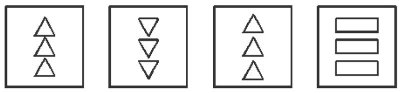

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2008]

103. प्रश्न आकृतियाँ

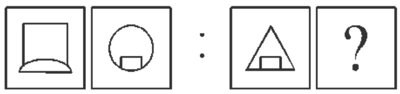

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

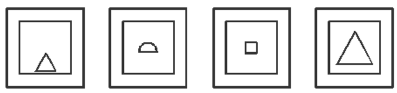

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2007]

104. प्रश्न आकृतियाँ

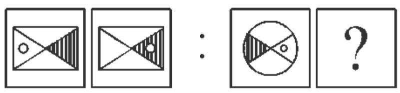

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

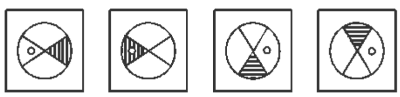

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2009]

105. प्रश्न आकृतियाँ

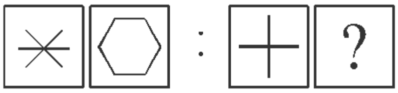

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

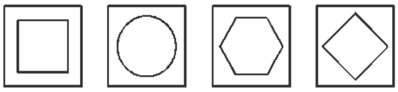

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2009]

106. प्रश्न आकृतियाँ

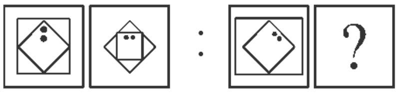

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

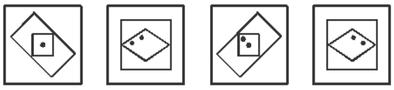

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2009]

107. प्रश्न आकृतियाँ

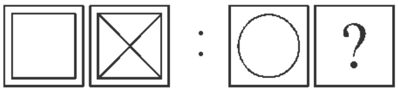

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

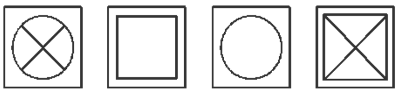

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2010]

108. प्रश्न आकृतियाँ

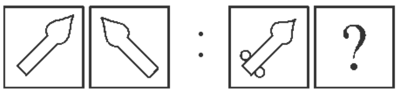

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

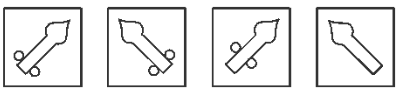

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2010]

109. प्रश्न आकृतियाँ

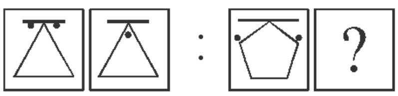

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

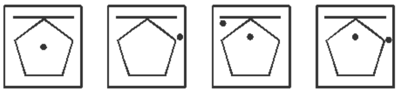

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2011]

110. प्रश्न आकृतियाँ

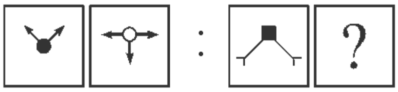

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

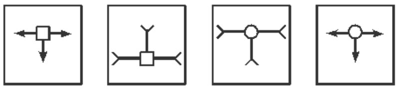

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2011]

111. प्रश्न आकृतियाँ

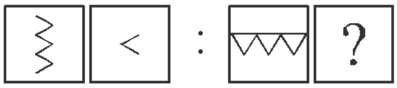

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

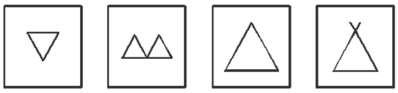

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2012]

112. प्रश्न आकृतियाँ

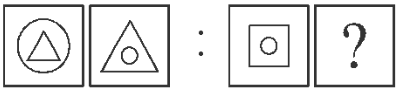

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

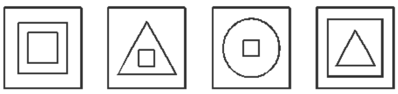

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2012]

113. प्रश्न आकृतियाँ

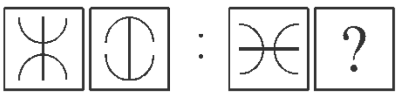

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

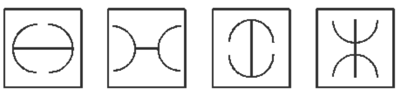

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2012]

114. प्रश्न आकृतियाँ

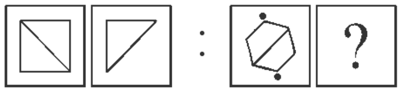

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

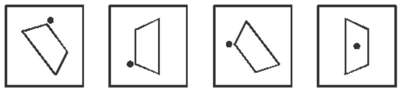

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2012]

115. प्रश्न आकृतियाँ

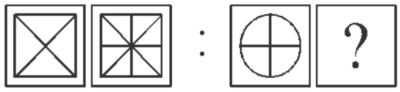

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

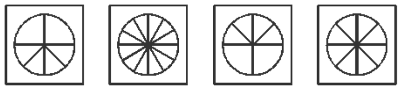

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2012]

116. प्रश्न आकृतियाँ

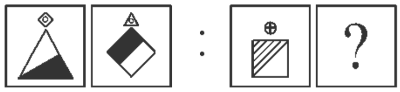

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

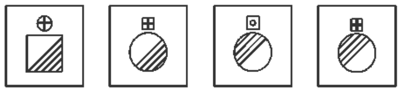

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2014]

117. प्रश्न आकृतियाँ

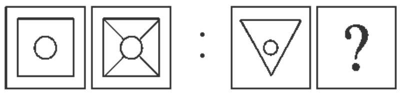

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

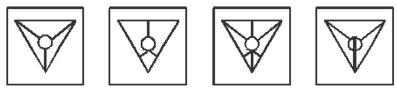

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2014]

118. प्रश्न आकृतियाँ

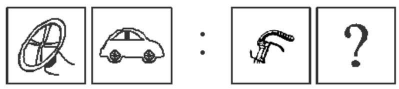

(i) (ii) (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

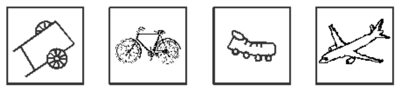

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2014]

119. प्रश्न आकृतियाँ

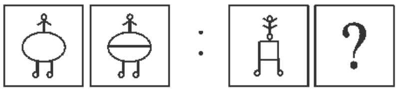

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

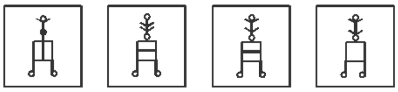

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2014]

120. प्रश्न आकृतियाँ

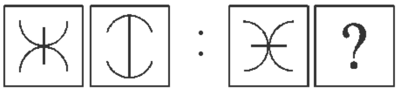

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

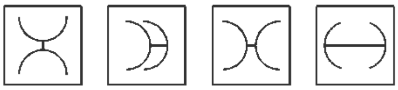

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2014]

121. प्रश्न आकृतियाँ

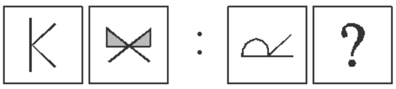

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

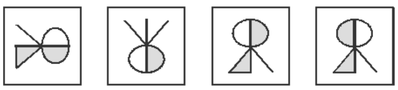

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2015]

122. प्रश्न आकृतियाँ

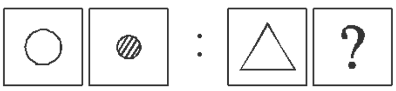

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

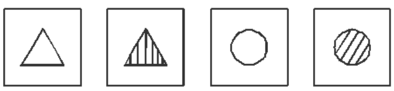

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2015]

123. प्रश्न आकृतियाँ

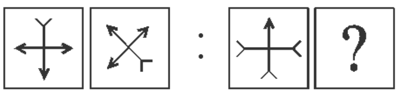

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

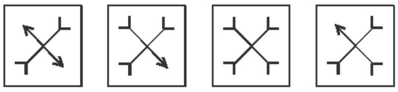

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2015]

124. प्रश्न आकृतियाँ

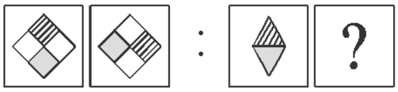

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

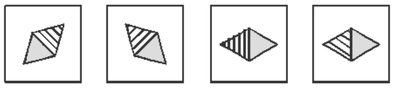

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2016]

125. प्रश्न आकृतियाँ

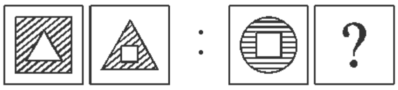

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

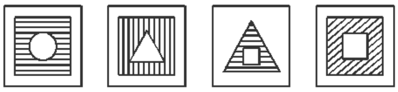

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2016]

126. प्रश्न आकृतियाँ

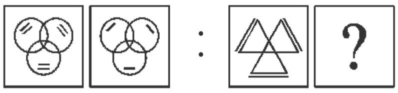

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

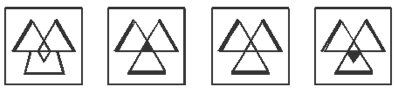

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2016]

127. प्रश्न आकृतियाँ

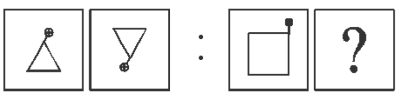

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

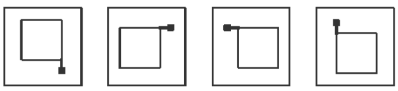

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2017]

128. प्रश्न आकृतियाँ

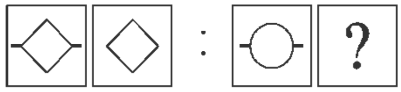

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

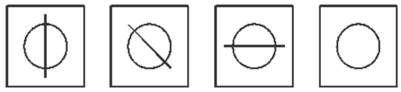

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2017]

129. प्रश्न आकृतियाँ

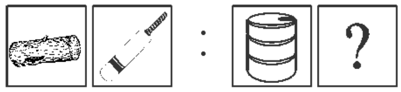

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

(A) (B) (C) (D)

[JNV 2017]

130. प्रश्न आकृतियाँ

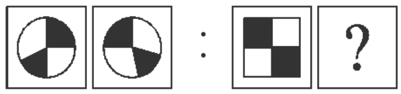

(i) (ii) : (iii) (iv)

उत्तर आकृतियाँ

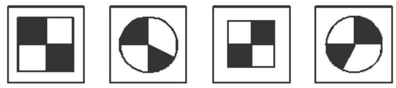

(A) (B) (C) (D)

[JNV 1996]

व्याख्यात्मक हल

1. (A) प्रश्न आकृति (i) से (ii) में बाहरी आकृति अन्दर छोटी हो रही है तथा अन्दर की आकृति बाहर बड़ी हो रही है। यहाँ (i) से वृत्त (ii) में छोटा तथा अन्दर हो रहा है साथ ही अन्दर का त्रिभुज (ii) में बाहर बड़ा हो रहा है। अतः (iii) से (iv) में यही क्रिया होगी जो उत्तर आकृति (A) में निहित है।

2. (D) प्रश्न आकृति (i) से (ii) में बड़ा चतुर्भुज छोटा होकर नीचे जुड़ जा रहा है तथा नीचे का छोटा त्रिभुज (ii) में ऊपर बड़ा हो रहा है। इसी प्रकार (iii) से (iv) में पंचभुज छोटा होकर नीचे जाएगा तथा चतुर्भुज ऊपर बड़ा होगा जो विकल्प (D) में है।

3. (B) प्रश्न आकृति (i) से (ii) में मूल आकृति एकदम उलट जाती है। अतः (iii) से (iv) में भी मूल आकृति उलट जाएगी जो विकल्प (B) में दी गयी है।

4. (D) प्रश्न आकृति (i) से (ii) में वृत्त के अन्दर कालांकित भाग ऊपर से नीचे आ रहा है। इसी प्रकार (iii) से (iv) में भी चतुर्भुज के ऊपर का कालांकित भाग नीचे आएगा जो उत्तर आकृति का विकल्प (D) है।

5. (C) प्रश्न आकृति (i) से (ii) में आठ रेखाएँ आधी होकर अपनी ही दिशा में चार हो रही हैं। अतः (iii) से (iv) में भी आधी होकर ठीक उसी दिशा में चार रह जाएँगी, जो विकल्प (C) में है।

6. (B) प्रश्न आकृति (i) से (ii) में चतुर्भुज पंचभुज हो रहा है। अतः (iii) से (iv) में पंचभुज, षट्भुज हो जाएगा जो (B) में दिया गया है। अतः विकल्प (B) सही उत्तर होगा।

7. (A) प्रश्न आकृति (i) से (ii) में पाँच आकृतियाँ घटकर चार हो रही हैं। अतः (iii) से (iv) में छः आकृतियाँ घटकर पाँच हो जाएँगी, जो केवल विकल्प (A) में है।

8. (D) प्रश्न आकृति (i) से (ii) में आकृति 90° Clockwise घूम रही है। अतः उसी प्रकार (iii) से (iv) में आकृति Clockwise 90° घूमेगी। अतः उत्तर विकल्प (D) होगा।

9. (A) यहाँ (i) से (ii) में आकृति 135° Anticlockwise घूम रही है। अतः (iii) से (iv) में भी 135° Anticlockwise ही घूमेगी जो विकल्प (A) में है। अतः उत्तर विकल्प (A) होगा।

10. (D) प्रश्न आकृति (i) से (ii) में दोनों आकृतियाँ O तथा X अपना स्थान परिवर्तन करते हैं। अतः (iii) से (iv) में भी P तथा S अपना स्थान परिवर्तित करेंगे और उत्तर आकृति (D) होगी।

11. (B) प्रश्न आकृति (i) से (ii) में ऊपर की सभी आकृतियाँ नीचे आ जाती हैं। अतः उसी प्रकार (iii) से (iv) में भी ऊपर की सभी आकृतियाँ नीचे आ जाएँगी। अतः उत्तर विकल्प (B) होगा।

12. (C) प्रश्न आकृति (i) से (ii) में S तथा Δ अपना-अपना स्थान अदला-बदली कर लेते हैं। अर्थात् वे विकर्णवत स्थान परिवर्तन करते हैं। (*) एक कोने में चला जाता है तथा उसके स्थान पर एक नई आकृति आ जाती है। ठीक उसी प्रकार का परिवर्तन (iii) से (iv) में होगा जो विकल्प (C) में दिया गया है।

13. (A) प्रश्न आकृति (i) से (ii) में स्थान परिवर्तन का क्रम है जहाँ N नई आकृति को सूचित करता है। ठीक इसी प्रकार का परिवर्तन (iii) से (iv) में होगा। यह विकल्प (A) में दिया गया है।

14. (D) प्रश्नाकृति (i) से (ii) में मूल आकृति दाहिने से कटकर आधी हो जाती है। अतः (iii) से (iv) में आकृति दाहिने से आधी करें तो विकल्प आकृति (D) बनेगी। अतः उत्तर विकल्प (D) होगा।

15. (A) प्रश्न आकृति (i) से (ii) में त्रिभुज के तीनों कोनों पर एक-एक रेखा जुड़ती है और रेखाओं की संख्या तीनों कोनों पर दो-दो बन रही है। उसी प्रकार (iii) से (iv) में भी रेखाओं की संख्या एक-एक बढ़कर दो हो जाएगी। इस प्रकार का परिवर्तित रूप उत्तर-आकृति के विकल्प (A) में दिया गया है।

16. (D) प्रश्नाकृति (i) से (ii) में चतुर्भुज में एक रेखा जुड़कर पंचभुज हो रहा है तथा इसके किनारों पर पाँच आकृतियाँ हैं। उसी प्रकार (iii) से (iv) में पंचभुज षट्भुज हो जाएगा और उसके छः किनारों पर छः आकृतियाँ बननी चाहिए जो विकल्प (D) में है।

17. (A) (i) से (ii) में प्रश्न आकृति जितनी भुजाओं से बनी है उतनी ही रेखाओं से कटी है। त्रिभुज तीन रेखाओं से बना है तथा तीन से कटा है। उसी प्रकार चतुर्भुज चार रेखाओं से बना है और चार द्वारा कटा है। उसी प्रकार का परिवर्तन (iii) से (iv) में होगा और अब उत्तर आकृति पाँच रेखाओं से बनेगी और पाँच द्वारा कटेगी भी जोकि विकल्प (A) में दिया गया है।

18. (A) आकृति (ii) में आकृति (i) का दर्पण प्रतिबिम्ब है। उसी प्रकार, प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर, आकृति (iii) का दर्पण प्रतिबिम्ब होगा जोकि विकल्प (A) में है।

19. (B) प्रश्न आकृति (i) से (ii) में दर्पण प्रतिबिम्ब है। यहाँ दर्पण प्रतिबिम्ब में परिवर्तन है—

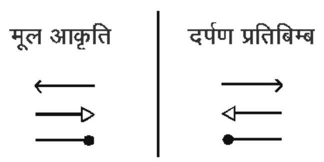

उसी प्रकार (iii) से (iv) में परिवर्तन होगा

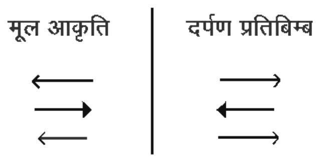

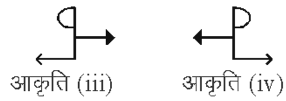

यह उत्तर आकृति विकल्प (B) में दी गई है। अतः विकल्प (B) सही उत्तर होगा।

20. (A) प्रश्नाकृति (i) से (ii) में जल प्रतिबिम्ब बनता है, उसी प्रकार (iii) से (iv) में भी जल प्रतिबिम्ब बनेगा। जिस प्रकार (i) से (ii) में,

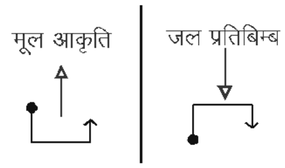

आकृतियों को मिलाने पर,

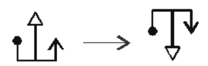

उसी प्रकार (iii) से (iv) में,

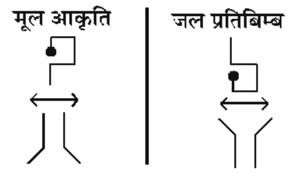

आकृतियों को मिलाने पर,

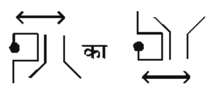

21. (B) प्रश्नाकृति (i) से (ii) में जल प्रतिबिम्ब है उसी प्रकार (iii) से (iv) भी जल प्रतिबिम्ब होगा।
यहाँ Δ जल प्रतिबिम्ब ∇ होता है। यह विकल्प (B) में है। अतः हमारा उत्तर विकल्प (B) होगा।

22. (A) प्रश्नाकृति (i) से (ii) में त्रिभुज उलटकर दो त्रिभुज का रूप ले लेता है, उसी प्रकार (iii) से (iv) में षट्भुज उलटकर दो षट्भुज का रूप लेगा जो उत्तर आकृति के विकल्प (A) में दिया गया है।

23. (C) प्रश्नाकृति (i) से (ii) में अन्दर वाली आकृति दो भागों में विभाजित हो जाती है तथा दोनों भाग अलग-अलग होकर पलट जाते हैं। बाहरी आकृति छोटी होकर इन दोनों के बीच में रह जाती है। ऐसा ही परिवर्तन (iii) से (iv) में होगा और वह उत्तर विकल्प (C) में है।

24. (A) प्रश्नाकृति (i) से (ii) में अंदर का काला त्रिभुज सफेद तथा मध्य स्थित वृत्त लुप्त हो जाता है तथा सबसे बाहर की डिजाइन यथावत् रहती है। ऐसा ही परिवर्तन (iii) से (iv) में होगा और वह उत्तर विकल्प (A) में है।

25. (C) दूसरी आकृति पहली आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब है। उसी प्रकार चौथी आकृति, तीसरी आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब होगी।

26. (D) प्रत्येक प्रश्नाकृति की पहली बड़ी आकृति दूसरी छोटी आकृति एक-दूसरे को काटती है। अतः अभीष्ट उत्तर आकृति (D) होगी।

27. (A) इसमें आकृति 360° से घड़ी की सुई की दिशा में घूम जाती है तथा उसके नीचे एक छोटी कालांकित आकृति आ जाती है।

28. (B) प्रश्नाकृति (i) से (ii) में चार भुजाओं वाली आयत, आठ भुजाओं वाली घनाभ में परिवर्तित हो जाती है, उसी प्रकार तीन भुजाओं वाली त्रिभुज की आकृति छः भुजाओं वाली त्रिविमीय आकृति में परिवर्तित हो जाती है।

29. (A) प्रश्नाकृति पहली से तीसरी में त्रिभुज के अंदर वृत्त का शेष भाग आ जाता है तथा बाहरी भाग लुप्त हो जाता है, उसी प्रकार प्रश्नाकृति दूसरी से चौथी आकृति में भी हो रहा है।

30. (C) पहली से दूसरी आकृति के आधे भाग में लम्बवत् तथा क्षैतिज रेखाएँ बनती हैं।

31. (D) मुख्य आकृति 90° से दक्षिणावर्त दिशा में घूम जाती है तथा तीर एक से दो होकर नीचे आ जाता है। नीचे का चिह्न ऊपर जाकर उलट जाता है।

32. (C) पासा ऊपर नीचे उलट जाता है तथा बाएँ सतह पर नया संकेत (चिह्न) आ जाता है।

33. (A) अंदर के दो चित्र विलुप्त हो जाते हैं।

34. (C) आकृति 90° से वामावर्त दिशा में घूम जाती है।

35. (C) आकृति 90° से दक्षिणावर्त दिशा में घूम जाती है और दूसरी तरफ वाली आकृति उलट जाती है।

36. (B) आकृति 180° से घूम जाती है।

37. (A) आकृति 180° से घूम जाती है।

38. (D) सबसे ऊपर या सबसे नीचे की डिजाइन विलुप्त होती है और शेष डिजाइन 90° से दक्षिणावर्त दिशा में घूम जाती है दोनों का आधा–आधा भाग काला हो जाता है, उसी प्रकार, तीसरी आकृति का बायाँ या दायाँ भाग विलुप्त होकर चौथी आकृति बनती है तथा आधा-आधा भाग काला हो जाता है।

39. (D) (i) से (ii) आकृति में, तीनों वृत्त मिलकर एक वृत्त बनाते हैं। उसी प्रकार, (iii) से (iv) में तीन वर्ग मिलकर एक वर्ग बनाते हैं।

40. (D) (i) से (ii) आकृति में वर्ग बायी तरफ एक भुजा खिसककर सफेद से काला हो जाता है। आधा काला तथा सफेद आयत है तथा एक भुजा दायीं ओर खिसक जाती है और विकर्ण पर दो नयी आकृतियाँ आ जाती हैं।
उसी प्रकार (iii) आकृति से (iv) आकृति में करने पर विकल्प (D) बनेगा।

41. (A) पहली आकृति की बाहरी आकृति छोटी होकर मध्य में आ जाती है तथा अन्दर की चारों रेखाएँ मध्य आकृति के चारों कोनों को छूती हैं।

42. (D) दूसरी आकृति, पहली आकृति का जल प्रतिबिम्ब है। जल प्रतिबिम्ब में ऊपरी भाग, नीचे तथा निचला भाग ऊपर दिखाई देता है।

43. (A) पहली आकृति 45° वामावर्त दिशा (Anticlockwise) में घूमकर दूसरी आकृति बनाती है।

44. (B) आकृति (i) में दो सफेद बिन्दुओं में से एक बिन्दु कम होकर आकृति (ii) बनती है तथा सफेद बिन्दु काला हो जाता है। इसी प्रकार से, आकृति (iii) से आकृति (iv) बनती है।

45. (D) आकृति (i) दो होकर एक शीर्ष से जुड़कर आकृति (iii) बनाती है। उसी प्रकार, आकृति (ii) दो होकर एक शीर्ष से जुड़कर प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर आ जायेगी।

46. (C) पहली आकृति में दी गई आकृति के साथ एक ओर समान आकृति जुड़कर दूसरी आकृति बनती है।

47. (B) पहली आकृति में एक रेखा जुड़कर दूसरी आकृति मे (L) आकृति बनती है।

48. (C) पहली आकृति पलटकर उसी आकृति के ऊपर आकर नयी आकृति बनाती है। जो की दूसरी आकृति होगी।

49. (B) पहली से दूसरी आकृति मे सफेद बिन्दु एक भुजा दायीं (Right) तरफ खिसक जाता है तथा पहली आकृति से एक भुजा लुप्त हो जाती है।

50. (D) पहली से दूसरी आकृति में, भुजाओं की संख्या में एक की वृद्धि हो जाती है तथा मध्य आकृति 90° घूम जाती है।

51. (D) पहली से दूसरी आकृति में तीर (↑) तथा बिन्दु (↑) वाली आकृति एक भुजा वामावर्त (Anticlockwise) खिसक जाती है तथा अन्दर वाली आकृति बाहर और बाहर वाली आकृति अन्दर चली जाती है।

52. (B) दूसरी आकृति पहली आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब है।

53. (C) पहली से दूसरी आकृति में (⊣) आकृति पलट जाती है तथा एक रेखा और जुड़ जाती है सफेद बिन्दु आकृति के दूसरी तरफ आकर दो हो जाते हैं।

54. (C) पहली से दूसरी आकृति में, आकृति का ऊपरी भाग पलटकर नीचे वाली आकृति के साथ ही जुड़ जाता है।

55. (C) पहली से दूसरी आकृति में, पहली आकृति पलट जाती है तथा पलटकर उसका जल प्रतिबिम्ब बनाती है।

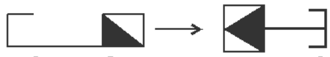

56. (B) पहली आकृति 180° घूमकर दूसरी आकृति बनाती है।

57. (A) पहली से दूसरी आकृति में, सफेद पत्ती 135° वामावर्त (Anticlockwise) दिशा में घूम जाती है तथा काली पत्ती 135° दक्षिणावर्त (Clockwise) दिशा में घूम जाती है।

58. (D) पहली से दूसरी आकृति में नीचे की दोनों कोने की आकृतियाँ ऊपर कोने पर आ जाती हैं तथा ऊपर दाएँ कोने की आकृति, नीचे बाएँ कोने पर आ जाती है तथा ऊपर बाएँ कोने की आकृति, नयी आकृति में बदलकर नीचे दाएँ कोने पर आ जाती है।

59. (C) पहली से दूसरी आकृति में, आकृतियाँ तिरछे रूप में ऊपर से नीचे की ओर अपना स्थान बदलती हैं तथा नीचे कोने वाली आकृति, ऊपर कोने पर पहुँचकर सफेद से काली हो जाती है।

60. (A) पहली आकृति 90° दक्षिणावर्त (Clockwise) घूमकर दूसरी आकृति बनाती है।

61. (A) पहली आकृति से दूसरी आकृति में, पहली आकृति पलट जाती है तथा एक सफेद बिन्दु और जुड़ जाता है।

62. (D) पहली आकृति में क्षैतिज (Horizontal) तीर 45° दक्षिणावर्त (Clockwise) घूमकर दूसरी आकृति बनाता है।

63. (A) पहली से दूसरी आकृति में, ऊपर वाली आकृतियाँ एक-एक ब्लॉक बायीं ओर खिसक जाती हैं। बीच वाली पंक्ति में खाली ब्लॉक में समान आकृतियाँ आ जाती हैं तथा नीचे वाली पंक्ति में आकृतियो की स्थिति समान रहती है।

64. (C) पहली से दूसरी आकृति में, ऊपर वाली तीन आकृतियाँ एक तथा बड़ी होकर बीच में आ जाती हैं। बीच वाली आकृति एक से तीन तथा छोटी होकर ऊपर/नीचे आ जाती है। दायीं तथा बायीं आकृतियाँ आपस में अपना स्थान बदल लेती हैं।

65. (B) पहली से दूसरी आकृति में, काली आकृति सफेद तथा सफेद आकृति काली हो जाती है। मुख्य आकृति के चारों ओर की आकृतियाँ दक्षिणावर्त दिशा में एक भुजा खिसक जाती हैं।

66. (B) दूसरी आकृति, पहली आकृति का प्रतिबिम्ब है।

67. (C) पहली आकृति से दूसरी आकृति मे पहली आकृति पलट जाती है तथा उसके साथ एक और समान आकृति जुड़ जाती है।

68. (C) पहली से दूसरी आकृति में, आकृतियों की भुजाओं की संख्या में एक-एक की वृद्धि हो रही है।

69. (C) पहली से दूसरी आकृति में, दायीं तरफ की आकृति बायीं तरफ चली जाती है तथा शेष आकृतियाँ दायीं तरफ एक-एक स्थान खिसक जाती हैं।

70. (B) पहली से दूसरी आकृति में, आकृतियों की भुजाओं की संख्या एक-एक बढ़ जाती है तथा मध्य में भुजाओं को छूता हुआ एक वृत्त आ जाता है।

71. (B) पहली आकृति से दूसरी आकृति में, मुख्य आकृति के अन्दर रेखाओं की संख्या में एक-एक की वृद्धि हो जाती है।

72. (C) पहली से दूसरी आकृति में, पहली आकृति पलटकर उसका प्रतिबिम्ब बनाती है।

73. (B) पहली से दूसरी आकृति में, आकृति एक-दूसरे को लम्बवत् तथा क्षैतिज काटती है तथा दोनों के बीच में एक बिन्दु आ जाता है।

74. (A) पहली से दूसरी आकृति में, पहली आकृति छोटी होकर चारों भागों तथा बीच में आ जाती है। चारों भागों की आकृतियों के बीच में एक बिन्दु शामिल हो जाता है।

75. (C) दूसरी आकृति, पहली आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब है तथा काली आकृति सफेद तथा सफेद आकृति काली हो जाती है।

76. (A) दूसरी आकृति में, पहली आकृति के चारों कोनों की आकृतियाँ एक-एक भुजा दक्षिणावर्त (Clockwise) दिशा में आगे खिसक जाती हैं।

77. (B) जिस प्रकार, दूसरी आकृति पहली आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब है, उसी प्रकार, चौथी आकृति तीसरी आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब होगी।

78. (D) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में तीनों गोले आपस में मिलकर एक त्रिभुज का निर्माण करते हैं उसी प्रकार तीसरी आकृति में चारों गोले आपस में मिलकर एक वर्ग का निर्माण करके आकृति प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर आ जायेगी।

79. (C) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में नीचे दायीं ओर एक वर्ग की वृद्धि होती है, उसी प्रकार तीसरी आकृति में नीचे दायीं ओर एक त्रिभुज की वृद्धि होकर आकृति प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर आ जायेगी।

80. (D) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में मूल आकृति दो भागों में बँट जाती है, उसी प्रकार तीसरी आकृति में मूल आकृति दो भागों में बँट कर चौथी आकृति बनाती है।

81. (A) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में आकृति 90° दक्षिणावर्त घूम जाती है, उसी प्रकार तीसरी आकृति से उत्तर-आकृति में आकृति 90° दक्षिणावर्त घूम जाएगी।

82. (B) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में तीर की संख्या के बराबर भुजाओं वाली एक आकृति बनती है, उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति में तीर की संख्या के बराबर भुजाओं वाली एक आकृति बनेगी।

83. (D) जिस प्रकार पहली से दूसरी आकृति में आकृति से जुड़ी दोनों आकृतियाँ 90° वामावर्त घूमती हैं तथा अन्दर वाली आकृति बाहर और बाहर वाली आकृति अन्दर हो जाती है, उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति में, आकृति से जुड़ी दोनों आकृतियाँ 90° वामावर्त घूमेगी तथा अन्दर वाली आकृति बाहर और बाहर वाली आकृति अन्दर हो जाएगी।

84. (C) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में एक-दूसरे को विकर्णवत् काटती हुई दो रेखाएँ बढ़ जाती हैं, उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति में एक-दूसरे को विकर्णवत् काटती हुई दो रेखाएँ बढ़ जाएँगी।

85. (C) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में मुख्य आकृति के भीतर '+' का चिह्न अपने स्थान पर ही रहता है तथा त्रिभुज का लुप्त भाग पूरा हो जाता है। उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति में आकृति के भीतर स्थित गुणा का चिह्न (×) अपने स्थान पर रहेगा तथा चतुर्भुज का लुप्त हुआ भाग पूरा हो जाएगा।

86. (C) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में, आकृति की भुजाओं से एक नई आकृति बनती है, उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति में, आकृति की भुजाओं से एक नई आकृति बनती है।

87. (B) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में, दी गई सभी आकृतियाँ 90° वामावर्त घूम जाती हैं, उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति में सभी आकृतियाँ 90° वामावर्त घूम जाएँगी।

88. (B) जिस प्रकार दूसरी आकृति पहली आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब है, उसी प्रकार चौथी आकृति तीसरी आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब होगी।

89. (C) पहली आकृति से दूसरी आकृति में, आकृति के अन्दर एक कम भुजा वाली आकृति होती है उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति में, आकृति के अन्दर मूल आकृति से एक कम भुजा वाली आकृति होगी।

90. (A) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में, आकृति 90° दक्षिणावर्त घूम जाती है तथा इसके दोनों भाग पलटकर शीर्ष से आपस में जुड़ जाते हैं। उसी प्रकार, तीसरी आकृति से चौथी आकृति में करने पर आकृति (A) प्राप्त होगी।

91. (C) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में आकृति उलट जाती है, उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति में आकृति उलट जाएगी।

92. (C) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में, आकृति की दायीं ओर नीचे की रेखाएँ लुप्त हो जाती हैं, उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति में, आकृति की दायीं ओर नीचे की दो रेखाएँ लुप्त हो जाएँगी।

93. (C) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में, आकृति से जुड़ी लघु आकृतियाँ 90° घूम जाती हैं, उसी प्रकार तीसरी से चौथी आकृति में भी आकृति से जुड़ी लघु आकृतियाँ 90° घूम जाएँगी।

94. (A) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में, प्रत्येक कोण को मिलाने वाली रेखाएँ एक बिन्दु पर मिलती हैं, उसी प्रकार, तीसरी आकृति से चौथी आकृति में, प्रत्येक कोण को मिलाने वाली रेखाएँ एक बिन्दु पर मिलती हैं।

95. (C) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में बायीं ओर स्थित सभी तीर अपने स्थान पर पलट जाते है तथा दायीं ओर स्थित रेखाओं की संख्या एक कम हो जाती है, उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति बनती है।

96. (B) जिस प्रकार पहली से दूसरी आकृति में, आकृतियाँ ऊपर से नीचे तथा नीचे से ऊपर अपने स्थान पर पलट जाती हैं उसी प्रकार, तीसरी आकृति से चौथी आकृति (B) प्राप्त होगी।

97. (C) जिस प्रकार पहली से दूसरी आकृति में, आकृति के दोनों भाग आपस में जुड़ जाते हैं तथा उसका ऊपरी भाग कालांकित हो जाता हैं उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति में, आकृति के दोनों भाग आपस में जुड़ जाएँगे तथा उसका ऊपरी भाग कालांकित हो जाएगा।

98. (B) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में दो रेखाओं की वृद्धि होती है, उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति में मूल आकृति में दो रेखाओं की वृद्धि होगी।

99. (A) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में, दी गई आकृतियों में से ऊपर

की आकृति नीचे आ जाती है, नीचे की आकृति मध्य में और मध्य वाली आकृति ऊपर चली जाती है तथा कालांकित हो जाती है, उसी प्रकार तीसरी समस्या आकृति से चौथी आकृति प्राप्त होती है।

100. (C) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में, एक आकृति निकलकर नीचे बायीं ओर आ जाती है तथा शेष दो आकृतियाँ समान रहती है, उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति प्राप्त होती है।

101. (C) जिस प्रकार, पहली आकृति में ऊपर तथा नीचे की आकृति दोनों दूसरी आकृति में समान हो जाती है, उसी प्रकार, तीसरी आकृति से चौथी आकृति प्राप्त होती है।

102. (C) जिस प्रकार पहली आकृति में रेखांकित आयत दूसरी आकृति में साधारण आयत होकर एक के ऊपर एक कुछ दूरी पर आ जाते हैं। उसी प्रकार, तीसरी आकृति में रेखांकित त्रिभुज चौथी आकृति में आकर एक के ऊपर एक तीन साधारण त्रिभुज बन जाते हैं।

103. (A) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में, नीचे का आधा वृत्त बाहर आकर पूर्ण वृत्त हो जाता है तथा ऊपर का वर्ग, वृत्त के अन्दर आकर आधा हो जाता है। उसी प्रकार, नीचे की ओर वर्ग बाहर आकर पूर्ण वर्ग हो जाता है तथा बाहर वाला त्रिभुज छोटा होकर अन्दर आ जाता है।

104. (B) पहली आकृति से दूसरी आकृति में, बायाँ बिन्दु विपरीत दिशा में दाएँ आ जाता है, उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति प्राप्त होती है।

105. (D) जिस प्रकार पहली आकृति की रेखाओं को मिलाकर दूसरी आकृति बनती है। उसी प्रकार, तीसरी आकृति की रेखाओं को मिलाने पर चौथी आकृति अर्थात् वर्ग बनता है।

106. (C) पहली आकृति को 90° वामावर्त (Anticlockwise) दिशा में घुमाने पर दूसरी आकृति बनती है तथा अन्दर के दोनों बिन्दु क्षैतिज हो जाते हैं, उसी प्रकार, तीसरी आकृति में ऐसा करने पर चौथी आकृति प्राप्त होती है।

107. (A) जिस प्रकार पहली आकृति को चार भागों में विभाजित करने पर दूसरी आकृति प्राप्त होती है। उसी प्रकार, तीसरी आकृति को चार भागों में विभाजित करने पर चौथी आकृति प्राप्त होगी।

108. (B) जिस प्रकार, दूसरी आकृति, पहली आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब है। उसी प्रकार, चौथी आकृति तीसरी आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब होगी।

109. (A) जिस प्रकार, पहली आकृति में बाहर के दो काले बिन्दु दूसरी आकृति में अन्दर की ओर चले जाते हैं तथा उनकी संख्या एक हो जाती है, उसी प्रकार, तीसरी आकृति के बाहर दो काले बिन्दु चौथी आकृति में एक ही रह जायेंगे।

110. (B) पहली आकृति में काला वृत्त, सफेद होकर दूसरी आकृति बनाता है तथा एक तीर की वृद्धि हो जाती है। उसी प्रकार, तीसरी आकृति का काला वर्ग, चौथी आकृति में सफेद हो जाता है, तथा वर्ग के बाहर एक आकृति की वृद्धि हो जाती है।

111. (C) पहली आकृति में तीन आकृतियाँ दूसरी आकृति में एक होकर पलट जाती हैं। उसी प्रकार, तीसरी आकृति में तीन आकृति एक होकर पलट जाएँगी।

112. (C) पहली आकृति में, अन्दर की आकृति बाहर तथा बाहर की आकृति अन्दर पहुँच कर दूसरी आकृति बनाती है। उसी प्रकार, तीसरी आकृति से चौथी आकृति प्राप्त होती है।

113. (A) जिस प्रकार, पहली आकृति के दोनों अर्द्धवृत्त पलट कर दूसरी आकृति बनाते हैं, उसी प्रकार, तीसरी आकृति दोनों अर्द्धवृत्त पलटकर चौथी आकृति बनाएँगे।

114. (C) जिस प्रकार, पहली आकृति घड़ी की दिशा में 90° घूमकर तथा आधा भाग लुप्त होकर दूसरी आकृति बनाती है। उसी प्रकार, तीसरी आकृति घड़ी की दिशा में 90° घूम जाती है तथा आधा भाग लुप्त होकर चौथी आकृति बनाती है।

115. (D) जिस प्रकार पहली आकृति में दो रेखाओं की वृद्धि करने पर दूसरी आकृति प्राप्त होती है। उसी प्रकार तीसरी आकृति में दो रेखाओं की वृद्धि करने पर चौथी आकृति प्राप्त होती है।

116. (B) जिस प्रकार, पहली से दूसरी आकृति में, बड़ी आकृति छोटी तथा छोटी आकृति बड़ी हो जाती है तथा कालांकित भाग नीचे से ऊपर चला जाता है। उसी प्रकार, तीसरी आकृति से चौथी आकृति में, बड़ी आकृति छोटी तथा छोटी आकृति बड़ी हो जाती है तथा ऊपर का रेखांकित भाग नीचे आ जाता है।

117. (A) जिस प्रकार पहली आकृति से दूसरी आकृति में वर्ग के अन्दर वृत्त चार रेखाओं से घिरा है। उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति में, त्रिभुज के अन्दर वृत्त तीन रेखाओं से घिरा है।

118. (B) जिस प्रकार, स्टियरिंग कार का भाग है। उसी प्रकार हैण्डल साइकिल का भाग है।

119. (C) पहली आकृति में, बीच में एक क्षैतिज रेखा खींचने पर दूसरी आकृति प्राप्त होती है। उसी प्रकार, तीसरी आकृति में बीच में एक क्षैतिज रेखा खींचने पर चौथी आकृति प्राप्त होती है।

120. (D) पहली आकृति में दोनों अर्द्धवृत्त पलटने पर दूसरी आकृति बनाते हैं। उसी प्रकार, तीसरी आकृति में दोनों अर्द्धवृत्त पलटने पर चौथी आकृति बनाते हैं।

121. (D) पहली से दूसरी आकृति में, आकृति 90° वामावर्त घूम जाती है तथा ऊपर की तरफ दो भाग छायांकित हो जाते हैं। उसी प्रकार तीसरी आकृति से चौथी आकृति प्राप्त होगी।

122. (B) जिस प्रकार, पहली आकृति छोटी होकर छायांकित हो जाती है तथा दूसरी आकृति बनाती है। उसी प्रकार, तीसरी आकृति छोटी तथा छायांकित होकर चौथी आकृति बनाती है।

123. (B) पहली से दूसरी आकृति में, क्षैतिज आकृति 45° वामावर्त घूम जाती है तथा लम्बवत् आकृति 135° दक्षिणावर्त घूम जाती है। उसी प्रकार, तीसरी आकृति से चौथी आकृति प्राप्त होती है।

124. (D) जिस प्रकार, पहली आकृति 90° वामावर्त दिशा में घूमकर दूसरी आकृति बनाती है। उसी प्रकार तीसरी आकृति 90° वामावर्त दिशा में घूमकर चौथी आकृति बनाती है।

125. (A) पहली से दूसरी आकृति में, बिना छायांकित भाग बाहर बड़ा होकर छायांकित तथा छायांकित भाग अन्दर छोटा होकर बिना छायांकित हो जाता है। उसी प्रकार, तीसरी आकृति से चौथी आकृति प्राप्त होगी।

126. (C) जिस प्रकार, पहली आकृति से दूसरी आकृति में वृत्त के अन्दर दो रेखाएँ पूर्णतः कालांकित हो जाती हैं। उसी प्रकार तीसरी, आकृति में त्रिभुज के बाहर रेखाएँ पूर्णतः कालांकित होकर चौथी आकृति बनाती हैं।

127. (A) जिस प्रकार, पहली आकृति पलटकर दूसरी आकृति बनाती है। उसी प्रकार, तीसरी आकृति पलटकर चौथी आकृति बनाती है।

128. (D) जिस प्रकार पहली आकृति में, आकृति के बाहर दो लघु रेखाएँ, दूसरी आकृति में लुप्त हो जाती हैं। उसी प्रकार, तीसरी आकृति में वृत्त के बाहर दो लघु रेखाएँ चौथी आकृति में लुप्त हो जाती हैं।

129. (A) जिस प्रकार लकड़ी के जैसी आकृति बैट की है। उसी प्रकार, ड्रम की आकृति गिलास जैसी है।

130. (C) जिस प्रकार दूसरी आकृति पहली आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब है। उसी प्रकार चौथी आकृति तीसरी आकृति का दर्पण प्रतिबिम्ब है।

❑❑

अध्याय
1

संख्या पद्धति
(Number System)

1. अंकगणितीय शब्दावली (Mathematical Terminology)

1.1 अंक (Digits)–0, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, तथा 9 को गणित में अंकों की परिभाषा दी गई है। इन अंकों के द्वारा विभिन्न संख्याओं का निर्माण किया जाता है। जैसे–10, 123, 456, 789 इत्यादि।

1.2 संख्यांक प्रणाली (Number System)–संख्यांक प्रणाली में मुख्यत: दो प्रकार की प्रणाली निहित होती है–(I) दाशमिक संख्या प्रणाली, (II) रोमन संख्या प्रणाली।

I. दाशमिक संख्या प्रणाली (Decimal Number System)–0 से 9 अर्थात् दस अंकों के होने के कारण इसे दाशमिक अंकन प्रणाली कहा जाता है। इस प्रणाली में संख्याओं को दो प्रकार से लिखा और पढ़ा जाता है–(i) भारतीय संख्या प्रणाली, (ii) अन्तर्राष्ट्रीय संख्या प्रणाली।

(i) भारतीय संख्या प्रणाली के अन्तर्गत संख्याओं को उनके स्थानीय मानों के अनुरूप पढ़ा और लिखा जाता है। इन संख्याओं को नीचे दी गई तालिका के अनुसार पढ़ा जाता है।

अवधि	करोड़		लाख		हजार		इकाई		
मान	10,00,00,000 (दस करोड़)	1,00,00,000 (करोड़)	10,00,000 (दस लाख)	1,00,000 (लाख)	10,000 (दस हजार)	1,000 (हजार)	100 (सौ)	10 (दस)	1 (एक)
	10^8	10^7	10^6	10^5	10^4	10^3	10^2	10^1	10^0

उदाहरणार्थ : संख्या 51, 45, 42, 786 को इकयावन करोड़, पैंतालीस लाख, बयालीस हजार सात सौ छियासी पढ़ा जाता है।

1 दहाई = 10 इकाइयाँ

1 सैकड़ा = 10 दहाइयाँ
= 100 इकाइयाँ

1 हजार = 10 सैकड़ा
= 100 दहाइयाँ

1 लाख = 100 हजार
= 1000 सैकड़ा

1 करोड़ = 100 लाख
= 10,000 हजार

(ii) अन्तर्राष्ट्रीय संख्या प्रणाली के अन्तर्गत सभी संख्याओं को निम्नलिखित तालिका के अनुसार पढ़ा और लिखा जाता है।

अवधि	मिलियन			हजार			इकाई		
मान	100,000,000 (सौ मिलियन)	10,000,000 (दस मिलियन)	10,00,000 (मिलियन)	100,000 (सौ हजार)	10,000 (दस हजार)	1,000 (हजार)	100 (सौ)	10 (दस)	1 (एक)
	10^8	10^7	10^6	10^5	10^4	10^3	10^2	10^1	10^0

उदाहरणार्थ : संख्या 14, 542, 786 को अन्तर्राष्ट्रीय संख्या प्रणाली में चौदह मिलियन पाँच सौ बयालीस हजार सात सौ छियासी पढ़ा जाता है।

भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संख्या प्रणाली में अंतर

भारतीय संख्या प्रणाली	अंतर्राष्ट्रीय संख्या प्रणाली
करोड़, लाख, हजार और इकाई 9-अंकों तक की बड़ी संख्या को लिखने के लिए उपयोग किए जाने जाने वाले आवर्त हैं।	मिलियन, हजार तथा इकाई 9-अंकों तक की बड़ी संख्या को लिखने के लिए उपयोग किए जाने वाले आवर्त हैं।
34136858 को 3,41,36,858 के रूप में लिखा जा सकता है।	34136858 को 34,136,858 के रूप में लिखा जा सकता है।

भारतीय संख्या प्रणाली के 1 लाख को अंतर्राष्ट्रीय संख्या प्रणाली में 100 हजार पढ़ा जाता है।

भारतीय संख्या प्रणाली के 10 लाख को अंतर्राष्ट्रीय संख्या प्रणाली में 1 मिलियन पढ़ा जाता है।

भारतीय संख्या प्रणाली के 1 करोड़ को अंतर्राष्ट्रीय संख्या प्रणाली में 10 मिलियन पढ़ा जाता है।

भारतीय संख्या प्रणाली के 10 करोड़ को अंतर्राष्ट्रीय संख्या प्रणाली में 100 मिलियन पढ़ा जाता है।

संख्या का विस्तारित रूप

हम 7 अंकीय तथा 8 अंकीय संख्याओं को विस्तृत रूप में निम्न तरह से लिख सकते हैं–

उदाहरण के लिए

मानक रूप	विस्तृत रूप
78,98,448	7 दस लाख + 8 लाख + 9 दस हजार + 8 हजार + 4 सौ + 4 दस + 8 इकाई $7 \times 1000000 + 8 \times 100000 + 9 \times 10000 + 8 \times 1000 + 4 \times 100 + 4 \times 10 + 8$ $7000000 + 800000 + 90000 + 8000 + 400 + 40 + 8$

मानक रूप	विस्तृत रूप
1,24,28,420	1 करोड़ + 2 दस लाख + 4 लाख + 2 दस हजार + 8 हजार + 4 सौ + 2 दस + 0 इकाई $1 \times 10000000 + 2 \times 1000000 + 4 \times 100000 + 2 \times 10000 + 8 \times 1000 + 4 \times 100 + 2 \times 10 + 0$ $10000000 + 2000000 + 400000 + 20000 + 8000 + 400 + 20 + 0$

II. रोमन संख्या प्रणाली (Roman Number System)—इस प्रणाली में संख्या लैटिन वर्णमाला के अक्षरों के संयोजन द्वारा दर्शायी जाती है। वर्तमान में उपयोग किये जाने वाले रोमन अंक, सात प्रतीकों पर आधारित हैं।

रोमन प्रणाली	I	V	X	L	C	D	M
हिन्दू अरेबिक प्रणाली	1	5	10	50	100	500	1000

उदाहरणार्थ : 25 को XXV तथा 101 को CI लिखा जाता है।

याद रखिये–

- किसी भी संकेत की पुनरावृत्ति होने पर वह जितनी बार आता है उसका मान उतनी ही बार जोड़ दिया जाता है।
- किसी भी संकेत की पुनरावृत्ति तीन से अधिक बार नहीं की जाती है। संकेत V, L व D की कभी पुनरावृत्ति नहीं होती है।
- यदि छोटे मान वाला कोई संकेत एक बड़े मान वाले संकेत के दाईं ओर लग जाता है तो बड़े मान में छोटे मान को जोड़ दिया जाता है।
- यदि छोटे मान वाला कोई संकेत एक बड़े मान वाले संकेत के बाईं ओर लग जाता है तो बड़े मान में छोटे मान को घटा दिया जाता है।
- संकेत V, L और D के मानों को कभी भी घटाया नहीं जाता है। संकेत I को केवल V और X में से घटाया जा सकता है। संकेत X को केवल L, M व C में से ही घटाया जा सकता है।

रोमन संख्याओं की तुलना

आइये देखते हैं कि कैसे <, > तथा = चिह्नों का प्रयोग करके रोमन संख्याओं की तुलना की जाती है –

LIX	>	XLVII		LXXX	>	LXV
XXXI	<	XCII		XLVI	>	XLIV

2. संख्यात्मक मान (Numerical Values)

2.1 इकाई—अंक 0 से 9 तक इकाई अंक होते हैं। 1-अंक की सबसे बड़ी तथा सबसे छोटी संख्या क्रमशः 9 तथा 1 है।

2.2 दहाई—10 से 99 तक की संख्यायें दहाई वाली संख्यायें होती हैं। 2-अंकों की सबसे बड़ी तथा सबसे छोटी संख्या क्रमशः 99 तथा 10 है।

2.3 सैकड़ा—100 से 999 तक की संख्यायें सैकड़े वाली संख्यायें होती हैं। 3–अंकों की सबसे बड़ी एवं सबसे छोटी संख्या क्रमशः 999 तथा 100 है।

2.4 हजार—1,000 से 9999 तक की संख्यायें हजार वाली संख्यायें होती हैं 4-अंकों की सबसे बड़ी तथा सबसे छोटी संख्या क्रमशः 9999 तथा 1000 है।

2.5 दस हजार—10,000 से 99,999 तक की संख्याओं में दस हजार वाली संख्यायें हैं। 5-अंकों की सबसे बड़ी तथा सबसे छोटी संख्या क्रमशः 99,999 तथा 10,000 है।

2.6 लाख—1,00,000 से 9,99,999 तक की संख्यायें लाख वाली संख्यायें होती हैं। 6-अंकों की सबसे बड़ी तथा सबसे छोटी संख्या क्रमशः 9,99,999 तथा 1,00,000 है।

2.7 दस लाख—10,00,000 से 99,99,999 तक की संख्यायें दस करोड़ वाली संख्यायें हैं। 7-अंकों की सबसे बड़ी तथा सबसे छोटी संख्या क्रमशः 99,99,999 तथा 10,00,000 है।

2.8 1 करोड़—1,00,00,000 से 9,99,99,999 तक की संख्यायें करोड़ वाली संख्यायें होती हैं। 8-अंकों की सबसे बड़ी तथा सबसे छोटी संख्या क्रमशः 9,99,99,999 तथा 1,00,00,000 है।

3. स्थानीय मान एवं वास्तविक मान (Local Values and Actual Values)

दी गई संख्या में किसी अंक का मान उसके स्थानीय मान तथा स्वयं के गुणनफल से प्राप्त मान होता है। जैसे—संख्या 4,89,765 में 6 का **स्थानीय मान** $6 \times 10 = 60$ होगा, जहाँ 6 को उसके स्थानीय मान अर्थात् दहाई स्थान (10) से गुणा किया गया है। इसी प्रकार उपरोक्त संख्या में 8 का स्थानीय मान 80,000 तथा 4 का **स्थानीय** मान 4,00,000 होता है।

किसी संख्या में अंक का वास्तविक मान स्वयं संख्या होती है। जैसे—संख्या 59,438 में 9 का वास्तविक मान 9 ही होता है।

नोट—यदि दो अंकों x तथा y से बनी एक संख्या $10x + y$ है, तो x दहाई का अंक तथा y इकाई का अंक होता है।

4. संख्याओं की तुलना (Comparison of Numbers)

4.1 संख्याओं की तुलना जिनमें अंकों की संख्या बराबर नहीं हो—अधिक अंकों वाली संख्या कम अंकों वाली संख्या से बड़ी होती है अथवा कम अंकों वाली संख्या अधिक अंकों वाली संख्या से छोटी होती है।

4.2 संख्याओं की तुलना जिनमें अंकों की संख्या बराबर हो—आठ अंकों वाली संख्याओं में बायें से दायें क्रमशः करोड़, दस लाख, लाख, दस हजार, हजार, सैकड़ा, दहाई, इकाई के स्थानों पर लिखे अंकों की तुलना के आधार पर छोटी अथवा बड़ी संख्या ज्ञात करते हैं।

उदाहरण 1. 54,29,683 और 54,29,684 में दस लाख, लाख, दस हजार, हजार, सैकड़ा, दहाई के स्थानों पर लिखे अंक समान हैं तथा इकाई के स्थान पर लिखे अंकों में $3 < 4$ अथवा $4 > 3$ है। अतः

$54,29,683 < 54,29,684$ अथवा $54,29,684 > 54,29,683$

उदाहरण 2. 5403100, 2560860, 14580872, 1450378 को आरोही क्रम में लिखिये।

हल : दी गई संख्याओं को छोटे से बड़े क्रम में रखने पर इनका आरोही क्रम = 1450378, 2560860, 5403100, 14580872

उदाहरण 3. 1329543, 2329543, 13295406, 329543 को अवरोही क्रम में लिखिये।

हल : दी गई संख्याओं को बड़े से छोटे क्रम में रखने पर इनका अवरोही क्रम = 13295406, 2329543, 1329543, 329543

5. संख्याओं का वर्गीकरण (Classification of Numbers)

दशमलव संख्या पद्धति (Decimal System) में संख्याओं को 0, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 आदि अंकों के प्रयोग द्वारा निरूपित किया जाता है। संख्याओं को उनके गुणों के आधार पर अलग-अलग समूह में वर्गीकृत किया गया है।

5.1 प्राकृत संख्यायें (Natural Numbers)– ये संख्यायें 1 से प्रारम्भ होती हैं और अनन्त तक जाती हैं। इनके समूह को N से दर्शाते हैं।

$N = \{1, 2, 3, 4, 5...\}$

5.2 पूर्ण संख्यायें (Whole Numbers)–जब प्राकृत संख्याओं में शून्य को शामिल किया जाता है तो पूर्ण संख्यायें बन जाती हैं।

$W = \{0, 1, 2, 3, 4...\}$

5.3 सम संख्यायें (Even Numbers)–वे संख्यायें जो 2 से भाज्य होती हैं, सम संख्यायें कहलाती हैं।

$E = \{2, 4, 6, 8, ...\}$

5.4 विषम संख्यायें (Odd Numbers)–वे संख्यायें जो 2 से भाज्य नहीं होती हैं, विषम संख्यायें कहलाती हैं।

$O = \{1, 3, 5, 7, ...\}$

5.5 पूर्णांक संख्यायें (Integers)–धनात्मक व ऋणात्मक चिह्न वाली संख्याओं को पूर्णांक संख्यायें कहते हैं।

$I = \{...-3, -2, -1, 0, 1, 2, 3...\}$

5.6 अभाज्य संख्यायें (Prime Numbers)–1 से बड़ी उन सभी प्राकृत संख्याओं का समूह जिसमें उस संख्या तथा 1 को छोड़कर अन्य किसी भी संख्या से भाग देने पर वह पूर्णतः विभाजित न हो सके। '2' एक मात्र ऐसी संख्या है जो सम भी है और अभाज्य भी है।

$P = \{2, 3, 5, 7, 11, ...\}$

5.7 परिमेय संख्यायें–वे संख्यायें जिनको p/q के रूप में लिखा जा सकता है जहाँ p और q कोई ऐसी संख्यायें हैं जो कि अभाज्य हैं तथा $q \neq 0$ है। इनके समूह को परिमेय संख्या (Rational Number) कहा जाता है।

$$R = \left\{.......\frac{2}{5}, \frac{1}{5}, -4, 0, 4, \frac{7}{5}\right\}$$

5.8 अपरिमेय संख्यायें–वे संख्यायें जिनको p/q के रूप में लिखना सम्भव न हो, ऐसी संख्याओं के समूह को अपरिमेय संख्या कहते हैं। यहाँ भी p व q परस्पर अभाज्य संख्याएँ होंगी तथा $q \neq 0$ होगा।

$$L = \{.......\sqrt{2}, \sqrt{3}, \sqrt{7}.........\}$$

5.9 क्रमागत संख्याएँ– वह संख्याएँ जो एक ही क्रम में आये क्रमागत संख्याएँ कहलाती हैं उदाहरण 1, 2, 3, 4 आदि।

6. संख्याओं का निर्माण करना (Forming Numbers)

हम दिए हुए अंकों से सबसे छोटी तथा सबसे बड़ी संख्या बना सकते हैं।
सबसे बड़ी संख्या बनाने के लिए अंकों को घटते हुए क्रम में लिखते हैं।
उदाहरण के लिए– 3, 5, 1, 9, 8, 0, 4 तथा 2 का प्रयोग करके बनायी गयी 8 अंकों की सबसे बड़ी संख्या 9,85,43,210
सबसे छोटी संख्या बनाने के लिए अंकों को बढ़ते हुए क्रम में लिखते हैं।
उदाहरण के लिए – 3, 5, 1, 9, 8, 0, 4 तथा 2 का प्रयोग करके बनायी गयी 8 अंकों की सबसे बड़ी संख्या 1,02,34,589
यहाँ 8 अंकों की सबसे छोटी संख्या बनाने के लिए हम 0 को शुरुआत में नहीं रख सकते।

7. संख्याओं का सन्निकट मान (Approx Value of Numbers)

दैनिक जीवन में विशेष परिस्थितियों में संख्याओं के आंकलन पर केवल अनुमानित मान प्रयोग किये जाते हैं। जैसे–राशन के मासिक व्यय का अनुमान, शादी में निमंत्रण पत्रों की संख्या का अनुमान, किसी व्यक्ति की उम्र का अनुमानित मान इत्यादि। इस अनुमानित मान को ही संख्याओं का सन्निकट मान कहा जाता है।

संख्याओं में सन्निकट मान ज्ञात करने के लिए संख्याओं के स्थानीय मान को आधार माना जाता है। कुछ स्थानीय मानों के सन्निकट मान विभिन्न प्रकार से ज्ञात किये जाते हैं।

7.1 दहाई तक सन्निकट मान ज्ञात करना–संख्या का दहाई तक सन्निकट मान ज्ञात करने के लिए इकाई के अंक का आंकलन करते हैं। यदि इकाई का अंक 1, 2, 3 और 4 है, तो वह शून्य के अधिक निकट माना जाता है। यदि इकाई का अंक 5 या उससे अधिक है, तो दहाई के अंक में 1 अंक की वृद्धि हो जाती है तथा इकाई अंक शून्य हो जाता है।

उदाहरण : संख्या 9537 का दहाई अंक तक सन्निकट मान ज्ञात कीजिए।

हल : दी गई संख्या का दहाई अंक तक सन्निकट मान ज्ञात करने के लिए इकाई अंक का आंकलन किया जाता है। यहाँ, चूँकि इकाई अंक 7 है, इसीलिए संख्या में इकाई अंक शून्य तथा दहाई अंक में 1 अंक की वृद्धि होती है। अतः संख्या 9537 का दहाई अंक तक सन्निकट मान 9540 होगा।

7.2 सैकड़ा तक सन्निकट मान ज्ञात करना–संख्या का सैकड़ा तक सन्निकट मान ज्ञात करने के लिए दहाई के अंक का आंकलन करते हैं। यदि दहाई का अंक 1, 2, 3 और 4 है, तो वह शून्य के अधिक निकट माना जाता है। यदि दहाई का अंक 5 या उससे अधिक है, तो सैकड़ा के अंक में 1 अंक की वृद्धि हो जाती है तथा दहाई अंक शून्य हो जाता है।

उदाहरण : संख्या 7351 का सैकड़ा अंक तक सन्निकट मान ज्ञात कीजिए।

हल : दी गई संख्या का सैकड़ा अंक तक सन्निकट मान ज्ञात करने के लिए दहाई अंक का आंकलन किया जाता है। यहाँ, चूँकि दहाई

अंक 5 है, इसीलिए संख्या में दहाई और इकाई अंकों के स्थान पर शून्य तथा सैकड़ा अंक में 1 अंक की वृद्धि होती है। अतः संख्या 7351 का सैकड़ा अंक तक सन्निकट मान 7400 होगा।

7.3. हजार तक सन्निकट मान ज्ञात करना—संख्या का हजार तक सन्निकट मान ज्ञात करने के लिए सैकड़ा अंक का आंकलन करते हैं। यदि सैकड़ा का अंक 1, 2, 3 और 4 है, तो वह शून्य के अधिक निकट माना जाता है। यदि सैकड़ा का अंक 5 या उससे अधिक है, तो हजार के अंक में 1 अंक की वृद्धि हो जाती है तथा सैकड़ा अंक शून्य हो जाता है।

उदाहरण : संख्या 53458 का हजार अंक तक सन्निकट मान ज्ञात कीजिए।

हल : चूँकि संख्या में सैकड़ा अंक 4 है, इसीलिए सैकड़ा, दहाई और इकाई अंकों के स्थान पर शून्य तथा हजार का अंक यथावत् ही रहता है। अतः संख्या 53458 का हजार अंक तक सन्निकट मान 53000 होगा।

8. पूर्ण संख्याएँ (Whole Numbers)

हम संख्या 1 से गिनना शुरू करते हैं। अतः 1 प्रथम प्राकृत संख्या है तथा अगली प्राकृत संख्या 2 है जो प्रथम संख्या में 1 जोड़ने पर प्राप्त होती है। अतः संख्याओं को उनकी क्रमबद्धता के अनुसार दो प्रकार से दर्शाया गया है–

8.1 पूर्ववर्ती संख्या तथा अनुवर्ती संख्या—किसी प्राकृत संख्या से ठीक पहले की प्राकृत संख्या उसकी पूर्ववर्ती होती है।

उदाहरण : संख्या 65 की पूर्ववर्ती संख्या = 65 – 1 = 64

संख्या 127 की पूर्ववर्ती संख्या = 127 – 1 = 126

किसी प्राकृत संख्या से ठीक अगली प्राकृत संख्या उसकी अनुवर्ती (परवर्ती) संख्या होती है।

उदाहरण : संख्या 785 की अनुवर्ती संख्या = 785 + 1 = 786

संख्या 109 की अनुवर्ती संख्या = 109 + 1 = 110

8.2 पूर्ण संख्याएँ—प्राकृत संख्याएँ शून्य के साथ मिलकर पूर्ण संख्याओं का निर्माण करती हैं। जब पूर्ण संख्याओं पर संक्रियायें (जोड़–घटाव, गुणा, भाग) प्रयोग की जाती हैं तो अनेक गुणों का पता चलता हैं।

I. पूर्ण संख्याओं के गुण

(i) प्राकृत संख्याओं के सभी गुण पूर्ण संख्याओं के लिए सत्य हैं।

(ii) सबसे छोटी पूर्ण संख्या शून्य (0) है।

II. पूर्ण संख्याओं के गुणधर्म

(i) संवृत गुण—यदि a तथा b दो पूर्ण संख्याएँ हैं, तो $a + b$ तथा $a * b$ पूर्ण संख्याएँ होंगी।

उदाहरण :
- $4 + 5 = 9$, एक पूर्ण संख्या
- $4 \times 5 = 20$, एक पूर्ण संख्या
- $4 - 5 = -1$, एक पूर्ण संख्या नहीं है।
- $4 \div 5 = \frac{4}{5}$, एक पूर्ण संख्या नहीं है।

अतः पूर्ण संख्याएँ व्यवकलन (घटाने) तथा भाग के अन्तर्गत संवृत नहीं होती हैं।

(ii) क्रमविनिमय गुण—पूर्ण संख्याओं के लिए, योग तथा गुणन दोनों ही क्रमविनिमय हैं।

उदाहरण :
- $4 + 5 = 9 = 5 + 4$
- $7 \times 6 = 42 = 6 \times 7$

परन्तु,
- $7 - 4 = 3 \neq 4 - 7$
- $6 \div 2 = 3 \neq 2 \div 6$

अतः क्रमविनिमय घटाव तथा भाग के लिए उपयोगी नहीं है।

(iii) साहचर्य गुण—पूर्ण संख्याओं के लिए योग तथा गुणन दोनों ही साहचर्य हैं।

उदाहरण : $4 + (5 + 6) = 4 + 11 = 15$

$(4 + 5) + 6 = 9 + 6 = 15$

$\therefore \quad 4 + (5 + 6) = (4 + 5) + 6$

(iv) वितरण या बंटन गुण—

उदाहरण : $4 \times (5 + 8) = 4 \times 5 + 4 \times 8$

$4 \times 13 = 20 + 32$

$52 = 52$

उदाहरण से स्पष्ट है कि इसे योग पर गुणन का वितरण गुण कहते हैं।

(v) तत्समक अवयव—

(i) योज्य तत्समक—'0' को योज्य तत्समक कहा जाता है, क्योंकि यह एक मात्र ऐसा अवयव है जिसको किसी संख्या के साथ जोड़ने पर वही संख्या प्राप्त होती है।

उदाहरण : 5 + 0 = 5 तथा 7 + 0 = 7 इत्यादि।

(ii) गुणनात्मक तत्समक—'1' को गुणनात्मक तत्समक कहा जाता है, क्योंकि यह एक मात्र ऐसा अवयव है जिसको किसी संख्या के साथ गुणा करने पर वही संख्या प्राप्त होती है।

उदाहरण : 6 × 1 = 6 तथा 9 × 1 = 9 इत्यादि।

9. पूर्णांक (Integers)

संख्या रेखा पर अंकित शून्य के दोनों ओर की समस्त ऋणात्मक संख्याओं तथा धनात्मक संख्याओं के समुच्चय को पूर्णांक कहते हैं।

उदाहरण : –5, – 4, – 3, –2, –1, 0, 1, 2, 3, 4 तथा 5 सभी पूर्णांक संख्याएँ हैं।

संख्या रेखा पर पूर्णांक संख्याओं को निम्नलिखित भाँति दर्शाया जाता है।

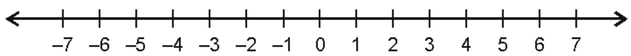

9.1 पूर्णांक संख्याओं के गुणधर्म

I. योग के लिए संवृत गुणधर्म—किन्ही दो पूर्ण संख्याओं का योगफल सदैव एक पूर्ण संख्या ही होती है और हम कहते हैं कि पूर्ण संख्याएँ योग के लिए संवृत होती हैं।

क्र.सं.	पूर्णांक 1	पूर्णांक 2	योगफल	योगफल पूर्णांक है/नहीं है
1.	+2	+5	+7	
2.	–3	+7		
3.	–4	+4		
4.	3	–5		

II. घटाव के अंतर्गत संवृत गुणधर्म–जब हम एक पूर्णांक में से दूसरे पूर्णांक को घटाते हैं तो उनका अंतर भी पूर्णांक ही प्राप्त होता है।

	कथन	प्रेक्षण
1.	$7 - 5 = 2$	परिणाम एक पूर्णांक है।
2.	$4 - 9 = -5$	....
3.	$(-4) - (-5) =$	परिणाम एक पूर्णांक है।
4.	$(-18) - (-18) =$	....
5.	$17 - 0 =$	....

III. क्रमविनिमय गुणधर्म–हम जानते हैं कि $2 + 4 = 4 + 2 = 6$ अर्थात् पूर्ण संख्याओं के योग में क्रम बदलने से परिणाम में कोई परिवर्तन नहीं आता है अतः क्रमविनिमेय गुणधर्म का पालन होता है।

व्यापक रूप में, दो पूर्णांकों a तथा b के लिए हम कह सकते हैं कि

$$a + b = b + a$$

IV. साहचर्य गुणधर्म–पूर्णांकों का योग साहचर्य नियम का पालन करता है। अर्थात्

$$a + (b + c) = (a + b) + c$$

V. योज्य तत्समक–किसी भी पूर्णांक में 0 जोड़ने से योगफल वही पूर्णांक प्राप्त होता है अतः '0' पूर्णांकों के लिए योज्य तत्समक है।

9.2 पूर्णांकों का गुणन

I. धनात्मक पूर्णांक का ऋणात्मक पूर्णांक से गुणन–

$$3 \times 4 = 4 + 4 + 4 = 12$$

$$3 \times (-4) = (-4) + (-4) + (-4) = -12$$

इस विधि का उपयोग करते हुए हमने पाया कि धनात्मक पूर्णांक को ऋणात्मक पूर्णांक से गुणा करने पर ऋणात्मक पूर्णांक प्राप्त होता है, परन्तु क्या होता है जब ऋणात्मक पूर्णांक को धनात्मक पूर्णांक से गुणा करते हैं ?

$(-3) \times 4 = -12 = 3 \times (-4)$ इसी प्रकार हम $(-5) \times 3 = -15 = 3 \times (-5)$ भी प्राप्त कर सकते हैं।

II. दो ऋणात्मक पूर्णांकों का गुणन–दो ऋणात्मक पूर्णांकों का गुणनफल एक धनात्मक पूर्णांक होता है। हम दो ऋणात्मक पूर्णांकों को पूर्ण संख्याओं के रूप में गुणा करते हैं तथा गुणनफल के पूर्व में (+) का चिह्न लगाते हैं।

उदाहरणत :–

$(-10) \times (-14) = 140, (-5) \times (-6) = 30$

व्यापक रूप में दो धनात्मक पूर्णांकों a तथा b के लिए

$$(-a) \times (-b) = a \times b$$

III. शून्य से गुणन–किसी भी पूर्णांक को शून्य से गुणा करने पर शून्य प्राप्त होता है। व्यापक रूप में हम कह सकते हैं कि किसी भी पूर्णांक a के लिए

$$\boxed{a \times 0 = 0 = 0 \times a}$$

10. संख्याओं का विभाजकता नियम (Divisibility Rules of Numbers)

I. 2 से विभाजकता : यदि किसी संख्या का इकाई अंक 0, 2, 4, 6, 8 में से हो, तो वह संख्या 2 से विभाज्य होती है।

II. 3 से विभाजकता : यदि किसी संख्या के सभी अंकों का योग, 3 से विभाज्य है, तो वह संख्या भी 3 से विभाजित होती है।

III. 4 से विभाजकता : यदि किसी संख्या के अन्तिम दो अंकों का युग्म, 4 से विभाज्य है, तो वह संख्या भी 4 से विभाजित होती है।

IV. 5 से विभाजकता : यदि संख्या का इकाई अंक 0 अथवा 5 है, तो वह संख्या 5 से पूर्णतया विभाजित होती है।

V. 6 से विभाजकता : यदि संख्या 2 तथा 3 से पूर्णतया विभाज्य है, तो वह संख्या 6 से भी पूर्णतया विभाजित होती है।

VI. 7 से विभाजकता : संख्या का इकाई अंक लेकर उसका दोगुना करें। प्राप्त संख्या को मूल संख्या के शेष अंकों में से घटायें। यदि प्राप्त नयी संख्या शून्य (0) अथवा 7 से विभाजित होने वाली संख्या है, तो मूल संख्या भी 7 से विभाजित होगी।

VII. 8 से विभाजकता : संख्या के अन्तिम तीन अंकों का युग्म, यदि 8 से विभाज्य है, तो वह संख्या भी 8 से विभाजित होगी।

VIII. 9 से विभाजकता : यदि संख्या के सभी अंकों को योग, 9 से विभाजित है, तो वह संख्या भी 9 से विभाजित होगी।

IX. 11 से विभाजकता : यदि संख्या में सम स्थानों पर अंकों के योग तथा विषम स्थानों पर अंकों के योग का अन्तर, 11 से विभाज्य है, तो संख्या भी 11 से विभाज्य होगी।

अन्य उदाहरण (Other Example)

किसी संख्या के अंकों के योगफल को उसी संख्या से घटाने पर प्राप्त संख्या सदैव 9 से विभाजित होती है।

उदाहरण : 1. 159

$$159 - (1 + 5 + 9) = 159 - 15 = 144 = 9 \times 16$$

अतः प्राप्त संख्या 9 से विभाजित है।

2. 5843

$$5843 - (5 + 8 + 4 + 3) = 5843 - 20 = 5823 = 9 \times 647$$

अतः प्राप्त संख्या 9 से विभाजित है।

3. 98

$$98 - (9 + 8) = 98 - 17 = 81 = 9 \times 9$$

अतः प्राप्त संख्या 9 से विभाजित है।

जवाहर नवोदय विद्यालय के विगत वर्षों (2019-2009) में पूछे गये प्रश्न

1. निम्न में से कौन-सा कथन सत्य है ?

(A) शून्य एक विषम संख्या है।

(B) शून्य एक सम संख्या है।

(C) शून्य एक अभाज्य संख्या है।

(D) शून्य न तो विषम और न ही सम संख्या है।

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2019

1. (D) शून्य न तो विषम और न ही सम संख्या है।

2. संख्या 584356 में 5 के स्थानीय मानों का योगफल क्या होगा ?

(A) 10 (B) 50050

(C) 5050 (D) 500050

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2019

2. (D) दिया है 5 84 356

5 का स्थानीय मान → ⑤ 84 3⑤6

अर्थात् 500000 और 50

5 के स्थानीय मान का योग

$= 500000 + 50 = 500050$

3. 0, 3, 6, 7 एवं 9 का प्रयोग कर (पुनरावृत्ति न होने पर) निर्मित 5 अंक की सबसे बड़ी एवं सबसे छोटी संख्या में अन्तर ज्ञात कीजिए–

(A) 93951 (B) 67061

(C) 66951 (D) 60840

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2019

3. (C) दिये हुए अंक = 0, 3, 6, 7, 9

5 अंक की सबसे बड़ी संख्या = 97630

5 अंक की सबसे छोटी संख्या = 30679

$\therefore$ सबसे बड़ी एवं सबसे छोटी संख्या में अन्तर $= 97630 - 30679$

$= 66951$

4. यदि a, b की पूर्ववर्ती संख्या है, तो $(a-b)$ और $(b-a)$ का मान है–

(A) –1 तथा 1 (B) 1 तथा –1

(C) 0 तथा (D) 1 तथा 0

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2018

4. (A) प्रश्नानुसार, a, b की पूर्ववर्ती है

तब $b - 1 = a$

जहाँ $(a-b)$ और $(b-a)$

तब a का मान रखने पर,

$[b-1-b]$ तथा $[b-(b-1)]$

$\Rightarrow [b-1-b]$ तथा $[b-b+1]$

या, -1 तथा 1.

5. निम्न संख्याओं में से कौन–सी संख्या 18 से पूर्णतया विभाजित होती है–

(A) 444444

(B) 555555

(C) 666660

(D) 666666

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2018

5. (D) कोई संख्या 2 तथा 9 से विभाज्य है। तो वह पूर्णतः 18 से भी विभाज्य होगी।

(i) 2 से विभाज्यता–यदि इकाई में 0, 2, 4, 6, 8 हो तो वह संख्या 2 से विभाज्य होगी।

(ii) 9 से विभाज्यता–संख्या के अंकों का योग 9 का गुणज हो तो 9 से विभाज्य होगी। जैसे $783 = 7 + 8 + 3 = 18$, जो कि 9 का गुणज है। अतः 783 से 9 से विभाज्य होगी।

प्रश्नानुसार, जाँच करने पर

संख्या 666666, 2 तथा 9 दोनों से विभाज्य है।

अतः 666666, 18 से पूर्णतः विभाजित होगी।

6. विभिन्न अंकों से बनी चार अंकीय छोटी–से–छोटी संख्या, जिसमें 9 दहाई के स्थान पर हो, कौन–सी है?

(A) 1092 (B) 1290

(C) 2091 (D) 2190

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2017

6. (A) प्रश्नानुसार, विभिन्न अंकों से बनी चार अंकीय छोटी से छोटी संख्या जिसमें 9 दहाई के स्थान पर =1092

7. $101 \times 0 \times 11$ बराबर है–

(A) 112 (B) 1010

(C) 0 (D) 11.11

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2017

7. (C) प्रश्न से, $101 \times 0 \times 11 = 0$

8. अंकों 9, 5, 0, 2, 4 का प्रयोग करके सबसे छोटी पाँच–अंकीय सम संख्या है–

(A) 20594 (B) 20459

(C) 02594 (D) 02459

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2017

8. (A) अंक 9, 5, 0, 2, 4

सबसे छोटी पाँच अंकीय सम संख्या

= 20594

9. संख्या 59368 में सबसे अधिक स्थानीय मान किसका है?

(A) 9 का (B) 8 का

(C) 5 का (D) 6 का

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2016

9. (C) प्रश्नानुसार,

59368 में 5 का स्थानीय मान = 50000

59368 में 9 का स्थानीय मान = 9000

59368 में 3 का स्थानीय मान = 300

59368 में 6 का स्थानीय मान = 60

59368 में 8 का स्थानीय मान = 8

अतः दी गई संख्या में 5 का स्थानीय मान सबसे अधिक है।

10. पाँच अंकों की बड़ी–से–बड़ी तथा छोटी– से–छोटी संख्याओं का योगफल कितना होगा?

(A) 100999 (B) 10999

(C) 109999 (D) 1009999

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2016

10. (C) प्रश्नानुसार, पाँच अंको की सबसे बड़ी संख्या = 99999

तथा पाँच अंको की सबसे छोटी संख्या = 10000

99999

$\therefore$ अभीष्ट योगफल = +10000

109999

11. 56789 तथा 98765 का दस हजार में निकटतम कीजिए–

(A) 59000, 10009 (B) 60000, 100000

(C) 59900, 10080 (D) 62000, 10675

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2016

11. (B) 56789 = 60000

तथा 98765 = 100000

12. 1 और 100 के बीच ऐसी कितनी संख्याएँ हैं, जो 6 से पूर्णतया विभाजित हों?

(A) 15 (B) 17

(C) 16 (D) 19

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2016

12. (C) 1 और 100 के बीच 6 से विभाजित संख्या $= 100 \div 6$

अतः भाग देने पर

6)100(16
6
40
36
4

13. निम्नलिखित संख्या पैटर्न की अगली पंक्ति कौनसी है?

81	74	63
108	101	90
135	128	117
...	...	...

(A) 150, 143, 132 (B) 162, 143, 132
(C) 162, 144, 133 (D) 162, 155, 144

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2015

13. (D) प्रश्नानुसार, पहले स्तम्भ से,
$81 + 27 = 108$
तथा $108 + 27 = 135$
इसी प्रकार $135 + 27 = \boxed{162}$
दूसरे स्तम्भ से,
$75 + 27 = 101$
तथा $101 + 27 = 128$
इसी प्रकार $128 + 27 = \boxed{155}$
तीसरे स्तम्भ से,
$63 + 27 = 90$
तथा $90 + 27 = 117$
इसी प्रकार, $117 + 27 = \boxed{144}$

14. निम्नलिखित चार संख्याओं में से सबसे बड़ी संख्या क्या है?
8080, 8800, 8008, 8880
(A) 8080 (B) 8008
(C) 8880 (D) 8800

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2015

14. (C) प्रश्न में दी गई संख्याओं में अभीष्ट सबसे बड़ी संख्या = 8880

15. निम्नलिखित को आरोही क्रम में लिखिए—
11023, 11032, 12031, 12013
(A) 11023, 12031, 12013, 11032
(B) 11032, 12013, 11023, 12031
(C) 11023, 11032, 12013, 12031
(D) 11032, 11023, 12013, 12031

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2015

15. (C) प्रश्नानुसार, दी गई संख्याओं का अभीष्ट आरोही क्रम $11023 < 11032 < 12013 < 12031$

16. यदि प्रत्येक पंक्ति, प्रत्येक स्तम्भ तथा प्रत्येक विकर्ण में लिखी संख्याओं का योग समान है, तो *a*, *b* तथा *c* के क्रमशः मान लिखिए—

8	1	*a*
3	*b*	*c*
4	9	2

(A) 6, 5, 7 (B) 5, 6, 7
(C) 7, 6, 5 (D) 6, 7, 5

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2014

16. (A) प्रश्न से, पहले स्तम्भ का योग
$= 8 + 3 + 4 = 15$
तथा दूसरे स्तम्भ का योग
$= 1 + b + 9$
$= 10 + b$
अतः प्रश्नानुसार,
$10 + b = 15$
$\Rightarrow b = (15 - 10)$
$\therefore b = 5$
अब पहली पंक्ति का योग $= 8 + 1 + a$
$= 9 + a$
अतः प्रश्नानुसार, $9 + a = 15$
$\Rightarrow a = (15 - 9)$
$\therefore a = 6$
तथा तीसरे स्तम्भ का योग
$= a + c + 2$
अतः प्रश्नानुसार,
$\Rightarrow a + c + 2 = 15$
$6 + c + 2 = 15$
$\Rightarrow c + 8 = 15$
$\Rightarrow c = (15 - 8)$
$\therefore c = 7$

17. अंकों 0, 9 तथा 6 से बनी तीन अंकों की बड़ी–से–बड़ी तथा छोटी–से–छोटी संख्याओं का गुणनफल है—
(A) 99,900 (B) 5,84,640
(C) 66,240 (D) 8,69,760

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2014

17. (B) प्रश्न से, अंकों 0, 9 और 6 से बनी तीन अंकों की बड़ी–से–बड़ी संख्या = 960
तथा छोटी–से–छोटी संख्या = 609
अतः अभीष्ट गुणनफल $= 960 \times 609$
$= 584640$

18. अंकों 4, 5, 0 तथा 3 का प्रयोग करके 5 अंकों वाली छोटी–से–छोटी संख्या क्या है (अंकों की पुनरावृत्ति सम्भव है)?
(A) 30450 (B) 30045
(C) 34500 (D) 30540

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2014

18. (B) 4, 5, 0, 3 अंकों का प्रयोग करके 5 अंकों की छोटी–से–छोटी संख्या (अंकों की पुनरावृत्ति सम्भव है) = 30045

19. निम्न संख्याओं को बढ़ते क्रम में लगाइए—
98230, 98023, 89320, 98032
(A) 98230, 98023, 89320, 98032
(B) 89320, 98230, 98032, 98023
(C) 89320, 98032, 98023, 98230
(D) 89320, 98023, 98032, 98230

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2014

19. (D) प्रश्नानुसार, संख्याओं का बढ़ता हुआ क्रम : $89320 < 98023 < 98032 < 98230$

20. अंकों 9, 8 तथा 0 का प्रयोग कर (जब प्रत्येक अंक को केवल एक बार ही प्रयोग किया जा सकता है) कुल कितनी प्राकृत संख्याएँ बनाई जा सकती हैं?
(A) 4 (B) 7
(C) 8 (D) 10

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2014

20. (D) अंकों 9, 8 व 0 का प्रयोग करके बनने वाली संख्याएँ
= 8, 9, 80, 89, 90, 98, 809, 890, 908 व 980
$\therefore$ अभीष्ट संख्याएँ = 10

21. संख्याओं की अगली पंक्ति है—

40	45	50
55	60	65
70	75	80

(A) 75, 80, 85 (B) 85, 90, 95
(C) 90, 95, 100 (D) 70, 75, 85

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2013

21. (B) प्रश्नानुसार, प्रथम स्तम्भ से,
$40 + 15 = 55$
$55 + 15 = 70$
इसी प्रकार, $70 + 15 = \boxed{85}$
द्वितीय स्तम्भ से,
$45 + 15 = 60$
$60 + 15 = 75$
इसी प्रकार, $75 + 15 = \boxed{90}$
तीसरे स्तम्भ से,
$50 + 15 = 65$
$65 + 15 = 80$
इसी प्रकार, $80 + 15 = \boxed{95}$
अगली पंक्ति 85, 90, 95 होगी।

22. यदि प्रत्येक पंक्ति, स्तम्भ तथा कर्ण का योग समान है, तो क्रमशः *a*, *b*, *c* तथा *d* के मान हैं—

a	1	b
3	5	d
c	9	2

(A) 8, 6, 4, 7 (B) 6, 8, 4, 7
(C) 7, 8, 6, 4 (D) 4, 6, 7, 8

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2013

22. (A) प्रश्न से,
दूसरे स्तम्भ का योग $= 1 + 5 + 9$
$= 15$

प्रश्नानुसार,

दूसरी पंक्ति का योग = $3 + 5 + d$

$= d + 8$

अतः $d + 8 = 15$

$\Rightarrow d = (15 - 8)$

$\therefore d = 7$

तीसरे स्तम्भ का योग = $b + d + 2$

तब $b + 7 + 2 = 15$

$\Rightarrow b + 9 = 15$

$\Rightarrow b = (15 - 9)$

$\therefore b = 6$

पहली पंक्ति का योग

$a + 1 + b = 15$

$\Rightarrow a + 1 + 6 = 15$

$\Rightarrow a + 7 = 15$

$\Rightarrow a = (15 - 7)$

$\therefore a = 8$

तीसरी पंक्ति का योग

$c + 9 + 2 = 15$

$\Rightarrow c + 11 = 15$

$\Rightarrow c = (15 - 11)$

$\therefore c = 4$

अतः $a, b, c,$ तथा $d = 8, 6, 4, 7$

23. दो अंकों की बड़ी–से–बड़ी अभाज्य संख्या है–

(A) 93 (B) 97

(C) 91 (D) 99

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2013

23. (B) दो अंकों की बड़ी से बड़ी अभाज्य संख्या = 97

24. 5 अंकों वाली बड़ी–से–बड़ी तथा छोटी–से–छोटी संख्या जो अंकों 0, 3, 6, 8 तथा 9 से बनती हैं, (प्रत्येक अंक केवल एक बार प्रयोग करने पर) का अन्तर है–

(A) 94941 (B) 61821

(C) 61740 (D) 67941

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2013

24. (D) प्रश्नानुसार, अंक 0, 3, 6, 8 तथा 9 का प्रयोग करके बनने वाली पाँच अंकों की बड़ी–से–बड़ी संख्या

= 98630

तथा छोटी–से–छोटी संख्या

= 30689

$\therefore$ अभीष्ट अन्तर = (98630 – 30689)

= 67941

25. $(3207 \times 12 \times 17 \times 13)$ के गुणनफल में इकाई का अंक है–

(A) 0 (B) 3

(C) 4 (D) 7

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2013

25. (C) $(3207 \times 12 \times 17 \times 13)$ में इकाई का अंक

$\because$ 3207 में इकाई का अंक = 7

12 में इकाई का अंक = 2

17 में इकाई का अंक = 7

13 में इकाई का अंक = 3

$\therefore (7 \times 2 \times 7 \times 3)$ में इकाई का अंक

= 294 में इकाई का अंक

= 4

26. 5 अंकों की बड़ी–से–बड़ी सम संख्या जो 3, 0, 5, 7 तथा 8 से बनी है, है–

(A) 83570 (B) 85703

(C) 87530 (D) 87350

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2013

26. (C) अंक 3, 0, 5, 7 तथा 8 से बनने वाली 5 अंकों की बड़ी–से–बड़ी सम संख्या = 87530

27. 5 अंकों वाली बड़ी–से–बड़ी संख्या जो अंकों 9, 6, 3 तथा 0 (कोई अंक दो बार प्रयोग किया जा सकता है) से बनती है, है–

(A) 96630 (B) 96300

(C) 99630 (D) 90963

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2013

27. (C) प्रश्नानुसार, 9, 6, 3 तथा 0 अंक से बनने वाली 5 अंकों की बड़ी–से–बड़ी संख्या (कोई अंक दो बार प्रयोग किया जाता है) = 99630

28. निम्न पैटर्न में अंकों की अगली पंक्ति है–

30	45	60
42	57	72
54	69	84
...	...	...

(A) 60 65 70 (B) 60 75 90

(C) 66 81 96 (D) 66 86 106

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2012

28. (C) प्रश्नानुसार, प्रथम स्तम्भ से,

30 + 12 = 42, 42 + 12 = 54

अतः संख्या 54 + 12 = $\boxed{66}$

तथा दूसरे स्तम्भ से,

45 + 12 = 57, 57 + 12 = 69

अतः संख्या 69 + 12 = $\boxed{81}$

तथा तीसरे स्तम्भ से,

60 + 12 = 72, 72 + 12 = 84

अतः संख्या 84 + 12 = $\boxed{96}$

अतः अगली पंक्ति में संख्याएँ 66, 81 और 96 होंगी।

29. 14510 की निकटतम हजारों में लिखी संख्या तथा 8849 की निकटतम सैकड़ों में लिखी संख्या का अन्तर है–

(A) 5200

(B) 5700

(C) 6200

(D) 6150

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2012

29. (C) प्रश्न से, संख्या 14510 की निकटतम हजारों में लिखी संख्या = 15000

तथा संख्या 8849 की निकटतम सैकड़ों में लिखी संख्या = 8800

$\therefore$ अभीष्ट अन्तर = (15000 – 8800)

= 6200

30. 2-अंकीय ऐसी अभाज्य संख्याएँ कितनी होंगी जिनका प्रत्येक अंक भी अभाज्य संख्या हो?

(A) 3

(B) 4

(C) 6

(D) 9

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2012

30. (B) दो अंकों की अभाज्य संख्याएँ जिनका प्रत्येक अंक भी अभाज्य संख्या हो 23, 37, 53 और 73 हैं।

अतः ऐसी संख्याएँ चार होंगी।

31. संख्याओं 45405, 45450, 45504, 45449 का घटता क्रम है–

(A) 45504, 45450, 45449, 45405

(B) 45405, 45449, 45450, 45504

(C) 45450, 45504, 45405, 45449

(D) 45504, 45405, 45449, 45450

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2012

31. (A) प्रश्न से, संख्याओं का घटता हुआ क्रम :

$45504 > 45450 > 45449 > 45405$

32. 5 अंकीय बड़ी–से–बड़ी विषम तथा छोटी–से–छोटी विषम संख्याएँ, जो अंकों 0, 3, 6, 7 तथा 9 अंकों की पुनरावृत्ति नहीं करती हैं से बनी हैं, में अन्तर है–

(A) 66951

(B) 66924

(C) 20700

(D) 19564

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2012

32. (B) प्रश्न से, अंक 0, 3, 6, 7 व 9 के प्रयोग से बनाई गई पाँच अंकों की बड़ी से बड़ी विषम संख्या = 97603

अंक 0, 3, 6, 7 व 9 के प्रयोग से बनाई गई पाँच अंकों की सबसे छोटी विषम संख्या = 30679

अतः अभीष्ट अन्तर = (97603 – 30679)

= 66924

33. संख्या क्रम की अगली पंक्ति क्या है?

25	50	520
27	54	420
29	58	320
—	—	—

(A) 30 60 320
(B) 31 62 220
(C) 30 60 220
(D) 32 64 320

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2011

33. (B) प्रश्न से, पहले स्तम्भ में संख्या क्रम से 2 के जोड़ में बढ़ रही हैं

जैसे– $25 + 2 = 27$

तथा $27 + 2 = 29$

इसी प्रकार, $29 + 2 = \boxed{31}$

तथा दूसरे स्तम्भ में संख्या क्रम से 4 के जोड़ में बढ़ रही हैं।

जैसे– $50 + 4 = 54$

तथा $54 + 4 = 58$

इसी प्रकार,

$58 + 4 = \boxed{62}$

तथा तीसरे स्तम्भ में संख्या क्रम से 100 के अंतर से घट रही है।

$\therefore$ $520 - 100 = 420$

तथा $420 - 100 = 320$

इसी प्रकार, $320 - 100 = \boxed{220}$

34. अंकों 4, 0, 6, 7, 3 तथा 8 से बनने वाली पाँच अंकों की बड़ी से बड़ी सम संख्या क्या है?

(A) 70648 (B) 87643
(C) 87634 (D) 87640

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2011

34. (D) अंकों की 4, 0, 6, 7, 3 और 8 से बनने वाली पाँच अंकों की बड़ी से बड़ी सम संख्या = 87640 होगी।

35. तीन अंकों की बड़ी-से-बड़ी तथा चार अंकों की छोटी-से-छोटी संख्या का योग है–

(A) 1 (B) 1999
(C) 1099 (D) 0999

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2011

35. (B) तीन अंकों की सबसे बड़ी संख्या = 999

तथा चार अंकों की सबसे छोटी संख्या = 1000

अतः अभीष्ट योगफल = (1000 + 999) = 1999

36. सोलह लाख आठ सौ तेरह को लिखा जाता है।

(A) 16813 (B) 160830
(C) 1600813 (D) 160713

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2010

36. (C) 1600813

37. निम्न में से कौन–सी संख्या सबसे बड़ी है?

45600, 45606, 46506, 40566

(A) 45600 (B) 45606
(C) 46506 (D) 10566

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2009

37. (C) दी गई संख्याओं को घटते हुए क्रम में लिखने पर,

$46506 > 45606 > 45600 > 40566$

अतः 46506 सबसे बड़ी संख्या है।

अतः विकल्प (C) सही है।

38. चार अंकों की सबसे छोटी संख्या जिसमें प्रत्येक अंक भिन्न है–

(A) 1000 (B) 1023
(C) 1032 (D) 1230

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2009

38. (B) 1023 प्रश्नानुसार सबसे छोटी चार अंकों की संख्या है।

39. अगली पंक्ति में संख्याओं का कौन–सा समूह होगा?

4	24	424
5	30	530
6	36	636
—	—	—

(A) 7 42 784
(B) 7 42 742
(C) 8 48 848
(D) 7 49 749

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2009

39. (B) जिस प्रकार,

$4 \Rightarrow 4 \times 6 = 24 \Rightarrow 424$

$5 \Rightarrow 5 \times 6 = 30 \Rightarrow 530$

$6 \Rightarrow 6 \times 6 = 36 \Rightarrow 636$

उसी प्रकार,

$\therefore$ $7 \Rightarrow 7 \times 6 = 42 \Rightarrow 742$

40. संख्या 12056 का दहाई के सन्निकट मान क्या है?

(A) 12000 (B) 12060
(C) 12100 (D) 12150

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2009

40. (B) 12056 का दहाई के सन्निकट भाग 12060 होगा।

41. माचिस की तीलियों से बने त्रिभुजों का प्रेक्षण कीजिए–

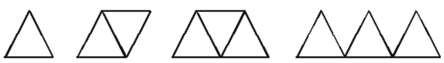

3 5 7 9

त्रिभुजों की संख्या	1	2	3	4
तीलियों की संख्या	3	5	7	9

10 त्रिभुजों वाली आकृति बनाने में कितनी तीलियाँ लगेंगी–

(A) 15 (B) 19
(C) 21 (D) 25

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2018

41. (C) प्रश्नानुसार, तुलनात्मक नियम से,

त्रिभुजों की संख्या	तीलियों की संख्या
1	3
2	5
3	7
4	9
5	11
6	13
7	15
8	17
9	19
10	21

अतः 10 त्रिभुजों वाली आकृति बनाने में 21 तीलियाँ लगेंगी।

42. अन्तिम पंक्ति में सही संख्या है–

$1 \times 1 = 1$

$11 \times 11 = 121$

$111 \times 111 = 12321$

$1111 \times 1111 = 1234321$

$11111 \times 11111 = \ldots\ldots\ldots$

(A) 123123123 (B) 123445321
(C) 123555321 (D) 123454321

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2012

42. (D) प्रश्नानुसार, चूँकि

$1 \times 1 = 1$

$11 \times 11 = 121$

$111 \times 111 = 12321$

$1111 \times 1111 = 123421$

$\therefore$ $11111 \times 11111 = 123454321$

43. निम्न पैटर्न का अध्ययन करके अगला पद बताइए–

5	15	25	35	45
×5	×15	×25	×35	×45
25	225	625	1225	2025

(A) 55 × 55 = 3025
(B) 55 × 55 = 3225
(C) 55 × 55 = 2825
(D) 55 × 55 = 10025

जवाहर नवोदय विद्यालय (कक्षा–VI), 2010

43. (A) $55 \times 55 = 3025$

परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण प्रश्न

1. 7536008 को शब्द रूप में लिखने पर इनमें से क्या होगा ?
(A) सात लाख तिरेपन हजार छः सौ आठ
(B) पचहत्तर लाख छत्तीस सौ आठ
(C) पचहत्तर लाख छत्तीस हजार आठ
(D) सात लाख तीन हजार छः सौ अस्सी

2. 'पाँच हजार पाँच सौ पचपन' का अंकीय रूप होगा— **(NCERT)**
(A) 5055 (B) 5505
(C) 5550 (D) 5555

3. संख्या 7086 में शून्य का स्थानीय मान क्या होगा ?
(A) 100 (B) 80
(C) 7000 (D) 0

4. 1, 5, 0, 7, 6 से बनने वाली पाँच अंकों की सबसे छोटी संख्या क्या होगी ? **(NCERT)**
(A) 10567 (B) 15670
(C) 1567 (D) 76510

5. निम्न संख्याओं में सबसे छोटी संख्या कौन-सी है ?
(A) 5353535 (B) 5355335
(C) 5335335 (D) 5553335

6. रोमन संकेत में LXXVII किस संख्या के समतुल्य होता है ?
(A) 56 (B) 77
(C) 66 (D) 65

7. 5 अंकों की सबसे बड़ी संख्या तथा 6 अंकों की सबसे छोटी संख्या में कितना अन्तर होगा ?
(A) 90,000 (B) 90,001
(C) 9 (D) 1

8. संख्या 95 को रोमन अंकों में कैसे लिखा जाता है ? **(NCERT)**
(A) CXV (B) XVC
(C) XCV (D) VXC

9. 3, 2, 1 तथा 0 अंकों से बनने वाली 4 अंकों की सबसे छोटी विषम संख्या क्या होगी ?
(A) 1023 (B) 0123
(C) 1032 (D) 1203

10. यदि (15201 में 5 का स्थानीय मान) + (2659 में 6 का स्थानीय मान) = 8 × x हो, तो x का मान ज्ञात कीजिए।
(A) 80 (B) 70
(C) 800 (D) 700

11. यदि 112 इकाई + 12 हजार = 11012 + x दहाई हो, तो x का मान ज्ञात कीजिए।
(A) 110 (B) 101
(C) 112 (D) 111

12. संख्या 100 से 300 के मध्य कितनी संख्यायें 7 से विभाजित हैं ?
(A) 42 (B) 28
(C) 35 (D) 31

13. यदि n एक ऋणात्मक संख्या हो, तो निम्नलिखित में से सबसे न्यूनतम संख्या होगी—**(NCERT)**
(A) 0 (B) $-n$
(C) $2n$ (D) n^2

14. संख्या 56431 में 6 के स्थानीय मान तथा 4 के अंकित मान में कितना अन्तर है ?
(A) 6500
(B) 5600
(C) 5996
(D) 6600

15. रोमन अंकों XLVI, LXIX, XCV तथा XLIX का आरोही क्रम क्या होगा ? **(NCERT)**
(A) XLVI, XCV, XLIX, LXIX
(B) XCV, XLIX, LXIX, XLVI
(C) XCV, LXIX, XLVI, XLIX
(D) XLVI, XLIX, LXIX, XCV

16. यदि (36 और 48 के सार्व धनात्मक गुणनखण्डों का गुणनफल) = 999 + 9 × .... है, तो रिक्त स्थान में संख्या होगी।
(A) 81 (B) 90
(C) 9 (D) 27

17. यदि 26679 को 39 से भाग देने पर तथा 29405 को 34 से भाग देने पर प्राप्त शेषफलों के अन्तर को 18 से भाग दिया जाए, तो शेषफल होगा—
(A) 8 (B) 9
(C) 3 (D) 5

18. निम्नलिखित में से कौन–सा सही नहीं है ?
(A) 1 सेमी, 1 मीटर का शतांश है
(B) 1 मिली, 1 लीटर का शतांश है
(C) एक लाख बराबर है एक सौ हजार के
(D) एक करोड़ बराबर है एक सौ लाख के

19. निम्नलिखित में से कौन–सी संख्या 25 से विभाज्य है ?
(A) 4855
(B) 5685
(C) 6790
(D) 7150

20. संख्याओं 12, 14, 16, 18 में से कौन-सी संख्या उस संख्या का भाज्य होगी जिनके भाज्य 16 एवं 7 हैं ?
(A) 12 (B) 14
(C) 16 (D) 18

21. निम्नलिखित संख्याओं में से किन संख्याओं का क्रम सही है ?
(A) 0 < –100 < 100 < –500
(B) 0 < –500 < –100 < 100
(C) –100 < –500 < 0 < 100
(D) –500 < –100 < 0 < 100

22. संख्या 49532 का सन्निकट हजारवाँ मान होगा— **(NCERT)**
(A) 41000
(B) 50000
(C) 49000
(D) 49500

23. 6735*1 में * का अल्पतम मान क्या होगा जिससे प्राप्त संख्या 9 से पूर्णतया विभक्त हो?
(A) 7 (B) 9
(C) 5 (D) 4

24. प्रथम 12 विषम संख्याओं का योगफल ज्ञात कीजिए :
(A) 441 (B) 144
(C) 140 (D) 414

25. 80 और 90 के बीच की सभी अभाज्य संख्याओं का गुणनफल है :
(A) 83 (B) 89
(C) 7387 (D) 598347

26. उन सभी अभाज्य संख्याओं का, जो 17 से बड़ी नहीं हैं, योगफल है : **(NCERT)**
(A) 59 (B) 58
(C) 41 (D) 42

27. किसी संख्या को आधा करने पर उसकी 100 से कमी उतनी है जितनी उस संख्या का 100 से अधिक का आधा है। वह संख्या क्या है ?
(A) 132
(B) 400/3
(C) 110
(D) 150

28. निम्नलिखित में से कौन–सी संख्या 1 से 17 के बीच की सभी अभाज्य संख्याओं से विभक्त होती है ?
(A) 515513
(B) 440440
(C) 345345
(D) 510510

29. 19 हजार + 19 सैकड़े + 19 इकाइयाँ ····· के बराबर है—

(A) 21090	(B) 20919
(C) 19919	(D) 191919

व्याख्यात्मक हल

1. (C) पचहत्तर लाख छत्तीस हजार आठ

2. (D) 5555

3. (D) 7086 में शून्य का स्थानीय मान $= 0 \times 100 = 0$

4. (A) 1, 5, 0, 7, 6 से बनने वाली 5-अंकों की सबसे छोटी संख्या = 10567

यहाँ हम 0 को आगे नहीं रख सकते क्योंकि आगे 0 होने पर यह संख्या सिर्फ 4 अंकों की रह जायेगी।

5. (C) 5335335 सबसे छोटी संख्या है।

6. (B) LXXVII के समतुल्य संख्या = 77

7. (D) 6 अंकों की सबसे छोटी संख्या = 100000

5 अंकों की सबसे बड़ी संख्या = 99999

$\therefore$ अभीष्ट अन्तर $= 100000 - 99999 = 1$

8. (C) संख्या 95 के समतुल्य रोमन संख्या XCV

9. (A) अभीष्ट संख्या = 1023

10. (D) (15201 में 5 का स्थानीय मान) + (2659 में 6 का स्थानीय मान) $= 8x$

$\Rightarrow 5000 + 600 = 8x$

$\Rightarrow 8x = 5600$

$\Rightarrow x = \frac{5600}{8} = 700$

11. (A) 112 इकाई + 12 हजार = 11012 + x दहाई

$112 + 12000 = 11012 + 10x$

$12112 = 11012 + 10x$

$10x = 12112 - 11012$

$10x = 1100$ या $x = 110$

12. (B) 100 से 300 के मध्य 7 के गुणन वाली संख्याएँ $= 15 \times 7, 16 \times 7, 17 \times 7, \ldots 42 \times 7$

अतः कुल 7 से विभाजित संख्या

$= 42 - 15 + 1 = 28$

13. (C) n एक ऋणात्मक संख्या है

$\therefore 2n$ सबसे न्यूनतम संख्या होगी।

14. (C) अभीष्ट अन्तर $= 6000 - 4 = 5996$

15. (D) XLVI, XLIX, LXIX, XCV

16. (A) 36 व 48 के धनात्मक गुणनखण्ड

36 = 2, 3, 4, 6, 9, 12, 18, 36

48 = 2, 3, 4, 6, 8, 12, 24, 48

$\therefore$ 36 व 48 के सार्व धनात्मक गुणनखण्डों का गुणनफल $= 999 + 9 \times m$ (माना)

$2 \times 3 \times 4 \times 6 \times 12 = 999 + 9m$

$\Rightarrow 1728 - 999 = 9m$

$\Rightarrow 729 = 9m \Rightarrow m = 81$

17. (A)

भाज्य	भाजक		शेषफल
26679	39	$\rightarrow$	3
29405	34	$\rightarrow$	29

$\therefore$ शेषफलों में अन्तर $= 29 - 3 = 26$

$\therefore 26 \div 18 \rightarrow 8$ (शेषफल)

18. (B) 1 मिली, 1 लीटर का शतांश है (गलत)

19. (D) यदि संख्या के अन्तिम दो अंक (दहाई अंक एवं इकाई अंक) 25 से विभाज्य हैं तो दी गयी संख्या 25 से पूर्ण विभाज्य होगी।

$\therefore$ अभीष्ट संख्या = 7150

20. (B) 12, 14, 16 एवं 18 में से 14 एक मात्र ऐसी संख्या है जिनके भाज्य 16 और 7 दोनों होंगे।

21. (D) $-500 < -100 < 0 < 100$

22. (B) संख्या 49532 का सन्निकट हजारवाँ मान = 50000

23. (C) $6735*1 = 6 + 7 + 3 + 5 + * + 1 = 22 + *$.

9 से पूर्णतः विभाजन के लिए * के स्थान पर अल्पतम मान 5 रखना होगा। क्योंकि इनके अंकों का योग 27, 9 से पूर्णतः विभाजित हो जायेगा।

24. (B) हम जानते हैं कि, प्रथम 12 विषम संख्याओं का योगफल :

$= n^2 = (12)^2 = 144$

25. (C) 80 एवं 90 के मध्य अभाज्य संख्याएँ = 83 एवं 89

$\therefore$ अभीष्ट गुणनफल $= 83 \times 89 = 7387$

26. (B) 17 तक की अभाज्य संख्याएँ

= 2, 3, 5, 7, 11, 13, 17

$\therefore$ अभीष्ट योगफल

$= 2 + 3 + 5 + 7 + 11 + 13 + 17$

$= 58$

27. (D) माना, संख्या $= x$

$\therefore 2\left(100 - \frac{x}{2}\right) = x - 100$

$200 - x = x - 100$

$\therefore x = 150$

28. (D) 515513 तथा 345345 में से कोई भी 2 से विभक्त नहीं होता।

440440 भी 3 से विभक्त नहीं होता।

510510 सभी 1 से 17 के बीच की अभाज्य संख्याओं से विभक्त होता है।

29. (B) 19 हजार + 19 सैकड़े + 19 इकाइयाँ

$= 19000 + 1900 + 19$

$= 20919$

❑❑

अध्याय 1

अपठित गद्यांश

गद्यांश–1

जाकिर साहब के बारे में कुछ बातें अविस्मरणीय हैं। 13 मई, 1967 को राष्ट्रपति का पद संभालते हुए उन्होंने कहा था, "सारा भारत मेरा घर है, मैं सच्ची लगन से इस घर को मजबूत और सुंदर बनाने की कोशिश करूँगा, ताकि वह मेरे महान देशवासियों का उपयुक्त घर हो, जिसमें इंसाफ और खुशहाली का अपना स्थान हो।" उनकी विनम्रता ऐसी थी कि उन्होंने कहा था, "मैं स्वीकार करता हूँ कि हमारी जनता ने इस उच्चतम पद के लिए निर्वाचित करके मुझ पर जो विश्वास प्रकट किया है, उससे मैं बहुत प्रभावित हुआ हूँ। यह भावना इस वजह से और भी प्रबल हो जाती है कि भारत के महान सपूत डॉ. राधाकृष्णन के बाद मुझसे पद संभालने के लिए कहा गया। मैं उनके कदमों पर चलने की कोशिश करूँगा, लेकिन उनकी बराबरी कैसे कर सकूँगा ?"

एक बार रामलीला में जनता ने उनसे रामचन्द्र जी का तिलक करने के लिए कहा। जाकिर साहब खुशी से आए और तिलक किया। इस पर कुछ उर्दू अखबारों ने एतराज जताया। जाकिर साहब ने जवाब दिया, "इन नादानों को मालूम नहीं है कि मैं भारत का राष्ट्रपति हूँ। किसी खास धर्म का नहीं।"

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) 'अविस्मरणीय' का क्या अर्थ है ?
- (A) जो भूलने योग्य हो
- (B) जो भूलने योग्य न हो
- (C) याद करने वाला व्यक्ति
- (D) यादगार

(ख) 'सपूत' का विलोम लिखिए—
- (A) कपूत (B) सुपुत्र
- (C) कुरूप (D) साहसी

(ग) जाकिर हुसैन किस पद पर आसीन हुए ?
- (A) देशवासी (B) उच्चतम पद
- (C) राष्ट्रपति पद (D) धर्मावलंबी

(घ) जाकिर हुसैन को रामचन्द्र का तिलक करते किन लोगों ने उनका विरोध किया?
- (A) जनता ने (B) उर्दू अखबारों ने
- (C) डॉ. राधाकृष्णन ने (D) रामचन्द्र ने

(ङ) जाकिर हुसैन को राष्ट्रपति का पद किसने सँभालने को कहा ?
- (A) रामचन्द्र ने (B) डॉ. राधाकृष्णन ने
- (C) जनता ने (D) विदेशियों ने

गद्यांश–2

जीवन की सबसे प्यारी और उत्तम-से-उत्तम वस्तु एक बार हँस लेना तथा शरीर को अच्छा रखने की अच्छी-से-अच्छी दवा एक बार खिलखिला उठना है। पुराने लोग कह गए हैं कि हँसो और पेट फुलाओ। हँसी कितने ही कला-कौशलों से भली है। जितना ही अधिक आनन्द से हँसोगे, उतनी ही आयु बढ़ेगी। एक यूनानी विद्वान कहता है कि सदा अपने कर्मों पर खीझने वाला हेरिक्लेस बहुत कम जिया, पर प्रसन्न मन डेमोक्रीट्स 109 वर्ष तक जिया। हँसी-खुशी का ही नाम जीवन है। जो रोते हैं, उनका जीवन व्यर्थ है। कवि कहता है—जिंदगी जिंदादिली का नाम है, मुर्दादिल क्या खाक जिया करते हैं ?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) इस अनुच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए—
- (A) जिंदादिली (B) दवा
- (C) खाना (D) उत्तम वस्तु

(ख) शरीर को स्वस्थ रखने का सर्वोत्तम उपाय क्या है ?
- (A) खिलखिलाना (B) दवाई
- (C) खुशी (D) कर्म

(ग) आनन्दपूर्वक हँसने का क्या लाभ होता है ?
- (A) कला–कौशलों का विकास
- (B) आयु का बढ़ना
- (C) अच्छा खाना
- (D) इनमें से कोई नहीं

(घ) खीझने वाले लोगों का क्या हाल होता है ?
- (A) आयु कम होती है (B) आयु अधिक होती है
- (C) प्रसन्न रहता है (D) खिलखिलाता रहता है

(ङ) 'मुर्दादिल' से क्या आशय है ?
- (A) मरा हुआ दिल (B) खाक
- (C) निरुत्साहित (D) इनमें कोई नहीं

गद्यांश–3

परिश्रम को सफलता की कुंजी माना गया है। जीवन में सफलता पुरुषार्थ से ही प्राप्त होती है। कहा भी है—उद्योगी सिंह पुरुष को लक्ष्मी वरण करती है। जो भाग्यवादी है उन्हें कुछ नहीं मिलता। वह हाथ–पर–हाथ धरे रह जाते हैं। अवसर उनके सामने से निकल जाता है। भाग्य कठिन परिश्रम का ही दूसरा नाम है।

प्रकृति को ही देखिये। सारे जड़–चेतन अपने कार्य में लगे रहते हैं। चींटी को भी पल–भर चैन नहीं। मधुमक्खी जाने कितनी लम्बी यात्रा कर बूंद–बूंद मधु जुटाती है। मुर्गे को सुबह बाँग लगानी ही है। फिर मनुष्य को बुद्धि मिली है, विवेक मिला है। वह निठल्ला बैठे तो सफलता की कामना करना व्यर्थ है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) इस अनुच्छेद का एक शीर्षक दीजिए—
- (A) अवसर (B) परिश्रम
- (C) सफलता की कुँजी (D) कामना

(ख) 'हाथ पर हाथ धरने' का आशय क्या है ?
- (A) हाथ के ऊपर हाथ रखकर बैठना
- (B) हाथ खाली करना
- (C) कोई भी काम न करना
- (D) हाथों को कष्ट न देना

(ग) लक्ष्मी किसे कहते हैं ?
- (A) लड़की को (B) परिश्रम को
- (C) भाग्य को (D) धन को

(घ) चींटी और मधुमक्खी में क्या समानता है ?
(A) दोनों जीव हैं
(B) दोनों में ही असमानता है
(C) दोनों ही पल–पल परिश्रम करती हैं
(D) दोनों ही कार्य नहीं करतीं

(ङ) 'व्यर्थ' का अर्थ लिखिए–
(A) बेकार (B) अव्यर्थ
(C) विवेक (D) बुद्धि

गद्यांश–4

कारलाइन एक राजकुमार था। वह संसार–त्यागी हो गया था। वह कहता था कि जो जी से हँसता है, वह कभी बुरा नहीं होता। जी से हँसो, तुम्हे अच्छा लगेगा। अपने मित्र को हँसाओ, वह अधिक प्रसन्न होगा। शत्रु को हँसाओ, तुम से कम घृणा करेगा। एक अनजान को हँसाओ, तुम पर भरोसा करेगा। उदास को हँसाओ, उसका दुख घटेगा। निराश को हँसाओ, उसकी आशा बढ़ेगी। एक बूढ़े को हँसाओ,वह अपने को जवान समझने लगेगा। एक बालक को हँसाओ, उसके स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। वह प्रसन्न और प्यारा बालक बनेगा। पर हमारे जीवन का उद्देश्य केवल हँसी ही नहीं है, हमको बहुत काम करने हैं। तथापि उन कामों में, कष्टों में और चिन्ताओं में एक सुन्दर आंतरिक हँसी, बड़ी प्यारी वस्तु भगवान ने दी है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) संसार–त्यागी का क्या आशय है ?
(A) राजकुमार
(B) संसार की चिंता
(C) संसार से मोह न रखने वाला
(D) संसार

(ख) कौन बुरा नहीं हो सकता ?
(A) जो दूसरों पर हँसता है (B) निराशा में हँसता है
(C) शत्रुओं को हँसाता है (D) जो जी से हँसता है

(ग) हँसी मन में कौन–सा भाव जगाती है ?
(A) सुन्दरता (B) बुरा भाव
(C) अच्छा भाव (D) चिन्ता मुक्ति

(घ) हँसी से बूढ़े व्यक्ति पर क्या प्रभाव होता है ?
(A) अपने को जवान समझने लगता है
(B) उदास हो जाता है
(C) बालक बन जाता है
(D) चिन्तामुक्त हो जाता है

(ङ) हँसी किसकी देन है ?
(A) मनुष्य की (B) भगवान की
(C) कष्टों की (D) अच्छे स्वास्थ्य की

गद्यांश–5

महात्मा गाँधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वे प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से सम्बन्धित प्रत्येक कार्य–सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि–मुनियों ने कहा है–बिना श्रम किए जो भोजन करता है वह वस्तुतः चोर है। उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता था कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोजगारी पर नियंत्रण हो पा रहा है और न अपराधों की वृद्धि को रोकना हमारे वश की बात हो रही है। दक्षिण कोरियावासियों ने श्रमदान करके ऐसे श्रेष्ठ भवनों का निर्माण किया है, जिनसे किसी को भी ईर्ष्या हो सकती है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए–
(A) श्रमदान (B) परिश्रमी व्यक्ति
(C) उपभोक्ता (D) अर्थशास्त्र

(ख) 'समस्त' का पर्यायवाची लिखिए–
(A) समान (B) सम्पूर्ण
(C) श्रमदान (D) अर्थशास्त्र

(ग) महात्मा गाँधी चोर किसे कहते थे ?
(A) गरीब व्यक्ति
(B) अपराधी व्यक्ति
(C) साफ–सफाई करने वाला
(D) बिना श्रम के भोजन करने वाला

(घ) गाँधीजी के अनुसार पापी कौन है ?
(A) जो श्रम नहीं करता (B) बेरोजगारी
(C) अपराधी (D) उत्पादनकर्ता

(ङ) आश्रम में सफाई का काम कौन करता था ?
(A) आश्रमवासी (B) उपभोक्ता
(C) उत्पादनकर्ता (D) अर्थशास्त्री

गद्यांश–6

भारत की संस्कृति बहुत प्राचीन है। यह त्याग और तपस्या की भूमि है। यहाँ त्यागी–तपस्वी ऋषि और मुनि हुए हैं। उन्होंने अपने जीवन को संयम और तप से संवारा। लोग उनके जीवन से बहुत प्रभावित हुए। धीरे–धीरे उनके अनुयायियों की संख्या बढ़ने लगी। परिणाम यह हुआ कि ऋषि–मुनियों ने जिन आदर्शों की स्थापना की, वे हमारी संस्कृति के अंग बन गए। हम भोग की बजाय त्याग को महत्व देने लगे। इससे हमारे जीवन में सादगी आई, सच्चाई आई। आज पूरी दुनिया 'खाओ, पियो और मौज करो' की नीति पर चलकर प्रदूषण और विनाश को निमंत्रण दे रही है, वहीं भारत त्याग, बचत और कल्याण के मार्ग पर चल रहा है। तभी हमारे देश में महात्मा गाँधी जैसे महान नेता हुए। उन्होंने अहिंसा त्याग के बल पर अंग्रेजों को भारत से खदेड़ दिया।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) त्याग से आप क्या समझते हैं ?
(A) ऋषि–मुनि
(B) संयमी और तपस्वी व्यक्ति
(C) संयम और तप रूपी जीवन ही त्याग है
(D) महात्मा गाँधी

(ख) भारत में त्याग को महत्व क्यों दिया जाने लगा ?
(A) त्याग, बचत और कल्याण हेतु
(B) खाने, पीने और मौज करने हेतु
(C) अंग्रेजों को खदेड़ने हेतु
(D) इनमें से कोई नहीं

(ग) संसार के अन्य देश किस नीति पर चल रहे हैं ?
(A) सादगी
(B) खाओ, पिओ और मौज करो

(C) त्याग

(D) संयम और ताप

(घ) भोग की नीति क्या कहती है ?

(A) सांसारिक सुख (B) उपभोगी

(C) कल्याण (D) अहिंसा

(ङ) अंग्रेजों को भारत से किसने भगाया ?

(A) महात्मा गाँधी ने (B) ऋषि–मुनियों ने

(C) देशवासियों ने (D) नेताओं ने

गद्यांश–7

पहाड़ी गाँवों में अक्सर बाघ का डर बना रहता है। जंगल कटने के कारण शिकार की तलाश में बाघ कभी–कभी गाँव तक पहुँच जाता है। गेंवली गाँव में एक बार यही हुआ। एक बाघ ने गाँव में घुसकर एक गाय को मार डाला। सुबह होते ही यह खबर पूरे गाँव में फैल गई। गाँव के लोग डरे कि यह बाघ कहीं फिर से आकर दूसरे पालतू जानवरों और किसी आदमी को ही अपना शिकार न बना ले। गाँव के लोग गोपाल आश्रम गए और उन लोगों ने मीरा बहन को अपनी चिंता बताई।

गाँव के लोगों ने अंत में तय किया कि बाघ को कैद कर लिया जाए। उसे कैद करने के लिए उन्होंने एक पिंजड़ा बनाया। पिंजड़े के अंदर एक बकरी बाँधी। योजना यह थी कि बकरी का मिमियाना सुनकर बाघ पिंजड़े की तरफ आएगा। पिंजड़े का दरवाजा इस प्रकार खुला हुआ बनाया गया था कि बाघ के अंदर घुसते ही वह दरवाजा झटके से बंद हो जाए। शाम होने तक पिंजड़े को ऐसी जगह पर रख दिया गया, जहाँ बाघ अक्सर दिखाई देता था। यह जगह मीरा बहन के गोपाल आश्रम से ज्यादा दूर नहीं थी। रात बीती। सुबह की रोशनी होते ही लोग पिंजड़ा देखने निकल पड़े। उन्होंने दूर से देखा कि पिंजड़े का दरवाजा बंद है। वे यह सोचकर बहुत खुश हुए कि बाघ जरूर पिंजड़े में फँस गया होगा, लेकिन जब वे पिंजड़े के पास पहुँचे तो क्या देखते हैं, पिंजड़े में बाघ नहीं था!

(क) बाघ गाँव में क्यों आ आते थे ?

(A) जंगल कटने के कारण (B) गाय के कारण

(C) शिकार की तलाश में (D) ग्रामवासियों के कारण

(ख) बाघ ने किसे मार डाला था ?

(A) आदमी को (B) गाय को

(C) बकरी को (D) गोपाल को

(ग) पूरे गाँव में क्या खबर फैल गई थी ?

(A) गाय को बाघ ने मार डाला था

(B) बाघ के आने की

(C) बकरी के मिमियाने की

(D) इनमें से कोई नहीं

(घ) लोगों ने किसे अपनी चिंता बताई ?

(A) मुखिया को (B) सरकार को

(C) मीरा बहन को (D) पंचायत को

(ङ) पिंजड़े के अन्दर किसे बाँधा गया था ?

(A) बाघ को (B) बकरी को

(C) व्यक्ति को (D) गाय को

गद्यांश–8

हुदहुद एक बहुत ही सुन्दर पंछी है। इसके शरीर का सबसे सुंदर भाग इसके सिर की कलंगी होती है। वैसे तो यह इसे समेटे रहता है पर जैसे ही किसी तरह की आवाज होती है, यह चौकन्ना होकर परों को फैला लेता है। तब यह कलगी देखने में हू–ब–हू किसी सुंदर पंखी जैसी लगने लगती है। हुदहुद का सारा शरीर रंग–बिरंगा और चटकीला होता है। पंख काले–काले होते हैं, जिन पर मोटी सफेद धारियाँ बनी होती हैं। गर्दन का अगला हिस्सा बादामी रंग का होता है। चोटी भी बादामी रंग की होती है, मगर उसके सिरे काले और सफेद होते हैं। दुम का भीतरी हिस्सा सफेद और बाहरी हिस्सा काले रंग का होता है। चोंच पतली, लंबी तथा तीखी होती है। इस चोंच से यह आसानी से जमीन के भीतर छिपे हुए कीड़े मकोड़ों को ढूँढ निकालता है। इसकी चोंच नाखून काटने वाली 'नहरनी' से बहुत मिलती है और शायद इसीलिए कहीं–कहीं इसे 'हजामिन चिड़िया' के नाम से भी पुकारते हैं। हुदहुद हमारे देश के सभी भागों में पाए जाते हैं।

(क) हुदहुद के शरीर का सबसे सुन्दर अंग कौन–सा है ?

(A) आवाज (B) सिर की कलगी

(C) पूँछ (D) चोंच

(ख) किसी आवाज को सुनकर हुदहुद क्या करता है ?

(A) उड़ जाता है

(B) आवाज करता है

(C) डर जाता है

(D) चौकन्ना होकर परों को फैला लेता है

(ग) हुदहुद के पंख कैसे होते हैं ?

(A) काले मोटी धारीदार (B) पीले धारीदार

(C) बादामी (D) सफेद

(घ) हुदहुद की दुम कैसी होती है ?

(A) भीतरी हिस्सा सफेद और बाहरी हिस्सा काला होता है

(B) बाहरी हिस्सा सफेद और भीतरी हिस्सा काला होता है

(C) लाल होती है

(D) काली होती है

(ङ) हुदहुद अपनी चोंच से किन्हें ढूँढ निकालती है?

(A) जीवों को (B) पक्षियों को

(C) कीड़े–मकोड़ों को (D) फसलों को

गद्यांश–9

गर्मी की छुट्टियाँ थीं। दोपहर के समय दिनेश घर में बैठा कोई कहानी पढ़ रहा था। तभी पेड़ के पत्तों को हिलाती हुई कोई वस्तु धम से घर के पीछे वाले बगीचे में गिरी। दिनेश आवाज से पहचान गया कि वह वस्तु क्या हो सकती है। वह एकदम से उठकर बरामदे की चिक सरका कर बगीचे की ओर भागा। अरे अरे, बेटा कहाँ जा रहा है ? बाहर लू चल रही है। दिनेश की माँ मशीन चलाते–चलाते एकदम जोर से बोलीं, परन्तु दिनेश रुका नहीं। उसने पैरों में चप्पल भी नहीं पहनी। जून का महीना था। धरती तवे की तरह तप रही थी। पर दिनेश को पैरों के जलने की भी चिंता नहीं थी। वह जहाँ से आवाज आई थी, उसी ओर भाग चला। सामने की क्यारी में भिन्डियों के ऊँचे–ऊँचे पौधे थे। एक ओर सीताफल की घनी बेल फैली हुई थी। क्यारियों के चारों ओर हरे–हरे केले के वृक्ष लहरा रहे थे। दिनेश ने जल्दी–जल्दी भिंडियों के पौधों को उलटना–पलटना आरम्भ किया। जब वहाँ कुछ नहीं मिला, तो उसने सारी सीताफल की बेल छान मारी। बराबर में ही छोटे–छोटे गड्ढे बना रखे थे। ढूँढ़ते–ढूँढ़ते जब उसकी निगाह उधर गई तो उसने देखा कि गड्ढे के ऊपर ही एक बिलकुल नई चमचमाती किरमिच की गेंद पड़ी है।

(क) दिनेश की माँ क्या कर रही थी ?

(A) सो रही थी (B) मशीन चला रही थी

(C) खाना पका रही थी (D) सफाई कर रही थी

(ख) कौन–सी छुटियाँ पड़ी हुई थीं ?

(A) दीवाली की छुट्टियाँ (B) होली की छुट्टियाँ
(C) सर्दी की छुट्टियाँ (D) गर्मी की छुट्टियाँ

(ग) दिनेश घर में बैठा क्या कर रहा था ?

(A) कहानी पढ़ रहा था (B) बैठा था
(C) आवाज लगा रहा था (D) खाना माँग रहा था

(घ) दिनेश आवाज सुनकर किस ओर भागा ?

(A) खेतों की ओर (B) पहाड़ों की ओर
(C) बगीचे की ओर (D) बाहर की ओर

(ङ) सामने की क्यारियों में किसके पौधे लगे हुए थे ?

(A) फूलों के पौधे (B) भिन्डियों के पौधे
(C) सीताफल (D) सब्जियों के पौधे

गद्यांश–10

हमारी यह धरती लगभग पाँच अरब साल पुरानी है। दो–तीन अरब साल तक इस धरती पर किसी प्रकार के जीव–जंतु नहीं थे। फिर करोड़ों साल तक केवल जानवरों और वनस्पतियों का ही इस धरती पर राज्य रहा। आदमी ने इस धरती पर कोई पाँच लाख साल पहले जन्म लिया। धीरे–धीरे उसका विकास हुआ।

अक्षरों की खोज के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई। आदमी अपने विचार और अपने हिसाब–किताब को लिखकर रखने लगा। तब से मानव को 'सभ्य' कहा जाने लगा। आदमी ने जबसे लिखना शुरू किया, तब से 'इतिहास' आरंभ हुआ। किसी भी कौम या देश का इतिहास तब से शुरू होता है, जब से आदमी के लिखे हुए लेख मिलने लग जाते हैं। इस प्रकार, इतिहास को शुरू हुए मुश्किल से छह हजार साल हुए हैं।

(क) धरती की प्रारंभिक दशा कैसी थी ?

(A) पेड़ नहीं थे
(B) सभ्यता नहीं थी
(C) किसी प्रकार के जीव–जन्तु नहीं थे
(D) इनमें से कोई नहीं

(ख) मानव का धरती पर आगमन कब हुआ ?

(A) पाँच लाख साल पहले (B) पाँच अरब साल पहले
(C) तीन लाख साल पहले (D) तीन अरब साल पहले

(ग) अक्षरों की खोज मनुष्य की सबसे बड़ी खोज कैसे है ?

(A) मनुष्य का विकास हुआ
(B) इतिहास का आरम्भ हुआ
(C) जानवरों का आरम्भ हुआ
(D) नये युग की शुरुआत हुई

(घ) एक पीढ़ी के ज्ञान का लाभ दूसरी पीढ़ी को कैसे मिलता है ?

(A) खोज द्वारा (B) वनस्पतियों द्वारा
(C) लेख द्वारा (D) मनुष्य द्वारा

(ङ) इतिहास को शुरू हुए कितना समय हुआ ?

(A) छः हजार साल (B) पाँच हजार साल
(C) चार हजार साल (D) तीन हजार साल

गद्यांश–11

पिछली शताब्दी में पत्र–लेखन ने एक कला का रूप ले लिया। डाक व्यवस्था के सुधार के साथ पत्रों को सही दिशा देने के लिए विशेष प्रयास किए गए। पत्र संस्कृति विकसित करने के लिए स्कूली पाठ्यक्रमों में पत्र लेखन का विषय भी शामिल किया गया। भारत ही नहीं दुनिया के कई देशों में यह प्रयास चले और विश्व डाक संघ ने अपनी ओर से भी अनेक प्रयास किए। विश्व डाक संघ की ओर से 16 वर्ष से कम आयवुर्ग के बच्चों के लिए पत्र–लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित करने का सिलसिला सन् 1972 से शुरू किया गया। यह सही है कि खास तौर पर बड़े शहरों और महानगरों में संचार साधनों के तेज विकास तथा अन्य कारणों से पत्रों की आवाजाही प्रभावित हुई है, पर देहाती दुनिया आज भी पत्रों से ही चल रही है। फैक्स, ई–मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ने पत्रों की तेजी को रोका है, पर व्यापारिक डाक की संख्या लगातार बढ़ रही है।

पत्र व्यवहार की परम्परा भारत में बहुत पुरानी है, पर इसका असली विकास आजादी के बाद ही हुआ है। तमाम सरकारी विभागों की तुलना में सबसे ज्यादा गुडविल डाक विभाग की ही है। इसकी एक खास वजह यह भी है कि यह लोगों को जोड़ने का काम करता है। घर–घर तक इसकी पहुँच है। संचार के तमाम उन्नत साधनों के बाद भी पत्रों की हैसियत बरकरार है। शहरी इलाकों में आलीशान हवेलियाँ हों या फिर झोंपड़ियों में रह रहे लोग, दुर्गम जंगलों से घिरे गाँव हों या फिर बर्फबारी के बीच जी रहे पहाड़ों के लोग, समुद्र तट पर रह रहे मछुआरे हों या फिर रेगिस्तान की ढाँणियों में रह रहे लोग, आज भी पत्रों का ही सबसे अधिक बेसब्री से इंतजार होता है।

(क) पत्र लेखन ने पिछली शताब्दी में क्या रूप ले लिया ?

(A) लेखन का रूप (B) कला का रूप
(C) डाक का रूप (D) पाठ्यक्रम का रूप

(ख) पत्र संस्कृति विकसित करने के लिए क्या किया गया है ?

(A) डाकघर का आरम्भ
(B) मोबाइल का प्रयोग
(C) विश्व डाक संघ का आरम्भ
(D) स्कूली पाठ्यक्रम में पत्र–लेखन सम्मिलित

(ग) विश्व डाक संघ की ओर से सन् 1972 में क्या आरम्भ किया गया ?

(A) व्यापारिक डाक संख्या का विकास
(B) मोबाइल का विकास
(C) पत्र–लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन
(D) उन्नत साधनों का विकास

(घ) पत्रों की तेजी को किसने रोका है ?

(A) फैक्स ने (B) ई–मेल ने
(C) टेलीफोन व मोबाइल ने (D) उपरोक्त सभी ने

(ङ) पत्रों की संख्या कहाँ लगातार बढ़ रही है ?

(A) संसार साधनों की संख्या
(B) व्यापारिक डाक की संख्या
(C) डाकियों की संख्यां
(D) इनमें से कोई नहीं

गद्यांश–12

संतुलित आहार लेने मात्र से हम एनीमिया से बचे रह सकते हैं, यह कहना काफी हद तक सही है। यों तो एनीमिया बहुत से कारणों से हो सकता है, किन्तु हमारे देश में इसका सबसे बड़ा कारण पौष्टिक आहार की कमी है। इसके अलावा इस रोग का एक और बड़ा कारण है, पेट में कीड़ों का हो जाना। ये कीड़े प्रायः दूषित जल और खाद्य पदार्थों द्वारा हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। अतः इससे बचने के लिए यह आवश्यक है कि हम पूरी सफाई से बनाए गए खाद्य पदार्थ को ग्रहण करें।

भोजन करने से पूर्व अच्छी तरह से हाथ धो लें और साफ पानी ही पिएँ। और हाँ, एक किस्म के कीड़े भी हैं, जिनके अंडे जमीन की ऊपरी सतह में पाए जाते हैं। इन अण्डों से उत्पन्न हुए लार्वे त्वचा के रास्ते शरीर में प्रवेश कर आँतों में अपना घर बना

लेते हैं। इनसे बचने का सहज उपाय है कि शौच के लिए हम शौचालय का ही प्रयोग करें और इधर–उधर नंगे पैर न घूमें।

(क) भारतवर्ष में एनीमिया का मुख्य कारण क्या है ?

(A) खान–पान की कमी (B) सफाई की कमी
(C) पौष्टिक आहार की कमी (D) वातावरण की कमी

(ख) पेट में कीड़ों के होने का क्या कारण है ?

(A) पेट दर्द (B) दूषित हवा
(C) एनीमिया (D) बुखार

(ग) नंगे पैर घूमने से क्या होता है ?

(A) कीड़े काट लेते हैं
(B) कीड़े मर जाते हैं
(C) पैर गरम हो जाते हैं
(D) कीड़ों के अण्डे शरीर की त्वचा से आँतों में प्रवेश कर जाते हैं

(घ) एनीमिया से बचने का उपाए है–

(A) अच्छे से हाथ धोना (B) साफ पानी पीना
(C) नंगे पाँव न घूमना (D) उपरोक्त सभी

गद्यांश–13

हड्डियों के बीच के भाग मज्जा में ऐसे बहुत से कारखाने होते हैं, जो रक्त कणों के निर्माण-कार्य में लगे रहते हैं। इनके लिए इन कारखानों को प्रोटीन, लौहतत्त्व और विटामिन रूपी कच्चे माल की जरूरत होती है। यह पौष्टिक आहार लेते हो ? हरी सब्जी, फल, दूध, अंडा और गोश्त में ये तत्त्व उपयुक्त मात्रा में होते हैं। यदि कोई व्यक्ति उचित आहार ग्रहण नहीं करता, तो इन कारखानों को आवश्यकतानुसार कच्चा माल नहीं मिल पाता।

प्रायः यह समझा जाता है कि रक्तदान करने से कमजोरी हो जाएगी, किंतु यह विचार बिलकुल निराधार है। हमारा शरीर इतना रक्त तो कुछ ही दिनों में बना लेता है। वैसे भी शरीर में लगभग पाँच लीटर खून होता है। इसमें से यदि कुछ रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए जीवन-दान बन जाए, तो इससे बड़ी बात क्या होगी ?

(क) रक्त कणों की रचना कहाँ होती है ?

(A) नसों में (B) आँतों में
(C) हड्डियों के बीच मज्जा में (D) हृदय में

(ख) रक्त निर्माण के लिए किस कच्चे माल की आवश्यकता होती है ?

(A) प्रोटीन (B) लौह तत्व
(C) विटामिन (D) उपरोक्त सभी

(ग) रक्त के लिए कच्चा माल न मिलने पर क्या होता है ?

(A) कमजोरी आती है
(B) कारखाना बन्द हो जाता है
(C) रक्त बनना बन्द हो जाता है
(D) इनमें से कोई नहीं

(घ) रक्तदान करने के बाद रक्त की कमी किस प्रकार पूरी हो जाती है ?

(A) पानी पीने से (B) पौष्टिक आहार से
(C) खान–पान से (D) दूध पीने से

(ङ) शरीर में कितना रक्त होता है ?

(A) चार लीटर (B) पाँच लीटर
(C) छः लीटर (D) सात लीटर

गद्यांश–14

पेड़ नीम का भी अच्छा है। उसकी दातुन बड़ी अच्छी रहती है। घर में कोई बीमार हो, तो लोग नीम की टहनियाँ दरवाजे पर लटका देते हैं। पास नीम का पेड़ हो, तो मैं उसकी टहनियाँ बेच सकता हूँ और पेड़ मुझे ठंडी छाँह भी देगा और अगर मेरे पास रबड़ का पेड़ होता, तो मैं अपना चाकू निकाल कर पेड़ की छाल में एक चीरा लगा देता। चीरे के तले में एक प्याला रख देता। पेड़ के दूधिया रस को मैं एक प्याले में भर लेता। रस को पकाकर मैं रबड़ बना लेता। रबड़ मैं बेच देता। रबड़ से लोग गुब्बारे, टायर और तरह–तरह की चीजें बनाते हैं।

(क) घर में कोई बीमार होता है तो लोग क्या करते हैं ?

(A) नीम खिला देते हैं (B) दातुन करा देते हैं
(C) पेड़ लगा लेते हैं
(D) नीम की टहनी दरवाजे पर लटका देते हैं

(ख) अगर लेखक के पास नीम का पेड़ होता तो वह उसकी टहनी का क्या करता ?

(A) रबड़ बना देता (B) बेच देता
(C) दाँतुन बना देता (D) इनमें से कोई नहीं

(ग) लेखक दूधिया रस को पकाकर क्या बना लेता ?

(A) दाँतुन बना लेता (B) रबड़ बना लेता
(C) टायर बना लेता (D) गुब्बारा

(घ) रबड़ से लोग क्या–क्या बनाते हैं ?

(A) रस (B) गुब्बारे का टायर आदि
(C) दातुन (D) मंजन

(ङ) पेड़ के रस को पकाकर क्या बनता है ?

(A) भलाई (B) चाकू
(C) पेड़ (D) रबड़

गद्यांश–15

मैं हैरान था कि यही दुबली-पतली गंगा, यही यमुना, यही सतलुज समतल मैदानों में उतरकर विशाल कैसे हो जाती है ? इनका उछलना और कूदना, खिलखिलाकर लगातार हँसते जाना, इनकी यह भाव-भंगी, इनका यह उल्लास कहाँ गायब हो जाता है, मैदान में जाकर ? किसी लड़की को जब मैं देखता हूँ, किसी कली पर जब मेरा ध्यान अटक जाता है, तब भी इतना कौतूहल और विस्मय नहीं होता, जितना कि इन बेटियों की बाललीला देखकर।

खेलते-खेलते जब ये जरा दूर निकल जाती हैं तो देवदार, चीड़, सरो, चिनार, सफेदा, कैल के जंगलों में पहुँचकर शायद इन्हें बीती बातें याद करने का मौका मिल जाता होगा। कौन जाने, हिमालय अपनी इन नटखट बेटियों के लिए कितना सिर धुनता होगा ? बड़ी-बड़ी चोटियों से जाकर पूछिए, तो उत्तर में विराट मौन के सिवाय उनके पास और रखा ही क्या है ?

(क) लेखक हैरान क्यों था ?

(A) दुबली–पतली गंगा विशाल कैसे हो जाती है
(B) बाल लीला देखकर
(C) हिमालय देखकर
(D) इनमें से कोई नहीं

(ख) पहाड़ पर नदियों का कौन–सा रूप देखने को मिलता है ?

(A) उछलना (B) कूदना
(C) खिलखिलाकर हँसना (D) उपरोक्त सभी

(ग) नदी का उल्लास कब गायब हो जाता है ?

(A) मैदान में आकर (B) पहाड़ों पर
(C) हिमालय पर (D) यमुना में

(घ) यहाँ बेटियाँ किन्हें और क्यों कहा गया है ?
(A) गंगा को उसकी बाललीला देखकर
(B) यमुना को
(C) सतलज को
(D) हिमालय को

(ङ) नदियाँ खेलते खेलते कहाँ पहुँच जाती हैं ?
(A) मैदानों में (B) जंगलों में
(C) हिमालय में (D) पहाड़ों में

गद्यांश–16

दिन में मैं चादर लपेटे सोया था। दादी माँ आईं, शायद नहाकर आई थीं, उसी झागवाले जल में। पतले-दुबले स्नेह-सने शरीर पर सफेद किनारीहीन धोती, सन-से सफेद बालों के सिरों पर सद्यः टपके हुए जल की शीतलता। आते ही उन्होंने सर, पेट छुए। आँचल की गाँठ खोल किसी अदृश्य शक्तिधारी के चबूतरे की मिट्टी मुँह में डाली, माथे पर लगाई। दिन-रात चारपाई के पास बैठी रहतीं, कभी पंखा झलतीं, कभी जलते हुए हाथ-पैर कपड़े से सहलातीं, सर पर दालचीनी का लेप करतीं और बीसों बार छू-छूकर ज्वर का अनुमान करतीं। हाँडी में पानी आया कि नहीं ? उसे पीपल की छाल से छौंका कि नहीं ? खिचड़ी में मूंग की दाल एकदम मिल तो गई है ? कोई बीमार के घर में सीधे बाहर से आकर तो नहीं चला गया, आदि लाखों प्रश्न पूछ-पूछकर घरवालों को परेशान कर देतीं।

(क) दादी माँ कहाँ से आई थीं ?
(A) नहाकर (B) खाना खाकर
(C) खाना पकाकर (D) सोकर

(ख) दादी के बालों का रंग कैसा था ?
(A) सुनहरा (B) भूरा
(C) काला (D) सफेद

(ग) दादी ने क्या छुआ ?
(A) सर, पेट (B) हाथ
(C) चारपाई (D) आँचल

(घ) दादी बुखार (ज्वर) का अनुमान कैसे करती हैं ?
(A) दवा देकर
(B) खाना खिलाकर
(C) छू–छूकर ज्वर का अनुमान करती है
(D) सवाल पूछकर

(ङ) दादी सिर पर किसका लेप करती हैं ?
(A) दालचीनी का लेप (B) छाल का लेप
(C) मरहम का लेप (D) दही का लेप

गद्यांश–17

"मैं और गहराई की खोज में किनारों से दूर गई, तो मैंने एक ऐसी वस्तु देखी कि मैं चौंक पड़ी। अब तक समुद्र में अँधेरा था, सूर्य का प्रकाश कुछ ही भीतर तक पहुँच पाता था और बल लगाकर देखने के कारण मेरे नेत्र दुखने लगे थे। मैं सोच रही थी कि यहाँ पर जीवों को कैसे दिखाई पड़ता होगा कि सामने ऐसा जीव दिखाई पड़ा मानो कोई लालटेन लिए घूम रहा हो। यह एक अत्यंत सुंदर मछली थी। इसके शरीर से एक प्रकार की चमक निकलती थी, जो इसे मार्ग दिखलाती थी। इसका प्रकाश देखकर कितनी छोटी-छोटी अनजान मछलियाँ इसके पास आ जाती थीं और यह जब भूखी होती थी तो पेट भर उनका भोजन करती थी।"

इसी स्थान के आस-पास एक दुर्घटना होते-होते बची। हम लोग अपनी इस खोज से इतने प्रसन्न थे कि अंधा-धुँध बिना मार्ग देखे बढ़े जाते थे। इससे अचानक एक ऐसी जगह जा पहुँचे जहाँ तापक्रम बहुत ऊँचा था। यह हमारे लिए असह्य था। हमारे अगुवा काँपे और देखते-देखते उनका शरीर ओषजन और हद्रजन में विभाजित हो गया। इस दुर्घटना से मेरे कान खड़े हो गए। मैं अपने और बुद्धिमान साथियों के साथ एक ओर निकल भागी।

(क) बूँद कहाँ गई थी ?
(A) रास्ते में (B) नदी में
(C) किनारों से दूर (D) तालाब में

(ख) बूँद को कैसा जीव दिखाई दिया ?
(A) जैसे कोई लालटेन लिए घूम रहा है
(B) मछली जैसा जीव
(C) साँप
(D) मगरमच्छ

(ग) बूँद के लिए ऊँचा तापमान कैसा था ?
(A) असमान (B) असह्य
(C) ठंडा (D) गरम

(घ) बूँद क्यों काँप उठी ?
(A) ऊँचा तापक्रम देखकर
(B) मछली देखकर
(C) साँप देखकर
(D) अँधेरा देखकर

(ङ) इस दुर्घटना में क्या खड़ा हो गया ?
(A) हाथ (B) कान
(C) नाक (D) पैर

गद्यांश–18

सर्दियों का मौसम था। सुबह का वक्त। चारों ओर कोहरा ही कोहरा। एक शेर का बच्चा सिमटकर गोल–मटोल बना जामुन के पेड़ के नीचे सोया हुआ था। इधर भालू साहब सैर पर निकल तो आए थे लेकिन पछता रहे थे। तभी उनकी नजर जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी। आँखें फैलाईं, अक्ल दौड़ाई– अहा ! फुटबॉल। सोचा, चलो इससे खेलकर कुछ गर्मी हासिल की जाए।

(क) कौन–सा मौसम था ?
(A) गर्मियों का (B) सर्दियों का
(C) बरसात का (D) फागुन का

(ख) चारों ओर क्या था ?
(A) धुआँ (B) अँधेरा
(C) कोहरा (D) हवा

(ग) शेर का बच्चा कहाँ सोया था ?
(A) जंगल में (B) गुफा में
(C) जामुन के पेड़ के नीचे (D) शेर के पास

(घ) कौन सैर पर निकल आया था ?
(A) शेर का बच्चा (B) गधा
(C) शेर (D) भालू

(ङ) भालू ने पेड़ के नीचे क्या देखा ?
(A) शेर का बच्चा (B) हाथी
(C) फुटबॉल (D) शेर

गद्यांश–19

एक बार हवा और सूरज में बहस छिड़ गई। हवा ने सूरज से कहा–मैं तुमसे अधिक बलवान हूँ। सूरज ने हवा से कहा–मुझमें तुमसे ज्यादा ताकत है। इतने में हवा की नजर एक आदमी पर पड़ी। हवा ने कहा– इस तरह बहस करने से कोई फायदा नहीं है। जो इस आदमी का कोट उतरवा दे, वही ज्यादा बलवान है। सूरज हवा की बात मान गया। उसने कहा–ठीक है। दिखाओ अपनी ताकत। हवा ने अपनी ताकत दिखानी शुरू की।

(क) किसमें बहस छिड़ गई ?

(A) सूरज और हवा में (B) आदमियों में
(C) गाँव वालों में (D) सिपाहियों में

(ख) हवा ने सूरज से क्या कहा ?

(A) तुम सूरज हो
(B) "मुझमें तुमसे ज्यादा ताकत है।"
(C) "मैं तुमसे अधिक बलवान हूँ।"
(D) मैं हवा हूँ

(ग) सूरज ने हवा से क्या कहा ?

(A) मैं सूरज हूँ
(B) तुम हवा हो
(C) "मुझमें तुमसे ज्यादा ताकत है।"
(D) "मैं तुमसे अधिक बलवान हूँ।"

(घ) हवा की नजर किस पर पड़ी ?

(A) सूरज पर (B) ताकत पर
(C) कोट पर (D) आदमी पर

(ङ) सूरज हवा की क्या बात मान गया ?

(A) जो आदमी को हवा दे वही बलवान
(B) जो आदमी का कोट उतरवा दे वही बलवान
(C) जो आदमी को सुला दे वही बलवान
(D) जो आदमी को रूला दे वही बलवान

गद्यांश–20

किसी तालाब में एक कछुआ रहता था। तालाब के पास माँद में रहने वाली एक लोमड़ी से उसकी दोस्ती हो गई। एक दिन वे तालाब के किनारे गपशप कर रहे थे कि एक तेंदुआ वहाँ आया। दोनों अपने-अपने घर की ओर जान बचाकर भागे। लोमड़ी तो सरपट दौड़कर अपनी माँद में पहुँच गई पर कछुआ अपनी धीमी चाल के कारण तालाब तक नहीं पहुँच सका। तेंदुआ एक छलाँग में उस तक पहुँच गया।

(क) कछुआ कहाँ रहता था ?

(A) कुंड में (B) जमीन पर
(C) नदी में (D) तालाब में

(ख) कछुए की दोस्ती किससे हो गई ?

(A) तालाब से (B) लोमड़ी से
(C) तेंदुए से (D) बाघ से

(ग) एक दिन तालाब के किनारे कौन आया ?

(A) लोमड़ी (B) तेंदुआ
(C) बाघ (D) सियार

(घ) कछुआ और लोमड़ी जान बचाकर कहाँ भागे ?

(A) अपने–अपने घर (B) तालाब में कूदे
(C) माँद में गये (D) डूब गये

(ङ) लोमड़ी सरपट दौड़कर कहाँ पहुँच गई ?

(A) घर में (B) जंगल में
(C) अपनी माँद में (D) तालाब में

गद्यांश–21

क्या तुमने कभी बुलबुल देखी है ? बुलबुल को पहचानने का एक सरल तरीका है। यदि तुम्हें कोई चिड़िया तेज आवाज में बोलती हुई मिले, तो उसकी पूँछ को देखो। यदि पूँछ के नीचे वाली जगह लाल हो तो समझो, वह चिड़िया बुलबुल है। जब वह उड़े तो पूँछ का सिरा भी ध्यान से देखना। बुलबुल की पूँछ के सिरे का रंग सफेद होता है। उसका बाकी शरीर भूरा और सिर का रंग काला होता है।

(क) किसको पहचानने का एक सरल तरीका है ?

(A) बुलबुल को (B) पेड़ को
(C) चिड़िया को (D) तोते को

(ख) यदि कोई चिड़िया तेज आवाज में बोलती हुई मिले, तो उसकी क्या देखें ?

(A) पंख (B) पैर
(C) चोंच (D) पूँछ

(ग) बुलबुल की पूँछ नीचे से कैसी होती है ?

(A) लाल (B) काली
(C) सफेद (D) रंगीन

(घ) बुलबुल की पूँछ के सिरे का रंग कैसा होता है?

(A) सफेद (B) काला
(C) भूरा (D) लाल

(ङ) बुलबुल के सिर का रंग कैसा होता है ?

(A) काला (B) भूरा
(C) लाल (D) सफेद

गद्यांश–22

बुलबुल पीपल या बरगद के पेड़ पर कीड़े ढूँढ़कर खाती है। वह हमारी तरह सब्जी और फल भी खाती है। अमरूद के बगीचे या मटर के खेत पर बुलबुल काफी जोर से हमला करती है। वह अपना घोंसला सूखी हुई घास और छोटे पौधों की पतली जड़ों से बुनती है। घोंसला अंदर से एक सुंदर कटोरे जैसा दिखता है।

(क) बुलबुल कहाँ से कीड़े ढूँढ़कर खाती है ?

(A) जमीन के कीड़े
(B) बरगद या पीपल के पेड़ के कीड़े
(C) मटर के कीड़े
(D) फल के कीड़े

(ख) बुलबुल हमारी तरह क्या खाती है ?

(A) कीड़े (B) सब्जी और फल
(C) मच्छर (D) चूहे

(ग) बुलबुल किस पर काफी जोर से हमला करती है ?

(A) अमरूद के बगीचे पर (B) मटर के खेत पर
(C) उपरोक्त दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

(घ) बुलबुल घोंसला किससे बुनती है ?

(A) तिनकों से (B) मिट्टी से

(C) सूखी घास से (D) जड़ों से

(ङ) बुलबुल का घोंसला अंदर से कैसा दिखता है?

(A) फूल जैसा (B) घर जैसा

(C) पेड़ जैसा (D) सुन्दर कटोरे जैसा

गद्यांश–23

एक दिन चूहे ने अपने दिल में सोचा–आज मैं शहर जाऊँगा। बारिश के कारण बिल से बाहर निकले बहुत दिन बीत गए हैं। घर में बैठे-बैठे दिल घबरा गया है। नटखट चूहा झटपट तैयार होकर शहर की ओर निकल पड़ा। वह मस्ती से झूमता हुआ चला जा रहा था कि रास्ते में उसे एक बड़ी-सी कपड़े की दुकान दिखाई दी। दुकानदार अपनी दुकान खोल कर अंदर जा ही रहा था कि नटखट चूहा भी चुपचाप उसके पीछे अंदर चला गया। जैसे ही दुकानदार अपनी जगह पर बैठा, उसकी नजर चूहे पर पड़ी।

(क) चूहे ने अपने दिल में क्या सोचा ?

(A) आज मैं घर जाऊँगा

(B) आज मैं गाँव जाऊँगा

(C) आज मैं बाजार जाऊँगा

(D) आज मैं शहर जाऊँगा

(ख) चूहे को बिल से बाहर निकले बहुत दिन क्यों बीत गए थे ?

(A) बारिश के कारण (B) सर्दी के कारण

(C) खराब मौसम के कारण (D) गर्मी के कारण

(ग) नटखट चूहा झटपट तैयार होकर किस ओर निकल पड़ा ?

(A) घर की ओर (B) शहर की ओर

(C) बिल की ओर (D) बाजार की ओर

(घ) रास्ते में चूहे को किसकी दुकान दिखाई दी ?

(A) चाय की दुकान (B) सब्जी की दुकान

(C) कपड़े की दुकान (D) फल की दुकान

(ङ) नटखट चूहा चुपचाप कहाँ चला गया ?

(A) बिल के बाहर (B) दुकान के अन्दर

(C) घर के अन्दर (D) कपड़े के अन्दर

गद्यांश–24

एक कौए ने मोर के पंख लगा लिये और अपने को मोर समझकर मोरों की एक टोली में जा घुसा। उसे देखकर मोरों की टोली ने उसे फौरन पहचान लिया। फिर क्या ! दूसरे ही पल सारे मोर उस पर झपट पड़े। चोंच मारकर उसे अपनी टोली से दूर भगा दिया। रोता हुआ कौआ अपने घर में वापस लौट आया। उसके अपने दोस्त भी उसकी इस हरकत से नाराज हो गए थे। वे भी उस पर टूट पड़े। सारे कौओं ने मिलकर उसके पंख नोच डाले। नकल को अकल कहाँ !

(क) कौए ने किसके पंख लगा लिए थे ?

(A) कबूतर के पंख (B) मोर के पंख

(C) हंस के पंख (D) चिड़िया के पंख

(ख) कौआ किसकी टोली में जा घुसा ?

(A) बिल्लियों की टोली में (B) चूहों की टोली में

(C) मोरों की टोली में (D) कौओं की टोली में

(ग) मोरों ने कौए को अपनी टोली से कैसे भगा दिया ?

(A) मारकर (B) खिलाकर

(C) जलाकर (D) चोंच मारकर

(घ) रोता हुआ कौआ कहाँ लौट आया ?

(A) अपने घोंसले में (B) अपने घर में

(C) टोली में (D) गाँव में

(ङ) कौए के दोस्तों ने मिलकर कौए के क्या नोच डाले ?

(A) उसके पंख (B) उसके कान

(C) उसके बाल (D) उसकी पूँछ

गद्यांश–25

पेंसिल की कहानी बहुत पुरानी नहीं है। करीब छः सौ वर्ष पहले जर्मनी में ग्रेफाइट की चट्टानें मिलीं। इनका कोई टुकड़ा लेकर कागज या पत्थर पर लिखा जाता, तो निशान या लकीरें बन जातीं। इसके कोई डेढ़ सौ साल बाद इंग्लैण्ड में शुद्ध ग्रेफाइट की चट्टान मिली। पहले गड़रियों को इनका पता चला। वे ग्रेफाइट की चट्टान का टुकड़ा लेकर अपनी भेड़ों पर निशान लगा देते। इससे उन भेड़ों की अलग से पहचान हो जाती थी। फ्रांस के निकोलस जेटकांते और ऑस्ट्रेलिया के जोसफ हडथरमुथ ने सबसे पहले पेंसिल बनाने में कामयाबी हासिल की। अब तो इतनी सुन्दर पेंसिल बनती है कि बच्चे उन्हें पाने के लिए मचल उठते हैं। अब पेंसिल पर सुन्दर–सुन्दर बच्चों के हँसते खेलते चित्र होते हैं। कुछ पर पक्षियों और जानवरो के भी चित्र होते हैं। वे इतनी रंग बिरंगी होती हैं कि उन्हें हाथ में लिए बगैर चैन ही नहीं पड़ता।

(क) करीब छः सौ वर्ष पहले जर्मनी में किसकी चट्टानें मिलीं ?

(A) पत्थर की (B) ग्रेफाइट की

(C) ग्रेनाइट की (D) खड़िया की

(ख) ग्रेफाइट के टुकड़े से कागज या पत्थर पर लिखने से क्या बन जाता है ?

(A) निशान या लकीर (B) अक्षर

(C) शब्द (D) गड्ढा

(ग) ग्रेफाइट की शुद्ध चट्टानें सबसे पहले कहाँ मिलीं?

(A) फ्रांस में (B) यूरोप में

(C) इंग्लैण्ड में (D) भारत में

(घ) गड़रिये ग्रेफाइट से क्या करते थे ?

(A) लिखते थे

(B) पत्थर बनाते थे

(C) अपनी भेड़ों पर निशान बनाते थे

(D) खेलते थे

(ङ) सबसे पहले पेंसिल बनाने में किसने कामयाबी हासिल की ?

(A) ऑस्ट्रेलिया के जोसफ हडथरमुथ ने

(B) फ्रांस के निकोलस जेटकांते ने

(C) उपरोक्त (A) व (B) दोनों

(D) इनमें से कोई नहीं

गद्यांश–26

एक गधा जंगल में घास चर रहा था। जंगल के किनारे पर ही उसके मालिक हरिया का घर था। रोज जंगल में आकर घास खाकर उसे बड़ा ही मजा आता था। उसे वहाँ कभी भी कोई खतरा महसूस नहीं हुआ। मगर एक दिन अचानक ही उसे पास की झाड़ियों में सरसराहट सुनाई दी। उसने सर उठाकर देखा तो उसके प्राण सूख

गए। झाड़ियों से निकलर एक बाघ उसके सामने आ खड़ा हुआ था। गधे ने सोचा कि आज तो मारे गए। मगर आदमियों की संगत में रहकर वह भी बहुत चालाक हो गया था। उसने डरना छोड़ा और लंगड़ा लंगड़ाकर चलने लगा।

(क) गधा जंगल में क्या कर रहा था ?

(A) चने खा रहा था
(B) घास चर रहा था
(C) झाड़ियों में टहल रहा था
(D) सो रहा था

(ख) जंगल के किनारे किसका घर था ?

(A) बाघ का
(B) व्यक्ति का
(C) गधे का
(D) गधे के मालिक हरिया का

(ग) अचानक ही एक दिन गधे के सामने कौन आकर खड़ा हो गया ?

(A) गधे का मालिक (B) बाघ
(C) सियार (D) हाथी

(घ) चालाक कौन था ?

(A) गधा (B) आदमी
(C) बाघ (D) सियार

(ङ) लंगड़ाकर कौन चलने लगा ?

(A) बाघ (B) गधा
(C) सियार (D) आदमी

गद्यांश–27

सरदार वल्लभ भाई पटेल का बचपन गाँव में बीता था। उनके गाँव में कोई अंग्रेजी स्कूल नहीं था, इसलिए गाँव के बच्चे रोज दस–ग्यारह किलोमीटर पैदल चलकर दूसरे गाँव में पढ़ने जाते थे। एक दिन छात्रों की टोली निकली, तो उन्होंने पाया कि उनमें से एक छात्र कम है। वल्लभभाई पटेल पीछे रह गए थे। लड़कों ने मुड़कर देखा तो पाया कि वे खेत की मेड़ पर किसी चीज को उखाड़ रहे हैं। साथियों ने दूर से ही आवाज दी क्या हुआ? वल्लभभाई ने कहा जरा यह पत्थर हटा लूँ तो आता हूँ। साथियों को ध्यान आया कि खेत की मेड़ पर एक नुकीले पत्थर से कई बार उन्हें ठोकर लग चुकी थी, पर आज तक किसी ने उसे नहीं हटाया। वल्लभभाई ने जब पत्थर हटा लिया तो साथियों के साथ चलते हुये बोले–रास्ते के इस पत्थर से कितनों को ठोकर लगी होगी। ऐसी चीज को हटा ही देना चाहिये। सारे बच्चे आश्चर्य से उन्हें देख रहे थे।

(क) गाँव के बच्चे पढ़ने के लिए दूसरे गाँव क्यों जाते थे ?

(A) समय बिताने (B) खेलने
(C) अंग्रेजी पढ़ने (D) हिन्दी पढ़ने

(ख) पीछे कौन रह गया था ?

(A) अध्यापक (B) बच्चे
(C) वल्लभभाई (D) गाँव वाले

(ग) नुकीला पत्थर हटाने का क्या कारण था ?

(A) उन्हें कई बार चोट लग चुकी थी
(B) वह गिर गये थे
(C) सफाई के कारण
(D) इनमें से कोई नहीं

(घ) बच्चे आश्चर्य से किसको देख रहे थे ?

(A) भेड़ को (B) वल्लभभाई को
(C) पत्थर को (D) अपनी चोट

(ङ) वल्लभभाई मेड़ से क्या उखाड़ रहे थे ?

(A) नुकीले पत्थर (B) झाड़ियाँ
(C) काँटे (D) मिट्टी

गद्यांश–28

पुस्तकालय का अर्थ है—पुस्तकें रखने का घर अर्थात् जहाँ एक ही जगह पर एक साथ बहुत सारी पुस्तकें रखी जाती हैं। हर स्कूल और कॉलेज में पुस्तकालय होता है। जो लोग नौकरी करते हैं, उन लोगों के लिए भी पुस्तकालय होता है। इसे पब्लिक लाइब्रेरी कहा जाता है। पुस्तकालय में न केवल पुस्तकें होती हैं, बल्कि अखबार, पत्र–पत्रिकायें आदि भी होती हैं। लोग पुस्तकालय में बैठकर अपनी मनपसंद पुस्तकें, पत्र–पत्रिकाएँ, अखबार आदि पढ़ते हैं। हमारे विद्यालय में भी एक बड़ा सा पुस्तकालय है। इसमें हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, संस्कृत, फ्रेंच, जर्मनी आदि विषयों की लगभग 6000 पुस्तकें हैं। यहाँ पर विभिन्न भाषाओं के शब्दकोश, पत्र–पत्रिकाएँ आदि भी हैं। पुस्तकालय में बैठकर पढ़ने के साथ पुस्तकों को घर ले जाकर पढ़ने की सुविधा भी होती है।

(क) पुस्तकालय किसे कहते हैं ?

(A) पुस्तक का स्थान (B) पुस्तकें रखने का घर
(C) पुस्तकों को (D) इनमें से कोई नहीं

(ख) पुस्तकालय कहाँ–कहाँ हैं ?

(A) स्कूल में (B) कॉलेज में
(C) उपरोक्त दोनों में (D) इनमें से कोई नहीं

(ग) पुस्तकालय में पुस्तकों के अलावा क्या चीज़ें मिलती हैं ?

(A) अखबार एवं पत्र–पत्रिकाएँ
(B) स्टेशनरी
(C) कुर्सी–मेज
(D) गाइड

(घ) नौकरी करने वालों के लिए पुस्तकालय क्या कहलाता है ?

(A) लाइब्रेरी (B) पब्लिक लाइब्रेरी
(C) पुस्तकालय घर (D) पुस्तक घर

(ङ) पुस्तकालय में कितनी पुस्तकें हैं ?

(A) 1000 (B) 5000
(C) 2000 (D) 6000

गद्यांश–29

गोपाल कृष्ण गोखले बचपन से ही सत्यवादी थे। एक बार उनके शिक्षक ने एक प्रश्न हल करने को दिया। दूसरे दिन जब गृहकार्य देखा गया तो सभी के उत्तर गलत थे। केवल गोपाल ने ही प्रश्न का उत्तर सही लिखा था। शिक्षक ने गोपाल की सबके सामने प्रशंसा की। गोपाल ने उन्हें रोकते हुए रुँधे हुए गले से कहा, "गुरु जी, मैं इस प्रशंसा का अधिकारी नहीं हूँ। प्रश्न तो मेरी बड़ी बहिन ने हल किया है, इसलिए शाबाशी मुझे नहीं मिलनी चाहिए।" शिक्षक प्रसन्न होकर बोले, "इसमें रोने की बात नहीं है। तुमने सच बोला है, इसलिए यह पुस्तक मैं तुम्हें पुरस्कार में देता हूँ। यह तुम्हें सदा सत्य बोलने को प्रेरित करती रहेगी।"

(क) गोपाल कृष्ण गोखले में क्या गुण थे ?

(A) उद्यमी थे (B) संयमी थे
(C) मेहनती थे (D) सत्यवादी थे

(ख) गोपाल का गृहकार्य देखकर शिक्षक ने क्या किया ?

(A) डाँटा (B) प्रशंसा की
(C) मारा (D) भगा दिया

(ग) शिक्षक से अपनी प्रशंसा सुन गोपाल ने क्या किया ?

(A) हँसने लगे (B) खेलने लगे
(C) रोने लगे (D) कूदने लग

(घ) शिक्षक ने गोपाल को पुरस्कार में क्या दिया ?

(A) कलम (B) पुस्तक
(C) पेन्सिल (D) दवात

(ङ) गद्यांश का कोई अच्छा–सा शीर्षक लिखिए।

(A) सत्यवादी (B) सत्यता
(C) सत्य की जीत (D) सदा सच बोलो

गद्यांश–30

क्रिकेट एक घर के बाहर खेला जाने वाला खेल है, जिसे खासतौर से बच्चे बहुत पसंद करते हैं और अपने युवा दिनों में एक अच्छा क्रिकेटर बनने का सपना देखते हैं। ये एक बड़े खुले मैदान में बल्ले और बॉल के इस्तेमाल से खेला जाता है। यह दो टीमों के मध्य खेला जाता है, जिसमें 11-11 खिलाड़ी होते हैं। इसे एक 22 गज के लम्बे आयताकार पिच के मैदान के एक केन्द्र में खेला जाता है। बल्लेबाजी करने के दौरान इसका इस्तेमाल बल्लेबाज रन लेने के लिये करता है और पारी के रूप में रन प्राप्त करने की कोशिश करता है।

दोनों टीमों में से एक टीम गेंदबाज और दूसरी टीम बल्लेबाज कहलाती है। बल्लेबाज या विकेट लेने के लिये गेंदबाज गेंद को बल्ले से दूर फेंकने का प्रयास करता है। एक बल्लेबाज़ तब तक बल्लेबाज़ी करता है, जब तक वो कोई गलती करके आउट न हो जाए। जो कोई भी टीम बैटिंग शुरू करती है, वो तब तक बैटिंग करती है, जब तक कि उसके 10 बल्लेबाज आउट न हो जाएँ या 6 बॉल की ओवर के निश्चित संख्या पूरी न हो जाए।

(क) क्रिकेट कहाँ खेला जाता है ?

(A) आँगन में (B) घर में
(C) घर के बाहर (D) खुले मैदान में

(ख) क्रिकेट कितने खिलाड़ियों के बीच खेला जाता है ?

(A) 12 (B) 11
(C) 9 (D) 10

(ग) बल्लेबाज कब तक बल्लेबाजी करता है ?

(A) आउट होने तक
(B) थक जाने तक
(C) गेंदबाजी के लिए
(D) इनमें से कोई नहीं

(घ) क्रिकेट के खेल में एक टीम कब तक बैटिंग कर सकती है ?

(A) 11 बल्लेबाज आउट होने तक
(B) 10 बल्लेबाज आउट होने तक
(C) 9 बल्लेबाज आउट होने तक
(D) 8 बल्लेबाज आउट होने तक

(ङ) गद्यांश का उचित शीर्षक–

(A) क्रिकेट मैदान
(B) क्रिकेट
(C) बल्लेबाज
(D) गेंदबाज

उत्तरमाला

1. (क) (B) (ख) (A) (ग) (C) (घ) (B) (ङ) (B)
2. (क) (A) (ख) (A) (ग) (B) (घ) (A) (ङ) (C)
3. (क) (B) (ख) (C) (ग) (D) (घ) (C) (ङ) (A)
4. (क) (C) (ख) (D) (ग) (C) (घ) (A) (ङ) (B)
5. (क) (A) (ख) (B) (ग) (D) (घ) (A) (ङ) (A)
6. (क) (B) (ख) (A) (ग) (B) (घ) (A) (ङ) (A)
7. (क) (B) (ख) (A) (ग) (C) (घ) (B) (ङ) (B)
8. (क) (B) (ख) (D) (ग) (A) (घ) (A) (ङ) (C)
9. (क) (B) (ख) (D) (ग) (A) (घ) (C) (ङ) (B)
10. (क) (C) (ख) (A) (ग) (D) (घ) (C) (ङ) (A)
11. (क) (B) (ख) (D) (ग) (C) (घ) (D) (ङ) (B)
12. (क) (C) (ख) (C) (ग) (D) (घ) (D) (ङ) (B)
13. (क) (C) (ख) (D) (ग) (A) (घ) (B) (ङ) (B)
14. (क) (D) (ख) (B) (ग) (B) (घ) (B) (ङ) (D)
15. (क) (A) (ख) (D) (ग) (A) (घ) (A) (ङ) (B)
16. (क) (A) (ख) (D) (ग) (A) (घ) (C) (ङ) (A)
17. (क) (C) (ख) (A) (ग) (B) (घ) (A) (ङ) (B)
18. (क) (B) (ख) (C) (ग) (C) (घ) (D) (ङ) (C)
19. (क) (A) (ख) (C) (ग) (C) (घ) (D) (ङ) (B)
20. (क) (D) (ख) (B) (ग) (B) (घ) (A) (ङ) (C)
21. (क) (A) (ख) (D) (ग) (A) (घ) (A) (ङ) (A)
22. (क) (B) (ख) (B) (ग) (C) (घ) (C) (ङ) (D)
23. (क) (D) (ख) (A) (ग) (B) (घ) (C) (ङ) (B)
24. (क) (B) (ख) (C) (ग) (D) (घ) (B) (ङ) (A)
25. (क) (B) (ख) (A) (ग) (C) (घ) (C) (ङ) (C)
26. (क) (B) (ख) (D) (ग) (B) (घ) (A) (ङ) (B)
27. (क) (C) (ख) (C) (ग) (A) (घ) (B) (ङ) (A)
28. (क) (B) (ख) (C) (ग) (A) (घ) (B) (ङ) (D)
29. (क) (D) (ख) (B) (ग) (C) (घ) (B) (ङ) (D)
30. (क) (D) (ख) (B) (ग) (A) (घ) (B) (ङ) (B)

जवाहर नवोदय विद्यालय के विगत वर्षों (2019-2009) में पूछे गये प्रश्न

निर्देश (प्रश्न संख्या 1 से 20 तक)

इस खण्ड में चार अनुच्छेद हैं। प्रत्येक अनुच्छेद पर पाँच प्रश्न हैं। प्रत्येक अनुच्छेद को सावधानी से पढ़ें और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर दिए गए हैं, जिनकी क्रम संख्या (A), (B), (C) और (D) है। इनमें से केवल एक उत्तर ही सही है। सही उत्तर चुनें तथा अपने उत्तर को दर्शाने के लिए ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रिका में प्रश्न की संगत संख्या के सामने वाले वृत्त को काला करें।

अनुच्छेद-1

अपने बीजों, छाल और पत्तियों के औषधीय लाभों के कारण नीम के वृक्ष को गाँव का औषधालय कहा जाता है। संस्कृत में इसे 'अरिष्ट' कहा जाता है, जिसका अर्थ है निर्दोष, नष्ट न होने वाला और पूर्ण। कीटों के नियन्त्रण में नीम का तेल महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है और इसका उपयोग मच्छर प्रतिरोधक के विकल्प के रूप में भी किया जा सकता है। नीम के बीजों की खली उर्वरक के रूप में प्रयुक्त होती है। नीम की पत्तियों का लेप चेचक की चिकित्सा में काम में आता है। नीम की टहनियाँ, जिन्हें सामान्यतः 'दातून' कहते हैं, गाँवों में दाँत के ब्रुश के रूप में प्रयुक्त होती हैं। मक्खियों और पशुओं की किलनियों पर, उनके नियन्त्रण के लिए, छाल और जड़ों का उपयोग भी चूर्ण के रूप में होता है।

1. औषधालय है–

(A) कृषि–भूमि

(B) औषध भण्डार

(C) खेल के मैदान

(D) फार्म हाउस

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

1. (B) औषधियों के भण्डार को 'औषधालय' कहते हैं।

2. नीम के पेड़ का किसान के लिए उपयोगी भाग है–

(A) बीज (B) छाल

(C) टहनियाँ (D) पत्तियाँ

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

2. (A) किसान के लिए नीम के पेड़ के बीज बहुत अधिक उपयोगी होते हैं। खेतों में उर्वरक के रूप में इन बीजों का प्रयोग किया जाता है।

3. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द 'निर्दोष' का पर्यायवाची नहीं है ?

(A) दोष रहित (B) त्रुटिहीन

(C) बेजोड़ (D) कुरूप

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

3. (D) 'निर्दोष' के पर्यायवाची—बेकसूर, बेजोड़ दोषरहित, त्रुटिहीन आदि। कुरूप का अर्थ होता है, जिसका रूप बुरा हो। अतः 'कुरूप' 'निर्दोष' का पर्यायवाची नहीं है।

4. अनुच्छेद में शब्द 'कीट' से तात्पर्य है–

(A) फसल नष्ट करने वाले कीड़े–मकोड़े

(B) क्रुद्ध व्यक्ति

(C) गन्दा पानी

(D) प्रदूषण

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

4. (A) अनुच्छेद के अनुसार 'कीट' फसल नष्ट करने वाले कीड़े–मकोड़े होते हैं।

5. गाँवों में नीम की .... का उपयोग दाँत के ब्रुश के रूप में किया जाता है।

(A) जड़ों (B) पत्तियों

(C) टहनियों (D) बीज की खली

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

5. (C) नीम की टहनियों का उपयोग गाँवों में दाँत के ब्रुश के रूप में किया जाता है।

अनुच्छेद-2

चबाने की गोंद (च्यूइंग गम) की खोज मेक्सिको के जंगलों में मायन लोगों ने एक हजार वर्ष पूर्व की थी। उन्होंने पाया कि एक सैपोडिला के पेड़ से कोई तरल पदार्थ बह रहा है। जब वह बाहर निकल आता तो गाढ़ा हो जाता था, वे इसे चिकल कहते थे, जो चबाया जा सकता था और स्वादिष्ट होता था। आज भी चिकलेरो कहे जाने वाले श्रमिक चिकल का संग्रह करते हैं। चिकल को उसका पानी हटाने के लिए उबाला जाता है। इसके बाद इसके बड़े टुकड़े प्रत्येक लगभग 30 पौंड या 14 किलोग्राम के बनाए जाते हैं। इन टुकड़ों को गोंद की फैक्टरी में भेजा जाता है, वहाँ इसे मीठा, नरम, सुगन्धित और रंगीन बनाने के लिए चीजों के साथ मिलाया जाता है।

6. .... ने चबाने वाली गोंद की खोज की।

(A) मायन

(B) सैपोडिला

(C) चिकलेरो

(D) गोंद की फैक्टरी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

6. (A) मायन लोगों ने मेक्सिको के जंगलों में एक हजार वर्ष पूर्व चबाने वाली गोंद की खोज की।

7. ....वे श्रमिक होते हैं, जो चिकल एकत्र करते हैं–

(A) सैपोडिला (B) मायन

(C) चिकलेरो (D) गमर

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

7. (C) चिकलेरो श्रमिक चिकल एकत्र करते हैं।

8. चिकल के बड़े टुकड़े कहाँ भेजे जाते हैं ?

(A) पुनर्चक्रण केन्द्रों में

(B) गोंद की फैक्टरी में

(C) मेक्सिको के जंगलों में

(D) कैंडी स्टोरों में

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

8. (B) चिकल के बड़े टुकड़ों को गोंद की फैक्टरी में भेजा जाता है, जो लगभग 30 पौंड या 14 किग्रा के होते हैं।

9. चिकल में बहुत–से पदार्थ निम्न सभी के लिए मिलाए जाते हैं, सिवाए .... के लिए।

(A) नरम बनाने

(B) सुगन्धित बनाने

(C) गाढ़ा करने

(D) मीठा बनाने

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

9. (C) चिकल को फैक्टरी में मीठा, सुगन्धित, नरम तथा रंगीन करने के लिए भेजा जाता है। इसे फैक्टरी में गाढ़ा करने की जरूरत नहीं पड़ती। यह पेड़ से बाहर निकलते समय ही गाढ़ा हो जाता है।

10. इस अनुच्छेद के लिए उपयुक्त शीर्षक चुनिए।

(A) गोंद

(B) चिकलेरो

(C) चिकलेरो की कथा

(D) च्युइंग गम की कथा

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

10. (D) प्रस्तुत अनुच्छेद में च्युइंगम कैसे बनती है के विषय में बताया गया है। अतः इसका उपयुक्त शीर्षक 'च्युइंगम की कथा' होना चाहिए।

अनुच्छेद-3

भारत तीर्थयात्रियों और तीर्थयात्राओं का देश है। ये पवित्र स्थान, चाहे पहाड़ों पर या मैदानों में, सामान्यतया या तो नदियों के तटों पर स्थित हैं या समुद्र के तटों पर। इन

तीर्थस्थलों पर जाने वाले केवल धार्मिक लोग ही नहीं होते, वरन सारे भारत से और विदेशों से पर्यटक और सैर–सपाटे वाले लोग भी यहाँ आते हैं। जहाँ कहीं दो या अधिक नदियाँ मिलती हैं, तीर्थयात्री वहाँ स्नान और पूजा करते हैं, क्योंकि माना जाता है कि वह स्थान पवित्र होता है। ऐसा ही एक स्थान हरिद्वार है जो गंगा नदी के तट पर स्थित है।

11. पवित्र स्थानों पर जाने वाले लोग होते हैं धार्मिक, सैर–सपाटा करने वाले और–

(A) बच्चे (B) पर्यटक

(C) व्यापारी (D) समुद्री यात्री

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

11. (B) धार्मिक, सैर–सपाटा करने वाले लोग तथा पर्यटक पवित्र स्थानों पर जाते हैं।

12. निम्नलिखित में कौन–सा शब्द 'सामान्यतया' का पर्यायवाची है ?

(A) आमतौर पर (B) सार्वजनिक रूप से

(C) कभी–कभी (D) परिणामस्वरूप

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

12. (A) 'सामान्यतया' शब्द का पर्यायवाची है—आमतौर पर हैं।

13. उस स्थान को 'पवित्र' माना जाता है, जहाँ दो या आधिक नदियाँ मिलती हैं। इस कथन में शब्द 'पवित्र' का विलोम है–

(A) ईश्वरीय (B) धार्मिक

(C) अपावन (D) धर्मनिष्ठ

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

13. (C) 'पवित्र' शब्द का विलोम 'अपवित्र' होता है।

14. लोग गंगा नदी में स्नान और पूजा के लिए आते हैं, क्योंकि इसका जल है–

(A) पवित्र (B) साफ और स्वच्छ

(C) शीतल (D) स्वास्थ्यवर्धक

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

14. (A) गंगा नदी का जल 'पवित्र' माना जाता है, इसलिए लोग यहाँ स्नान और पूजा के लिए आते हैं।

15. लोग तीर्थयात्रा पर जाते हैं, क्योंकि वे ....होते हैं।

(A) उत्सुक (B) धार्मिक

(C) खोजी (D) वृद्ध

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

15. (B) लोग तीर्थयात्रा पर जाते हैं, क्योंकि वे धार्मिक होते हैं।

अनुच्छेद-4

अजित का जन्मदिन था। उसके सभी मित्र और सम्बन्धी एकत्र हुए थे। उसे कई भेंट मिलीं उनमें किताबें, खिलौने और कपड़े थे। अजित की चाची ने उसे एक आश्चर्यजनक भेंट दी। वह था गुलाब का एक पौधा। अजित को चाची की भेंट सबसे अधिक पसन्द आई और वह भागकर बगीचे में गया और उसे वहाँ रोप दिया। अजित रोज ही उसे सींचता था। वह ज्यों ही सुबह जागता, भागकर देखने जाता कि वह कितना बड़ा हो गया है। एक दिन उसने देखा कि दो छोटी कलियाँ बाहर झाँक रही थीं। वह कलियों को सुन्दर पीला गुलाब बनते देखता रहा। वह प्रसन्न और रोमांचित था। उसने अपनी माँ की मदद से फूल तोड़े। उसने वे पहले दो गुलाब अपनी माँ और बहन को भेंट किए। अजित ने निर्णय किया कि वह अपने बगीचे में और भी पौधे लगाएगा।

16. जन्मदिन पर अजित की सबसे अच्छी भेंट थी–

(A) रेस कार (B) कमीज

(C) गुलाब का पौधा (D) किताब

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

16. (C) जन्मदिन पर अजित को सबसे अच्छी भेंट गुलाब का पौधा मिला, जो उसे उसकी चाची ने भेंट किया था।

17. ज्यों ही अजित जागता, वह–

(A) पढ़ना प्रारम्भ कर देता

(B) पौधे की ओर दौड़ता

(C) स्नान करता

(D) स्कूल चल देता

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

17. (B) ज्यों ही अजित जागता, सबसे पहले वह गुलाब के पौधे की ओर दौड़ता था।

18. पहले गुलाब में कितनी कलियाँ आईं ?

(A) एक (B) चार

(C) दो (D) बहुत–सी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

18. (C) गुलाब में पहले दो कलियाँ आईं।

19. अजित ने पहने दो गुलाब किसे भेंट किए ?

(A) मित्रों को

(B) चाची को

(C) माँ और बहन को

(D) माँ और चाची को

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

19. (C) अजित ने सबसे पहले दो गुलाब अपनी माँ और बहन को भेंट किए।

20. 'रोमांचित' शब्द का अर्थ है–

(A) उदास (B) उत्तेजित

(C) भयभीत (D) चकित

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2019

20. (B) 'रोमांचित' शब्द का अर्थ है—उत्तेजित।

निर्देश (प्रश्न संख्या 21 से 45 तक)

इस खण्ड में पाँच अनुच्छेद हैं। प्रत्येक अनुच्छेद पर पाँच प्रश्न हैं। प्रत्येक अनुच्छेद को सावधानी से पढ़िए और उसके नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर दिए हैं, जिसकी क्रम संख्या (A), (B), (C) और (D) है। इनमें से कोई एक उत्तर ही सही है। आपको सही उत्तर चुनकर उसकी क्रम संख्या उत्तर–पत्रिका में सम्बन्धित प्रश्न संख्या के सामने दिए गए बॉक्स में लिखनी है।

अनुच्छेद-1

एक समय एक गधा जंगल में रहता था। उसे एक दिन एक शेर की खाल मिली। उसने उसे पहन लिया और गर्व से जंगल में भागने लगा। जब पशुओं ने उसे देखा, तो डर से भागने लगे। उन सबने सोचा कि गधा सचमुच ही एक शेर है। एक दिन इस गधे को एक लोमड़ी मिली। लोमड़ी भी डरी और भाग गई। गधा अन्य पशुओं की प्रतिक्रियाएँ देखकर इतना खुश हुआ कि वह चुप न रह सका। वह अपने नए भेष को भूल गया और रेंकने लगा, क्योंकि लोमड़ी ने उसका रेंकना सुना, वह उल्टा लौट आई। सभी पशु अब समझ गए कि वह शेर नहीं है, बल्कि शेर की खाल में गधा है। गधा अपनी जान बचाने भागा।

21. गधा कहाँ रहता था ?

(A) अस्तबल में

(B) जंगल में

(C) फार्महाउस में

(D) गाँव में

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

21. (B) गधा जंगल में रहता था। अनुच्छेद की पहली पंक्ति का अवलोकन करें।

22. गधे को गर्व क्यों हो रहा था ?

(A) अन्य पशु उसे शेर समझ रहे थे

(B) उसके बहुत मित्र बन गए थे।

(C) दूसरे पशु उसे सम्मान दे रहे थे

(D) वह सुन्दर दिखाई पड़ रहा था

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

22. (A) क्योंकि गधे को भ्रम था कि अन्य पशु उसे शेर समझ रहे थे।

23. अनुच्छेद में किस पशु का उल्लेख नहीं है ?

(A) लोमड़ी (B) शेर

(C) जेब्रा (D) गधा

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

23. (C) प्रस्तुत अनुच्छेद में जेब्रा (पशु) का उल्लेख नहीं है।

24. 'रेंकना' किस पशु की आवाज को कहा जाता है?

(A) हाथी (B) लोमड़ी

(C) कुत्ता (D) गधा

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

24. (D) गधे की आवाज को रेंकना कहा जाता है।

25. गधा क्यों भाग गया ?

(A) दूसरे पशु की खाल पाने के लिए

(B) अपनी जान बचाने के लिए

(C) अपने मित्रों को बुलाने के लिए

(D) शेर को ढूँढने के लिए

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

25. (B) गधा अपनी जान बचाने को भागा था।

अनुच्छेद-2

एक हाथी का दिन के सोलह से अट्ठारह घण्टे खाना खाते हुए बिताता है। एक पूर्ण विकसित हाथी प्रत्येक दिन 137 किग्रा से अधिक खाना खा सकता है। हाथी शाकाहारी पशु है। वे पत्तियाँ, कोमल डण्ठल, जंगली झाड़ियों और पेड़ों के फलों को खा जाते हैं। भारतीय हाथी बाँस के पौधे खाना पसन्द करते हैं। हाथी भोजन और पानी के लिए खोदने तथा पेड़ों की खाल चीरकर अलग करने के लिए अपने दाँतों का उपयोग करते हैं। वे अपनी सूँड़ का उपयोग भोजन को अपने मुँह में रखने के लिए करते हैं। हाथी किसी पेड़ को इतना झुका सकता है कि उसका बच्चा उसकी पत्तियाँ खा सके। एक वयस्क हाथी एक दिन में 18 से 26 गैलन पानी पी सकता है। हाथी प्रायः किसानों की फसल बरबाद कर देते हैं। उन्हें गन्ने खाना पसन्द है, इसलिए किसानों को खेतों की रक्षा करनी पड़ती है। जब किसान हाथियों को देखते हैं, तो जोर–जोर से बहुत शोर करते हैं। कभी तो वे भाग जाते हैं पर प्रायः वे कोई चिन्ता नहीं करते। वे खेतों में आ जाते हैं और गन्ने उखाड़ते हैं। हमें अपने वनों की रक्षा करनी होगी, ताकि हाथियों को उनका भोजन वहीं मिल जाए। तब वे खेतों में नहीं घुसेंगे और फसलों को नष्ट नहीं करेंगे। मनुष्यों को और पशुओं को खुशी से साथ–साथ रहना चाहिए।

26. हाथी एक दिन में कितने घण्टे खाने में बिताता है?

(A) 10 से 12 घण्टे (B) 14 से 16 घण्टे

(C) 10 से 12 घण्टे (D) 16 से 18 घण्टे

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

26. (D) अनुच्छेद से स्पष्ट है कि एक हाथी दिन के सोलह से अट्ठारह घण्टे खाना खाने में बिताता है। अतः विकल्प (D) सही है।

27. हाथियों को शाकाहारी क्यों कहा जाता है ?

(A) वे केवल सब्जियाँ और फल खाते हैं

(B) वे केवल पत्तियाँ और घास खाते हैं

(C) वे पत्तियाँ, फल और पौधे खाते हैं

(D) वे केवल पेड़ों और फलों को खाते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

27. (C) हाथी शाकाहारी है, क्योंकि ये पत्तियों के कोमल डण्ठल, जंगली झाड़ियाँ और पेड़ों के फलों को खाते हैं।

28. भारतीय हाथी क्या करना पसन्द करते हैं ?

(A) गन्ने खाना

(B) फसल उजाड़ना

(C) शोर करना

(D) दूसरे पशुओं को खाना

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

28. (A) भारतीय हाथी गन्ने खाना पसन्द करते हैं।

29. अपनी फसलों से हाथियों को भगाने के लिए किसान क्या करते हैं ?

(A) उनके पीछे भागते हैं

(B) उन पर बन्दूक चला देते हैं

(C) शोर मचाते हैं

(D) खेतों के चारों ओर दीवार बना देते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

29. (C) अपनी फसलों से हाथियों को भगाने के लिए किसान जोर–जोर से बहुत शोर करते हैं।

30. निम्नलिखित में से 'नष्ट करना' का विलोम शब्द कौन–सा है ?

(A) शोर करना (B) भगाना

(C) विरोध करना (D) रक्षा करना

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

30. (D) शब्द 'नष्ट करना' का सही विलोम शब्द है–रक्षा करना।

अनुच्छेद -3

तुलसी का पौधा अधिकांश भारतीय घरों में उगाया जाता है। इस बूटी से मधुर गन्ध आती है। इस पौधे की पत्तियों का उपयोग पूजा के लिए होता है और उनमें औषधीय तथा रोगहारी गुण होते हैं। विश्व में तुलसी के कम–से–कम 150 प्रकार हैं।

प्राचीन काल में मन्दिरों का उपयोग पथिकों के विश्रामगृह के रूप में होता था। तुलसी का पौधा मन्दिर के बाहर उगाया जाता था, क्योंकि इसमें प्यास रोकने का विशेष गुण होता है, जब कुछ पत्तियाँ जीभ के नीचे रखी जाएँ, तो थके हुए पथिक, जो पानी ढूँढ रहे होते हैं, उनकी प्यास कम हो जाती है। तुलसी, जिसका मूल निवास भारत है, 16वीं शताब्दी में पश्चिमी यूरोप पहुँची। यह माना जाता है कि यदि तुलसी के पत्तों का रस शहद के साथ नित्य लिया जाए, तो स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। चाय के लिए पानी उबालते समय यदि कुछ तुलसी की पत्तियाँ मिला दी जाएँ, तो इसमें विशेष गन्ध और स्वाद आ जाता है और यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। यह आराम भी पहुँचाती है और तनाव दूर करती है।

31. तुलसी के बारे में निम्नलिखित में से कौन–सा सत्य नहीं है ?

(A) यह सुगन्ध देती है

(B) यह तनाव दूर करती है

(C) यह स्वास्थ्य के लिए अच्छी है

(D) इसका मूल स्थान पश्चिमी यूरोप में है।

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

31. (D) असत्य कथन है–इसका मूल स्थान पश्चिमी यूरोप में है।

32. विश्व में तुलसी की कितनी किस्में हैं ?

(A) 100 (B) 170

(C) 150 (D) 160

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

32. (C) विश्व में तुलसी की कम–से–कम 150 किस्में हैं।

33. तुलसी के पौधे को मन्दिरों के बाहर क्यों उगाया जाता था ?

(A) पथिकों की प्यास नियन्त्रित करने के लिए

(B) पथिकों को थकान का अनुभव कराने के लिए

(C) मन्दिर के चारों ओर खुशबू फैलाने के लिए

(D) ईश्वर की पूजा करने के लिए

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

33. (A) तुलसी का पौधा मन्दिर के बाहर लगाया जाता था, क्योंकि इसमें प्यास रोकने का विशेष गुण होता है। अतः विकल्प (A) सही है।

34. तुसली का मूल निवास किस देश में है ?

(A) इंग्लैण्ड (B) भारत

(C) चीन (D) इटली

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

34. (B) तुलसी का मूल निवास 'भारत' में है।

35. शहद और तुलसी का मिश्रण

(A) स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है

(B) स्वास्थ्य के लिए हितकर है

(C) हमारे लिए थोड़ा–सा हानिकारक है

(D) स्वास्थ्य के लिए थोड़ा–सा लाभदायक है

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

35. (B) तुलसी के पत्तों का रस शहद के साथ रोज़ लिया जाए, तो स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है।

अनुच्छेद -4

सभी मकड़ियाँ जाले बुनती हैं, जिनसे उन्हें तीन कामों में सहायता मिलती है। जालों से मकड़ियों को अण्डे सँभालने में, छिपाने में और भोजन पकड़ने में मदद मिलती है। बहुत–सी मकड़ियाँ अपने जालों में अण्डे देना पसन्द करती हैं, जिसमें उनके अण्डे एक साथ और सुरक्षित रहते हैं। जाले चिपचिपे होते हैं और इस प्रकार वे भोजन पकड़ने में मकड़ियों की सहायता करते हैं। जब कोई कीट जाले में उड़कर आता है, तो फँस जाता है, इधर–उधर हिलता है, बाहर निकलने का प्रयत्न करता है पर ऐसा कर नहीं सकता, क्योंकि वह फँस गया होता है। मकड़ी जान लेती है कि कीट फँस गया है, क्योंकि उन्हें जाले के हिलने का अनुभव होता है और मकड़ी कीट तक पहुँच जाती है।

जालों के बिना मकड़ी वैसे नहीं रह पाती जैसे वह रहती है। मकड़ियों को जीवित रहने के लिए जाले चाहिए, किन्तु यदि आपको अपने घर में जाले न मिलें, तो इनका यह अर्थ नहीं कि आपका घर मकड़ियों से मुक्त है।

36. यह अनुच्छेद मुख्य रूप से किसके बारे में है ?

(A) मकड़ी के रंग

(B) मकड़ी के जाले

(C) मकड़ी के अण्डे

(D) मकड़ी के खाद्य पदार्थ

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

36. (B) अनुच्छेद में प्रारम्भ से लेकर अन्त तक मकड़ी के जाले के बारे में बात की गई है। अतः विकल्प (B) सही है।

37. मकड़ी के जाले सहायक नहीं होते–

(A) अण्डों को थामने में

(B) भोजन को पकड़ने में

(C) अण्डों को बचाने में

(D) कीटों को डराने में

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

37. (D) मकड़ी के जाले अण्डों को थामने, भोजन को पकड़ने तथा अण्डों को बचाने में सहायक होते हैं, जबकि कीटों को डराने में सहायक नहीं होते हैं। अतः विकल्प (D) सही है।

38. मकड़ियाँ कैसे जान लेती हैं कि उनके जाले में शिकार फँस गया ?

(A) वे उसे सुनती हैं

(B) वे उसे सूँघती हैं

(C) वे उसका अनुभव करती हैं

(D) वे उसे देखती हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

38. (C) जाले के हिलने से मकड़ी जान लेती है कि उनके जाले में शिकार फँस गया है।

39. घर में मकड़ी का जाला न मिलने का यह अर्थ नहीं है कि–

(A) मकड़ी को अब भूख नहीं है

(B) मकड़ी बाहर निकलने से डर रही है

(C) मकड़ी सो गई है

(D) मकड़ी है ही नहीं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

39. (D) घर में मकड़ी का जाला न मिलने का अर्थ यह नहीं है कि मकड़ी है ही नहीं। अतः विकल्प (D) सही है।

40. यहाँ 'जीवित रहना' का अर्थ है–

(A) स्वीकारना (B) देखना

(C) सोचना (D) जीना

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

40. (D) 'जीवित रहना' का अर्थ है 'जीना'।

अनुच्छेद -5

जब फास्ट फूड खाने की बात हो, तो बच्चे ललचाते हैं। इसे बनाने में कम समय लगता है और बाजारों में भी यह सरलता से मिल जाता है। बच्चे फल, सूप या अंकुरित वस्तुएँ खाने के बदले फास्ट फूड खाना पसन्द करते हैं। नूडल, बर्गर और पिज्जा की बड़ी माँग है। यद्यपि ये बनाने में बड़े आसान हैं, फिर भी ये हमारे लिए हानिकारक है। इनमें हमारे शरीर के लिए अच्छी पोषण उपयोगिता नहीं होती।

बहुत से शोधकर्ताओं ने सिद्ध किया है कि इन खाद्य पदार्थों का उपयोग स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। इन्हें तेल में तलकर पकाया जाता है जो स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। इससे हम मोटे हो सकते हैं। मोटापे से मधुमेह और उच्च रक्तचाप हो सकते हैं। जो बच्चे अधिकतर फास्ट फूड खाते हैं, उन्हें जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ हो सकती हैं; जैसे–मधुमेह और उच्च रक्तचाप। उनका विकास उन बच्चों की अपेक्षा अधिक प्रभावित होगा, जो पौष्टिक भोजन करते हैं। लोग पश्चिमी सभ्यता का अनुकरण कर रहे हैं और घर पर बने खाने के स्थान पर फास्ट फूड को वरीयता दे रहे हैं। यह पश्चिमी सभ्यता को अपनाने के गम्भीर दुष्प्रभावों में से एक है।

41. फास्ट फूड किसी के स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित कर सकता है ?

(A) जीवन–शैली में बदलाव लाकर

(B) मोटापे का कारण बनकर

(C) हमें अच्छा स्वास्थ्य देकर

(D) पश्चिमी सभ्यता को प्रोत्साहन देकर

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

41. (B) फास्ट फूड किसी के स्वास्थ्य को मोटापे का कारण बनकर प्रभावित कर सकता है। अतः विकल्प (B) सही है।

42. हमें फास्ट फूड संस्कृति को क्यों बढ़ावा नहीं देना चाहिए ?

(A) फास्ट फूड स्वादिष्ट होता है

(B) यह आसानी से उपलब्ध है

(C) यह हमारी जीवनशैली बदल देता है

(D) यह हमारे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है।

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

42. (D) क्योंकि फास्ट फूड हमारे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालते हैं। इसलिए फास्ट फूड संस्कृति को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। अतः विकल्प (D) सही है। **(कक्षा–VI) 2018**

43. अनुच्छेद में किस शब्द का अर्थ 'नकल करना' है ?

(A) अनुकरण करना

(B) तुलना करना

(C) कार्य करना

(D) अपनाना

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

43. (A) 'अनुकरण करना' शब्द का अर्थ 'नकल करना' है। अतः विकल्प (A) सही है।

44. फास्ट फूड से हो सकता/सकती है–

(A) अनिद्रा

(B) जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ

(C) जेब पर भार

(D) सामाजिक स्तर में हानि

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

44. (B) जो बच्चे अधिकांश फास्ट फूड खाते हैं, उन्हें जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ हो सकती हैं। अतः विकल्प (B) सही है।

45. घर पर बना खाना........होता है।

(A) पोषक नहीं

(B) फास्ट फूड से अच्छा नहीं

(C) फास्ट फूड की अपेक्षा अधिक पौष्टिक

(D) न तो पौष्टिक, न ही स्वादिष्ट

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2018

45. (C) घर पर बना खाना फास्ट फूड की अपेक्षा अधिक पौष्टिक होता है। अतः विकल्प (C) सही है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 46 से 70 तक)

इस खण्ड में पाँच अनुच्छेद है। प्रत्येक अनुच्छेद पर पाँच प्रश्न है। प्रत्येक अनुच्छेद को सावधानी से पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर दिए गए है, जिनके क्रमाक्षर (A), (B), (C), और (D) है। इनमें से कोई एक उत्तर ही सही है। आपको सही उत्तर चुनकर उसके क्रमाक्षर को उत्तर–पुस्तिका में सम्बन्धित प्रश्न संख्या के सामने दिए गए बॉक्स में अंग्रेजी अक्षर में लिखे।

अनुच्छेद-1

भारतीय डॉल्फिन अब एक संकटापन्न प्रजाति है। एक समय ये गंगा, बह्मपुत्र और महानदी में प्रचुरता से पाई जाती थी, अब इनकी संख्या बहुत घट गई है। अब यह कहा जाता है कि गंगा और बह्मपुत्र में वे लगभग 5000 की संख्या में पाई जाती हैं। ये अन्य डॉल्फिनों से भिन्न है। ये दिखने में अंधी लगती हैं, परन्तु उनकी इस क्षति की पूर्ति एक अनोखे ढंग से ही होती है। उनकी श्रवणेन्द्रिय बहुत ही विशेष ढंग से परिष्कृत है और इस प्रकार वे ध्वनि के आधार पर ही पानी में मार्ग निर्देशन कर सकती है। इसकी खोपड़ी पर एक असामान्य–सा कप की आकृति का शीर्ष, ध्वनि को निर्देशित कर गूँज की स्थिति पता करता है। यह इस स्तनपायी पशु को सूक्ष्म वस्तुओं को पहचानने और उनमें अन्तर करने में सक्षम बनाता है। उदाहरण के तौर पर एक डॉल्फिन किसी जीवित मछली और मृत मछली में, यहाँ तक कि मृत मछली और नकली मछली में अन्तर पहचान सकती है।

46. डॉल्फिन दृष्टिहीन होती हैं फिर भी अपना मार्ग निर्देशित कर लेने में समर्थ हैं। इसका कारण है–

(A) वे पदार्थों पर ध्यान केन्द्रित करती हैं।

(B) रास्ता ढूँढ़ने में प्रकृति उनकी सहायता करती है।

(C) उनके पास सुनने का एक विशेष तरीका होता है।

(D) उनके पास चीजों को पहचानने की शक्ति है।

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

46. (C) क्योंकि उनके पास सुनने का एक विशेष तरीका होता है।

47. 'मृत' शब्द का विलोम है–

(A) नकली (B) परिष्कृत

(C) जीवित (D) भिन्न

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

47. (C) शब्द 'मृत' का विलोम शब्द है–जीवित।

48. अवतरण में प्रयोग के अनुसार 'मार्ग निर्देशन' का अर्थ है–

(A) समूह को आगे ले जाना

(B) आगे बढ़ना या चलना

(C) मार्ग न ढूँढ़ पाना

(D) जहाज से यात्रा करना

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

48. (B) प्रस्तुत उदाहरण में प्रयोग के अनुसार मार्ग निर्देशन का अर्थ है–आगे बढ़ना या चलना

49. डॉल्फिन की श्रवण शक्ति के बहुत अधिक विकसित होने का प्रमाण है–

(A) यह नदी में चल सकती है

(B) यह तैरकर आर–पार जाती है

(C) यह अपने स्वामी को पहचानती है

(D) यह जीवित और मृत मछली को पहचान सकती है

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

49. (B) यह तैरकर आर–पार जाती है।

50. इस अवतरण का उपयुक्त शीर्षक होगा–

(A) नदी की मछली

(B) दुर्लभ डॉल्फिनें

(C) भारतीय डॉल्फिनें

(D) अंधी डॉल्फिनें

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

50. (C) प्रस्तुत अवतरण का उपयुक्त शीर्षक है–भारतीय डॉल्फिनें।

अनुच्छेद-2

भूरा भालू एक सर्वभक्षी पशु है। इसका अर्थ है कि वह पौधों और पशु दोनों का भोजन करता है, क्योंकि वह अपने आवास क्षेत्र का प्रधान पशु है, वह बड़े पशुओं का भी शिकार कर सकता है। फिर भी आमतौर पर छोटों का ही भोजन करता है, जो भी भोजन भूरा भालू करता है, उसका बड़ा पेट भरने के लिए उसकी मात्रा बहुत अधिक होती है। अक्सर इसका भोजन छोटी मात्राओं में प्राप्त होता है, इसलिए भोजन की खोज कभी समाप्त नहीं होती है। बसंत ऋतु में भूरे भालू घास, पत्तियाँ, जड़ें तथा काई खाते हैं। अक्सर चींटियों, भृंगों, झींगुरों और दूसरे कीटों की तलाश में वे छोटे पत्थरों और बड़ी चट्टानों को भी पलट देते हैं।

51. भूरा भालू खाता है–

(A) पौधे और पशु दोनों

(B) केवल बड़े पशु

(C) केवल बहुत छोटे पशु

(D) केवल पत्तियाँ और काई

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

51. (A) भूरा भालू एक सर्वभक्षी पशु है। इसका तात्पर्य है कि वह पौधे और पशु दोनों का भोजन करता है।

52. यह बड़े पशुओं का शिकार भी कर सकता है–

(A) क्योंकि इसका आकार बड़ा होता है

(B) क्योंकि वे आसानी से मिल जाते हैं

(C) प्रधान पशु होने के कारण

(D) क्योंकि उनसे अधिक भोजन मिलता है

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

52. (C) वह अपने आवास क्षेत्र का प्रधान पशु होने के कारण बड़े पशुओं का भी शिकार कर सकता है।

53. भूरे भालू..........ऋतु में प्रायः घास, पत्तियाँ, जड़ें, आदि खाते हैं–

(A) वर्षा

(B) बसंत

(C) शीत

(D) ग्रीष्म

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

53. (B) रिक्त स्थान में 'बसन्त' शब्द का प्रयोग उचित है।

54. वे चट्टानों के नीचे से.........को नहीं खाते–

(A) पौधों (B) काई

(C) भृंग (D) कीट

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

54. (A) रिक्त स्थान में 'पौधे' का प्रयोग उचित है।

55. 'सर्वभक्षी' वह है जो–

(A) केवल पौधे खाता है

(B) केवल कीट खाता है

(C) पशु और पौधे दोनों खाता है

(D) केवल पशु खाता है

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

55. (C) 'सर्वभक्षी' वह है जो पशु और पौधे दोनों खाता है।

अनुच्छेद-3

पेंगुइन बर्फ से ढँके दक्षिणी ध्रुव में रहते है। क्या कभी आपने सोचा है कि पेंगुइन ऐसे जमा देने वाले महाद्वीप में बिना गर्म कोट, स्वेटर या दस्तानों के, जिन्हें आप ठंडे देश में जाते समय पहनते हैं, कैसे रहते होंगे? उनके पास कोई घर नहीं होता, इसलिए वे बर्फ पर ही सोते हैं। प्रकृति ने उन्हें बहुत भिन्न विशेषताएँ दी हैं जिससे वे सबसे ठंडी जलवायु में भी बिना परेशानी के जीवित रहते हैं। इसके पीछे रहस्य यह है कि उनके शरीर चर्बी की एक मोटी परत से ढ़ँके होते हैं जो उनके शरीर को गर्म रखती है यह फर के कोट का सा काम करती है।

पेंगुइन अपने अंडों और बच्चों के प्रति भी बड़े समर्पित होते हैं। अन्य पशुओं की भाँति मादा पेंगुइन अण्डे सेना या अपने बच्चों का पालन–पोषण का कार्य नहीं करती। वह तो केवल अंडा दे देती है। इसके बाद नर पक्षी ही उसे गरमी पहुँचाकर सेता है। मादा पेंगुइन तब दूर–दूर जाकर अपने पति और बच्चे के लिए भोजन की तलाश करती है। भारी हिम के कारण उसे काफी दूर तक जाना पड़ता है।

56. प्रकृति पेंगुइनों को अत्यंत ठंडी जलवायु में जीवित रहने में सहायता कैसे देती है?

(A) उनके शरीर को फर से ढँक कर

(B) उनके शरीर पर चर्बी की मोटी परत देकर

(C) उन्हें पहनने को ऊनी कोट देकर

(D) उन्हें गर्म रहने का गुप्त तरीका बताकर

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

56. (B) प्रकृति पेंगुइनों के शरीर पर चर्बी की मोटी परत देकर उनको अत्यन्त ठण्डी जलवायु में जीवित रहने में सहायता प्रदान करती है।

57. "पेंगुइन अपने अंडों के प्रति बड़े समर्पित होते हैं।" यह कहने का आशय है–

(A) वे अंडों की पूजा करते हैं

(B) वे अंडे देते हैं

(C) वे अंडों को ठंड से बचाते हैं

(D) वे अंडों को घर में रखते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

57. (C) क्योंकि वे अण्डों को ठण्ड से बचाते हैं।

58. पेंगुइनों का घर नहीं होता, इसलिए –

(A) वे सोते नहीं

(B) वे आलसी होते हैं

(C) वे बर्फ पर सोते हैं

(D) उनके पास जमीन नहीं होती

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

58. (C) पेंगुइनों के पास घर नहीं होता है, इसलिए वे बर्फ पर सोते हैं।

59. अनुच्छेद में प्रयुक्त 'जमा देने वाला' से तात्पर्य है–

(A) बहुत शीतल (B) गतिहीन

(C) ठोस (D) हिम जैसा

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

59. (D) प्रस्तुत अनुच्छेद में वाक्यांश 'जमा देने वाला' से तात्पर्य है–हिम जैसा।

60. पेंगुइन माता–पिता अन्य पशुओं से भिन्न होते हैं, क्योंकि–

(A) वे अपने अंडों के प्रति समर्पित होते हैं

(B) माँ पेंगुइन बच्चों की देखभाल करती है

(C) पिता पेंगुइन अंडों को सेता है

(D) माँ एक बार में केवल दो अंडे ही देती है

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

60. (C) क्योंकि नर (पिता) पेंगुइन अण्डों को सेता है।

अनुच्छेद-4

बहुत समय पहले जंगल में एक विशाल पेड़ था। यह इतना ऊँचा था कि बादलों तक लगभग पहुँच जाता था। आज हम उसे लाल चंदन कहते हैं, क्योंकि उसकी लकड़ी लाल दिखाई पड़ती है। "मैं यहाँ क्यों नहीं हूँ?" लाल चदंन ने पूछा। दुःख है कि किसी ने उसे नहीं सुना। "मेरा काम क्या है? मैं क्या भला कर सकता हूँ?" किसी ने उत्तर नहीं दिया। लाल चंदन का पेड़ बहुत साल तक खड़ा रहा। सभी पेड़ों के पत्ते बर्फ के कारण झड़ गए, पर इसके पास पत्तियाँ नहीं, बड़ी सुइयाँ थीं और वह पूरे साल हरा बना रहा। इसलिए पक्षियों को वह पेड़ पसन्द था। इन बरसों से पक्षियों के सैकड़ों परिवारों ने उसे अपना घर बनाया। यह पक्षियों के बहुत बड़े होटल जैसा था। सूर्यास्त के समय पक्षियों के चहचहाने की आवाज इतनी ऊँची होती थी कि हिरन अपनी पीठ को पेड़ से नहीं रगड़ पाते थे। चिड़ियों के शोर से उनके कान खराब हो जाते।

61. इस अनुच्छेद में वर्णन है–

(A) लाल चंदन के पेड़ जंगलों के लिए महत्वपूर्ण क्यों हैं

(B) लोग लाल चंदन के पेड़ों का अपने घर बनाने में कैसे उपयोग करते हैं

(C) लाल चंदन के पेड़ में पक्षी कैसे खुश रहते थे

(D) लाल चंदन की हरी पत्तियाँ कितनी नुकीली थीं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

61. (C) प्रस्तुत अनुच्छेद में 'लाल चन्दन के पेड़ में पक्षी कैसे खुश रहते थे' का वर्णन है।

62. कहानी के प्रारम्भ में कौन–सा शब्द लाल चंदन के मन के भाव को अच्छे से बताता है?

(A) मजेदार (B) क्रुद्ध

(C) प्रसन्न (D) दुःख

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

62. (D) कहानी के प्रारम्भ में शब्द 'दुःख' लाल चन्दन के मन के भाव को अच्छे से बताता है।

63. पक्षी प्रसन्न क्यों रहते थे?

(A) पक्षियों को खाने के लिए बहुत बीज मिल जाते थे

(B) पेड़ साल भर हरा रहता था

(C) पेड़ की पत्तियाँ हिम से गिर जाती थीं

(D) पेड़ बहुत ऊँचा था

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

63. (B) क्योंकि पेड़ साल भर हरा रहता था।

64. जंगल में उस विशाल पेड़ का नाम 'लाल चंदन' क्यों पड़ा?

(A) ऊँचाई के कारण

(B) पेड़ के भीतर की लकड़ी लाल थीं

(C) उसकी पत्तियाँ सुइयों जैसी थी

(D) इसमें लाल पक्षियों के परिवार रहते थे

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

64. (B) क्योंकि उसकी लकड़ी लाल दिखाई पड़ती है।

65. जंगल में हिरन अप्रसन्न क्यों था?

(A) उसके छिपने की कोई जगह न थी (B) पक्षियों का शोर उसके कानों को चुभता था

(C) उसे पर्याप्त धूप नहीं मिलती थी

(D) वह लाल चंदन के पत्ते नहीं खा सकता था

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

65. (B) सूर्यास्त के समय पक्षियों के चहचहाने की आवाज इतनी ऊँची होती थी कि वह उसके कानों को चुभती थी। इसः कारण जंगल में हिरण अप्रसन्न था।

अनुच्छेद-5

रामू एक गाँव में रहता है। उसके दादाजी किसान है। उसके पिता भी किसान हैं। बरसात के मौसम में रामू खेतों पर जाता है। वह आम के पेड़ के नीचे बैठ जाता है। कभी–कभी वह एक पका आम तोड़ता है और खाता है। फार्म के जामुन का पेड़ भी है। जब रामू स्कूल से लौटता है, तो वह जामुन के पेड़ों तक भागता है। वह पके जामुन तोड़ता है। वह उन्हें घर ले आता है। इसकी माँ जामुनों को धोती है और वह उन्हें खाता है।

जब रामू को स्कूल नहीं जाना होता, तो वह पिता के साथ खेतों में जाता है। वह गायों को चराने के लिए खेतों में ले जाता है। उसका कुत्ता मोती भी उसके साथ जाता है। मोती घास में चारों ओर भागता है। वह जोर से भौंकता है।

शाम को वे घर लौटते हैं। परिवार चावल और दाल तथा सब्जियों के स्वादिष्ट भोजन का आनन्द लेता है। भोजन के बाद वे आम खाते हैं और दूध पीते हैं। परिवार गाँव में अपने जीवन का आनन्द उठाता है। यह एक प्रसन्न परिवार है।

66. रामू कहाँ रहता है?

(A) शहर में (B) कस्बे में

(C) गाँव में (D) मुंबई में

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

66. (C) रामू एक गाँव में रहता है।

67. रामू के दादा और पिता क्या काम करते हैं?

(A) वे किसान हैं

(B) वे नानबाई हैं

(C) वे गार्ड–चालक हैं

(D) वे चित्रकार हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

67. (A) वे दोनों किसान हैं।

68. बरसात में रामू क्या करता है?

(A) अपने मित्रों के साथ खेलता है

(B) सेब खाता है

(C) खेतों में जाता है

(D) मोती के साथ खेलता है

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

68. (C) बरसात के मौसम में रामू खेतों पर जाता है।

69. रामू स्कूल से आने के बाद क्या करता है?

(A) अपने कमरे में बैठता है

(B) जामुन के पेड़ की ओर भागता है

(C) आम के पेड़ के नीचे बैठता है

(D) गायों को खेत में ले जाता है

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

69. (B) जब रामू स्कूल से लौटता है, तो वह पके हुए जामुन तोड़ने के लिए जामुन के पेड़ों की ओर भागता है।

70. रात को खाने के बाद रामू और उसका परिवार क्या लेते हैं?

(A) दूध और आम (B) जामुन और आम

(C) मिठाई और दूध (D) दूध और जामुन

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2017

70. (A) दूध और आम।

निर्देश (प्रश्न संख्या 71 से 95 तक)

इस अनुभाग में पाँच गद्यांश हैं। प्रत्येक गद्यांश के अन्त में पाँच प्रश्न पूछे गए हैं। प्रत्येक गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उस पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार सम्भावित उत्तर हैं जिन्हें A, B, C तथा D क्रम दिया गया है। इनमें से केवल एक उत्तर सही है। आप सही उत्तर का चयन कर उत्तर पुस्तिका में सम्बन्धित प्रश्न संख्या के सामने दिये बॉक्स में अंग्रेजी अक्षर में लिखें।

गद्यांश-1

15 जनवरी सन् 1939 की रात का समय सदैव याद रहेगा। सुभाष बाबू की आँखों में कलकत्ता जेल से भाग निकलने का दृढ़ निश्चय साफ दिखाई दे रहा था। आज इन्होंने अपने रोज पहनने के वस्त्रों के स्थान पर पठानी पायजामा, अचकन और पम्प शू पहन रखे थे। सिर पर तुर्की टोपी और चेहरे पर लम्बी दाढ़ी बढ़ाए हुए वह बिलकुल मौलवी लग रहे थे। इस भेस में उन्हें पहचान लेना किसी के लिए भी कठिन कार्य था।

निश्चित समय पर दूसरी गली में एक कार आकर रुकी और सुभाष बाबू पुलिस की आँखों में धूल झोंकते हुए उसमें जा बैठे। उस कार से वह कलकत्ता से चालीस मील दूर गमोह नामक स्टेशन पर पहुँच गये। गमोह से पहले ही किसी मौलवी के नाम पर पेशावर के लिए पंजाब में आरक्षण कर दिया गया था।

71. 15 जनवरी सन् 1939 की तारीख क्यों याद रहेगी?

(A) सुभाष बाबू रात के समय कलकत्ता जेल से भागने में समर्थ हुए थे।

(B) उस रात उन्होंने कलकत्ता जेल को छोड़ने का निश्चय किया था।

(C) उस रात वह पूरी नींद चैन से सोये थे।

(D) उस दिन उन्होंने आजाद हिन्द फौज की स्थापना का संकल्प किया था।

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

71. (A) क्योंकि 15 जनवरी सन् 1939 की तारीख को सुभाष बाबू रात के समय कोलकाता जेल से भागने में समर्थ हुए थे।

72. पठानी पायजामा और तुर्की टोपी में सुभाष बाबू कैसे लग रहे थे?

(A) एक पक्के पठान (B) एक पक्के मौलवी

(C) एक हाजी (D) शेख

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

72. (B) सुभाष बाबू पठानी पायजामा और तुर्की टोपी में एक पक्के मौलवी लग रहे थे।

73. सुभाष बाबू ने दाढ़ी क्यों बढ़ाई थी?

(A) धीरे–धीरे उनके वास्तविक रूप को भूल जाएँ

(B) क्योंकि उन्हें एक दिन मौलवी के रूप में भागना था

(C) जिससे वे आसानी से पहचाने न जा सकें

(D) केवल नया प्रयोग करने के लिए

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

73. (C) सुभाष बाबू ने अपनी पहचान छिपाने के लिए दाढ़ी बढ़ायी थी।

74. जेल से निकलकर सुभाष बाबू सीधे कहाँ पहुँचे ?

(A) एक गाँव में

(B) कलकत्ता के बाहर की सीमा पर

(C) पेशावर

(D) गमोह स्टेशन

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

74. (D) जेल से निकलकर सुभाष बाबू कलकत्ता से 40 मील दूर गमोह नामक स्टेशन पर पहुँच गये थे।

75. इस गद्यांश का शीर्षक होगा—

(A) सुभाष बाबू का कलकत्ता

(B) सुभाष बाबू की जेल से रिहाई

(C) सुभाष बाबू का जेल से पलायन

(D) सुभाष बाबू का चमत्कार

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

75. (C) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है–'सुभाष बाबू का जेल से पलायन'।

गद्यांश-2

घण्टे भर बाद जब गफूर जुलाहा जमींदार के घर से लौटा तब उसका मुँह और आँखें सब सूज रहे थे। इस सजा का कारण–उसका बैल महेश था जो उसके पीछे पगहा तोड़कर भागा और जमींदार के महल में जाकर फूलों के पौधे नष्ट कर डाले थे। पकड़ने की कोशिश करने पर बाबू साहब की छोटी लड़की को पटककर भाग गया। वहाँ का पिटना उसने मुँह बन्द कर सह लिया। घर जाकर वह मुँह बन्द कर पड़ा रहा। भूख–प्यास की बात उसे याद नहीं रही।

सहसा लड़की की चिल्लाहट सुनकर वह बाहर आया। देखता क्या है, असीना जमीन पर पड़ी है। घड़ा फूटा पड़ा है और महेश मिट्टी में मुँह सटा–सटा कर पानी पी रहा है। गफूर के होश–हवाश जाते रहे। हल का सिरा वहीं छिटका पड़ा था। उसी को दोनों हाथों से उठाकर उसने महेश के माथे पर जोर से मारा। एक बार सिर्फ एक बार महेश ने उठने की कोशिश की, इसके बाद वह जमीन पर लुढ़क गया। थोड़ी देर के लिए उसका शरीर थर–थर काँपा। उसके बाद महेश ने अन्तिम श्वास छोड़ दी। आधी रात के समय गफूर ने बेटी असीना को जगाया और कहा–चलो, हम फुलवारी चलते हैं, वहाँ गन्ना मील में मजदूरी करेंगे। चलते समय बेटी ने अपने थाली–लौटे उठाने की कोशिश की। गफूर ने मना कर दिया–यह कह कर इससे महेश का प्रायश्चित होगा।

76. गफूर कौन था?

(A) गाँव का जुलाहा (B) जमींदार का नौकर

(C) एक किसान (D) गाँव का चौकीदार

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

76. (A) गफूर गाँव का एक जुलाहा था।

77. महेश कौन था?

(A) गफूर का बेटा

(B) गफूर का बैल

(C) गाँव का एक निवासी

(D) जमींदार का प्यादा

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

77. (B) महेश, गफूर का बैल था।

78. गफूर पर जमींदार के कोप का कारण—

(A) लगान समय से न देना

(B) पंडित जी को प्रणाम न करना

(C) महेश द्वारा उत्पात करना

(D) महेश को भर पेट खाना न देना

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

78. (C) गफूर पर जमींदार के कोप का कारण उसके बैल (महेश) द्वारा उत्पात करना था।

79. गफूर का बैल क्यों मर गया था?

(A) वह भूखा प्यासा था

(B) जमींदार के नौकरों ने उसको बुरी तरह पीटा था

(C) गफूर ने उसके माथे पर हल का सिरा जोर से मारा था

(D) वह बूढ़ा हो गया था

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

79. (C) क्योंकि गफूर ने जोर से उसके माथे पर हल का सिरा मारा था।

80. गफूर ने थाली–लोटा अपने साथ क्यों नहीं लिए?

(A) वह गाँव की वस्तु नहीं रखना चाहता था।

(B) वह चाहता था जमींदार इन्हें लेकर खुशी मनाये

(C) वह जमींदार के किये गये अन्याय को उजागर करना चाहता था

(D) महेश की हत्या के प्रायश्चित रूप में वह उन्हें छोड़ गया

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

80. (D) बैल (महेश) की हत्या के प्रायश्चित रूप में वह उन्हें छोड़ गया था।

गद्यांश - 3

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का जीवन देश–प्रेम का एक आदर्श उदाहरण है। उन्होंने सारा जीवन देश के लिए बिताया और देश के लिए ही मृत्यु को स्वीकार किया। उनके व्यक्तित्व में स्वाभिमान, दृढ़ निश्चय और नेतृत्व गुण का अद्भुत योग था। उनकी गिनती कांग्रेस के सबसे बड़े नेताओं में होती थी। सन् 1939 में वह दूसरी बार कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गये, परन्तु महात्मा गांधी से मतभेद होने के कारण उन्होंने कांग्रेस से त्याग–पत्र दे दिया। सुभाष बाबू ने एक नये कांग्रेस दल की स्थापना की तथा उसका नाम रखा 'फारवर्ड ब्लॉक'। इस दल ने थोड़े से समय में ही सारे देश में प्रसिद्धि प्राप्त कर ली। सुभाष बाबू की लोकप्रियता से घबराकर सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

इसी समय दूसरा विश्वयुद्ध आरम्भ हो गया। सुभाष बाबू ने भारत को स्वतंत्र कराने के लिए इस अवसर का उपयोग करने का निश्चय किया। उन्होंने जेल में भूख हड़ताल कर दी। सरकार इससे इतनी भयभीत हो गई कि उसने सुभाष बाबू को जेल से रिहा कर दिया।

81. सुभाष बाबू कौन थे?

(A) कांग्रेस के एक बहुत बड़े नेता

(B) कांग्रेस के अध्यक्ष

(C) आदर्श देश–प्रेम के उदाहरण

(D) उपर्युक्त सभी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

81. (D) उपर्युक्त सभी

82. सुभाष बाबू ने कांग्रेस क्यों छोड़ी?

(A) देश को आजाद कराने के लिए

(B) द्वितीय विश्वयुद्ध का लाभ उठाने के लिए

(C) महात्मा गाँधी से मतभेद होने के कारण

(D) भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे दमन–चक्र से डरकर

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

82. (C) महात्मा गाँधी से मतभेद होने के कारण सुभाष बाबू ने काँग्रेस छोड़ दी थी।

83. सरकार ने सुभाष बाबू को जेल से छोड़ दिया—

(A) उनको अपने पक्ष में करने के लिए

(B) उनके द्वारा की जाने वाली भूख हड़ताल से भयभीत होकर

(C) वह कहीं जेल में मृत्यु को प्राप्त न हो जाएं

(D) वह महात्मा गाँधी से अपनी हार का बदला ले सकें

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

83. (B) उनके द्वारा की गयी भूख हड़ताल से सरकार इतनी भयभीत हो गई कि सरकार ने उन्हें जेल से रिहा कर दिया।

84. सुभाष बाबू ने किस दल की स्थापना की ?

(A) कांग्रेस सेवा दल

(B) भारतीय स्वतंत्रता–संग्राम दल

(C) भारतीय जनता दल

(D) फारवर्ड ब्लॉक

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

84. (D) सुभाष बाबू ने एक नये दल 'फॉरवर्ड ब्लॉक' की स्थापना की थी।

85. सुभाष बाबू ने भूख हड़ताल क्यों की ?

(A) द्वितीय विश्वयुद्ध से उत्पन्न अवसर का लाभ उठाने के लिए

(B) जेल से छुटकारा पाने के लिए

(C) फारवर्ड ब्लॉक को मजबूत बनाने के लिए

(D) अपने जीवन का अन्त करने के लिए

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

85. (A) द्वितीय विश्व युद्ध से उत्पन्न अवसर का लाभ उठाने के लिए उन्होंने भूख हड़ताल की थी।

गद्यांश-4

आज 26 जनवरी है। आज भारत का गणतंत्र दिवस है। क्या आपने कभी इस बात पर विचार किया है कि हमारे जीवन में गणतंत्र का क्या महत्व है? हमें समझ लेना चाहिए कि आज का दिन मात्र छुट्टी का, खेलकूद का, खुशियाँ मनाने का, न होकर अपने कर्तव्य पर विचार करने का भी दिन है।

सन् 1950 में इसी दिन भारत को प्रभुत्व सम्पन्न जनतंत्रात्मक जनतंत्र घोषित किया गया था। इसी दिन हमारा अपना संविधान लागू हुआ और इसी दिन से हम एक प्रभुत्व सम्पन्न जनतंत्र के नागरिक के रूप में गर्व कर सके। इसकी प्राप्ति के लिए हमारे स्वतन्त्रता–सेनानियों ने कितना संघर्ष किया और कितना बलिदान किया। इस सबकी तूफानों भरी लम्बी कहानी है।

भारत की स्वतन्त्रता की लड़ाई तो सन् 1857 से चली आ रही थी, परन्तु जनवरी सन् 1929 का विशेष महत्व है। इसी दिन पं. जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में रावी नदी के किनारे लाहौर में अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज–प्राप्ति का प्रस्ताव पारित किया था। उसके पहले केवल औपनिवेशिक राज्य की प्राप्ति तक हमारा संघर्ष सीमित था।

आज हमारे जनतंत्रात्मक भारत राष्ट्र का दिवस है। हम इसको उपहार में एक ही वस्तु दे सकते हैं–

''राष्ट्र के सम्मान की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता।'' क्या हम इस प्रकार का संकल्प कर सकेंगे?

86. 26 जनवरी को हम क्या कहते हैं?

(A) गणतंत्र दिवस

(B) स्वतन्त्रता दिवस

(C) राष्ट्र का जन्म–दिवस

(D) छुट्टी का एक दिन

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

86. (A) 26 जनवरी को हम गणतंत्र दिवस कहते हैं।

87. हमारे गणतंत्र का जन्म किस दिन हुआ?

(A) 15 अगस्त, 1947

(B) 26 जनवरी, 1950

(C) 30 जनवरी, 1948

(D) 14 सितम्बर, 1948

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

87. (B) 26 जनवरी 1950 को 'गणतंत्र' का जन्म हुआ था।

88. भारत की आजादी की लड़ाई कब आरम्भ हुई?

(A) सन् 1930 में (B) सन् 1947 में

(C) सन् 1857 में (D) सन् 1904 में

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

88. (C) भारत की आजादी की लड़ाई सन् 1857 में आरम्भ हुई थी।

89. हमारा अपना संविधान कब लागू हुआ?

(A) 26 जनवरी, 1950

(B) 15 अगस्त, 1947

(C) 2 अक्टूबर, 1944

(D) 14 नवम्बर, 1965

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

89. (A) 26 जनवरी 1950 को।

90. 26 जनवरी के दिन हमें क्या करना चाहिए?

(A) खूब खुशियाँ मनाएँ

(B) गरीबों को भोजन कराएँ

(C) शहीदों को याद करें

(D) राष्ट्र एवं संविधान के प्रति प्रतिबद्धता की प्रतिज्ञा लें

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

90. (D) 26 जनवरी के दिन हमें राष्ट्र एवं संविधान के प्रति प्रतिबद्धता की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए।

गद्यांश-5

सरकार की तरफ से बायो गैस का प्रचार किया जा रहा है, क्योंकि यह गैस बहुत कम लागत में तैयार कर दी जाती है। यह पशुओं के गोबर से तैयार की जाती है। इसलिए इसको गोबर गैस भी कहते हैं।

बायो गैस के संयंत्र द्वारा गैस और खाद दो चीजें एक साथ तैयार होती हैं। बायो गैस ईंधन का काम देती है। यानी यह खाना पकाने का माध्यम है। साथ ही पर्यावरण को शुद्ध बनाती है।

बायो गैस का संयंत्र ऐसे स्थान पर लगाया जाता है। जहाँ पानी की तथा गोबर की सुविधा हो। गोबर की सुविधा वहीं हो सकती है जहाँ ढोर (पशु) हों। अतएव इसके संयंत्र प्रायः ग्रामीण क्षेत्र में ही लगाए जाते हैं। मनुष्य के मल से भी यह गैस तैयार की जा सकती है। अतः इस संयंत्र को शौचालयों के निकट भी लगा दिया जाता है।

कहने का तात्पर्य यह है कि बायो गैस सस्ता ईंधन देती है, खाद देती है तथा गोबर एवं मल की सफाई की समस्या हल करती है, परन्तु वह फिर भी लोकप्रिय नहीं हो रही है। इसके मुख्यतया तीन कारण हैं–भारतवासी परम्परा प्रिय हैं। वे किसी भी नई चीज को अपनाते हुए संकोच करते हैं। सरकारी कर्मचारियों की रुचि अपनी नौकरी को सुरक्षित रखने तक सीमित रहती है तथा व्यापारी वर्ग इसके विरुद्ध वातावरण बनाता रहता है। कारण यह है कि गैस व खाद द्वारा उन्हें लगभग 13 सौ करोड़ रुपये प्रतिवर्ष आय होती है। बायो गैस का व्यापक प्रयोग इस आमदनी को बंद कर देगा।

91. बायो गैस किस प्रकार बनाई जाती है?

(A) पशुओं के गोबर से

(B) मनुष्य के मल से

(C) (A) व (B) दोनों से

(D) उपर्युक्त में से किसी से नहीं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

91. (C) (A) तथा (B) दोनों से।

92. बायो गैस संयंत्र को चाहिए–

(A) मल व गोबर

(B) मल

(C) गोबर

(D) शुद्ध–स्वच्छ वातावरण

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

92. (A) बायोगैस संयन्त्र को मल व गोबर की आवश्यकता होती है।

93. बायो गैस द्वारा –

(A) सस्ता ईंधन मिलता है

(B) सस्ती खाद मिलती है

(C) कुछ भी नहीं मिलता है

(D) (A) व (B) दोनों मिलते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

93. (D) (A) तथा (B) दोनों मिलते हैं।

94. बायो गैस को गाँव वाले नहीं अपनाते हैं, क्योंकि वे–

(A) गोबर से कंडे बना लेते हैं

(B) वे नई चीज को अपनाते हुए संकोच करते हैं

(C) इसमें बदबू आती है।

(D) उनके यहाँ एल.पी.ज़ी के चूल्हे जलाए जाते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

94. (B) क्योंकि वे नई चीजों को अपनाते हुए संकोच करते हैं।

95. बायो गैस के लोकप्रिय हो जाने पर व्यापारी वर्ग को कितने धन की हानि की आशंका है?

(A) ₹ 900 करोड़ (B) ₹ 400 करोड़

(C) कुछ भी नहीं (D) ₹ 1300 करोड़

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2016

95. (D) ₹ 1300 करोड़ की हानि की आशंका है।

निर्देश (प्रश्न संख्या 96 से 120 तक)

इस खण्ड में पाँच अनुच्छेद हैं। प्रत्येक अनुच्छेद पर पाँच प्रश्न हैं। प्रत्येक अनुच्छेद को सावधानी से पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर दिए गए हैं, जिनकी क्रम संख्या (A), (B), (C) तथा (D) हैं। इनमें से कोई एक उत्तर ही सही है। आपको सही उत्तर चुनना है।

अनुच्छेद-1

जो पशु दिन में सोते हैं और रात को बाहर निकलते हैं, उन्हें रात्रिचर कहा जाता है।

मरुस्थलों के पशु, जो रात में सक्रिय रहते हैं वे दिन की गर्मी से बच पाते हैं और पानी को सुरक्षित रखते हैं। बहुत–से साँप और चूहे उन मरुस्थली पशुओं के उदाहरण हैं, जो रात्रि को वरीयता देते हैं।

उल्लू और बिल्ली की कुछ प्रजातियाँ तो रात के अच्छे शिकारी हैं, क्योंकि रात में उनकी देखने और सुनने की शक्ति बड़ी अच्छी होती है इसके अतिरिक्त उल्लुओं के पंख अन्य पक्षियों की अपेक्षा अधिक मुलायम होते हैं, इसलिए वे चुपचाप अपने शिकार तक आ पहुँचते हैं। हाँ, बिल्लियों के पंख नहीं होते परन्तु उनके पैरों की नरम गद्दियाँ उन्हें छोटे पशुओं को चुपचाप पकड़ने में मदद करती हैं। बिल्लियाँ रात में अपना मार्ग ढूँढ़ने में अपने गलमुच्छों का उपयोगी करती हैं।

96. 'रात्रिचर' पशु–

(A) रात में सोते हैं

(B) रात में बाहर निकलते हैं

(C) दिन–रात जागे रहते हैं

(D) हर समय सोते रहते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

96. (B) जो पशु दिन में सोते हैं तथा रात में बाहर निकलते हैं, उन्हें 'रात्रिचर पशु' कहा जाता है।

97. कुछ मरुस्थलीय पशु रात को पसंद करते हैं–

(A) गर्मी से बचने के लिए

(B) सुरक्षित रहने के लिए

(C) शिकार पर चुपचाप हमले के लिए

(D) दिन में सोने के लिए

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

97. (A) गर्मी से बचने के लिए कुछ मरुस्थलीय पशु रात में सक्रिय रहते हैं और इसी कारण वे रात को पसन्द करते हैं।

98. उल्लू रात को आसानी से शिकार करते हैं, क्योंकि–

(A) वे रात में अधिक शक्तिशाली हो जाते हैं

(B) वे रात में दिखाई नहीं पड़ते

(C) उनमें रात में देखने और सुनने की अच्छी शक्ति होती है

(D) वे रात में सक्रिय रहते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

98. (C) क्योंकि उल्लुओं में रात्रि के दौरान देखने और सुनने की अच्छी शक्ति होती है।

99. बिल्लियों के गलमुच्छ उनकी मदद करते हैं–

(A) रात में देखने में

(B) शिकार पकड़ने में

(C) चुपचाप चलने में

(D) अँधेरे में रास्ता ढूँढ़ने में

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

99. (D) बिल्लियाँ रात में अपना मार्ग ढूँढ़ने में अपने गलमुच्छों का उपयोग करती हैं।

100. 'सुरक्षित रखने' का आशय है–

(A) जमा रखना (B) बचाकर रखना

(C) खर्च करना (D) बनाए रखना

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

100. (D) सुरक्षित रखने का आशय है–बनाए रखना।

अनुच्छेद-2

केला पीले रंग का एक फल है जो गर्म जलवायु में होता है। कभी–कभी इसे 'पूर्ण फल' कहा जाता है, क्योंकि इसे धोना नहीं पड़ता और इसे ले जाना आसान होता है। इसका छिलका उतारना सरल है। केले माँसपेशियों के लिए अच्छे होते हैं। स्वादिष्ट व्यंजन बनाने के लिए सिरियल, आइसक्रीम या पीनट बटर सैंडविच के साथ कुछ केले मिला लीजिए। केला सुबह के नाश्ते के लिए भी श्रेष्ठ है।

गर्म जलवायु में उगने वाले पीले फलों का दूसरा उदाहरण है–पाइनऐपल, पाइनऐपल बड़े रसीले और मीठे होते हैं। जब इन्हें पीज्ज़ा, आइसक्रीम या केक आदि अन्य व्यंजनों में मिलाया जाता है, तो इनका स्वाद अद्भुत हो जाता है। पाइनऐपल को इधर–उधर ले जाना बहुत आसान नहीं है, क्योंकि ये बड़े होते हैं इनका छिलका कँटीला होता है और इन्हें छीलना कठिन होता है। चूँकि पाइनऐपल के छिलके को खाया नहीं जाता, इसलिए खाने से पूर्व इसे धोना आवश्यक नहीं है।

101. केले और पाइनऐपल एक–से हैं, क्योंकि–

(A) दोनों रसभरे होते हैं

(B) इन्हें ले जाना आसान होता है

(C) दोनों गर्म जलवायु में उगते हैं

(D) इनके छिलके नर्म होते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

101. (C) केले और पाइनऐपल एक से हैं, क्योंकि दोनों गर्म जलवायु में उगते हैं।

102. खाने से पहले पाइनऐपल को धोना आवश्यक नहीं, क्योंकि–

(A) यह गंदा नहीं होता

(B) इसका छिलका उतारना आसान है

(C) हम बाहरी छिलका नहीं खाते

(D) यह रसीला फल है

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

102. (C) क्योंकि हम इसका बाहरी छिलका नहीं खाते हैं।

103. निम्नलिखित में से किस कथन में एक राय निहित है?

(A) पाइनऐपल का स्वाद अनोखा होता है

(B) केला पीले रंग का एक फल है

(C) पाइनऐपल का छिलका कँटीला होता है

(D) केलों को 'पूर्ण फल' कहा जाता है

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

103. (A) पाइनऐपल का स्वाद अनोखा होता है।

104. पाइनऐपल..........फल है।

(A) छोटा और पीला (B) बड़ा और कँटीला

(C) बड़ा और हरा (D) कँटीला और छोटा

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

104. (B) रिक्त स्थान में बड़ा और कँटीला का प्रयोग उचित है।

105. इस गद्यांश में 'स्वादिष्ट' शब्द का अर्थ है–

(A) बेस्वाद (B) सुस्वाद

(C) ठीक–ठाक (D) आनन्ददायक

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

105. (B) प्रस्तुत गद्यांश में प्रयुक्त शब्द 'स्वादिष्ट' का अर्थ है–सुस्वाद।

अनुच्छेद-3

गफूर एक किसान था जो एक छोटे जमींदार का खेत जोता करता था उसके पास बैलों की एक जोड़ी थी जो उसके बड़े काम की थी। संयोग से उसका एक बैल बीमार पड़ा और कुछ ही दिनों में मर गया।

अब गफूर को एक बचे हुए बैल पर ही निर्भर रहना पड़ा। वह उसका बहुत ध्यान रखता था, परन्तु गरीब होने के कारण उसे पर्याप्त चारा नहीं दे पाता था वह गाँव के साहूकार के पास गया और उससे दो रुपए का ऋण माँगा। साहूकार ने मना कर दिया। उसे पता था कि गफूर ऋण चुका नहीं सकता।

106. गफूर था–

(A) एक छोटा जमींदार

(B) एक पशुओं का व्यापारी

(C) एक किसान

(D) एक साहूकार

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

106. (C) गफूर एक किसान था।

107. उसका एक बैल मर गया–

(A) जब वह बीमार पड़ा

(B) जब वह खेत में गिर पड़ा

(C) जब वह बाजार में गिर पड़ा

(D) एकदम अचानक

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

107. (A) संयोगवश बीमार होने के कारण उसका एक बैल कुछ दिनों में मर गया।

108. वह अपने एकमात्र बैल को खिला नहीं सका, क्योंकि–

(A) बैलों पर उसकी रुचि नहीं थी

(B) उसके पास पैसा नहीं था

(C) उसका बैल बेकार था

(D) उसे डर था कि यह बैल भी मर न जाए

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

108. (B) क्योंकि उसके पास पैसा नहीं था।

109. साहूकार ने उसे दो रुपए नहीं दिए, क्योंकि–

(A) उसके पास रुपए न थे

(B) उसके पास एक रुपए के सिक्के न थे

(C) गफूर रुपए नहीं लौटाएगा

(D) वह खुद एक बैल खरीदना चाहता था

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

109. (C) क्योंकि साहूकार को उसकी आर्थिक स्थिति के बारे में पता था कि वह रुपये नहीं लौटा पायेगा।

110. 'चारा' शब्द का क्या अर्थ है?

(A) पशुओं का भोजन

(B) पशुओं की दवा

(C) पशुओं का आसरा

(D) एक मशीन

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

110. (A) चारा शब्द का अर्थ है–'पशुओं का भोजन'

अनुच्छेद-4

दादी का घर ही वह स्थान था जहाँ सारा को स्कूल से पहले और बाद में जाना पसंद था, क्योंकि वहाँ वह प्यार, आनन्द और सुरक्षा अनुभव करती थी। उसकी दादी का घर शायद उतना ही पुराना था, जितना उसकी दादी थी, किन्तु बचपन से ही यह सारा की प्रिय जगह थी। यह शायद इसलिए कि वह दादी के साथ उस घर में तब से रह रही थी, जब वह बहुत छोटी थी। कॉफी और चॉकलेट की गंध सदा हवा में रहती थी, जो दादी अक्सर आने वाले मेहमानों के लिए बनाती थीं। यह घर लाल और सफेद पत्थरों से बना था। कई जगहों से रंग उखड़ गया था और सारा ने निर्णय किया था कि छुट्टियों में उसे ठीक कर देगी। घर सदा लोगों से भरा रहता था : प्रसन्न लोग जो बातें करते और अपने जीवन के अनुभवों को बाँटते; दु:खी लोग जो परामर्श लेते; छोटे बच्चे बिस्कुटों की उम्मीद में होते और नई माताएँ सभी प्रकार के व्यंजन बनाने के तरीकों की तलाश में।

111. सारा को अपनी दादी के घर जाना पसंद था, क्योंकि–

(A) वहाँ प्यार, आनन्द और सुरक्षा अनुभव करती थी

(B) वह उस घर में कभी रही नहीं थी

(C) और कोई जगह न थी जहाँ वह स्कूल के बाद जा सके

(D) उस घर में बहुत से मेहमान होते थे

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

111. (A) क्योंकि सारा वहाँ पर प्यार, आनन्द और सुरक्षा अनुभव करती थी।

112. दादी के घर में कॉफी और चॉकलेट की गंध आती थी, क्योंकि–

(A) उसे कॉफी पीना और चॉकलेट खाना पसंद था

(B) वह अक्सर आने वाले मेहमानों के लिए बनाती थीं

(C) घर के बाहर कॉफी और चॉकलेट उगाए जाते थे

(D) सारा को चॉकलेट से बहुत प्यार था

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

112. (B) क्योंकि दादी अक्सर ये चीजें घर पर आने वाले मेहमानों के लिए बनाती थीं।

113. दादी के पास आने वाले मेहमान क्या करने नहीं आते थे?

(A) बातें करने और जीवन के अनुभव बाँटने

(B) अनेक प्रकार के व्यंजनों की विधियाँ सीखने

(C) परामर्श लेने

(D) दीवारों के रंग को ठीक करने

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

113. (D) सामान्यत: दादी के पास आने वाले मेहमान बातें करने और जीवन के अनुभव बाँटने, विभिन्न व्यजंनों की विधियाँ सीखने तथा परामर्श लेने के लिए आते थे न कि दीवारों के रंग को ठीक करने के लिए।

114. सारा ने घर की मरम्मत करने का निर्णय लिया, क्योंकि–

(A) उसे रंग करना अच्छा लगता था

(B) वह दादी को खुश करना चाहती थी

(C) उसे छुट्टियों में कुछ काम करना था

(D) अनेक स्थानों पर रंग उखड़ गया था

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

114. (D) क्योंकि दीवारों पर कई जगह से रंग उखड़ गया था।

115. घर बना हुआ था–

(A) लाल और हरी ईंटों से

(B) लाल और हरे पत्थरों से

(C) लाल और सफेद पत्थरों से

(D) लाल और सफेद ईंटों से

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

115. (C) घर लाल और सफेद पत्थरों से बना हुआ था।

अनुच्छेद - 5

पृथ्वी शायद ब्रह्माण्ड में अकेला ग्रह है जहाँ पर जीवन है, किन्तु जब पृथ्वी का निर्माण हुआ, तो यहाँ कोई जीवन न था। एक कारण तो यह था, कि यहाँ बहुत गर्मी थी और कोई गैस नहीं थी, किन्तु करोड़ों वर्षों के बाद, जब ग्रह ठण्डा हुआ, तो महासागरों में पानी भर गया और गैसें बनीं। शीघ्र ही पृथ्वी की स्थितियाँ जीवित रहने के लिए अनुकूल हो गईं। पृथ्वी जीवन के लिए क्यों अनुकूल है, इसके अनेक कारण हैं। पहला, यह सूर्य से सही दूरी पर है जिससे न अधिक गर्म होती है न अधिक ठण्डी, दूसरा, पृथ्वी के चारों ओर गैसों की उपस्थिति सूर्य की हानिकारक किरणों को पृथ्वी तक पहुँचने से रोकती है। एक और महत्वपूर्ण कारण है जल, जो सभी जीवधारियों के जीवित रहने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

116. जब पृथ्वी बनी, तो इस पर जीवन नहीं था, क्योंकि–

(A) यह बहुत गर्म थी

(B) यह बहुत ठण्डी थी

(C) यहाँ बहुत हानिकारक गैसें थीं

(D) यह पानी से ढकी थी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

116. (A) क्योंकि पृथ्वी पर बहुत गर्मी थी और कोई गैस नहीं थी।

117. जीवधारियों के जीवित रहने के लिए जरूरी स्थिति/स्थितियाँ है/हैं–

(A) गर्मी और गैसें

(B) जल से भरे महासागर

(C) सूर्य से बहुत दूरी

(D) जल और गैसों की परतें

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

117. (D) जीवधारियों के जीवित रहने के लिए जल और गैसों की परतें जरूरी हैं।

118. पृथ्वी के बहुत गर्म या बहुत ठण्डी होने से बचने का कारण है–

(A) केवल सूर्य से सही दूरी

(B) केवल पृथ्वी से लिपटी गैसों की परत

(C) पृथ्वी पर जल की उपस्थिति

(D) सूर्य से सही दूरी और पृथ्वी से लिपटी गैसों की परत

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

118. (D) क्योंकि यह सूर्य से सही दूरी पर है, जिससे न तो यह अधिक गर्म होती है और न अधिक ठंडी। दूसरा कारण यह है कि पृथ्वी के चारों ओर विद्यमान गैसें, सूर्य की हानिकारक किरणों को पृथ्वी तक नहीं आने देती हैं।

119. गद्यांश में वह शब्द कौन–सा है, जो 'प्रतिकूल' का विलोम है?

(A) महत्वपूर्ण (B) अनुकूल

(C) उपस्थिति (D) हानिकारक

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

119. (B) शब्द अनुकूल-प्रतिकूल का विलोम है।

120. पृथ्वी के चारों ओर की गैसें–

(A) पृथ्वी से सही दूरी बनाए रखती हैं

(B) सागरों को पानी से भरती हैं

(C) सूर्य की हानिकारक किरणों को पृथ्वी तक आने से रोकती हैं

(D) पृथ्वी की सतह को ठण्डा रखती हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2015

120. (C) पृथ्वी के चारों ओर व्याप्त गैसें सूर्य की हानिकारक किरणों को पृथ्वी तक आने से रोकती हैं।

निर्देश (प्रश्न संख्या 121 से 145 तक)

इस खण्ड में पाँच अनुच्छेद हैं। प्रत्येक अनुच्छेद के अन्त में पाँच प्रश्न पूछे गए हैं। प्रत्येक अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए और उस पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार सम्भावित उत्तर हैं जिन्हें (A), (B), (C) और (D) क्रम दिया गया है। इनमें से केवल एक ही सही है। आप सही उत्तर चुनकर संलग्न उत्तर पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के आगे दिए गए बॉक्स में अंग्रेजी अक्षर में लिखें।

अनुच्छेद-1

'गरमी' सुनकर हमारे मन में क्या आता है? रसीला, स्वादिष्ट और ऐसा कुछ जिसे खाना सब पसंद करते हैं। आम! आम को फलों का राजा कहा जाता है। आम पेड़ों पर लगते हैं। आम का वृक्ष 60 फीट तक ऊँचा हो सकता है। आम की अच्छी फसल के लिए गर्म और शुष्क मौसम चाहिए। आम का पेड़ रोपे जाने के बाद चार से छह वर्ष में फल देने लगता है। फलों का रंग सुनहरा पीला, हरा या गहरा लाल होता है। फलों का गूदा गहरे संतरी रंग का होता है। यह मीठा और रसीला होता है और इसकी बहुत ही मधुर गंध होती है। फल के भीतर एक बड़ा–सा बीज होता है। आम से अचार, जैम, रस और कैंडी बनती हैं। आम में अनेक विटामिन और खनिज होते हैं।

121. आम से बनाई जाने वाली एक वस्तु है–

(A) मोमबत्ती (B) विटामिन

(C) खनिज (D) अचार

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

121. (D) आम से आचार बनाया जाता है।

122. 'मीठा' का विपरीतार्थक शब्द है–

(A) कड़वा (B) मधुर

(C) रसीला (D) स्वादिष्ट

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

122. (A) शब्द 'मीठा' का विपरीतार्थक शब्द है–कड़वा।

123. आम के पेड़ में फल आते हैं–

(A) रोपने के तुरन्त बाद

(B) रोपने के बाद एक साल से कम में

(C) रोपने के बाद चार से छः साल में

(D) केवल छः साल बाद

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

123. (C) आम का पेड़ रोपे जाने के बाद 4 से 6 वर्ष में फल देने लगता है।

124. आम के गूदे का रंग प्रायः–

(A) हरा होता है

(B) गहरा लाल होता है

(C) सुनहरा पीला होता है

(D) गहरा संतरी होता है

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

124. (D) आम के गूदे का रंग प्रायः गहरा सन्तरी होता है।

125. आम का पेड़ बड़ा हो सकता है–

(A) छह फीट तक (B) साठ फीट तक

(C) चार फीट तक (D) चालीस फीट तक

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

125. (B) आम का वृक्ष 60 फीट तक बडा हो सकता है।

अनुच्छेद-2

फुटबॉल विश्व का सबसे लोकप्रिय खेल है और दुनियाभर के हर देश में खेला जाता है। फुटबॉल के नियम 1860 में ब्रिटेन में बने, जब इस खेल को नियंत्रित करने के लिए फुटबॉल एसोसिएशन का गठन हुआ। यह सचमुच एक आसान खेल है जिसमें 11 खिलाड़ियों की दो टीमें गेंद को विरोधी टीम के गोल में डालने का प्रयास करती हैं। खिलाड़ी गेंद को अपने पैरों से अथवा सिर से नियंत्रित करते हैं, किन्तु उन्हें यह अनुमति नहीं होती कि वे उसे हाथों या भुजाओं से छूएँ। केवल गोलची ही हाथों का उपयोग कर सकता है और वह भी केवल अपने गोल के सामने के पैनल्टी क्षेत्र में ही ऐसा कर सकता है।

126. खिलाड़ी बॉल पर नियंत्रण रखते हैं–

(A) अपनी टाँगों और पैरों से

(B) अपने हाथों और टाँगों से

(C) अपने सिर और पैरों से

(D) अपने मित्र और दर्शकों से

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

126. (C) खिलाड़ी अपने सिर और पैरों से बॉल पर नियन्त्रण रखते हैं।

127. गोलची बॉल को अपने हाथों से छू सकता है–

(A) मैदान में कहीं भी

(B) रैफ्री के सामने

(C) पैनल्टी क्षेत्र के बाहर

(D) पैनल्टी क्षेत्र के भीतर

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

127. (D) गोलची पैनल्टी क्षेत्र के भीतर बॉल को अपने हाथों से छू सकता है।

128. दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है—

(A) वालीबॉल (B) क्रिकेट

(C) शतरंज (D) फुटबॉल

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

128. (D) फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है। अनुच्छेद की प्रथम पंक्ति को देखें।

129. फुटबॉल के नियम बनाए गए थे—

(A) दर्शकों को निर्देशित करने के लिए

(B) खेल पर नियंत्रण रखने के लिए

(C) इसे आसान बनाने के लिए

(D) इसे लोकप्रिय बनाने के लिए

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

129. (B) खेल पर नियन्त्रण रखने के लिए।

130. फुटबॉल दो टीमों के बीच में खेला जाता है, प्रत्येक में—

(A) नौ खिलाड़ी होते हैं

(B) दस खिलाड़ी होते हैं

(C) ग्यारह खिलाड़ी होते हैं

(D) बारह खिलाड़ी होते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

130. (C) प्रत्येक टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं।

अनुच्छेद-3

किसी कुत्ते के सामने रोटी का एक टुकड़ा फेंक दीजिए वह उसे उठाकर चला जाएगा, आपकी ओर देखेगा भी नहीं। इसके विपरीत यदि आप कुत्ते को पास बुलाएँ, उसके सिर पर हाथ फेरें और तब उसे खाने को कुछ दें, तो वह बड़े प्रेम से पूँछ हिलाएगा और आपके कार्य के लिए शायद मन ही मन आभार प्रकट करेगा। एक पशु भी मनुष्य के व्यवहार को समझता है। यदि आप अच्छे काम भी ठीक व्यवहार के साथ नहीं करेंगे, तो उनसे लाभ उठाने वालों के चेहरों पर धन्यवाद सूचक मुस्कराहट भी न झलकेगी। उनके मन में किसी तरह की खुशी नहीं होगी। हम दूसरों की भलाई करते हैं, पर अक्सर भलाई करने का ढंग हमें मालूम नहीं होता।

131. 'उठाना' का विपरीतार्थक होगा—

(A) चिपकना (B) उड़ाना

(C) लात मारना (D) फेंकना

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

131. (D) शब्द 'उठाना' का विपरीतार्थक है–फेंकना।

132. दूसरों की सहायता करने वाले को कहते हैं—

(A) काम वाली (B) सहायक

(C) मास्टर (D) कुत्ता

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

132. (B) दिये गये वाक्यांश के लिए सही शब्द है–सहायक।

133. कोई कुत्ता रोटी का टुकड़ा उठाकर भी हमारी ओर नहीं देखता, क्योंकि—

(A) वह हमसे डरता है

(B) वह हमें काट सकता है

(C) उसके चेहरे पर प्यार नहीं होता

(D) हम प्यार नहीं दिखाते

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

133. (D) क्योंकि हम उसके प्रति प्यार नहीं दर्शाते हैं।

134. कुत्ते अपनी पूँछ क्यों हिलाते हैं?

(A) प्यार जताने के लिए

(B) क्रोध जताने के लिए

(C) कर्तव्य समझकर

(D) विश्वास जताने के लिए

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

134. (A) आपके कार्य के लिए शायद मन ही मन आभार प्रकट करेगा।

135. अच्छे काम किए जाने चाहिए—

(A) शान्तिपूर्ण तरीके से

(B) उचित तरीके से

(C) अजनबी लोगों के प्रति

(D) सभी पशुओं के प्रति

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

135. (B) अच्छे काम भी उचित तरीके से किये जाने चाहिए।

अनुच्छेद-4

बैंक वे स्थान हैं जहाँ लोग अपना पैसा रख सकते हैं। बहुत से लोग अपने बचत खाते में पैसा रखने और उस चेक खाते से पैसा अदा करने के लिए बैंकों का उपयोग करते हैं। आजकल लोगों की वेतन की राशि प्रायः इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से उनके बचत खातों में जमा कर दी जाती है। उसके उपरान्त वे चेकों के द्वारा अपने खातों से बिलों की अदायगी कर सकते हैं या यदि उनके खाते इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से जुड़े हैं तो ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं।

बैंक लोगों को ऋण भी देते हैं। बैंक अपने ग्राहकों की जमा राशि को लोगों को नया मकान या कार खरीदने, व्यवसाय शुरू करने या अन्य किसी कार्य के लिए ऋण के रूप में भी देते हैं। इस प्रकार बैंक लोगों को ऋण रूप में दी गई राशि के ब्याज से पैसा कमाता है। दूसरे शब्दों में लोगों को कर्ज की राशि से अधिक की अदायगी बैंक को करनी पड़ती है। इस अदायगी की राशि की मात्रा ऋण लेने वाले व्यक्ति की विश्वसनीयता तथा ऋण राशि लौटाने की क्षमता पर आधारित होती है।

136. बैंक धन कमाते हैं—

(A) ऋण राशि के ब्याज से

(B) धन की बचत से

(C) बिलों के भुगतान से

(D) मकानों की खरीददारी से

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

136. (A) बैंक लोगों को ऋण के रूप में दी गयी राशि के ब्याज से पैसा कमाता है।

137. 'ऑनलाइन' भुगतान का अर्थ है—

(A) चेक द्वारा भुगतान

(B) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के द्वारा भुगतान

(C) नकदी के रूप में भुगतान

(D) कर्ज की अदायगी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

137. (B) 'ऑनलाइन' भुगतान का अर्थ हैं–इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के द्वारा भुगतान करना।

138. बैंक एक ऐसा स्थान है जहाँ अधिकांश लोग—

(A) अपने बिलों का भुगतान करते हैं

(B) अपने व्यवसाय की शुरुआत करते हैं

(C) अपना पैसा रखते हैं

(D) कर्ज लेते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

138. (C) बैंक एक ऐसा स्थान है जहाँ अधिकांश लोग अपना पैसा रखते हैं।

139. बैंक अपने ग्राहकों की जमा राशि का कैसे उपयोग करते हैं?

(A) जमा करते हैं

(B) कर्ज के रूप में देते हैं

(C) जमा करने वालों को लौटा देते हैं

(D) लोगों पर कर लगाते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

139. (B) बैंक अपने ग्राहकों की जमा राशि को कर्ज के रूप में देते हैं।

140. 'जमा करना' का अर्थ है—

(A) रखना

(B) बचाना

(C) अदायगी करना

(D) नियंत्रण करना

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

140. (A) 'जमा करना' का अर्थ है–रखना।

अनुच्छेद - 5

एक दयालु किसान था। वह प्रायः दूसरे किसानों की खेती के कामों में सहायता किया करता था। उसके हृदय में पशु एवं पक्षियों के प्रति भी लगाव और हित की भावना थी। एक दिन वह पास ही के किसी गाँव में गया। वहाँ से लौटते हुए उसने सड़क पर पड़े हुए एक घायल साँप को देखा। लगता था कि वह किसी बैलगाड़ी की चपेट में आ गया था। उसके घावों से खून निकल रहा था। वह दयालु किसान उस घायल साँप को कपड़े में लपेटकर घर ले आया। वहाँ उसने उसके घावों पर दवाई लगाई और उसके लिए दूध लेने बाजार चला गया। घर लौटकर उसने देखा कि साँप होश में आ गया था। किसान को देखते ही वह उस पर झपटा। किसान इस हमले के लिए तैयार नहीं था। उसने किसी प्रकार अपने आपको बचा लिया और कहने लगा किसी का स्वभाव बदलना बड़ा कठिन है।

141. किसी आदमी का ...... बदलना बहुत कठिन है।

(A) नाम (B) घर

(C) स्वभाव (D) राय

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

141. (C) रिक्त स्थान में 'स्वभाव' का प्रयोग उचित है।

142. अनुच्छेद में 'आक्रमण' के लिए शब्द आया है–

(A) हमला (B) धन

(C) घाव (D) स्वभाव

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

142. (A) प्रस्तुत अनुच्छेद में शब्द 'आक्रमण' के लिए 'हमला' सही शब्द है।

143. किसान पशुओं से प्यार करता था, क्योंकि वह–

(A) प्यारा आदमी था

(B) दयालु था

(C) एक ग्रामीण था

(D) चालाक था

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

143. (B) क्योंकि वह दयालु था।

144. किसान को घायल साँप मिला था–

(A) सड़क पर (B) बैलगाड़ी पर

(C) जंगल में (D) अपने ही घर में

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

144. (A) किसान को घायल साँप सड़क पर मिला था।

145. किसान बाजार क्यों गया?

(A) दूध लाने

(B) दवा लाने

(C) कपड़े का टुकड़ा लाने

(D) डॉक्टर को लाने

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2014

145. (A) किसान दूध लाने के लिए बाजार गया था।

निर्देश (प्रश्न संख्या 146 से 170 तक)

इस अनुभाग में पाँच अनुच्छेद हैं। प्रत्येक अनुच्छेद के अन्त में पाँच प्रश्न पूछे गए हैं। प्रत्येक अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए और उस पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार सम्भावित उत्तर हैं जिन्हें (A), (B), (C) तथा (D) क्रम दिया गया है। इनमें से केवल एक ही सही है। आप सही उत्तर चुनकर संलग्न उत्तर पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के आगे दिए गए बॉक्स में अंग्रेजी अक्षर में लिखें।

अनुच्छेद 1

चाय के दो प्रमुख प्रकार हैं। उनमें से एक है हरी चाय जो चुनने के बाद तुरन्त और पूरी तरह सुखा दी जाती है। इसका रंग हल्का हरा होता है और इसमें हल्की खुशबू होती है। यह मुख्यतः चीन और जापान में लोकप्रिय है। काली चाय रंग में कुछ गाढ़ी होती है और गंध में कुछ तीखी। यह यूरोप में बहुत लोकप्रिय है। इसकी पत्तियाँ केवल अल्पांश में सुखाई जाती हैं। उसके बाद उन्हें रॉलिंग मशीनों में डाला जाता है जिससे चाय की पत्ती के सेल टूट जाते हैं। इससे प्राकृतिक रस बाहर निकल आता है जो इसे विशेष स्वाद प्रदान करता है। इस प्रक्रिया से पत्तियाँ भी मुड़ जाती हैं। रॉलिंग के बाद पत्तियों को नम वातावरण में फैला दिया जाता है और उन्हें किण्वन के लिए छोड़ दिया जाता है। जिससे वे चमकदार ताँबई रंग की हो जाती हैं। किण्वन के बाद पत्तियों को सूखी हवा में सुखाया जाता है और हमारी प्रिय काली चाय बन जाती है।

146. जब रॉलिंग मशीनें पत्तियों का प्राकृतिक रस निकालती हैं, तो पत्तियाँ कैसी हो जाती हैं?

(A) स्वाद हल्का और रंग हरा हो जाता है

(B) स्वाद विशेष हो जाता है और पत्तियाँ मुड़ जाती हैं

(C) स्वाद तेज हो जाता है, लेकिन कोई रंग नहीं आता

(D) स्वाद और रंग अच्छा हो जाता है

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

146. (B) स्वाद विशेष हो जाता है और पत्तियाँ मुड़ जाती हैं।

147. "इससे प्राकृतिक रस बाहर निकल आता है जो इसे विशेष स्वाद प्रदान करता है।" प्राकृतिक का विलोम शब्द है–

(A) तेज (B) हल्का

(C) विशेष (D) कृत्रिम

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

147. (D) शब्द 'प्राकृतिक' का विलोम शब्द है–कृत्रिम।

148. किण्वन से पत्तियाँ हो जाती हैं–

(A) चमकदार और स्वादिष्ट

(B) खुशबूदार और चमकदार

(C) चमकीली और ताँबे के रंग की

(D) चमकीली और काली

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

148. (C) किण्वन से पत्तियाँ चमकदार व तांबई रंग की हो जाती हैं।

149. अधिकांश यूरोपियनों को .... पसंद है।

(A) हरी चाय (B) पीली चाय

(C) काली चाय (D) अंग्रेजी चाय

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

149. (C) रिक्त स्थान में 'काली चाय' का प्रयोग उचित है।

150. चीन और जापान में मुख्यतः प्रचलित चाय में होता है–

(A) तेज गंध

(B) चमकीली ताँबई रंग

(C) गहरा काला रंग

(D) हल्का हरा रंग

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

150. (D) चीन और जापान में मुख्यतः प्रचलित चाय में हल्का हरा रंग होता है।

अनुच्छेद 2

यह जानना अच्छा है कि जब आपको सहायता की आवश्यकता हो, तो आप पुलिस अधिकारी को बुला सकते हैं। आपको पुलिस से डरना नहीं चाहिए। उनका काम है लोगों की सहायता करना। पुलिस अधिकारी खोए हुए बच्चों को ढूँढ़ने में सहायता करते हैं। जब सड़कों पर कोई समस्या हो, तो वे यातायात की व्यवस्था करते हैं। वे अपराधियों को पकड़ लेते हैं जिससे हमारे शहर सुरक्षित रहें। जब लोग कार दुर्घटना के शिकार होते हैं, तो पुलिस अधिकारी उनकी सहायता के लिए शीघ्र ही आ पहुँचते हैं। बाढ़, अग्निकांड और आँधी–तूफानों के दौरान फँसे लोगों को वे सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाते हैं। कभी–कभी वे खतरे में फँसे लोगों को बचाते हैं। पुलिस अधिकारियों ने बहुत–सी जानें बचाई हैं। पुलिस अधिकारी को अपना सबसे अच्छा मित्र मानिए।

151. बाढ़ के दौरान पुलिस लोगों की मदद करती कैसे है?

(A) वे सबको खाना देते हैं

(B) वे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक ले जाते हैं

(C) वे खतरों के बारे में बताते हैं

(D) वे बाढ़ से दूर भागते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

151. (B) बाढ़ के दौरान पुलिस लोगों को सुरक्षित स्थानों तक ले जाती है।

152. जब बच्चे खो जाएँ, तो उनको ढूँढ़ने में उनके माता–पिता की सहायता कौन करेगा?

(A) मित्र (B) दादा–दादी

(C) पुलिस अधिकारी (D) पड़ोसी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

152. (C) पुलिस अधिकारी खोये हुए बच्चों को ढूँढ़ने में उनके माता–पिता की मदद करते हैं?

153. पुलिस वाले हमारे श्रेष्ठ मित्र कैसे हैं?

(A) वे लोगों की मदद करते हैं और अनेक जीवन बचाते हैं

(B) दुर्घटनाओं के समय वे सबकी मदद करते हैं

(C) वे अपना काम करते हैं

(D) वे गाड़ी में घूमते रहते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

153. (A) क्योंकि वे लोगों की मदद करते हैं और अनेक जीवन बचाते हैं।

154. हमें पुलिस से क्यों नहीं डरना चाहिए?

(A) वे लोगों पर गोली चलाते हैं

(B) वे हमें काम देते हैं

(C) वे अपराधियों को पकड़ते हैं

(D) वे लोगों की मदद करते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

154. (D) पुलिस लोगों की मदद करती है। अतः हमें पुलिस वालों से नहीं डरना चाहिए।

155. जब कभी कार दुर्घटना होती है, तो पुलिस अधिकारी क्या करते हैं?

(A) वे खोए बच्चे ढूँढ़ते हैं

(B) वे तुरन्त मदद के लिए पहुँचते हैं

(C) वे लोगों को ले जाते हैं

(D) वे हमारी समस्या का पता लगाते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

155. (B) जब लोग कार दुर्घटना के शिकार होते हैं तो पुलिस तुरन्त उन लोगों की मदद के लिए पहुँच जाती है।

अनुच्छेद 3

मरुस्थलों में बहुत–सा पशु जीवन है। रात में रेगिस्तानी छिपकलियाँ अपने छिद्रों से बाहर निकलती हैं। अनेक प्रकार के जहरीले साँप, बिच्छू, लोमड़ियाँ और कीड़े–मकोड़े और पक्षी प्राप्त होते हैं। सहारा, अरब और थार के मरुस्थलों में अपना सामान एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में ऊँटों का उपयोग स्थानीय लोगों के द्वारा किया जाता है। ऊँट, जिसे 'मरुस्थल का जहाज' भी कहा जाता है, बालू में मीलों चल सकता है। इसकी आँखों की बरौनियाँ लम्बी होती हैं और यह अपनी नाक के छिद्रों को बन्द रख सकता है। इससे यह रेत से अपनी आँखों और नाक को बचा सकता है। इसके पैर सपाट और गद्देदार होते हैं और पीठ पर एक या दो कूबड़ होते हैं। ऊँट एक बार में अनेक लीटर पानी पी सकता है और उसके बाद एक सप्ताह से अधिक दिनों तक बिना पानी के चल सकता है। मरुस्थल के निवासियों के लिए ऊँट अपरिहार्य है।

156. अनुच्छेद में 'अपरिहार्य' शब्द का अर्थ है–

(A) अनावश्यक (B) महत्वपूर्ण

(C) सार्थक (D) आवश्यक

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

156. (D) प्रस्तुत अनुच्छेद में प्रयुक्त शब्द 'अपरिहार्य' शब्द का अर्थ है–आवश्यक।

157. ऊँट अपनी नाक और आँखों को रेत से कैसे बचाता है?

(A) गद्देदार पैर होने से

(B) लम्बी बरौनियों और नाक बन्द रखने की क्षमता से

(C) पीठ पर एक या दो कूबड़ होने से

(D) हफ्तों तक बिना पानी के जीवित रहने से

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

157. (B) ऊँट अपनी लम्बी आँखों की बरोनियों और नाक के छिद्रों को बन्द रखने की क्षमता से नाक और कान को रेत से बचा लेता है।

158. इन अनुच्छेद के लिए सबसे उपयुक्त शीर्षक कौन–सा है?

(A) मरुस्थल में जीवन

(B) मरुस्थल में रात्रि–जीवन

(C) मरुस्थलों में ऊँट का उपयोग

(D) ऊँट–मरुस्थल का जहाज

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

158. (D) प्रस्तुत अनुच्छेद का उपयुक्त शीर्षक है– ऊँट मरुस्थल का जहाज है।

159. रात में अपने छिद्रों से कौन–सा पशु बाहर निकलता है?

(A) जहरीले साँप

(B) लोमड़ियाँ

(C) कीड़े–मकौड़े

(D) रेगिस्तानी छिपकलियाँ

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

159. (D) रात में रेगिस्तानी छिपकलियाँ अपने छिद्रों से बाहर निकलती हैं।

160. ऊँट एक सप्ताह से अधिक तक बिना पानी पीए चल सकता है, क्योंकि–

(A) यह रेत में मीलों चल सकता है

(B) इसके पैर गद्देदार होते हैं

(C) यह एक बार में अनेक लीटर पानी पी सकता है

(D) इसके एक या दो कूबड़ होते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

160. (C) क्योंकि यह एक बार में अनेक लीटर पानी पी सकता है।

अनुच्छेद 4

अतीत काल में लोग स्वस्थ हुआ करते थे। वे घर में अपने परिवार के साथ ताजा और पौष्टिक भोजन किया करते थे। आज यह बदल गया है। अनेक लोग, विशेषकर बच्चे, 'फास्ट फूड' पसन्द करते हैं, जैसे–बर्गर, पिज्जा या चिप्स आदि। इस बदलाव के अनेक कारण हैं।

पहला कारण आजकल अभिभावक अधिक समय तक काम करते हैं उनके पास भोजन बनाने के लिए समय कम होता है। दूसरा, जब महिलाएँ भी काम करती हैं, तो उनके पास व्यय करने के लिए अधिक धन होता है। एक अन्य कारण है विज्ञापन, टी. वी., पत्रिकाओं और इंटरनेट से अनेक प्रकार के उपलब्ध भोजन की लोगों में जानकारी बढ़ गई है। यद्यपि 'फास्ट फूड' बहुत स्वादिष्ट और सुविधाजनक होता है लेकिन यह स्वास्थ्यकर नहीं होता। बहुत से बच्चे मोटापे और अनेक रोगों से ग्रस्त हो रहे हैं।

161. 'बर्गर, पिज्जा, चिप्स' को कहा जाता है–

(A) स्वास्थ्यकर भोजन

(B) तुरन्त भोजन

(C) स्वादिष्ट भोजन

(D) फास्ट फूड

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

161. (D) बर्गर, पिज्जा तथा चिप्स को फास्ट फूड कहा जाता है।

162. इस अनुच्छेद के माध्यम से लेखक हमें बताना चाहता है कि–

(A) परिवार के साथ बैठकर भोजन करें
(B) बच्चे घर का बना खाना पसन्द नहीं करते
(C) फास्ट फूड स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है
(D) आजकल अधिक–से–अधिक लोग काम करते हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

162. (C) फास्ट फूड स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है।

163. शब्द 'मोटापा–ग्रस्त' का अर्थ है–

(A) बहुत पतला (B) बहुत लम्बा
(C) बहुत भद्दा (D) बहुत मोटा

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

163. (D) शब्द 'मोटापा–ग्रस्त' का अर्थ है–बहुत मोटा।

164. पुराने जमाने में लोग स्वस्थ होते थे, क्योंकि वे–

(A) होटलों और रेस्तराओं में अनेक प्रकार का भोजन करते थे
(B) वे घर में बना ताजा और पौष्टिक खाना खाते थे
(C) केवल ताजे फल और सब्जियाँ खाते थे
(D) एक परिवार के रूप में साथ खाते थे

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

164. (B) क्योंकि वे घर में बना ताजा और पौष्टिक खाना खाते थे।

165. "आज यह बदल गया है।" 'यह' शब्द का तात्पर्य है–

(A) भोजन (B) विचार
(C) चलन (D) ये सभी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

165. (D) ये सभी।

अनुच्छेद-5

बसंत से ग्रीष्म तक खोजी मधुमक्खियाँ मधुरस, पराग और जल के सम्भावित स्रोतों को चारों ओर ढूँढती रहती हैं। मधुरस के स्रोतों की ओर खोजी मक्खी दृश्य और गंध दोनों से आकृष्ट होती हैं। इन दोनों में भी गंध का सबसे अधिक बाध्यकारी प्रभाव होता है। गंध की सहायता से किसी सम्भावित क्षेत्र की ओर आकृष्ट हो जाने के बाद भी वहाँ पहुँचने का अन्तिम निर्णय फूलों के आकार और रंग पर निर्भर करता है। फूलों की बहुत–सी प्रजातियों की पंखुड़ियों पर गंध के मार्गदर्शक होते हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान एक फ्रांसीसी मधुमक्खी पालक ने अपने संदेश ले जाने के लिए मधुमक्खियों का उपयोग किया था। संदेश पर्ची मक्खी के वक्ष के ठीक नीचे संलग्न होती थी, अन्यथा मक्खी का संतुलन बिगड़ जाता और वह उड़ नहीं पाती।

166. 'आकर्षण' का विलोम शब्द है–

(A) ललचाना (B) भटकाना
(C) विकर्षण (D) विवेकी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

166. (C) शब्द 'आकर्षण' का विलोम शब्द है–विकर्षण।

167. संदेशवाहक के रूप में मधुमक्खियों का उपयोग करने पर संदेश पर्ची–

(A) कभी गंतव्य तक नहीं पहुँचती थी
(B) इसके सिर पर जोड़ी जाती थी
(C) गिर जाया करती थी
(D) छाती से संलग्न होती थी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

167. (D) सन्देश पर्ची मधुमक्खी के वक्ष के ठीक नीचे होती थी। अतः विकल्प (D) सही है

168. संदेश पर्ची को सावधानीपूर्वक मधुमक्खियों से संलग्न किया जाता था, अन्यथा–

(A) वह असंतुलित हो जाती
(B) उसके पंख गिर पड़ते
(C) उसकी दृष्टि बाधित हो जाती
(D) वह मक्खी के लिए बहुत भारी हो जाता

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

168. (A) वह असन्तुलित हो जाती थीं।

169. फूल खोजी मधुमक्खी का मार्गदर्शन .... द्वारा करते हैं।

(A) गंध और रंग (B) आकार और रंग
(C) गंध और दृश्य (D) मधुरस और पराग

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

169. (C) रिक्त स्थान में 'गंध और दृश्य' का प्रयोग सही है।

170. गंध के मार्गदर्शक स्थित होते हैं–

(A) पराग पर (B) पंखुड़ियों पर
(C) मधुरस पर (D) पत्तियों पर

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2013

170. (B) फूलों की बहुत–सी प्रजातियों की पंखुड़ियों पर गंध के मार्गदर्शक स्थित होते हैं।

निर्देश (प्रश्न संख्या 171 से 195 तक)

इस खण्ड में पाँच अनुच्छेद हैं। प्रत्येक अनुच्छेद पर पाँच–पाँच प्रश्न हैं। प्रत्येक अनुच्छेद को सावधानी से पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर दिए गए हैं, जिनकी क्रम संख्या (A), (B), (C) तथा (D) क्रम दिया गया है। इनमें से केवल एक उत्तर ही सही है। आपको सही उत्तर चुनना है।

अनुच्छेद-I

हरा रंग सुन्दर होता है। घास जिस पर हम टहलते हैं और पेड़ों के पत्ते जिनको हम प्रकृति में देखते हैं, प्रायः हरे रंग के ही होते हैं। बहुत–से पौधे भी हरे रंग के ही दिखाई देते हैं। क्या आप जानते हैं कि आप नीले और पीले रंग का मिश्रण करके हरा रंग बना सकते हैं? चूँकि आप दो मुख्य रंगों का मिश्रण करके हरा रंग बना सकते हैं, इसलिए इसे गौण रंग कहा जाता है। पृथ्वी को हानि न पहुँचाने वाले पदार्थों के निर्माण का वर्णन करने के लिए भी हरा नाम का प्रयोग किया जाता है। हरे उत्पाद प्रायः पुनः उपयोग में लाई जाने वाली सामग्री से बने होते हैं या उनसे जिन्हें कूड़े के रूप में फेंकना सुरक्षित होता है। हरा जीवन का अर्थ है पर्यावरण के अनुकूल जीवन–शैली अपनाना।

171. अनुच्छेद के अनुसार 'हरा' है–

(A) एक तेज रंग (B) एक गौण रंग
(C) एक मुख्य रंग (D) एक पादप

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

171. (B) प्रस्तुत अनुच्छेद के अनुसार हरा रंग गौण रंग कहलाता है।

172. किन रंगों को मिलाने से हरा रंग बनता है?

(A) नीला और हरा
(B) पीला और नारंगी
(C) पीला और नीला
(D) नीला और बैंगनी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

172. (C) पीले और नीले रंग के मिश्रण से हरा रंग बनता है।

173. 'हरा जीवन' से तात्पर्य है–

(A) हरे कपड़े पहनना
(B) घर को हरे रंग में रँगना
(C) पेड़ों को लगाना
(D) पर्यावरण के अनुकूल जीवन–शैली

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

173. (D) पर्यावरण के अनूकूल जीवन शैली अपनाना हरा जीवन कहलाती है।

174. 'हरे उत्पाद' हैं–

(A) खतरनाक

(B) पृथ्वी को बचाने वाले

(C) सरलता से उपलब्ध

(D) महँगे

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

174. (B) पृथ्वी को बचाने वाले।

175. 'मुख्य' शब्द का विपरीतार्थ है–

(A) उच्च (B) गौण

(C) मध्य (D) आधारभूत

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

175. (B) मुख्य शब्द का विपरीतार्थक शब्द है–गौण।

अनुच्छेद-II

एक बार डिम्पी बीमार हो गई। उसके सिर में दर्द था, उसकी नाक बह रही थी। उसकी माँ उसे डॉक्टर को दिखाने ले गई जिसने उसको कुछ दवाई दी।

दवाई लेते ही उसके मुँह से "ऊह" की आवाज निकली। उसको अचानक एक छींक आई और उसने देखा कि उसके हाथ पर कोई गन्दा–सा पदार्थ आ पड़ा है।

उसने पूछा, "तुम कौन हो?" उस गन्दे पदार्थ ने कहा, "हम बीमारी फैलाने वाले बैक्टीरिया हैं।" "हम हजारों साथियों के साथ तुम्हारे पेट में थे। तुम्हारे दवाई लेने से मेरे लाखों साथी तो समाप्त हो गए, किन्तु मैं तुम्हारी नाक में सुरक्षित रह गया और छींक के साथ तुम्हारे हाथ पर आ गिरा हूँ।"

"ओह! तुम्हीं मेरी बीमारी के कारण हो, तो बताओ कि तुम मेरे पेट में कैसे पहुँचे?" डिम्पी ने पूछा। "तुमने सड़क के किनारे जो खाना खाया था, उसी के द्वारा मैं अपने साथियों के साथ तुम्हारे पेट तक पहुँचा। तुम नहीं जानती हम यहाँ–वहाँ सब जगह रहते हैं। यदि तुम खाने के मामले में सावधानी बरततीं तो कुछ भी नहीं होता।" बैक्टीरिया ने कहा।

176. डिम्पी को डॉक्टर के पास ले जाया गया, क्योंकि–

(A) वह उसे जानती थी

(B) वह उससे मिलना चाहती थी

(C) वह बीमार थी

(D) वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

176. (C) क्योंकि डिम्पी बीमार थी।

177. उसे डॉक्टर के पास कौन ले गया?

(A) उसकी माँ (B) उसके पिता

(C) उसके मित्र (D) वह स्वयं गई

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

177. (A) डिम्पी की माँ उसे डॉक्टर को दिखाने ले गई।

178. छींक आने के बाद वह किससे बात कर रही थी?

(A) डॉक्टर से (B) अपनी माँ से

(C) बैक्टीरिया से (D) अपनी सहेली से

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

178. (C) वह बैक्टीरिया से बात कर रही थी।

179. उसके पेट में बैक्टीरिया कैसे पहुँचा?

(A) दवाओं से

(B) पानी से

(C) गन्दे हाथों से

(D) सड़क किनारे के भोजन से

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

179. (D) सड़क किनारे डिम्पी ने जो भोजन खाया था, उसी के द्वारा बैक्टीरिया अपने साथियों के साथ डिम्पी के पेट में पहुँचा था।

180. उसे कुछ नहीं होता, यदि–

(A) उसकी नाक नहीं बह रही होती

(B) वह अपनी माँ का कहना मानती

(C) वह खाने में सावधानी बरतती

(D) वह बैक्टीरिया को जानती होती

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

180. (C) बैक्टीरिया ने कहा था तुम्हें कुछ नहीं होता यदि तुम खाने में सावधानी बरतती।

अनुच्छेद-III

रवि की मामी ने जब उसके लिए सेब के आकार का मिट्टी का गुल्लक खरीदा तो वह बहुत रोमांचित था। इसमें सिक्के अन्दर डालने के लिए एक छेद था। रवि ने अपने पिताजी को कहा, "अब मैं पैसे बचाऊँगा और अपने जन्मदिन के लिए एक क्रिकेट बैट खरीदूँगा।"

रवि ने पैसे बचाना शुरू कर दिया। उसने अपनी दीवाली की खरीददारी से पैसे बचाए और गुल्लक में डाल दिए। उसने अपना जेब खर्च भी सावधानी से प्रयोग किया और इससे भी कुछ बचत की। अब उसके जन्मदिन के दो ही दिन शेष थे। रवि उदास था कि उसने क्रिकेट बैट खरीदने के लिए पर्याप्त पैसा नहीं बचाया। जन्मदिन से एक दिन पूर्व उसके पिताजी ने कहा, "अपनी माँ को बुलाओ, हम गुल्लक खोलेंगे। जब उन्होंने गुल्लक खोली तो देखा कि रेजगारी के बीच एक सौ रुपये का नोट भी था। रवि अपने पिताजी से लिपट गया और उन्हें धन्यवाद देकर बोला, "अब मैं समझा कि आपने माँ को बुलाने के लिए क्यों कहा।" खुशी–खुशी वे लोग क्रिकेट बैट खरीदने चल पड़े।

181. रवि की मामी ने उसे दिया था–

(A) उपहार (B) सेब

(C) गुल्लक (D) सौ रुपये

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

181. (C) रवि की मामी ने उसे सेब के आकार का मिट्टी का गुल्लक दिया था।

182. अपने जन्मदिन पर रवि खरीदना चाहता था–

(A) फुटबॉल (B) गुल्लक

(C) क्रिकेट बैट (D) कमीज

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

182. (C) अपने जन्मदिन पर रवि क्रिकेट बैट खरीदना चाहता है।

183. जन्मदिन से दो दिन पहले रवि उदास था, क्योंकि–

(A) उसके पास पैसा नहीं था

(B) उसके पिता ने उसे डाँटा था

(C) वह क्रिकेट बैट खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे जमा नहीं कर पाया

(D) उसका गुल्लक खो गया

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

183. (C) क्योंकि वह क्रिकेट बैट खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे जमा नहीं कर सका।

184. गुल्लक में सौ रुपये का नोट किसने डाला?

(A) रवि ने (B) रवि के पिता ने

(C) रवि की मामी ने (D) रवि की माँ ने

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

184. (B) रवि के पिता ने गुल्लक में सौ रुपये का नोट डाला था।

185. 'रोमांचित' का अर्थ है–

(A) सन्तुष्ट (B) बहुत खुश

(C) प्रसन्न (D) आभारी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

185. (B) शब्द 'रोमांचित' का अर्थ है–बहुत खुश।

अनुच्छेद-IV

प्राचीन काल में मनुष्य के पास पक्षियों को मारने के लिए धनुष–बाण भी नहीं होते थे। इसलिए वह उनके झुण्ड पर तीखे पत्थरों से निशाना लगाता था या वह पक्षियों को दानों से आकर्षित करता और उनके ऊपर जाल डाल देता था। कभी–कभी वह मुट्ठी भर दाने जमीन पर फेंक देता और कुछ खूँटे गाड़ देता जिन पर पेड़ों से इकट्ठा की हुई गोंद लगी होती, फिर वह इन्तजार करता कि पेड़ों से पक्षी उतरकर नीचे आएँ और उन

खूँटों से चिपक जाएँ। यह पक्षियों को फँसाने का बड़ा क्रूर तरीका था।

186. प्राचीन काल का मनुष्य पक्षियों को मारने के लिए किसका उपयोग नहीं करता था?

(A) धनुष–बाण का
(B) बीज और वृक्षों का
(C) चिपकने वाली खूँटियों का
(D) तीखे पत्थरों का

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

186. (A) प्राचीन काल में मनुष्य के पास पक्षियों को मारने के लिए धनुष–बाण नहीं होते थे।

187. वे पक्षियों को आकर्षित करने के लिए उन्हें दिखाते थे–

(A) गोंद (B) बीज
(C) जाल (D) पत्थर

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

187. (B) वे पक्षियों को आकर्षित करने के लिए उन्हें बीज दिखाते थे।

188. गोंद इकट्ठा की जाती थी–

(A) लोगों से (B) पौधों से
(C) पेड़ों से (D) पशुओं से

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

188. (C) गोंद पेड़ों से इकट्ठा की जाती थी।

189. पक्षियों को फँसाने का सबसे क्रूर तरीका था–

(A) उन्हें पत्थर से मारना
(B) उनके ऊपर जाल डाल देना
(C) मारने के लिए उन्हें बीज दिखाना
(D) उन्हें गोंद लगी खूँटियों से चिपकाना

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

189. (D) उन्हें गोंद लगी खूँटियों से चिपकाने वाला तरीका सबसे क्रूर था।

190. 'प्राचीन' शब्द का विपरीतार्थ है–

(A) आधुनिक (B) आजकल
(C) हाल का (D) अभी–अभी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

190. (A) 'आधुनिक' प्राचीन शब्द का विपरीतार्थक शब्द है।

अनुच्छेद-V

एक बार एक पति–पत्नी अपने एक परिचित से मिलने चले, जिसका घर कुछ दूरी पर था। जाते समय उन्हें याद आया कि रास्ते में उन्हें नदी पार जाने के लिए एक पुराना और असुरक्षित पुल पार करना पड़ेगा। पत्नी पति से कहने लगी, "हमें उस पर से बिलकुल भी नहीं जाना चाहिए।" पति ने पत्नी का समर्थन करते हुए कहा, "मान लो, यदि हमारे पार करते समय वह टूट जाता है, तो हम तो नदी में डूब जाएँगे।"

पत्नी ने कहा, "और मान लो पार करते समय किसी पुराने फट्टे पर पैर पड़ने से वह टूट जाए तो आपका पैर टूट जाएगा, तो हमारे परिवार का ख्याल कौन करेगा?" पति ने कहा, "तुम ठीक कह रही हो, हम तो भूखे मर जाएँगे।" ऐसी ही बातें चलती रहीं। दोनों अनेक प्रकार की दुर्भाग्यपूर्ण बातें सोचते और चिन्ताएँ करते हुए जब पुल के पास पहुँचे तो देखा कि वहाँ तो पहले ही एक नया पुल बन गया है और वे सुरक्षित नदी को पार कर गए। हमें व्यर्थ चिन्ता करने और नकारात्मक बातें सोचने की आदत छोड़ देनी चाहिए।

191. पति–पत्नी घर से निकले–

(A) नदी पार करने के लिए
(B) पुराने पुल पर चलने के लिए
(C) अपने मित्र से मिलने के लिए
(D) कुछ निजी बातें करने के लिए

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

191. (C) एक बार पति–पत्नी अपने मित्र से मिलने के लिए घर से निकले। अतः विकल्प (C) सही है।

192. थोड़ी देर बाद उन्हें याद आया कि–

(A) उनका मित्र कुछ दूरी पर रहता है
(B) एक नदी को पार करना पड़ेगा
(C) नदी पर एक पुराना पुल है
(D) उन्हें तैरना नहीं आता है

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

192. (C) नदी पर एक पुराना पुल है।

193. वे सहमत थे कि उन्हें पुल पर नहीं जाना चाहिए, क्योंकि–

(A) वे नीचे गिर जाएँगे
(B) पुल टूटकर गिर सकता है
(C) दोस्त घर पर नहीं हो सकता
(D) वहाँ अँधेरा हो चुका था

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

193. (B) क्योंकि पुल टूटकर गिर सकता है।

194. पुल पर पहुँचकर उन्होंने देखा–

(A) पुल गिर चुका था
(B) एक नया पुल बनाया जा चुका था
(C) उनका मित्र उनके स्वागत के लिए आया हुआ था
(D) नदी में पानी बहुत कम था

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

194. (B) पुल पर पहुँचकर उन्होंने देखा कि वहाँ तो पहले ही एक नया पुल बन गया है।

195. 'दुर्भाग्य' का अर्थ है–

(A) बुरा भाग्य (B) डर
(C) चिन्ता (D) सुरक्षा

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2012

195. (A) दुर्भाग्य का अर्थ है–बुरा भाग्य।

निर्देश (प्रश्न संख्या 196 से 210 तक)

इस अनुभाग में **तीन** अनुच्छेद हैं। प्रत्येक अनुच्छेद पर पाँच प्रश्न हैं। प्रत्येक अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए और उस पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार सम्भावित उत्तर हैं, जिन्हें (A), (B), (C) तथा (D) क्रम दिया गया है। इनमें से केवल एक उत्तर ही सही है। आप सही उत्तर चुनकर संलग्न उत्तर–पत्रिका में प्रत्येक प्रश्न के आगे दिए गए बॉक्स में अंग्रेजी अक्षर में उत्तर लिखें।

अनुच्छेद - 1

पिछली गर्मियों में पिताजी, माँ, राज और तारा गोवा में एक समुद्रतट पर गए। वहाँ वे तैरे, मछलियाँ पकड़ीं, बालू के महल बनाए और नाव पर सैर की। माँ एक पिकनिक लंच लेकर आई थीं। उन्होंने रेत पर कंबल बिछाया और सैंडविच, आलू चिप्स, सेब और कुकीज परोस दीं। वे बोतलों में नींबू पानी भी लेकर आई थीं। बाद में राज और तारा ने रेत का महल बनाया और समुद्रतट पर टहलने लगे। उन्होंने केकड़ों को तिरछे चलते देखा। एक कुत्ता उन पर भौंक रहा था। तट पर एक स्टारफिश भी बहकर आ गई थी। राज ने रोटी के कुछ टुकड़े हवा में उछाले ताकि सी–गल उन्हें खा सकें। उसके बाद परिवार होटल में लौट आया और राज तथा तारा सोने तक वीडिया गेम्स खेलते रहे।

196. उनकी माँ ने क्या किया?

(A) कंबल बिछाया
(B) कपड़े धोए
(C) पुस्तक पढ़ी
(D) तैरने चली गईं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2011

196. (A) उनकी माँ ने रेत पर कम्बल बिछाया।

197. नींबू पानी किसमें लाया गया था?

(A) कनस्तरों में (B) मगों में
(C) बोतलों में (D) जारों में

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2011

197. (C) नींबू पानी बोतलों में लाया गया था।

198. एक आवारा कुत्ता भौंक रहा था—

(A) राज और तारा पर

(B) सी–गल पर

(C) स्टार फिश पर

(D) केकड़ों पर

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2011

198. (D) एक आवारा कुत्ता केकड़ों पर भौंक रहा था।

199. तारा का परिवार किस समुद्रतट पर गया?

(A) मरीना (B) एलियट्स

(C) गोवा (D) मरीन ड्राइव

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2011

199. (C) तारा का परिवार गोवा में एक समुद्र तट पर गया था।

200. राज और तारा ने—

(A) सीपियाँ बटोरीं (B) रेत का महल बनाया

(C) खाना पकाया (D) तैराकी की

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2011

200. (B) राज और तारा ने रेत (बालू) के महल बनाये।

अनुच्छेद - 2

हाथी घास, पत्तियाँ, जंगली फल और बाँस के कल्ले खाते हैं। वे बहुत सारा पानी पीते हैं। वे अपनी सूँड़ में पानी भरकर उसे अपने मुँह में उड़ेल देते हैं। वे दिन में कम–से–कम दो बार किसी नदी या झील में जाते हैं। उन्हें नहाना बहुत अच्छा लगता है। वे सूँड़ में पानी भर लेते हैं और उसे अपने शरीर पर बिखरा देते हैं। हाथियों के बारे में एक खास बात यह है कि वे दौड़ नहीं सकते। हाँ, ये तेज चल सकते हैं। इनकी चाल लगभग 13 किमी प्रति घंटा होती है। ये अपनी चाल 24 किमी प्रति घंटा तक बढ़ा सकते हैं। यद्यपि हाथी कूद नहीं सकता, पर यह तैर सकता है।

201. हाथियों को अच्छा लगता है—

(A) नहाना (B) खेलना

(C) सोना (D) खाना

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2011

201. (A) हाथियों को नहाना अच्छा लगता है।

202. हाथी......... नहीं सकता।

(A) चल (B) दौड़

(C) मुड़ (D) बैठ

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2011

202. (B) रिक्त स्थान में 'दौड़' का प्रयोग उचित है।

203. 'खास' शब्द का अर्थ है—

(A) विशेष (B) सामान्य

(C) अनहोनी (D) असामान्य

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2011

203. (A) 'खास' शब्द का अर्थ है–विशेष।

204. हाथी क्या खाते हैं?

(A) चावल और रोटी

(B) घास, पत्तियाँ और जंगली फल

(C) छोटे जीव

(D) कीचड़ और पानी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2011

204. (B) हाथी घास, पत्तियाँ, जंगली फल और बाँस के कल्ले खाते हैं।

205. हाथियों को क्या पीना पसंद है?

(A) कैंपाकोला (B) फलों का रस

(C) पानी (D) दूध

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2011

205. (C) ये (हाथी) बहुत सारा पानी पीना पसन्द करते हैं।

अनुच्छेद - 3

जब द्रोण की भेंट कुरु राजकुमारों से हुई तब वे हस्तिनापुर जा रहे थे। राजकुमारों की गेंद एक पुराने कुएँ में जा गिरी थी और वे उसे निकाल नहीं पा रहे थे। उन्होंने द्रोण से सहायता करने को कहा।

द्रोण ने राजकुमारों से पूछा, क्या वे तीर चलाना जानते हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने धनुर्विद्या सीखी तो है, पर उससे कुएँ से गेंद निकालने में क्या मदद मिलेगी।

द्रोण ने कहा, "मैं तुम्हें बताता हूँ।" उन्होंने आस-पास से घास की कुछ तीलियाँ चुनीं। फिर एक तीली को तीर की भाँति सीधा कुएँ में फेंका। यह गेंद से जा लगी। उसके बाद द्रोण ने एक–एक कर कई तीलियाँ फेंकीं। प्रत्येक तीली अपने से नीचे वाली तीली के पीछे जुड़ती गई। शीघ्र ही एक लड़ी बन गई। द्रोण ने उस लड़ी का सिरा पकड़कर गेंद को बाहर निकाल दिया।

कुरु राजकुमार चकित रह गए। उन्होंने द्रोण से आग्रह किया कि वे उनके साथ ही रहें और उनके गुरु बन जाएँ। द्रोण राजी हो गए। बहुत जल्दी छोटे राजकुमारों ने धनुर्विद्या सीख ली और धनुष–बाण चलाने में निपुण हो गए।

206. धनुर्विद्या किसे कहते हैं?

(A) धनुष बनाने की कला

(B) कुएँ से गेंद निकालने की कला

(C) धनुष–बाण से निशानेबाजी की कला

(D) समस्या समाधान करने की कला

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2011

206. (C) धनुष–बाण से निशोनबाजी की कला को धनुर्विद्या कहते हैं।

207. अनुच्छेद में 'तीली' शब्द का अर्थ क्या है?

(A) तेज चाकू

(B) पेंसिल नुकीली बनाने का उपकरण

(C) घास की एक छोर से तीखी नुकीली डंडी

(D) दाढ़ी बनाने का तेज औजार

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2011

207. (C) प्रस्तुत अनुच्छेद में शब्द 'तीली' का अर्थ है–घास की एक छोर से तीखी नुकीली डण्डी।

208. राजकुमार चकित क्यों रह गए?

(A) द्रोण धनुर्विद्या में निपुण थे

(B) द्रोण ने गेंद में तीर मारा

(C) द्रोण ने तीलियाँ कुएँ में फेंककर लड़ी बनाई और उसे खींचकर गेंद निकाल दी

(D) द्रोण ने एक तीली कुएँ में फेंककर उससे गेंद निकाल दी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2011

208. (C) क्योंकि द्रोण ने तीलियाँ कुएँ में फेंककर लड़ी बनाई और उससे खींचकर गेंद निकाली।

209. गेंद कहाँ गिर गई थी?

(A) कुएँ में (B) झील में

(C) नदी में (D) तालाब में

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2011

209. (A) गेंद कुएँ में गिर गई थी।

210. कुरु राजकुमारों ने द्रोण से सहायता क्यों माँगी?

(A) वे उन्हें अच्छी तरह जानते थे

(B) वे जानते थे वे धनुर्विद्या में निपुण हैं

(C) उन्होंने समझा वे उनसे बड़े हैं इसलिए गेंद निकालना जानते होंगे

(D) उन्हें लगा वे तैरना जानते होंगे और कुएँ में कूदकर गेंद ले आएँगे

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2011

210. (C) क्योंकि उन्होंने समझा वे उनसे बड़े हैं इस लिए गेंद निकालना जानते होंगे।

निर्देश (प्रश्न संख्या 231 से 245 तक)

इस अनुभाग में तीन गद्यांश हैं। प्रत्येक गद्यांश पर पाँच प्रश्न हैं। प्रत्येक गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उस पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर चुनिए और उत्तर पुस्तिका में हर प्रश्न के आगे दिए गए बॉक्स में अंग्रेजी अक्षर में उत्तर लिखिए।

गद्यांश 1

अफ्रीका में तेजी से फैल रही केले की दो बीमारियाँ लगभग 3 करोड़ लोगों के लिए संकट बन रही हैं जो भोजन और आमदनी के लिए इस फल पर निर्भर हैं तेजी से फैल रही इस बीमारी को रोकने के लिए वैज्ञानिकों ने नीति निर्माताओं के साथ एक आपात बैठक की। उन्होंने पाया कि यह बीमारी असाध्य है इसलिए उन्होंने सशक्त उपाय करने का परामर्श दिया जैसे केले के बड़े–बड़े खेतों की खुदाई करना, कीटनाशकों का छिड़काव करना अथवा पौधों को जला देना। उन्हें लगा कि यदि समय पर कदम न उठाए गए तो यह बीमारी महामारी की भाँति फैल जाएगी और 90% फसल बर्बाद हो जाएगी।

211. निम्नलिखित में से किस वाक्य में 'सशक्त' शब्द का प्रयोग अवतरण में प्रयुक्त वाक्य के अर्थ में हुआ है ?

(A) अमेरिका से लौटने पर उसे कोई नहीं पहचान पाया क्योंकि उसमें सशक्त परिवर्तन हो गया था

(B) स्वाइन फ्लू फैलने पर बीमारी को फैलने से बचाने के लिए सरकार को सशक्त कदम उठाने पड़े

(C) आग इतनी सशक्त थी कि देखते ही देखते सारा भवन राख में बदल गया

(D) गाँव में फैक्ट्री बन जाने के बाद लोगों के जीवन में सशक्त परिवर्तन हो गया।

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2010

211. (B) सशक्त का तात्पर्य है–कठोर या शक्ति के साथ।

212. महामारी का आशय है–

(A) बहुत शीघ्र फैलने वाला रोग

(B) सूखा

(C) पौधों के इलाज का एक तरीका

(D) केवल मनुष्यों पर आक्रमण करने वाला।

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2010

212. (A) महामारी का आशय है–बहुत शीघ्र फैलने वाला रोग।

213. लेखक ने क्यों कहा कि केले की बीमारी लोगों के लिए संकट बन रही थी?

(A) यह जल्दी ही लोगों में फैल जाएगी और उन्हें मार देगी

(B) यह जल्दी ही फसल बर्बाद कर देगी जो लोगों के भोजन और आमदनी का साधन है

(C) पेड़ विषाक्त हो जाएँगे

(D) इससे लोगों में संक्रमण फैल जाएगा

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2010

213. (B) क्योंकि यह जल्दी ही फसल बर्बाद कर देगी जो लोगों के भोजन और आमदनी का साधन है।

214. वैज्ञानिकों ने आपात बैठक क्यों की ?

(A) समस्या का समाधान ढूँढ़ने के लिए

(B) सरकार को बताने के लिए कि उन्होंने बीमारी का इलाज ढूँढ़ लिया है

(C) सरकार से कोई पुरस्कार पाने के लिए

(D) सरकार को बताने के लिए कि समस्या बड़ी गम्भीर है।

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2010

214. (A) तेजी से फैल रही इस बीमारी को रोकने के लिए वैज्ञानिकों ने नीति–निर्माताओं के साथ आपात बैठक की।

215. बीमारी की रोकथाम के लिए वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया कि–

(A) सभी लोगों को किसी अन्य स्थान पर बसाया जाए

(B) लोगों को आजीविका के लिए कुछ भिन्न रोजगार दिए जाएँ

(C) लोग खेतों में कुछ अन्य फसल उगाएँ

(D) सभी प्रभावित पौधों को जला दिया जाए या उन पर कीटनाशक छिड़का जाए।

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2010

215. (D) इस बीमारी की रोकथाम के लिए वैज्ञानिक ने परामर्श दिया कि सभी प्रभावित पौधों को जला दिया जाए या उन पर कीटनाशक छिड़का जाए।

गद्यांश 2

जौहरी ने जब अपनी दुकान से बाहर गली में झाँका तो सुरुचिपूर्ण ढंग से कपड़े पहने एक महिला को कार से उतरते देखा। अपने पालतू जानवर के साथ आगे बढ़कर जब उस महिला ने दुकान की घण्टी बजाई तो जौहरी ने उसे उत्सुकता से अन्दर आने दिया। एक घण्टे बाद यह उत्सुकता मन्द पड़ गई। उस महिला ने बड़ी सावधानी से अपने सामने काउण्टर पर रखी हीरों की प्रत्येक ट्रे को देखा पर हर बार उसने सिर हिला दिया और कुछ और दिखाने के लिए कहती रही। अन्त में उसने ट्रे–5 को एक बार फिर दिखाने के लिए कहा। भीतर से जौहरी खुश हुआ कि उस ट्रे में सबसे कीमती हीरे रखे थे। जब वह ट्रे को लाया तो महिला उत्तेजना से आगे बढ़ी और ट्रे पर झपटी जिससे चमचमाते हुए हीरे चारों ओर बिखर गए। महिला ने अफसोस जताया और जौहरी कातर दृष्टि से देखने लगा। महिला ने गिरे हुए हीरों को उठाने में सहायता की। इस बीच उसने अपने पर्स से एक बिस्कुट निकाला और कुत्ते को खिला दिया। जब जौहरी आखिरी हीरे को भी उठा चुका तो उसे कुछ ऐसा अनुभव हुआ जिससे उसके दिल की धड़कन थम गई। उसका 5 कैरेट का कीमती हीरा गायब था। उत्तेजित होकर उसने पूरे फर्श पर देखा पर सब व्यर्थ। तब उसने उस महिला को सन्देह की दृष्टि से देखा और पुलिस बुला ली। जौहरी ने आग्रह किया कि उक्त महिला की तलाशी लें। उन्होंने वैसा ही किया पर उन्हें कुछ नहीं मिला। जौहरी समझ गया कि उक्त महिला ने उसे ठग लिया है।

216. तब उसने महिला को **सन्देह की दृष्टि से** देखा। इस रेखांकित पद का क्या आशय था ?

(A) उसने महिला को देखा क्योंकि वह सभ्य औरत नहीं है

(B) उसने महिला को गुस्से से देखा क्योंकि उसने ट्रे गिरा दी थी

(C) उसने ऐसी नजर से देखा कि जैसे महिला ने कोई गलती की है

(D) उसने दु:खी मन से महिला को देखा क्योंकि पुलिस ने उसे पकड़ लिया था

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2010

216. (C) वाक्य में प्रयुक्त रेखांकित वाक्यांश का तात्पर्य है–उसने ऐसी नजर से देखा कि जैसे महिला ने कोई गलती की है।

217. पुलिस को बुलाया गया क्योंकि ?

(A) महिला ने ट्रे को गिरा दिया था

(B) वह अपने कुत्ते को भी साथ ले आई थी और उसमें कोई मर्द नहीं था

(C) एक पाँच कैरेट का हीरा गायब हो गया था

(D) महिला ने हीरों को खुलवाया और कुछ भी नहीं खरीदा

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2010

217. (C) क्योंकि ट्रे–5 से एक 5 कैरेट का हीरा गायब हो गया था।

218. जौहरी ने महिला को अन्दर आने देने में उत्सुकता क्यों दिखाई ?

(A) क्योंकि उसने सुरुचिपूर्ण ढंग से कपड़े पहने थे

(B) क्योंकि उसने घण्टी बजाई

(C) क्योंकि उसके पास पालतू जानवर भी था

(D) क्योंकि वह सुन्दर थी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2010

218. (A) क्योंकि उस महिला ने सुरुचिपूर्ण कपड़े पहने थे।

219. उक्त अवतरण में ट्रे–5 महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि ?

(A) इसमें चमचमाते हीरे थे

(B) जो भी इसमें था, फर्श पर बिखर गया

(C) महिला ने अफसोस जताया और जौहरी घबरा गया

(D) यह ट्रे जौहरी को प्रिय थी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2010

219. (A) क्योंकि इसमें चमचमाते हुए हीरे थे। इसलिए ट्रे–5 महत्वपूर्ण थी।

220. अवतरण में 'काउन्टर' शब्द का क्या अर्थ है ?

(A) ऐसी वस्तु जिस पर आप गिनती करते हैं

(B) ताश खेलते समय काम आने वाला रुपया

(C) किसी बात का विरोध

(D) एक लम्बी सपाट सतह जिस पर रखकर चीजें बेची जाती हैं

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2010

220. (D) प्रस्तुत अवतरण में शब्द काउण्टर का अर्थ है–एक लम्बी सपाट सतह जिस पर रखकर चीजें बेची जाती हैं।

गद्यांश 3

वर्ष 2007 में भारत अरबपति देशों के वैभव में शामिल होने वाला 11वाँ राष्ट्र बन गया। यह अपनी ही पीठ थपथपाने का अवसर था, परन्तु विशेषज्ञों का मानना है कि हमने अपने आपको कुछ जल्दी ही बधाई दे दी है। देश आज भी गरीबी, बीमारी, जाति, वर्ग भेद और ऐसी अनेक बुराइयों से पीड़ित है, इसलिए यह हम सबके लिए लज्जा की बात है।

221. निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में 'बुराई' शब्द अवतरण में प्रयुक्त वाक्य के अर्थ में हुआ है।

(A) रावण बुराइयों वाला राजा था

(B) बाल विवाह एक बुराई है

(C) दूसरों को सताते हुए हम बुराई वाले तरीके अपनाते हैं

(D) माता–पिता के विरुद्ध बोलना बुराई वाला काम है

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2010

221. (B) शब्द 'बुराई' का अर्थ है–बुरा होने का भाव अर्थात् वह तत्व जिसके फलस्वरूप किसी को बुरा कहा जाता है।

222. लेखक के अनुसार भारत के लिए लज्जा की बात क्या है ?

(A) भारत बहुत जल्दी अमीर बन गया

(B) देश आज अनेक बुराइयों से पीड़ित है

(C) केवल कुछ लोग ही अमीर बने हैं

(D) सरकार ने सबको रोजगार नहीं दिया

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2010

222. (B) लेखक के अनुसार लज्जा की बात यह है कि देश आज अनेक बुराइयों से पीड़ित है।

223. जब लेखक कहता है कि 'हमने अपने आपको कुछ जल्दी ही बधाई दे दी' तो उसका आशय है कि–

(A) भारत ने बहुत सुबह एक–दूसरे को बधाई दी

(B) भारत को धनी देशों में गिने जाने का गर्व था

(C) हमें तभी खुशी मनानी चाहिए जब देश में कोई गरीब न हो

(D) लोगों को देर शाम को ही एक–दूसरे को बधाई देनी चाहिए थी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2010

223. (C) प्रस्तुत गद्यांश के अनुसार इसका आशय है कि हमें तभी खुशी मनानी चाहिए जब देश में कोई गरीब न हो।

224. लेखक द्वारा प्रयुक्त किन शब्दों का अर्थ है ? 'प्रसन्नता अनुभव करना'

(A) अपनी पीठ थपथपाना

(B) कुछ जल्दी ही बधाई देना

(C) भारत खरबपति देशों के वैभव में शामिल होने वाला 11वाँ देश बन गया

(D) देश अब भी गरीबी से पीड़ित है

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2010

224. (A) वाक्यांश 'अपनी पीठ थपथपाना' का अर्थ है–प्रसन्नता अनुभव करना।

225. वर्ष 2007 में कौन–सी महत्वपूर्ण घटना घटी ?

(A) भारत ने 11 देशों को एक खरब डॉलर का ऋण दिया

(B) भारत एक खरब डॉलर ऋण लेने वाला 11वाँ देश बना बया

(C) भारत 11 सम्पन्न देशों में आ गया जिनके पास एक खरब से अधिक डॉलर थे

(D) भारत 11वाँ देश बन गया जहाँ कोई गरीब नहीं रहा

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2010

225. (C) भारत 11 सम्पन्न देशों में आ गया जिनके पास 1 खरब से अधिक डॉलर थे।

निर्देश (प्रश्न संख्या 226 से 245 तक)

इस अनुभाग में चार गद्यांश दिए गए हैं। प्रत्येक गद्यांश के बाद पाँच प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके बाद दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर दिए गए हैं जिन पर (A), (B), (C) और (D) क्रमाक्षर अंकित हैं। इन उत्तरों में केवल एक ही सही है। आपको सही उत्तर पहचानना है और उसके साथ दिए गए क्रमाक्षर पर घेरा (◯) लगाना है।

गद्यांश 1

पाण्डव भाइयों ने बारह वर्ष की लम्बी अवधि वनवास में व्यतीत की। एक दिन युधिष्ठिर को लगा कि उसके भाई बहुत नाखुश और बेचैन हैं। इसलिए उन्होंने प्रत्येक के लिए एक कार्य निर्धारित किया। उन्होंने जंगल के छोर पर अवस्थित जादुई जलाशय से बर्तन में पीने का पानी भर लाने को कहा। उन्होंने कहा, ''जो व्यक्ति इस कार्य को सबसे पहले करेगा उसे विजेता घोषित किया जाएगा और उस दिन के लिए वह पूरी टोली का नेता होगा।''
चारों भाई एक साथ जलाशय की ओर निकल पड़े लेकिन नकुल वहाँ पहुँचने वाला पहला व्यक्ति था। वहाँ जलाशय का पानी सूर्य की रोशनी में स्वच्छ एवं दीप्त दिख रहा था। उसे तत्काल अपने बर्तन में भरने के पहले कुछ पानी पीने का लोभ हो गया।

226. पाण्डव बन्धु घर से दूर रहे–

(A) एक साल तक (B) बारह वर्षों तक

(C) बारह महीनों तक (D) एक सप्ताह तक

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

226. (B) पाण्डव बन्धु घर से 12 वर्ष तक दूर रहे।

227. जब युधिष्ठिर ने अपने भाइयों को उदास देखा, तो–

(A) स्वयं उदास हो गया

(B) उन्होंने उन्हें उत्साहित करने का प्रयास किया

(C) उन्होंने उन्हें एक कार्य दिया

(D) उन्होंने उन्हें कुछ सलाह दी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

227. (C) जब युधिष्ठर ने अपने भाइयों को उदास देखा तो उन्होंने प्रत्येक के लिए एक कार्य निर्धारित किया अतः विकल्प (C) सही है।

228. विजेता वह होगा, जो—

(A) जलाशय पर पहले पहुँचेगा

(B) पानी पहले पीएगा

(C) जंगल के छोर तक जाएगा

(D) जादुई जलाशय से पीने का पानी भरकर सर्वप्रथम लाएगा

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

228. (D) विजेता वह होगा जो जादुई जलाशय से पीने का पानी भरकर सर्वप्रथम लायेगा।

229. जलाशय के पास सर्वप्रथम पहुँचे—

(A) नकुल (B) सहदेव

(C) भीम (D) अर्जुन

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

229. (A) 'नकुल' जलाशय पर पहुँचने वाले पहले व्यक्ति थे।

230. जलाशय—

(A) कीचड़ से भरा था

(B) जलकुम्भियों से भरा था

(C) सूर्य की रोशनी में चमक रहा था

(D) गंदा था

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

230. (C) जलाशय का पानी सूर्य की रोशनी में स्वच्छ एवं दीप्त दिख रहा था।

गद्यांश 2

मेरे दादा जी के पास पालतू जानवर था जिससे वे अधिक समय तक दूर नहीं रह सकते थे। दादी माँ, अधिकांश पक्षियों तथा पशुओं को सहन कर लेती थीं, लेकिन सरीसृप वर्ग के जीवों के प्रति उनकी सहन सीमा जबाव दे देती थी। दादाजी को यह जानना चाहिए था कि उन्हें अजगर रखने की अनुमति मिलने की सम्भावना बिल्कुल क्षीण थी।

वे असामान्य पालतू जीवों को खरीदने से स्वयं को रोक नहीं पाते थे। उन्होंने बाजार में एक सपेरे को चार फुट लम्बे अजगर के बच्चे के लिए, जिसे सपेरा वहाँ उत्सुक बच्चे एवं बच्चियों की भीड़ को दिखा रहा था, पाँच रुपये दिए। दादाजी ने अजगर को अपने कंधों पर लटका कर भीड़ को आकृष्ट किया और उसे लेकर घर की ओर चल पड़े।

231. दादी माँ सहन नहीं कर पाती थीं—

(A) सभी पालतू जीवों को

(B) दादा जी के जीवों के प्रति प्रेम को

(C) सरीसृप वर्ग के जीवों को

(D) पक्षियों को

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

231. (C) दादी माँ सरीसृप वर्ग के जीवों को सहन नहीं कर पाती थीं।

232. दादाजी को जानना चाहिए था कि—

(A) उन्हें पालतू जीव को रखने की इजाजत नहीं मिलेगी

(B) उन्हें अजगर को रखने की इजाजत नहीं मिलेगी

(C) पक्षियों के प्रति दादी माँ के रवैये को

(D) कुत्तों से दादी माँ के डर को

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

232. (B) कि उन्हें अजगर को रखने की इजाजत नहीं मिलेगी।

233. दादाजी खरीदने से स्वयं को कभी नहीं रोक पाते थे—

(A) घड़ियाँ

(B) दादी माँ के लिए चीजें

(C) सुन्दर वस्तुएँ

(D) असामान्य पालतू जीव

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

233. (D) दादा जी असामान्य पालतू जीवों को खरीदने से स्वयं को कभी रोक नहीं पाते थे।

234. उत्सुक बच्चे और बच्चियाँ देख रहे थे—

(A) सपेरे द्वारा प्रदर्शित अजगर को

(B) दादाजी को

(C) बंदर को

(D) सपेरे के साँपों के संग्रह को

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

234. (A) उत्सुक बच्चे और बच्चियाँ सपेरे द्वारा प्रदर्शित अजगर को देख रहे थे।

235. दादाजी ने अजगर को अपने कंधों पर लटका लिया और—

(A) उसे चिड़ियाघर ले गए

(B) उसे घर ले आए

(C) उसे बच्चों को दे दिया

(D) उसे अपने एक दोस्त को उपहार में दे दिया

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

235. (B) दादाजी ने अजगर को अपने कन्धों पर लटका कर भीड़ को आकृष्ट किया और उसे लेकर घर की ओर चल दिए।

गद्यांश 3

क्रिसमस की पूर्व संध्या थी। डिल्ला नामक युवती बैठी अपनी बचत की राशि गिन रही थी। उसने पैसों को तीन बार गिना। यह बिल्कुल ही छोटी धनराशि थी। डिल्ला अपने पति जिम के साथ क्रिसमस के सुअवसर पर कोई उपहार खरीदना चाहती थी, लेकिन जो पैसे उसके पास थे, वे बहुत ही कम थे। वह जानती थी कि इन पैसों से वह उसके (पति के) के लिए कोई सुन्दर उपहार नहीं ले सकती और अगले दिन क्रिसमस था। वह जानती थी कि उसे कुछ जरूर करना होगा। उदास हो वह खिड़की के सहारे बैठ गई और रोने लगी, क्योंकि वह इतनी गरीब थी कि वह अपने पति के लिए कोई सुन्दर क्रिसमस उपहार भी नहीं खरीद सकती थी।

236. डिल्ला थी—

(A) एक छोटी लड़की

(B) बैंक में काम करने वाली

(C) एक नवयुवती

(D) अत्यन्त निर्धन

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

236. (D) डिल्ला एक अत्यन्त निर्धन युवती थी।

237. क्रिसमस की पूर्व संध्या पर डिल्ला—

(A) उपहार का चयन कर रही थी

(B) पैसे गिन रही थी

(C) केक पका रही थी

(D) उपहार खरीद रही थी

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

237. (B) क्रिसमस की पूर्व संध्या पर डिल्ला नामक युवती अपनी बचत की राशि गिन रही थी।

238. डिल्ला ने बचत की थी—

(A) ढेर सारे रुपये (B) पर्याप्त रुपये

(C) कुछ नहीं (D) अत्यल्प रुपये

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

238. (D) डिल्ला ने अत्यल्प, अर्थात् बहुत कम रुपये की बचत की थी।

239. उसे पैसों की जरूरत थी—

(A) अपने पति के लिए उपहार खरीदने हेतु

(B) अपने पति को देने के लिए

(C) स्वयं अपने हेतु उपहार खरीदने के लिए

(D) क्रिसमस डिनर के लिए

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

239. (A) डिल्ला को अपने पति के लिए उपहार खरीदने हेतु पैसों की जरूरत थी।

240. डिल्ला रोई, क्योंकि–

(A) उसके पति ने उसके लिए कोई उपहार नहीं खरीदा

(B) कोई उसे पैसे उधार नहीं देगा

(C) उसका पति उसके साथ नहीं था

(D) अपने पति के लिए क्रिसमस उपहार खरीदने हेतु उसके पास पर्याप्त पैसे नहीं थे

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

240. (D) क्योंकि डिल्ला के पास अपने पति के लिए क्रिसमस उपहार खरीदने हेतु पर्याप्त पैसे नहीं थे।

गद्यांश 4

मुझे एक कौआ मिला, जो बच्चा और असहाय था। उसके माता–पिता की हत्या कर दी गई थी। उसका पेट बड़ा और टाँगे लम्बी थीं, लेकिन देखने में वह छोटा और मोटा था। उसकी आवाज से ऐसा लगता था जैसे मानो वह किसी बात को लेकर भुनभुना रहा था। वह किसी बूढ़े आदमी अथवा किसी नशे में धुत् व्यक्ति की तरह चल रहा था। वह एक अत्यन्त जिज्ञासु पक्षी था और सभी कुछ जानने का इच्छुक था। उसे खाने का बड़ा शौक था। उसने जंगल से घर में आने पर होने वाले परिवर्तन का कभी अनुभव नहीं किया। घर जाने के बाद पहले ही दिन घर में रखी प्रत्येक चमकीली वस्तु पर उसने अपनी चोंच मारी और इसके आसपास जितने भी फर्नीचर थे करीब सभी पर बैठा। वह इस हद तक परिवार का सदस्य बन गया कि कुछ समय बाद उसने अन्य कौओं को पहचानना भी बंद कर दिया।

241. कौआ था–

(A) बूढ़ा

(B) नशे में धुत्

(C) बच्चा

(D) दुबला–पतला

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

241. (C) कौआ एक बच्चा और असहाय था। अतः विकल्प (C) सही है।

242. कौआ को बहुत ही जिज्ञासु पक्षी कहा गया है, क्योंकि–

(A) वह हर चीज खाना चाहता था

(B) कुछ खाना चाहता था

(C) वह सब कुछ जानना चाहता था

(D) वह कुछ जानता था

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

242. (C) क्योंकि वह (कौआ) सब कुछ जानना चाहता था।

243. जंगल से जब कौए को घर लाया गया, तब–

(A) नाखुश हुआ

(B) उसने ऐसा प्रदर्शन किया मानो उसने भुनभुनाना शुरू कर दिया हो

(C) वह मोटा हो गया

(D) उसे जंगल से घर में आने पर होने वाले परिवर्तन का अनुभव नहीं हुआ

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

243. (D) तब उसे जंगल से घर में आने पर होने वाले परिवर्तन का अनुभव नहीं हुआ।

244. घर में आगमन के पहले दिन कौए ने–

(A) उड़कर भागने का प्रयास किया

(B) फर्नीचर पर धावा बोला

(C) सब चीजों को चोंच मारी

(D) चमकीली चीजों पर चोंच मारी और सभी फर्नीचरों पर बैठा

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

244. (D) घर में आगमन के पहले ही दिन कौए ने घर में रखी प्रत्येक चमकीली वस्तु पर चोंच मारी और सभी फर्नीचर पर बैठा।

245. वह परिवार का इस हद तक अंग बन गया था कि–

(A) उसने अन्य कौओं को पहचानना बन्द कर दिया था

(B) उसने उनके समान बोलना शुरू कर दिया था

(C) उन पर भुनभुनाता था

(D) उसके ऊपर बैठता था

जवाहर नवोदय विद्यालय (प्रवेश परीक्षा) (कक्षा–VI) 2009

245. (A) कि उसने अन्य कौओं को पहचानना बन्द कर दिया।

❐❐